HRA AN USIUM The Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 6]

नई विल्ली, शनिवार, फरवरी 9, 1980 (माघ 20, 1901)

No. 6]

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 9, 1980 (MAGHA 20, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it my be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 29 नवम्बर 1979

सं० ए०-32013/1/79-प्रशा० I—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में निम्निलिखित श्रिधकारियों को उनमें से प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट श्रविध के लिए श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय मिचवालय सेवा के ग्रेड I में तदर्थ श्राधार पर श्रवर मिचव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:—

क्रम नाम	स्रवधि -
सं०	
सर्वश्री	
1. ग्रार० एन० खुराना (ग्रनुभाग	1-10-79 से 19-11-79
श्रधिकारी)	तक
2. एम० ए० गणपति राम (के०	1-10-79 से 3-11-79
स० स्टे० से० का ग्रेड क)	तक
3. टी० एम० कोकिल (के० म०	25-9-79 से 23-11-79
स्टे० से० का ग्रेड क)	तक
4. एस० श्रीनिवासन (श्रनुभाग	3-10-79 से 23-11-79
भ्र धिकारी)	तक
	·····

दिनांक 27 दिसम्बर 1979

सं० ए०-11016/1/76-प्रणा० III—संघ लोक सेवा श्रायोग के के० स० से० संवर्ग के अनुभाग श्रधिकारी श्री के० एल० सूरी को राष्ट्रपति द्वारा 14 दिसम्बर, 1979 से 29-2-1980 तक या श्रागामी श्रादेणों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में डेस्क श्रफसर का कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. श्री के० एल० सूरी को कार्मिक तथा प्रणा० सुधार विभाग के का० झा० सं० 12/1/74-के०स०(1) दिनांक 11-12-1975 की शर्तों के श्रनुसार 75/- रुपये प्रतिमास विशेष वेतन मिलेगा।

सं० ए०-11016/1/76-प्रशा० III—संघ लोक सेवा फ्रायोग के के० स० से० संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जीत राम को राष्ट्र-पति द्वारा शुरू में 21-12-79 से 29-2-80 तक की भ्रवधि के लिए श्रनुभाग श्रधिकारी के पद पर म्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए०-32013/3/79-प्रणा० I— संघ लोक मेवा म्रायोग में के० म० से० संवर्ग के स्थायी ग्रेष्ठ I म्रिधिकारी तथा उसी संवर्ग में भवर सचिव के रूप में कार्यरत श्री बी० एस० जौली को, राष्ट्र-पित द्वारा 6 नवम्वर 1979 से 31 दिसम्बर, 1979 तक की म्रविध के लिए, म्रथवा भ्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ

लोक सेवा भ्रायोग के कार्यालय में के० स० सेवा के चयन ग्रेड में उप सचिव के पद पर तदर्थ माधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 31 दिसम्बर 1979

सं० पी०/28-प्रशा० I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी ग्रेड-I ग्रिधकारी तथा संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में स्थाना-पन्न उप सचिव श्री बी० एस० जौली को राष्ट्रपति हारा 31-12-1979 (श्रपराह्न) से निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने के पश्चात् सरकारी सेवा से निवृत्त होने की श्रनुमित प्रदान की जाती है।

दिनांक 8 जनवरी 1980

सं० ए०-12025/1/78-प्रणा०-I—कार्मिक तथा प्रणासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 9/13/78 सी० एस० II दिनांक 26 दिसम्बर, 1979 के साथ पठित का० ज्ञा० सं० 9/13/78-सी० एस० II दिनांक 26 दिसम्बर, 1979 के प्रनुसरण में राष्ट्रपति द्वारा स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ग) श्री श्राई० एन० भर्मा को 26-12-79 (पूर्वाह्म) से श्रागामी श्रादेणों तक संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में उसी संवर्ग में विरष्ठ वैयक्तिक सहायक (के०स०स्टे० सेवा का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

किन्तु श्री ग्राई० एन० शर्मा की नियुक्ति दिल्ली हाई कोर्ट में दायर 1975 की सिविल रिट पिटीणन नं० 284 के ग्रनुसार विनियमित होगी।

सं० ए०-32014/3/79-प्रणा० I—-राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा ग्रायोग के संवर्ग में स्थानापन्न विष्ठ वैयक्तिक महायक (के० स० स्टे० सेवा का ग्रेड ख) श्री जोगिन्दर सिंह को 24-12-79 से 23-2-80 तक दो महीने की श्रविध के लिए या ग्रागामी ग्रादेशों तक जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में निजी सचिव (के० स० स्टे० सेवा का ग्रेड क) के रूप में श्रस्थायी श्रीर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 9 जनवरी 1980

सं० ए०-32013/3/79-प्रशा० I—संघ लोक सेवा ग्रायोग की समसंख्यक ग्रिधसूचना दिनांक 17-9-79 और 2-11-79 के प्रनुक्रम में राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा ग्रायोग के के० स० से० संवर्ग के स्थायी ग्रेष्ट I ग्रिधकारी श्री एस० के० बोस श्रीर श्री एम० ग्रार० भागवत को कमणः 19-11-79 श्रीर 24-11-79 से ग्रीर तीन महीने की ग्रवधि के लिए संघ लोक गेवा श्रायोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया गया है।

एस० बालचन्द्रन, श्रवर सचिव, संघ लोक सेवा भ्रायोग

गृह मन्त्रालय (कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग) केन्द्रीय फ्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1980

सं ० 20014/46/75-प्रशा०-I-—निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेने पर, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो/सामार प्रपराध स्कंध, कलकत्ता में प्रतिनियुक्त पश्चिम बंगाल पुलिस के श्रधिकारी श्री श्रार० सी० मुखर्जी, पुलिस निरीक्षक ने दिनांक 30-11-79 (श्रपराह्म) से पुलिस श्रधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य श्रपराध स्कंध, कलकत्ता के कार्यालय में श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० ए०-19021/4/78-प्रशासन-5—राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद से श्री पी० एस० हूरा, भारतीय पुलिस सेवा (पंजाब-1962) को दिनांक 1 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेश तक के लिए केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

> की० ला० ग्रोवर, प्रशासनिक श्रधिकारी (स्था०)

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार)

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1980

सं० ए०-12012/1/79-प्रशासन—निदेशक, पुलिस दूर-संचार समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) के निम्नलिखित अधि-कारियों को उक्त निदेशालय में भ्रगले आदेशों तक स्थानापन्न भ्रतिरिक्त सहायक निदेशक के पव पर वेतनमान में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- नियुक्त करते हैं:—

1. श्री एस० के० शर्मा

29-11-79 पूर्वाह्न

2. श्री एस० ग्रार० रामास्वामी

28-12-79 पूर्वाह्न

श्री एन० रामा कृष्तन

31-10-79 पूर्वाह्न

<mark>छत्नप</mark>ति जोशी, निदेशक, पुलिस दूर-संाघर

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 16 जनवरी 1980

सं० ई०-38013(3)/20/79-कार्मिक—भिलाई से स्थानांत-रित होने पर श्री ईफ्बर सिंह ने श्री ग्रार० के० भगत, सहायक कमांडेंट के स्थान पर 14 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट बी० एच० ई० एल० झाँसी के सहायक कमाँडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया तथा श्री भगत ने भिलाई में स्था-नांतरित होने पर उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० ई०-32015(1)/6/74-कार्मिक — पुनर्नियुक्ति की श्रवधि की समाप्ति पर तथा निवर्तन की श्रायु होने पर ले० कर्नल के० पार्थासारथी ने 31 दिसम्बर, 1979 के श्रपराह्म में के० औ० सु० ब० यूनिट, मद्रास पोर्ट ट्रस्ट, मद्रास, के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड दिया।

(ह०) अपठनीय महानिरीक्षक के० औ० सु० ब०

श्रम मंद्रालय (श्रम म्युरो)

विमला-171004, दिनांक 9 फरवरी 1980

सं• 23/3/79-सी•पी• आई०--दिसम्बर, 1979 में बौद्गोसिक श्रमिकों का अखिल मारतीय उपभोक्ता मृस्य सृयकांक (आधार वर्ष 1960=100) नवम्बर, 1979 के स्तर से छः अंक बढ़ कर 374 (तीन सौ चीहतर) रहा हैं। दिसम्बर 1979 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 455 (चार सौ पचपन) आताहै। आनन्द स्वरूप भारद्वाज,

संयुक्त निदेशक श्रम ब्युरो

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 जनवरी 1980

सं० 11/116/79-प्रणा०-1-1581—-राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश सिविल सेवा के श्रधिकारी श्री एच० सी० गुष्ता को तारीख 24 दिसम्बर, 1979 के ग्रपराह्न से श्रगले श्रादेशो तक जनगणना कार्य निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ में प्रतिनियक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री गुप्ता का मुख्यालय बरेली में होगा।

सं० 10/56/79-प्रणा०-I-1584—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर कार्यरत श्री बी० बी० राव को उसी कार्यालय में पूर्णत: अस्थाई और तब्धं श्राधार पर, तारीख 27 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्म से 1 वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, इनमें से जो भी श्रवधि कम हो, पद्धति विश्लेषक (सिस्टम श्रनालिस्ट) के पद पर सहुर्ष नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री राव का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।
- 3. उपरोक्त पद पर तबर्थ नियुक्ति श्री राव को पद्धति विश्ले-पक के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हुक प्रदान नहीं करेगी। तबर्थ तौर पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में विरिष्टता श्रीर श्रागे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तबर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।
- सं० 11/116/79-प्रभा०--1585—-राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश सिविल सेवा के प्रधिकारी श्री दयाराम को, तारीख 29 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्म से अगले आदेशों तक जनगणना कार्य निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ मे प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्प नियुक्त करने हैं।

श्री दयाराम का मुख्यालय भ्रागरा मे होगा।

सं० 11/116/79-प्रणा०--1588—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेण सिविल सेवा के प्रधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार को तारीख 27 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्म से ग्रगले ग्रादेणों तक जनगणना कार्य निदेणालय उत्तर प्रदेण, लखनऊ में प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री नरेन्द्र कुमार का मुख्यालय फैजाबाद में होगा।

सं० 11/116/79-प्रशा०-I-1591---राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश सिविल सेवा के श्रिधिकारी श्री मोती लाल को तारीख 29 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेशों तक जनगणना कार्य निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ में प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री मोती लाल का मुख्यालय वाराणसी में होगा।

दिनांक 18 जनवरी 1980

सं० 10/31/79 प्रणा०-I-2381—राष्ट्रपति, सूचना श्रौर प्रसारण मंत्रालय में श्रनुभाग श्रिधिकारी के पद पर कार्यरत श्री के० सी० सेठ को नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 2 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री सेठ का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 10/32/79-प्रमा०-I-2382—राष्ट्रपति, गृह मंत्रालय में श्रनुभाग श्रधिकारी के पद पर कार्यरत श्री एल० के० प्रसाद को नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 2 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा सहायक निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री प्रसाद का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 10/20/79-प्रणा०-I-2383—इस कार्यालय की श्रिधिसूचना सं० 12/5/74-म० पं० (प्रणा०-I) तारीख 5 सितम्बर, 1979 के श्रनुश्रम में, राष्ट्रपति, कलकत्ता में भारत के महापंजीकार के कार्यालय (भाषा प्रभाग) में श्रीमनी कृष्णा चौधरी की भाषा बिद के पद पर तदर्थ नियुक्ति की श्रवधि को नारीख 30 जून, 1980 तक या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरा जाए, जो भी पहले हो, इस कार्यालय की श्रिधसूचना सं० 12/5/74-म० पं० (प्रशा०-I) नारीख 28 मार्च, 1979 के पैरा 2 में बनाई गई णतीं पर सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. श्रीमती चौधरी का मुख्य(लय जलकता में होगा।

सं० 10/26/79-प्रणा०-I-2386—-राष्ट्रपति. भारतीय सांख्यिकीय सेवा के ग्रेड-I के ग्रिविकारी ठा० एम० हुल्ला की नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीक 7 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्म में ग्रंगले श्रादेशी तक, ग्रस्थाई क्षमता में उप महापंजीकार (जन्म-मृत्यु सांख्यिकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

पी० पद्म<mark>नाभ,</mark> भारत के महापंजीकार

मुद्रण निदेशालय निर्माण भवल, बी विग

नई दिल्ली-11, दिनांक 15 जनवर्र (1980

सं एस (51) प्रणासन---मुद्रण निदेशका ने भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिन्ली के लेखाकार श्री जसवन्त सिंह को भारत गरकार मुद्रणालय, अलीगढ़ में सहायक प्रबंधक (प्रणासन) के पद पर ४० 650-30-740-35-810 वर्गी-35-880-40-1000-वर्ग रोज- 40-1200 के वेतन मान में स्थानापन्न रूप में 19 अक्तूबर, 1979 के पूर्वीह्न से अगले आदेश होने तक नियुक्त किया है।

सं० एम (61) प्रशासन-II—सुद्रण निदेशक ने श्री वी० माधवन को भारत सरकार मुद्रणालय, शिमला में सहायक प्रबंधक (प्रशासन)के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन मान में स्थानापन्न रूप में 17 दिसम्बर, 1979 के अपराह्म से अगले श्रादेश होने तक नियुक्त किया है।

मदन मोहन जोणी, उप निदेशक (प्रशासन)

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनांक 10 जनवरी 1980

सं० प्रशासन-1/461—श्री श्राई० एस० कोहली (01/171) स्थानापम्न लेखा श्रिधिकारी, कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्यप्रदेश को, केन्द्रीय कर्मचारियों को पेंशन नियम 1972 के नियम 48-ए के श्रनुसार भारत सरकार के गृह मंद्रालय के कार्मिक एवं प्रशासनिक मुधार विभाग के कार्यालय आपन क्रमांक-25013/7/7-एस्टे० (ए) दिनांक 26-8-77 में निर्धारित शतों के श्रनुसार दिनांक 1-3-80 पूर्वाह्न से शासकीय सेवा से स्वेन्छिक निवृत होने की श्रनुसति प्रदान की जाती है।

(प्राधिकार:---महालेखाकार-प्रथम के भ्रादेण दिनांक 31-12-1979)

> ध्रु० च० साह, वरिष्ठ उप महालेख।कार(प्रणासन)

रक्षा मंत्रालय ग्रार्डनेंस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी, 1980

सं० 1/80/ए/एम—राष्ट्रपति जी निम्नलिखित महायक चिकित्सा श्रिधकारियों को प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तारीखों से, श्रागामी श्रादेश न होने तक, श्रार्डनेंस फैक्टरियों में नियुक्त करते हैं।

ऋम नाम एवं पद संख्या	नियुक्ति स्थान	दिनांक
 डा० कुमारी सुशीला कुमारी साहू, सहा- यक चिकित्सा ध्रधि- कारी 	·	24-7-79
 डा० के० जे० धुलिया, सहायक चिकित्सा ग्रिधिकारी 		2-8-79
 डा० (कुमारी) विमला सुब्रामितयम स्राइयर, सहायक चिकित्सा अधिकारी 		11-9-79

4. **डा० चन्दर** कान्त, सहायक चिकित्सा **प्र**धिकारी भ्रार्डनैन्स फैक्टरी, 8-10-79 श्रम्बरनाथ

> श्रो० पी० बहल, श्रपर महानिदेशक, श्रार्डनैन्स फैक्टरियां

वाणिज्य एवं नागरिक भ्रापूर्ति मंत्रालय (वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, 10 जनवरी 1980 आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/1085/75 प्रशासन "राज"/237—सेवा निवृत्ति की श्रायु होने पर, श्री पी० के० दत्त ने 31 दिसम्बर, 1979 के अपराह्म से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 15 जनवरी 1980

सं० 6/581/59 प्रशासन "राज"/260—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री एस० के० जुत्शी ने 31 दिसम्बर, 1979 के अपराह्म से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात (केन्द्रीय लाइसेस क्षेत्र) के कार्यालय, नई दिल्ली में नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सी० एस० म्रायं, उप मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात, कृते मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात

उद्योग मंत्रालय

(ग्रीद्योगिक विकास विभाग)

विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 जनवरी 1980

मं० ए०-19018(392)/79-प्रशासन (राजपत्तित)— राष्ट्रपति जी, श्री एन० ए० रामाकृष्णन को लघु उद्योग विस्तार केन्द्र, शोरानूर (केरल) में दिनांक 22 नवम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से ग्रगले आदेशों तक के लिए सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(423)/79-प्रणासन (राजपित्रत)— राष्ट्रपतिजी, श्री श्रीनल भंडाशी को लघु उद्योग विस्तार केन्द्र, जबलपुर में दिनांक 5 नवम्बर, 1979 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेशों तक के लिए सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

> महेन्द्रपाल गुप्त, उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन श्रनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1980

सं० प्र० 6/247(548)66—राष्ट्रपति, इस महानिदेशालय के श्रधीन निरीक्षण निदेशक (धातु), जमग्रेदपुर के कार्यालय सेवा ग्रुप 'ए' धातु शाखा के ग्रेड III श्री बी० एन० राजदान का सेवा से दिया गया त्यागपत्र दिनांक 18-12-79 से स्वीकार करते हैं।

(प्रणासन ग्रन्भाग-I)

दिनांक 11 जनवरी 1980

सं० प्र० 1/1(1018)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा श्रवर प्रगति श्रधिकारी श्री एस० के० बैनर्जी को दिनांक 31-12-79 के पूर्वाह्न से पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में तदर्थ ग्राधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड II) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सहायक निदेशक (ग्रेड II) के रूप में श्री एस० के० बैनर्जी की पदोन्नति पूर्णतः ग्रस्थाई ग्रीर तदर्थ ग्राधार पर होगी श्रीर उनसे श्रन्यथा वरिष्ठ श्रिधकारियों के ग्रिधकार पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ग्रीर उन्हें वर्तमान स्थानापन्न व्यवस्था के ग्राधार पर भविष्य में पदोन्नति का दावा करने का हक नहीं होगा ।

सं० प्र०1/1(1144)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, मद्रास में श्रधीक्षक श्री पाल जैबियर को दिनांक 3-10-79 के पूर्वाह्म से निरीक्षण निदेशक, मद्रास के कार्यालय में श्री के० बी० सिवरामकृष्णन जो 12-12-79 से छुट्टी पर गए हैं के स्थान पर सहायक निदेशक (ग्रेंड II) के पद पर पूर्णत: नदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 जनवरी 1980

सं० प्र०1/1(858)—महानिदेणक, पूर्ति तथा निपटान भंडार महानिरीक्षक के नियंत्रक के कार्यालय कानपुर में भंडार ग्रिधिकारी श्री जी० के० दास को दिनांक 31-12-79 के पूर्वाह्म से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (पूर्ति) (ग्रेड II) के रूप में नियमित ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं प्र0-1/1(1024)— महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में प्रयर क्षेत्राधिकारी श्री जे० के० एस० पायल को 2-1-1980 के पूर्वाह्म से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री जे० के० एस० पायल की महायक निदेशक (ग्रेष्ठ-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः श्रस्थायी श्रीर तदर्थ श्राधार पर उनसे श्रन्यथा वरिष्ठ श्रिधकारियों के ग्रिधकार पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना होगी श्रीर वर्तमान स्थानापन्न व्यवस्था से उन्हें भविष्य में पदोन्नति का दावा करने का कोई हक नहीं होगा।

सं० प्र० 1/1(1044)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में भ्रवर प्रगति अधिकारी श्री बलबीर सिंह को दिनांक 27-12-79 के पूर्वाह्म से इसी महानिदेशालय में सहायक निदेशक (ग्रेड- Π) के रूप में तदर्थ भ्राधार पर स्थानापन रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री बलबीर सिंह की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में नियुक्ति पूर्णतः ग्रन्थाई श्रीर तदर्थ ग्राधार पर होगी श्रीर उनसे श्रन्थथा वरिष्ठ श्रीधकारियों के हक पर प्रतिकृत प्रभाव डाले बिना होगी श्रीर इससे उन्हें वर्तमान स्थानापन्न व्यवस्था के ग्राधार पर भविष्य में पदोन्नति का दावा करने का कोई हक नहीं होगा।

सं० प्र० 1/1(1048)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, बम्बई में ग्रधीक्षक श्री एल० जी० काम्बले की दिनांक 19-12-79 के पूर्वाह्म से उसी कार्यालय में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड- Π) के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री एल० जी० काम्बले की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में नियुक्ति पूर्णतः श्रस्थाई तथा तदर्थ प्राधार पर अन्यथा वरिष्ठ ग्रिधिकारियों के ग्रिधिकारों पर बिना प्रति-कुल प्रभाव डाले ग्रीर उन्हें वर्तमान व्यवस्था के श्राधार पर भविष्य में पदोन्नति के लिए किसी प्रकार का हक न होने के ग्राधार पर है।

(प्रशासन म्रनुभाग-6) दिनांक 17 जनवरी, 1980

मं० ए०-17011/168/80-प्र० 6---महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी) श्रीटी० श्रार० घोष को दिनांक 13 दिसम्बर 1979 के पूर्वीह्न से श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) के रूप में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किसोर उपनिदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ।

इस्पान, खान श्रीर कीयला मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 14 जनवरी 80

सं० 455बी ए-32013 (प्र० प्र०)/78/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रधीक्षक श्री बी० के० चटर्जी को प्रशासनिक ग्रिधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, तदर्थ ग्राधार पर, केन्द्रीय क्षेत्र, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, नागपुर के प्रशासनिक ग्रिधिकारी श्री एस० दास गुप्त के ग्रवकाश रिकित के स्थान पर 8-10-1979 के पूर्वाह्म से 8-11-1979 (पूर्वाह्म) तक पदीक्षति पर नियुक्ति किया गया।

दिनांक 15 जनवरी 1980

सं० 520बी/ए-32013(प्र० प्र०)/78/19ए—-भारतीय भूवंशानिक सर्वेक्षण के प्रधीक्षक श्री ए० डी० मुखर्जी को प्रशासनिक ग्रिधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ग० के वेतनमान में, तवर्ष श्राधार पर, कोयला प्रभाग, भारतीय भूवंशीनिक सर्वेक्षण, कलकत्ता के प्रणासनिक ग्रिधिकारी श्री एम० एम० दास के श्रवकाण रिक्ति के स्थान पर 4-12-1979 के पूर्वाह्म से पदोन्नति पर नियुक्त किया गया।

बी० एस० कृष्णस्वामी महानिदेशक

म्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1980

सं० 6(112)/62-एस-I—प्राकाणवाणी, तिरुचिरापल्ली के कार्यक्रम निष्पादक श्री एस० विश्वासम वार्धक्य श्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 31 श्रगस्त, 1979 श्रपराह्न से सेवा-निवृत्त हो गए।

> नन्द कियोर भारहाज प्रशासन उपनिदेशक **कृते** महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय फिल्म समारीह निद्यालय नियम सत्ताइसवां राष्ट्रीय नियम फिल्म समारीह 1980 नई दिल्ली-110003, दिनांक 25 जनवरी 1980

सं० 1/2/79-एफ एफ डी नियम

विनियमावली

(1) सूबना त्रौर प्रसारण प्रवालण, भारत सरकारके फिल्म समारोह निदेशालय द्वाराश्चायोजित राष्ट्रीय फिल्म समारोह का श्चाप्त वाक्य सत्यम् शिवम् सुन्दरम्' है ।

इस समारोह के श्रायोजन के उद्देश्य निम्नलिखित हैं :---

- (i) कलात्मक सौंदर्य से पूर्ण तथा सामाजिक महत्वकी फिल्मों के निर्माण को प्रोत्साहन देना;
- (ii) विभिन्न क्षेत्रों की फिल्म संस्कृति के बोध एवं विवेचन में योगदान देना तथा;
- (iii) राष्ट्रीय एकता एवं संगठन की भावना को विकसित करना ।
- (2) भारत में 1979 के दौरान निर्मित, केन्द्रीय फिल्म सैंसर बोर्ड द्वारा प्रमाणन के लिए प्राप्त छौर 31 जनवरी, 1980 से पहले प्रमाणित कोई भी फिल्म जो समारोह के उद्देश्य के अनुरूप हो, इस समारोह में शामिल की जा सकती हैं। भारत सरकार द्वारा मान्य किसी भी फिल्म संस्थान द्वारा 1979 में निर्मित फिल्में इसमें शामिल हो सकती हैं, किन्तु सार्वजनिक

प्रदर्शन के लिए इन फिल्मों के मामले में भी सेंसरबोर्ड का प्रमाण पत्र स्रावस्थक है। प्रविष्टि के लिए भेजी गई फिल्में 35 मि. मी. या 16 मि. मी. गेज की होनी चाहिए। लघु फिल्मों की जम्बाई 35 मि. मी. के लिए 1000 मी. भीर 16 मि. मी. के लिए 400 मी. से स्राम तौर पर श्रधिक नहीं होनी चाहिए।

- (3) ससारीह में प्रविष्टि के रूप में भेजी गई फिल्म नियम 2 के श्रधीन बिल्कुल उसी रूप में होनी चाहिए जिस रूप में फिल्म सैंसर बोर्ड द्वारा प्रमाणित की गई हो।
- (4) कोई भी फिल्म जिसके साथ फिल्म समारोह निदेशालय का कोई पदाधिकारी किसी भी रूप में सम्बन्ध रखता हो, समारोह में शामिल नहीं हो पाएगी।
- (5) समारोह के लिए प्रविष्टि, सरकारी विभाग, सरकार द्वारा मान्य संस्थान, निजि निर्माता/निर्माता कम्पनी, कोई भी भीज सकता है। संस्थन प्रवेश पत्न (दो प्रतियों में) पूरी तरह भर कर 15 मार्च, 1980 तक हर हालत में फिल्म ममारोह निदेशालय में पहुंच जाना चाहिए।
- (6) राष्ट्रीय फिल्म समारोह में शामिल करने के लिए फिल्मों के प्रिन्ट 15 मार्च, 1980 तक फिल्म समारोह निदेशालय में प्रवश्य पहुंच जाने चाहिए। यदि संभव हो तो फिल्मों के प्रिट प्रवेश पत्नों के माथही भेज देने चाहिए। प्रिट भेजने के साथ ही प्रेषक को फिल्म का शीर्षक, भाषा, रीलों की संख्या, प्रिट कब और किम प्रकार भेजा गया, इस बारे में डाक या तार द्वारा तुरन्त सूचना दे देनी चाहिए।
- (7) फिल्म समारीह में प्रविष्ट कथाचित्र तथा लघु फिल्म से सम्बन्धित निम्नलिखित सामग्री प्रवेश पत्न के साथ निदेशालय में 15 मार्च, 1980 के पूर्व पहुंच जानी चाहिए।
 - (i) कथाचित्र के साथ श्रंग्रेजी में कथासार की 40 प्रतियां श्रीर लघु फिल्मों के साथ कमेन्टरी की 15 प्रतियां;
 - (ii) प्रचार मामग्री—छः बड्डे पोस्टर एवं छः फोटो सेटम;
 - (iii) फिल्म की मूल भाषा में स्क्रिप्ट की 5 प्रतियां तथा स्रंग्रेजी या हिन्दी में स्रनुदित स्क्रिप्ट की 5 प्रतियां,
 - (iv) निर्माता, निर्देशक एवं मुख्य कलाकारों की संक्षिप्त जीवनियां;
 - (v) निर्माता, निर्देणक एवं मुख्य कलाकारों के दो दो फोटोग्राफ ।
- (8) 35 मि. मी. 1,000 मीटर तथा 16 मि. मी. में 400 मीटर में अधिक लम्बी फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि के साथ 100 रूपए श्रीर उस से कम लम्बाई की फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि के प्रविष्टि के साथ 50 रूपए प्रवेश शुल्क भेजना होगा। यह शुल्क वापिस नहीं किया जाएगा। प्रवेश शुल्क की राशि सहायक निदेशक, फिल्म समारोह निदेशालय के नाम डिमांड ड्राफ्ट हारा स्टेट बैंक आफ इंडिया, रेल भवन, नई दिल्ली में भुगतान योग्य हो और प्रवेश पत्र के साथ पेती जानी चाहिए।
- (9) भारत सरकार द्वारा दो ज्यूरियां गठित की जायेंगी— एक कथा चित्रों के लिए, दूसरी लघु फिल्मों के लिए।

- (10) कथाचित्रों के लिए ज्यूरी का गठन निम्नलिखित हंग से होगा:---
 - (क) श्रध्यक्ष, भारत सरकार द्वारा मनोनीत श्रीर
 - (ख) कला, मानविकी श्रौर फिल्म के क्षेत्र में प्रविष्ठित क्यक्ति जिनकी संख्या 24 गेश्रधिक नहीं होगी श्रौर जो फिल्मों की विषय वस्तु, कलात्मकता धौर तकनीकी गुण दोष परखने की योग्यता रखते हों। इन सदस्यों को सरकार नामजद करेगी।
- (11) कथा चित्र ज्यूरी के ग्राध्यक्ष श्रपने विवेक से विभिन्न भाषाओं के कथा चित्रों तथा बालचित्रों को परखने हेतु ज्यूरी के सदस्यों में से श्रावण्यकतानुसार श्रलग श्रलग नामिकाएं गठित कर सकते हैं।
- (12) प्रत्येक नामिका कथाचित्रों के लिए ऊपर निर्दिष्ट छ्यूरी को पुरस्कारों के लिए उपयुक्त समझे जाने वाले प्रधिक से ग्रधिक तीन कथाचित्रों की सिफारिश श्रेष्ठता क्रम का उल्लेख किए बिना करेगी । फिर भी, नामिका की राय में यदि कोई विशिष्टि फिल्म ग्रन्य फिल्मों से नियम 24:I (VI) से (XVI) तक के ग्रन्तर्गत छ्यक्ति विशेष की एपलब्धियों के लिए नियह पुरस्कार पाने की ग्रधिकारी है, तो उस ग्रयस्था में फिल्म के शिषक के साथ विशिष्ट श्रणी भी निर्दिष्ट करनी होगी ।
- (13) तत्पश्चात् कथाचित्रों के लिए ज्यूरी विभिन्न नामिकाश्रों भीर बाल चित्रों सम्बन्धी नामिका द्वारा सिफारिश की गई सभी फिल्मों को देखेंगी तथा नियम 24:1 के अन्तर्गत विभिन्न श्रीणयों के पुरस्कारों के लिए फिल्मों की सिफारिश करेगी।
- (14) कथाचित्रों के लिए ज्यूरी सर्वप्रथम निम्नलिखत तीन पुरस्कारों के लिए फिल्मों का चयन करेगी।
 - ---सर्वोत्तम कथाचित्र, नियम 24-I (i) के अन्तर्गत ।
 --लोकप्रियता, स्वस्थ मनोरंजन तथा कलात्मक सौंदर्ये
 वाला सर्वोत्तम कथाचित्र, नियम 24:I (ii) के
 प्रन्तर्गत ।
 - -राष्ट्रीय एकता पर} सर्वोत्तम कथाचित्र, नियम 24-I (iii) के श्रन्तर्गत ।

इन पुरस्कारों के लिए चुनी गई फिल्में इन विनियमों के नियम 24-I (IV) के अन्तर्गत प्रादेशिक भाषा पुरस्कार प्राप्त करने की पान नहीं होंगी ।

- (15) लघुचित्रों के लिए ज्यूरी में श्रध्यक्ष ग्रीर 4 से ग्रिधिक सदस्य होंगे। यह ज्यूरी सरकारद्वारा गठित की जाएगी। यह ज्यूरी विनियम 24-II के श्रन्तर्गत पुरस्कार श्रेणी के लिए मिफारिण करेगी।
- (16) राष्ट्रीय फिल्म समारोह में सम्मिलित किसी भी फिल्म से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सम्बन्ध रखने वाला व्यक्ति, कथाचित्रों के लिए उथूरी धौर लघु फिल्मों के लिए उथूरी, जो भी हो, उसका सदस्य मनोनीत नहीं हो सकता।
- (17) दोनों ज्यूरिया फिल्भों को परखने हेतु ग्रपनी-ग्रानी पिकियाएं स्वयं निर्धारित करेंगी ।

- (18) दोनों ज्यूरियों का 'कोरम' मनोनीत सदस्यों की संख्या के आधे से कम नहीं होगा।
- (19) निदेशक, फिल्म समारोह निदेशालय या उनके द्वारा मनोनीत कोई भी व्यक्ति राष्ट्रीय फिल्म समारोह की योजना के बारे में श्रावक्ष्यक जानकारी और स्पर्टीकरण देने हेनु दोनों ज्यूरियों की बैठकों में भाग ले सकता है।
- (20) ज्यूरियों के सदस्य बैठकों की कार्यवाही को बिल्कुल गोपनीय रखेंगे। साथ ही, उनके काम के दौरान, उन्हें जो सामग्री उपलब्ध कराई गई है, उसका राष्ट्रीय फिल्म समारोह के परिणामों की ग्रीपचारिक घोषणा से पहलें किसी भी प्रचार माध्यम जैसे समाचार पत्न, रे।ड्यो, दूरदर्णन श्रादि के जरिए प्रचार के लिए इस्तेमाल नहीं करेंगें।
- (21) इन नियमों में निहित कोई बात कथाचित्रों की ज्यूरी तथा लघु फिल्मों की ज्यूरी के लिए यह सिफारिश करने में बाधक नहीं होगी कि किसी विशिष्ट भाषा या श्रेंणी की फिल्मों में से कोई भी फिल्म या उनके हारा परखी गई फीचर फिल्मों का कोई भी पटकथा लेखक, निर्देशक, कला निर्देशक, कैमरामैन, ग्राभिनेता, ग्राभिनेत्री, बाल ग्राभिनेता, श्रिनेह्री, पार्श्वगायक, ध्वनि ग्रालेखक, सम्पादक ग्रीर संगीत निर्देशक। पुरस्कार के लिए समुचित स्तर ा नहीं है।
- (22) यदि किसी प्रविष्ट फिल्म के पक्ष में किसी भी प्रकार की पैरवी होगी तो वह पुरस्कार के अयोग्य ठहरा दी जाएगी । यदि दोनों ज्यूरियों का कोई भी सदस्य किसी विणिष्ट फिल्म के लिए पैरवी करता हुआ पाया गया तो वह ज्यूरी की सदस्यता के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है।
- (23) दोनों ज्यूरियों के सदस्य विनियमों के प्रन्तर्गत स्वीकार्य याला भक्ते के ग्रलावा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रतियोगिता से सम्बन्धित बैठकों में उपस्थित होने प्रथवा फिल्मों के प्रीव्यू के लिए सरकार द्वारा निर्धारित परामर्श फीस पाने के हकदार होंगे ।
- (24) राष्ट्रीय फिल्म समारोह में शामिल फिल्में निम्नांकित पुरस्कारों के लिए प्रतियोगी हो सकती हैं:—

I---कथाचित्र

- (i) सर्वोत्तम कथाचित्र सर्वोत्तम कथाचित्र के निर्माता को स्वर्ण कमल तथा 40,000 रुपए का नकद पुरस्कार, निर्देशक को स्वर्ण कमल तथा 20,000 रुपए का नकद पुर-स्कार ।
- (ii) लोकप्रिय, स्वस्थ मनोरंजन श्रीर कलात्मक सींदर्य वाले १ सर्वोत्तम कथाचित्र के लिए पुरस्कार, निर्माता को स्वर्ण कमल, निर्देशक को रजत कमल ।
- (iii) राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम कथाचित निर्माता को रजत कमल तथा 30,000 रुपए का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल तथा 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार ।

यह पुरस्कार न केवल उन फिल्मों के लिए दिए जाएंगें जिनमें साम्प्रदायिक सद्भाव ग्रीर देशभ क्ति का चित्रण हो बल्कि उन फिल्मों के लिए भी दिए जाएंगे जिनमें दिलत वर्गों के उत्थान या विभिन्न क्षेत्रों के बीच एकता की भावना को दिखाया गया हो ।

- (iv) प्रत्येक प्रादेशिक भाषा के सर्वोत्तम कथाचित्र के लिए पुरस्कार निम्नलिखित भाषाग्रों में सर्वोत्तम कथाचित्र के निर्माता को रजत कमल श्रौर 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार श्रौर निर्देशक को रजत कमल श्रौर 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार :—
 - —िहिन्दी (उर्दू, हिन्दुस्तानी श्रीर भोजपुरी, राज-स्थानी तथा मैथिली जैसी बोलियों सहित), मराठी, (कांकणी सहित), गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी, सिन्धी, ग्रंग्रेजी, बंगला, श्रसमिया, उड़िया, मणिपुरी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ श्रौर मलयालम ।
- (v) सर्वोत्तम बाल फिल्म निर्माता को स्वर्ण कमल श्रीर 15,0000 रुपए का नक्षद पुरस्कार तथा निर्देणक को रजत कमल श्रीर 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार ।
- (vi) सर्वोत्तम निर्देशन मर्वोत्तम निर्देशक को रजत कमल श्रौर 20,000 रुपए का नकद पुरस्कार ।
- (vii) सर्वोत्तम स्कीन प्ले सर्वोत्तम स्कीन प्ले लेखक को रजत कमल तथा 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार ।
- (viii) सर्वोत्तम अभिनय
 - (क) सर्वोत्तम श्रभिनेता को रजत कमल तथा 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार;
 - (ख) सर्वोत्तम ग्रभिनेत्री को रजत कमल तथा 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार ;
 - (ग) सर्वोत्तम बाल ग्रभिनेता, ग्रभिनेत्री, (जिनकी ग्रायु 14 वर्ष मे ग्रधिक न हो) को रजत कमल तथा 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार।
- (ix) सर्वोत्तम फोटोग्राफी (रंगीन)

 रंगीन फिल्मों के सर्वोत्तम फोटोग्राफर को रजत

 कमल तथा 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार ।
- (x) सर्वोत्तम फोटोग्राफी (सादी) सादी फिल्मों के सर्वोत्तम फोटोग्राफर को रजत कमल तथा 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार।
- (xi) सर्वोत्तम ध्वनि ग्रालेखन सर्वोत्तम ध्वनि ग्रालेखक को रजत कमल एवं 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार।

- (xii) सर्वोत्तम संपादन सर्वोत्तम सम्पादक को रजत कमल और 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार।
- (xiii) सर्वोत्तम कला निर्देशन सर्वोत्तम कला निर्देशक को रजत कमल श्रौर 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार।
- (xiv) सर्वोत्तम संगीत निर्देशक सर्वोत्तम संगीत निर्देशक को रजत कमल ग्रौर 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार ।
- (xv) सर्वोत्तम पार्थ्वगायक सर्वोत्तम पार्थ्वगायक को रजत कमल एवं 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार ।
- (xvi) सर्वोत्तम पार्थ्वगायिका सर्वोत्तम पार्थ्वगायिका को रजत कमल एवं 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार ।

II---लघु चित्र

- (i) सर्वोत्तम सूचना फिल्म (वृत्त चिन्न)
 निर्माता को रजत कमल श्रौर 5,000 रुपए का
 नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल श्रौर
 4,000 रुपए का नकद पुरस्कार।
- (ii) सर्वोत्तम शिक्षाप्रव/ज्ञानवर्धक फिल्म इस श्रेणी में शिक्षाप्रद, ज्ञानवर्धक तथा प्रशिक्षण सम्बन्धी फिल्में शामिल होंगी । निर्माता को रजत कमल श्रौर 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल श्रौर 4,000 रुपए का नकद पुरस्कार।
- (iii) सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म (भ्रव्यावसायिक/व्यावसायिक)
 (राष्ट्रीय महत्व जैसे राष्ट्रीय एकता, सामाजिक
 न्याय, सहयोग, बचत, कृषि कार्य सहित विकास की
 प्रगतिशीलता श्रादि विषयों पर सर्वोत्तम प्रेरक
 फिल्म या सर्वोत्तम व्यावसायिक विज्ञापन फिल्में)
 निर्माता श्रीर निर्देशक को रजत कमल ।
- (iv) सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म निर्माता को रजत कमल ग्रौर 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजत कमल ग्रौर 4,000 रुपए का नकद पुरस्कार ।
- (v) सर्वोत्तम कार्टून फिल्म निर्माता को रजत कमल और 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार, कार्टूनकार 'एनिमेटर' को रजत कमल श्रीर 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार, निर्देशक को रजन कमल श्रीर 4,000 रुपए का नकद पुरस्कार ।
- () सर्वोत्तम न्यूजरील कैमरामैन सर्वोत्तम न्यूजरील कैमरामैन को रजत कमल एवं 5,000 रुपए का नकद पुरस्कार ।

(vii) सर्वोत्तम भाग्नीय समाचार चिव निर्माता को राजन क्षमल और 5,000 ग्यए का नकद पुरस्कार ।

स्पष्टीकरण

यहां पर निर्माता, निर्देशक, स्कीनप्ते, लेखक, ग्रिभिनेता, श्रिभिनेती, वाल अभिनेता/श्रिभिनेती, कैमरामैन, ध्वित शालेखक, सम्पादक, कला निर्देशक, संगीत निर्देशक तथा पार्श्वगायक/गायिक। शब्दों से शिक्षप्राय क्रमण, उस निर्माता, निर्देशक, स्कीनप्ते लेखक, अभिनेता, श्रीभिनेत्री, वाल श्रीभिनेता/श्रिभिनेती, कैमरामैन, ध्वित श्रालेखक, सम्पादय, कला निर्देशक, संगीत निर्देशक तथा पार्श्वगायक/गायिका से होगा जित्ते नामों का उल्लेख केन्द्रीय फिल्म मेंसर बोई हारा जिनिवत् प्रमाणिका पित्रोणिका में प्रतिष्ट फिल्म के शीर्वकों में होगा।

(25) बाबा साहेब फानके पुरस्कार

नियम 24 में उविशक्ति पुरस्कारों के अतिरिक्त भारतीय सिनेमा के क्षेत्र में सर्वीत्राट योगदान के लिए भारत गरकार अपने विवेक से एक विशेष पुरस्कार देगी। यह पुरस्कार एक स्वर्ण-कमल, 40,000 कवण का नकद और एक साल के रूप में होगा।

- (26) नियम 24 की श्रणी 1-(i) में (vi) के अन्तर्गत पुरस्कार जीतने वाले कथाचिव के निर्माता को अपनी फिल्म के उप णीर्षक म्ल भाषा में किसी भारतीय या विदेशी भाषा में करवाने पर केन्द्रीय सरकार द्वारा 5,000 रुपए की अतिरिक्त राणि दी जाएगी।
- (27) सरकार को यह अधिकार होगा कि वह पुरस्कारों के लिए प्रविष्ट उस फिल्म के एक प्रिंट की, जिसे पुरस्कार मिला हो, अपने पान रख संकर्णा। उस फिल्म की लागत अर्थात अर्च्च माल की लागत और उसके परिष्करण के खर्चे की प्रतिपूर्ति निर्माता को दी जाएगी, वर्णों कि प्रिंट विल्कुल नया होगा तथा पुरस्कार की घोषणा के तीन माह के अन्दर दे दिया जाए। यदि पुरस्कार घोषणा के तीन माह के अन्दर नया प्रिंट निदेशालय को नहीं दिया जाता तो निर्माता को किसी भी प्रकार की प्रतिपूर्ति नहीं दी जाएगी तथा समारोह में सस्मिलित प्रिंट को बिना किसी प्रतिपूर्ति के सरकार रख सकेगी।
- (28) यदि कोई फिल्म नियम 24 (i) से (vi) के अन्तर्गत एक से अधिक पुरस्कार पाती है तो उनके निर्माता और निर्देशक को केवल वहीं एक पुरस्कार दिया जाएगा जिलकी राणि मर्वाधिक होगी तथापि उसी निर्माता और उसी निर्देशक को विभिन्न श्रेणियों में विभिन्न फिल्मों के लिए एक से अधिक पुरस्कार दिए जा सकते हैं।
- (29) पुरस्कार के लिए प्रविष्ट फिल्मों के निर्माता को उस फिल्म को ज्यूरियों या उनकी किसी भी नामिका के सामने या सरकार द्वारा ग्रायोजित मार्वजनिक प्रदर्शन या किसी विशेष प्रदर्शन के लिए कोई ग्रापत्ति नहीं होगी । यदि इससे कोई ग्राय होगी, तो वह सरकार के राजस्व खाते में जमा करवाई जाएगी ।

- (30) फिल्म और प्रचार सामग्री के लाने व ले जाने पर जो खर्व होगा वह सारा प्रतियोगी को देना होगा।
- (31) पुरस्कारों स्नौर इन नियमों के सटी निर्वाचन का जहां तक सम्यन्ध है, केन्द्रीय भरकार के निर्णय स्रोतिम होंगे स्नौर उनके विष्ट कोई स्रपील नहीं की जा सकेगी।
- (32) जो व्यक्ति उन निषमों के अन्तर्गत फिल्म समारोह में भाग लेगा तो यह समझा जाएगा कि उने ये निषम स्वीकार है।
- (33) समारोह में प्रविष्ट फिल्में, प्रचार सामग्री ग्रौर इनसे सम्बद्धा सभी पवाचार के लिए पना —

ाफेटन सनारोह निवंगानय, योक नायक भवन (4 त्तना) खान माकिट, नई दिल्ली-110003 नार का पना : फिल्मोल्यव, नई दिल्ली ।

27वां राष्ट्रीय फिल्म समारोह 1 प्रविष्टि

(दो प्रतियों में भर कर फिल्म निदेशक, फिल्म समारोह निदेशालय, सूचना एवं प्रसारण मंदालय, लोकनायक भवन, खान मार्किट, नई दिल्ली-110003 के पास 15 मार्च, 1980 तक पहुंच जाना चाहिए)।

- 1. फिल्म का नाम
- 2. भाषा
- 3. *श्रेणी : कथाचित्र/बालचित्र/लघ् फिल्म
- 4. फिल्म की लम्बाई (मीटरों में)
- 5. चलने का समय : घंटे
 - मिनट
- शिलों की संख्या
- 7. गेज
 - 35 मि० मी०/16 मि० मी०
- 8. सादी/रंगीन
- 9. मेंसर प्रमाणपत्र की मंख्या तथा तारीख
- 10. में मर प्रमाणपत्र में फिल्म की श्रेणी (ए या य्)
- निर्माता का नाम और पूरा पता (यदि टेलीफोन नं० और तार का पता हो तो वह भी दे दें)।
- 12. निर्देशक का नाम ग्रौर पूरा पता
- 13. स्क्रीन प्ले लेखक/पटकथा लेखक का नाम ग्रौर पूरा पतः
- 14. नायक का नाम और पूरा पता
- 15. नायिका का नाम और पुरापना
- 16. 14 वर्ष से कम आयु का कोई वाल अभिनेता/ अभिनेवी हो तो उसका नाम व पुरा पता

^{*}जो लागू नहो उसे काट दें।
प्रविष्टि के लिए भेजी गई लघु फिल्म के वारे में इस
वान का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए कि लघु फिल्म
विनियम 24-(ii) के अन्तर्गत किम श्रेणी के लिए भेजी
गई हैं।

- 17. कैमरामैन का नाम और पूरा पता
- 18. ध्वित श्रालेखक का नाम श्रीर पुरा पना
- 19. संपादक का नाम ग्रौर पूरा पता
- 20. कला-निर्देशक का नाम और पूरा पता
- 21. संगीत निर्देशक का नाम श्रौर पूरा पता
- 22. पार्श्वगायक का नाम ग्रौर पूरा पता
- 23. पार्वगायिका का नाम और पूरा पता
- 24. लघु फिल्मों की श्रेणी में प्रविष्ट कार्ट्न फिल्म के एनीमेटर का नाम ग्रौर पूरा पता
- 25. रिलीज होने की तारीख
- 26. यदि फिल्म किसी दूसरी फिल्म का डव किया हुआ रूप, रूपांतर या रिटेक है तो जिस फिल्म का डव किया हुआ रूप, रूपांतर या रिटेक है उसका ब्योरा।
- 27. समारोह के बाद प्रिंट किस पते पर लौटाई जाए ? (कृपया पूरा नाम तथा पता लिखिए)।

पूरा पता दिनांक	Г		
प्रविष्टि	भेजने वाले कानाम	Ŧ	
		• • • • • • • • •	
			.,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
हस्ताक्षर	र		

एम० एल० जुनेजा, संयुक्त निदेशक, फिल्म समारोह निदेशालय

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी 1980

सं० 9-62/75-के० स०स्वा० यो०I—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, पटना से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, प्रहमदाबाद में बदली हो जाने के फलस्वरूप डा० एम० डी० गोस्वामी ने 28 नवस्वर, 1979 के ग्रपराह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, पटना के प्रधीन ग्रायुर्वेदिक कार्य चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है ग्रौर 12 दिसम्बर, 1979 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, ग्रहमदाबाद में ग्रायुर्वेदिक कार्य चिकित्सक के पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

एन० एन० घोष, उप निदेशक प्रशासन (के० स० स्वा० यो०)

ग्रामीण पुर्नानर्माण मंत्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 15 जनवरी 1980

सं० ए० 19025/10/78प्र०-III--विभागीय पदोन्नति समिति (वर्गबी), की सस्तुतियों के अनुसार निम्नलिखित ग्रधिकारियों की, जो तदर्थ ग्राधार पर सहायक विषणन π प्रधिकारी $(a^{i}I)$ के रूप में काम कर रहे हैं, तारीख 21-12-79 से ग्रगले ग्रादेश होने तक नियमित ग्राधार पर स्थानापन्न सहायक विषणन ग्राधिकारी $(a^{i}I)$ के रूप में नियुक्त किया गया है :—

- 1. श्री एस० पी० सक्सेना
- 2. श्री ए० विश्वकर्मा
- 3. श्री एम० सी० बजाज
- 4. श्री एस० एस० ग्रार० गर्मा
- 5. श्री एम० ग्रार० शुक्ल
- 6. श्री ग्रो० पी० बंसल
- 7. श्री ग्रार० सी० मिघल
- 8. श्री सी० वी० भवानीशंकरन
- 9. श्री ए० थींमस ग्रोमन
- 10. श्री पी० ग्रार० नैयर
- 11. श्री एम० के० शिवनन्दन
- 12. श्री पी० ग्रार० पदमानाभन
- 13. श्री के० के० विजयन
- 14. श्री सी० एन० ग्रानन्दकृष्णन
- 15. श्री ए० पी० गोपीनाथन कर्थ
- 16. श्री के० जी० वाघ
- 17. श्री वी० एल० वैरागर
- 18. श्री एन० जी० शुक्ल
- 19. श्री वी० ई० इडविन
- 20. श्री ग्रार० एस० सिंह
- 21. श्री बी० एन० के० सिन्हा
- 22. श्री स्नार० वी० एस० यादव
- 23 श्री एम० पी० सिंह
- 24. श्री एच० एन० राय
- 25. श्री डी० एन० राव
- 26. श्रीमती ग्रनुसूया णिवराजन

सं० ए० 19025/70/78-प्र० III—विभागीय पदोन्नति सिमिति (वर्ग बी), की संस्तुतियों के ग्रनुसार निम्नलिखित ग्रिधकारियों को, जो ग्रल्पकालीन ग्राधार पर सहायक विपणन ग्रिधकारी (वर्ग I) के रूप में काम कर रहे हैं, तारीख 21-12-1979 से ग्रगले ग्रादेशों तक नियमित ग्राधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन ग्रिधकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है:—

- 1. श्री एस० पी० शिन्दे
- 2. श्री ग्रार० सी० मंशी
- 3. श्री बी० एन० सरकार
- 4. श्री के० के० तिवारी

सं० ए० 19025/74//78-प्र० III—सहायक विपणन ग्रिधकारी (वर्ग I) के पदों पर निम्नलिखित ग्रिधकारियों

की ग्रत्यकालीन नियुक्ति को 31 मार्च, 1980 तक या जब तक कोई नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले हो, बढाया गया है ---

- 1. श्री एस० डी० काथलकर
- 2. श्री एस० के० मलिक
- 3. श्री श्रार० के० पांडे
- 4. श्री एम० जे० मोहन राव
- 5. श्री एस० सूर्यनारायण मृति
- 6. श्री एन० एस० चेलापनि राव
- 7. श्री सी० एम० गिरधर
- 8. श्री एस० ए० शमसी
- 9. श्री के० जयनन्दन

बी० एल० मनिहार, निदेशका प्रशासन कते कृषि विषणन सलाहकार भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग (परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 18 जनवरी 1980

सं० प ख प्र-।/12/79-प्रणासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेणक एतद्द्वारा श्री सोम नाथ सजदव, हिन्दी श्रनुवादक परमाणु खनिज प्रभाग को उसी प्रभाग में श्री ख्रार० एन० दे, सहायक कार्मिक श्रीधकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 1 जनवरी, 1980 के पूर्वाह्म में ने कर 29 फरवरी, 1980 के प्रपराह्म तक की अवधि के लिए पूर्णतया ग्रस्थायी तौर पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियक्त करते हैं।

एम० एस० राव वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा ऋधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 14 जनवरी, 1980

सं० भाषाप/स्था०/1/जं-6/18 4---मारी पानी परियोजना, कें, विणेष-कार्यः प्रक्षिकारी, श्री जे० एल० जैन, अस्थायी प्राणुलिपिक (वरिष्ठ), भारी पानी परियोजना (कोटा) की उसी परियोजना , अस्थायी तौर पर तदर्थ प्राधार पर, 12 नवस्वर, 1979 (पूर्वाह्म) से 13 दिसस्बर, 1979 (अपराह्म) तक श्री के० टी० जोस. सहायक कार्मिक प्रधिकारी, जो छुट्टी पर है. के स्थान पर सहायक कार्मिक श्रिधकारी नियक्त करने है।

के० शंकरनारायणन वरिष्ठ प्रशासन प्रधिकारी

श्रन्तरिक्ष विभाग सिविल डजीनियरी प्रभाग

बंगलीर-560025, दिनांक 11 जनवरी 1980

सं० 10/5(20)/78-सि० इ० प्र० (एच०)---प्रस्तरिक्ष विभाग में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता, सिवल डंजीनियरी प्रमाग क तकतीकी सहायक-मी, श्री जीठ विज्ञानियरी, जी कि इप समप विज्ञान साराभाई ग्रांतरिक केन्द्र, थुम्बा, विवेन्द्रम के इंजीनियरी ग्रानुरक्षण प्रभाग में कार्य कर रहे हैं, कि इंजीनियर एस० बीठ के पद पर स्थानाथम स्था में दिनाज 1 अस्तूबर, 1978 के पूर्वाह्म से प्रानामी जादेश तक पद्मेश्वति करते हैं ग्रौर उन्हें उसी प्रभाग में कार्य करने के लिए तैनात किया गया है।

एच० एम० रामदास, प्रणासन श्रीधकारी-I

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 13 नवम्बर 1979

संबन्ध 35018/6/79-ईंब I—न्याष्ट्रपति जी ने भ्री एमब एलब भनोट, ग्राईच पीब एतक (बर्टीन 1957) की 19अक्तूबर, 1979 से प्रथमत. एक वर्ष के लिए नासर विमानन विभाग के नासर विमानन सुरक्षा संस्टान में ६० 2000-2250 तथा रूब 200/- विशेष वेतन प्रति माह) प्रतिनिय्ति पर उपनिदेशक (सुरक्षा) के पद पर नियुक्त किया है।

> विण्वविनोद जौहरी, महायक निदेशक, प्रशासन

नई पिल्ली, दिनां ४ 14 विसम्बर 1979

सं० ए० 32013/2/79 ई०---उस विभाग की 22-5-79 की ग्रिधियुचना सं० ए० 32013/2/79 ई-1 के कम में टाप्ट्रपति जी ने श्रो श्राप्ट० नर्रातहनः विष्ण्य जैज्ञानिक श्रिधिकारी को दिनाक 9 श्रक्तूबर, 1979 से 31-3-1980 तक या पद के नियमित रूप में भरे जाने तकः इनमें जोभी पहले हो, नागर विमानन विभाग में उपनिदेशकः श्रनुसंधान श्रौर विकास के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

दिनाँक 22 दिसम्बर 1979

मं०-ए० 32013/10/77 ई० र -- इम विभाग की दिनांक 22 मई: 1979 की अधिसूत्रता स० ए० 32013/10/77 ई० र के ऋम में महानिदेशक नागर विमानन ने इस विभाग के स्थायी पुनाकालय श्री एस० डब्ल्यू० एच० जाफरी की नागर विभानन विभाग में मुख्य पुस्तकाध्यक्ष के रूप में तदर्थ नियुक्ति को दिनाक 16-11-79 श्रापाह्न के बाद छ: मास की अपधि के निए या पद के नियिमित का में भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, जारी रखने की गंजूरी दें दी हैं।

दिनाक 15 जनवरी 1980

सं-ए०12025/2/78-ई I---राष्ट्रपति जी श्री जितेन्द्रनाथ मुखर्जी को दिनाँक 12 दिसम्बर 1979 पूर्वाह्न से श्रीर अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में शामिव परीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> चितरंजनकुमार वर सहायक निवेशक,

नई दिल्ली, दिनाँक 17 जनवरी 1980

मं० ए० 32013/4/78 ईमी०—इम विभाग की दिनांक 30-3-79, 12-4-79 झार 26-4-79 की अधिसूचनाए गं०- ए० 32013/4/78 ईमी के कम में राष्ट्रगति जी ने निम्नलिखित तीन सहायक सचार अधिकारियों की संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख के बाद और 29-2-80 तक या पदों के नियमित रूप में भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दे दी है:—

ऋम सं०	नाम	तैनाती स्टेणन	त्रदर्थ नियुक्ति को जारी रखने की ग्रवधि
1. श्री ए	न० मुनियन्दे	वै० सं० स्टेशन	, 20-9-79 के बाद
		मद्राग	चौर 29-2-80
			तकः
2. श्री र्ट	ो० सी ०एम०	वै० में० म्हेणन,	4-9-79 वा बाद
मस	द	मद्रास	29-1 2- 80 T F
3. श्री ए	म० एल०	वै० मं० स्टेशन	r:26-9-79 के बाद
मेहर	T	नई दिल्ली	29-2-80 TV
			प्रतर० एतं० इता इ निदेशक, प्रशासन

विदेश संचार सेवा

ब्रम्बई दिनांक 10 जनवरी 1980

मं० 1/5/79-स्था०---स्थिचन समूह बस्बई के स्थानाझ सहायक अभियंता श्री फयाज ग्रहमद को (15-10-79 से 30-11-79 तर्के उन्हें मजूर ग्राजित छुट्टी की समाप्ति पर) 30 नवस्बर, 1979 के श्रापराह्म से श्रपनी नियुक्ति से इत्याग पत्न देने की श्रनुमति दी गई।

सं० 1/133/79 स्था०---मुख्य नार्यालय, बम्बई वे प्रमुसंधान व विकास एकक के स्थानापन सहायक श्रक्तियता, श्री कें बन्नीकृष्णन को 12 दिसम्बर 1979 के श्रपराह्म से ग्रपनी नियुक्ति के त्यागयव देने की श्रनुमति दी गई।

दिनाक 11 जनवरी 1980

संवे 1/98/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद द्वारा नई दिल्ली शाखा के स्थानापन्न तकनीकी सहायव श्री जी० एस० छटवाल को अल्पवालीन खाली जगह पर 14-5-79 के 28-9-79 (दोनों दिनों समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 जनवरी 1980

सं० 1/481/79-स्था०---विदेश संचार सवा के महा-निदेशक एतदहारा मद्रास शाखा के पर्यवेक्षक श्री बालकृष्ण को 12-6-79 पे 7-8-79 (दोनों दिनो समेत) तक की अविधि के लिए उसी णाखा में तदर्थ प्राधार पर स्थानापन स्व के उस परियात प्रबंधक नियुक्त करने हैं।

एच० एन० मनहोता उप निदेशक, (प्रशा०) कृते महानिदे क

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय मीमा शुरुष तथा केन्द्रीय उत्पादन शुरुक

नई दिल्ली, दिनांत 11 जनवरी 1980 संव 11/79—श्री पीव पीव मिह ने, जो कि निव लेव पव निव सीव केव उठ जुव में निरीक्षण अधि गरी प्रुप 'त' के रूप में कार्य कर रह थे, राजस्व विभाग के दिनांत उठ-11-79 के सादेश संव 186/79 (फाव संव प्रुप 'ख' के प्रूप पर पर प्रतावित होने और निव लेव पव निव सीव ग्रीव पर पर प्रतावित होने और निव लेव पव निव सीव ग्रीव कि उठ शुव में निरीक्षण पिष्ठाकी प्रुप 'ख' के रूप में नैनाव जिए जाने पर, अपनी छुर्टी की समाध्ति पर, दिनांक 10-12-79 के पूर्वाह्म से उक्त पद का कार्यभार सभान लिया।

ए० एम० सिन्हा, निरोक्षण निदेशक

केन्द्रीय जन ग्रीर विद्युत् श्रनुसंधान शाला पूर्ण-411024, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० 608/158/80 प्रगासन—संघ लोक सेवा स्रायोग रें की गई सिकारण के कारण निदेशक, केन्द्रीय जल सौर विद्युत अनुसंघान जल्ला, पुणे, इत् सि० व्हीं धर्मीधिकारी को पहायक अनुसंघान स्रधिकारी (वैज्ञानिक भौतिकी) के पद पर केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंघान शाला, पुणे में वेजन ए० 710/- प्रिंत साह वेजनमान ए० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 - द० रो०-40-1200 पर 1 जनवरी 1980 के पूर्वाह्म से नियुक्त करते हैं।

डा० धर्माधिकारी के लिए 1-1-1980 से दो माल परित्रीक्षात्रधी होगी।

> एम० ग्रार० गिडवानी, प्रणासन ग्रधिकारी कृते निदेशक

निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोकनिर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी 1980

सं० 33/12/78-ई० सी०-9---निर्माण महानिदेशव, बे.० लो० नि० वि०, संघ लोक सेवा स्रायोग के निम्नलिखित नामित की महायक वास्तुविद् के नाते सस्थायी पद पर रुपए 356-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-

द० रो०-40-1200 के वेशनमान में उनके नाम के आर्क दर्शाए वेतन एवं तिथि से सहर्ष नियुक्त करते हैं:---

क० नाम महायक वास्तु- वेतन टिप्पणी स० विद्के नाते नियुक्ति की तिथि

1. श्री एम० ए० 24-12-7्9 रु० 650/- इनका वेतन गोरे (पूर्वाह्न) प्रतिमाह जंब्द ही नियमानुगार पुनियात िया जाएगा ।

- 2. श्री गोरे को ऊपर दर्शाए अनुसार सहायक वास्तुविद् के नाने उनकी निय्क्ति से 2 वर्ष की अत्रधि तक परीविक्षा पर रखा जाएगा।
- 3. श्री गोरे की तैनाती विष्ट वास्तुविद् (दिल्ली प्रशा०)-3 एकवा में नई दिल्ली में की जाती है।

हर्पदेव सिन्हा,
 प्रणासन उपनिदेणक

रेल मन्नालग (रेलवे बोई)

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1980

सं० 78/प्राप्त ई०/161/1—रेखवे लाइनी ग्रींप परिन्यरों के सभी उपयोगकर्ताओं की सामान्य जानकारी के लिये एतद्वारा सुचित किया जाता है कि निम्निविधित राष्ट्रों में, जहां तिमींग कार्य हो रहा है. 1-2-1980 को अथवा उसके बाद ए० सी० अवरी कर्षण तारों में 25 कि० बो० की उच्च बोल्टन, वाली अथवा इससे कम् को अर्जा विभिन्न चरणों में बालू की जायेगी.—

गुडूर (छोड़कर) से बिट्नुण्ट। (सहित) तक संरचना सं० 137/13, 14 (कि० मी० 137/337.25) से

211/13, 14 (कि॰ मी॰ 211/364,12) तक उसी तारीख से ऊनरी कर्षण लाइन हर समय दिजली युवन मानी जायोगी तथा कोई अन्धिकृत व्यक्ति उनके सम्पर्क मे अथवा सामील्य में काम नहीं करेगा।

जनना को भी वेतायनी दी जाती है कि .--

- खण्ड मे बिजली कर्षण तारों श्रांर फिटिंग से दूर रहे;
- 2. व्यक्तिगत रूप से सीधे अथवा खम्भों, बाबों, धातु की छड़ जैसी चीजों के जरिये ऐसी तारो और फिटिंग के पास अथवा सम्पर्क मे न आयें क्योंकि ऐसा करना घानक सिद्ध होगा।

- 3. डिब्बों के बन्हर अपने गरीर के किसी हिस्से को अकाना अथवा बाहर नहीं निकालना चाहिये अध्यथा बायल होने का खारा है क्योंकि लाइन के दोनों और कर्षण तारों के लिये इस्पात के स्थूल खड़े किये गर्थे हैं।
- 4. विजली की फिटिंग क्रोंट अपरी दिजली तारों से दो मीटर के क्षेत्र से अन्दर न क्राये।
- 5. ऊपरी तारों के पास आना अथवा कम बरना मना है।
- 6. पत्यक्षती पर कदा करता अवदा दिल्लों की छन पर चढ्ना मना है क्योंकि ऐपा करना घातक सिद्ध हो सकता है।
- यदि किसी टूर्टा तक को देखें तो कृपमा निकटबर्ती स्टेशन मारटर को सूचना दे।

्व चे भवनी की उपेक्षा करन के कारण होने वाली किसी भी दुर्घटना क लिये रेल प्रशासन जिम्मेदार नहीं होगा।

सङ्क उपयोग कर्ताधीं को चेतावनी

पं० 78/शार० ई०/161/1:— सर्वसाधारण की जानकारी के लिये पुचित किया जाता है कि 25 कि० बो० ए० सी० विजली कर्षण की व्यवस्था करने के सिलिस्लि में दक्षिण मध्य रेलवे के युइर (छोड़कर) से बिट्रमुण्टा (सिहत) तक के खण्ड के सभी सम्पारों पर सड़क स्तर से 15 फुट 4 इंच (4.47 मीटर) की स्पष्ट ऊंचाई तक ऊचे आमान लगाये गये है ताकि प्रधिक ऊंचाई तक लदे हुए बाहनों को बिजरीयुक्त कर्षण तारों के सम्पर्क अथवा अस्पिधक खतरनाक सामीय में अने से रोका जा सके। जनता को एतद्हारा सुन्तित किया जाता है कि बाहनों का लदान करते समय उर्म्युक्त निविष्ट ऊंचाई का ध्यान रखा जाये और सुनिष्चित किया जाये कि सड़क बाहनों में लादा जाने बाला माल किसी भी हातन में ऊंचाई के आमानों का उल्लंबन न करे।

प्रोधाः क्रमाई तक लवान करने के निम्नलिखित खतरे हैं:--- /

- (i) क्रंबाई प्राप्तान के लिये खतरा ग्रीर परिणामस्वरूप गढ़क तथा रेलये ताइन के लिये क्काबट।
- (ii) च.हन में ढोये जाने वाले सामान ग्रथवा अपस्व र के लिये खतरा।
- (iii) बिजलीयुक्त कण्डक्टरों के सम्पर्क श्रथवा खतरनाक सामीष्य के कारण श्राग लगने का खतरा श्रौर जान का जोखिम।

रेल प्रशासन इस चेतावनी की उपेक्षा के कारण होने वाली किसी भी दुर्घटना के लिये जिम्मेटार सही होगा।

> के० **ब**।लचन्द्रन, मांचव, रेलवे बोर्ड

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 एवं मैं सर्म डीलाईट पिकचरस प्रायवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई दिनांक 13 दिसम्बर 1979

सं० 9492/560(3)— कस्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख सेतीन माम के अवसान पर मेससे डीनाईट पिक्चरम प्रायवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्मनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 एवं मेसर्स बी० बहेरामजी प्रायवेट लिमिटड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 13 दिसम्बर 1979

सं० 12659/560(3)—-कम्मनी स्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के स्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस तारीख में तीन मास के स्रवन्त पर मैंसर्स बी० बहेरामजी प्रायवेट लिमिटेड का नाम उस्त प्रातकूल कारण दिशन न किया गया तो रिजस्टर में कार दिया जाएगा और उक्त कम्मनी विघरित कर दी जाएगी।

एस० सीः गुप्ता, कम्पनियों का श्रतिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रीर "कोलम्बानी" इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में पांडिचेरी, दिनांक 18 जनवरी 1980

सं० 15/560(3)—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एत् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के ग्रवसान पर 'कोलम्बानी स्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट ग्राइवेट लिमिटेड'' का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

एस० ग्रार० वी० वी० सत्यनारायना

कम्पनियों का रजिस्ट्रार

पांडिचेरी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और जगदम्बे फाईनेन्सियर्स एण्ड चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

जालंधर, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० जी०/स्टेट/560/3054/760—कम्पनी अधिनियम, 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि जगदम्बे फाईनेंन्सियर्स एण्ड चिट फण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी स्रधिनियम 1956 स्रौर बी० एल० फाईनेन्सियर्स एण्ड चिट फन्ड कम्पनी प्राइवेंट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० जी०/स्टेट/560/3092/762—कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के स्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि बी० एल० फाईनेन्सियर्श एण्ड चिट फंड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम स्राज रजिस्टर से काट दिया गया है स्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी ग्रिधिनियम. 1956 श्रौर पठानकोट गुडस कैरियर प्राईवेट लिमिटेड के विषय में । जालंधर, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० जी०/स्टेट/560/3051/764—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतर्-द्वारा सूचना दी जाती है कि पठानकोट गुड्स कैरियर प्राइवेंट लिमिटेंड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रौर कपूरथला प्रापर्टी चिट फंड एण्ड फाईनेन्सियर्श प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

जालंधर, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० जी०/स्टेट/560/3004/766—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कपूरथला प्रापर्टी चिट फन्ड फाईनेन्सियर्श प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 ग्रौर सत्कार फाईने प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

जालंधर, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० जी०/स्टेट/560/2673/768—कम्पनी म्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के म्रनुसरण में

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि सत्कार फाईनेन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

"कम्पनी ग्रंधिनियम, 1956 श्रौर रामाकृष्णा स्टील इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में। जालंधर, दिनांक 19 जनवरी 1980

मं० जी ०/म्टेट/ 560/3428/770—कम्पत्ती ग्रिधिनियम, 1956 के द्वारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एसद्द्वारा सूचना दी जाती है कि रामा कृष्णा स्टील इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर में काट दिया गया है भौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

"कंम्पनी श्रिधिनि म, 1956 श्रौर जग्गीज एक्सपोर्ट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में । जालंधर,दिनांक 19 जनवरी 1980

मं० जी/स्टेंट/560/3662/774---कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रनुसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि जग्गीज एक्सपार्ट प्रार्थिट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर में काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर गुलनार फाईनेन्सियर्ण एंड चिट फंड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में जालंधर, दिनांक 19 जनवरी 1980

सं० जी०/स्टेट/560/3347/776—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि गुलनार फाईनेन्सियर्ग एंड चिट फंड प्राईवेट लिमिटेंड का नाम ग्राज रजिस्टर में काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

"कम्पनी मधिनियम, 1956 मौर इन्टर एक्सपोर्ट (डण्डिया) प्राईवेट लिमिटेड के विषय में जालंधर,विनांक 19 जनवरी 1980

सं० जी०/स्टेट/560/3061/772—कम्पनी जिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि इन्टर एक्सपोर्ट (इण्डिया) प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर में काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 और उमापति गणेश फाईनेन्स एण्ड चिट फण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

जालंधर, दिनांक 19 जनवरी 1980 मं० जी०/स्टेट/560/3077/778—कम्पनी मधिनियम, 1956 की धारा 560 की जपधारा (5) के श्रनसरण में एतद्द्वारा मूचना दी जाती है कि उमापित गणेण फाईनेन्स एंड चिट फंड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई हैं।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर जान्नी एण्ड कम्पनी प्रार्डवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 19 जनवरी 1980

मं० जी०/म्टेट/560/2225/780---कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्श्वारा सूचना दी जाती है कि जान्ती एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उस्त कम्पनी विधटित हो गई है ।

कम्पनी ग्रधिनियम. 1956 ग्रीर ग्रानंदपुर चिट फन्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेउ के विषय में ।

ज।लंधर, दिनांक 19 जनवरी 1980

मं० जी०/स्टेट/560/3075/782—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रन्मरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि ग्रानंदपुर चिट फंड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर में काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी मधिनियम, 1956 श्रीर पंजाब रबड़ एण्ड केमिकल इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिभिटेंड के विषय में जालंधर,दिनांक 19 जनवरी 1980

मं० जी०/स्टेट/560/2952/784--कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि पंजाब रबड़ एण्ड केमिकल इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर एम० एच० कीम्बर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में । जालंधर,दिनांक 19 जनवरी 1980

मं० जी०/म्टेट/560/3070/786—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि एम० एच० कौम्बर्स प्रार्डवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजम्टर में काट दिया गया है और इक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर हरजम ट्रेडर्स एण्ड चिट फंड फाइनेन्सियर्श प्राईवेट लिमिटेड के विषय में जालंधर, विनांक 19 जनवरी 1980

सं० जी०/स्टट/560/3122/788—कम्पनी मधिनियम् 1956 की धारा 560 की जपधारा (5) के मनुसरण में

द्वारा सूच ना दी जाती है कि हरजस ट्रेडर्स एण्ड चिट फण्ड फाईनेन्सियर्ण प्रार्थवेट लिमिटेड का नाम प्राज से रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कस्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 और श्रानन्द हाई स्पीड स्टील्स प्राईवेट लि्मिटेड के विषय ^अ दिनांक 19 जनवरी 1980

गं० जी०/स्टेट/560/2768/790—कम्पनी अधिनियम. 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि आनन्द हाई स्पीड स्टील्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर में काट दिया गया है और उका कम्पनी विघटित हो गई है।

> सत्य प्रकाण तायल कम्पनी रजिस्ट्रार पंजाब, हिमाचल प्रदेण एवं चण्डीगट

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 श्रौर सौतन्ठ एंटरप्राइसेस प्राईवेट लिमिटेट के विषय में वंगलौर, दिनांक 19 जनवरी 1980

मं० 3011/560/79-कम्पनी अधिनियस, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सौतन्ठ एंटरप्र।इसेस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिणित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवानी कम्पनियों का रजिस्ट्रार श्रायकर श्रायक्त का कार्यालय कोचिन-682016, दिनांक 9 जनवरी 1980

आवेश

विषय:---ग्रायकर ग्रधिकारी श्रेणी-बी के पदोन्नति का ग्रादेश।

मी क्सं क्यं 2/एस्ट/गज/कोण/79-80—ितम्निलिखित पदोन्नित, स्थानान्तरण श्रौर नियुक्तियों का एतद्द्रारा श्रादेश दिए जाते हैं:—

. पदोम्नति :

निम्नलिखित भ्रायकर निरीक्षकों को उनके कार्यभार छेने की तारीख से श्रीर श्रामामी आदेशों तक रू० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वैतनमान में श्रायकर श्रिधकारी, श्रेणी-बी, के पद पर स्थाना-पन्न रूप से कार्य करने के लिए एनद्द्रारा नियुक्त किए जाते हैं:---

- 1. श्री एम० चन्द्रशेखरन,
- 2. श्री ए० श्रार० गोपालकृष्णन ।

वे दो वर्ष के अवधि तक परिवीक्षा पर होंगे।

2. उपर्युक्त पदों की नियुक्ति बिलकुल श्रस्थायी श्रौर सामयिक है, जो किसी सूचना के बिना ही समाप्त करने लायक है । इनकी नियुक्ति , उच्च न्यायालय, केरल में फायल किए हुए मूल याचिका सं० 2499/1977 एल० श्रौर सं० 4023/1978 तथा उच्च न्यायालय, दिल्ली में फायल किए हुए सिविल रिट याचिका सं० 25/1979 के फल पर श्राधारित है ।

- ऋम सं०	 नाम	से (पद का नाम)	पर (पद का नाम)	श्रभ्युक्तियां
	· –	 3	4	5
1. শ্রী	वी० सुक्रह्मण्य पिल्ली	 ग्रायकर ग्रधिकारी, बी-वार्ड,	श्रायकर श्रधिकारी डी-वार्ड,	
2. श्री ই	के० पी० डी० नायर	 तिश्वनन्तपुरम । ग्रायकर प्रधिकारी, (खुट्टी से लौटने पर)	तिष्वनन्तपुरम । श्रायकर श्रधिकारी, बी -वार्ड, तिष्वनन्तपुरम ।	श्री बी० सुब्रह्मण्य पिल्ली के स्था- नान्तरण होने से
		i .		उनके स्थान पर ।
3. श्री वे	के० एस० स्करिया .	 . म्रायकर प्रधिकारी, बी-वाड,	श्रायकर श्रधिकारी, ए-वाड, तिरुवल्ला ।	_
4. श्री দ	र्म ० चन्द्रशेक्षर न	 तिदेवल्ला । भ्रायकर निरीक्षक, (भ्रायकर श्रधिकारी श्रेणी बी के रूप में पदोन्नति)	तरवल्ला । ग्रायकर ग्रधिकारी, बी-वार्ड, तिरुवल्ला ।	श्री के० एम० स्करिया के स्थानान्तरण होने से उनके स्थान

1	2	3	-1	5
5. श्री ग्० ग्रार० गोपालकृष्णन	श्रायकर निरीक्षक,	<u> </u>	श्री टी० मनाई	
	-	(स्रायकर ग्रधिकारी	सी-वार्ड,	को दिए गए
	श्रेणी-बीकेरूप में	कोद्भयम् ।	ग्रतिरिक्त कार्य-	
		पदोर्घ्यान)	-	भार से मक्त
		,		करने के कारण।

एम० एम० उष्णिनायर, श्रायकर श्रायुक्त, केरल-1 एरणाक्जम

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1979

फारुमंद जुरिव/दिल्ली-1/79-80/36607—ग्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) श्रोर (2) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले जारी की गई ग्रधिसूचनाश्रों में श्राणिक परिवर्तन करते हुए श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि श्रायकर श्रधिकारी, 5वां श्रतिरिक्त वेतन सर्किल का श्रायकर श्रधिकारी, दूसरा श्रतिरिक्त वेतन सर्किल, नई दिल्ली के साथ, उनके द्वारा निर्धारित/निर्धारण योग्य व्यक्तियों /मामलों के सम्बन्ध में समवर्ती श्रधिकार क्षेत्र होगा लेकिन इनमें धारा 127 के श्रन्तर्गत सौंपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले मामले शामिल नहीं होंगे।

कार्य निष्पादन की सुविधा के प्रयोजन से श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-1 श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 124 की उपधारा (2) में श्रोपक्षित श्रादेशों को पास करने के लिए निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायक्त, रेंज-1 बी को प्राधिकृत भी करते हैं

यह ऋबिग्चिना 17-12-1979 स लाग् होसी । एम० डब्ल्य्० ए० खान आयकर शायुक्त, दिल्ला-I, नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1979

फा॰ सं॰ जुरि-दिल्ली-II/79-80/36707— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की छपधारा (1) द्वारा प्रदक्त मिन्तयों नथा इस सम्बन्ध में प्राप्त अन्य सभी मिन्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के आदेशों में परिवर्तन करने हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-II, नई दिल्ली निदेण देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उसी अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्टों/मिक्लों के आयकर अधिकारियों के आधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के वारे में उक्त अधिनियम 3—446 GI/79

के द्यन्तर्गत निरीक्षीय सहाशक श्रायकर श्रायक के सभी कार्य करेंगे ।

ग्रन्म्वी

रेंज 	ग्रायकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
1	2
1. निरीक्षीय सहायक भ्रायकर	कम्पनी सर्किल-5, 6, 8,
ग्राय ुक् त	9, 11 ग्रौर 17 नई
रेंज-2-ए, नई दिल्ली ।	दिल्ली ।
निरीक्षीय सहायक ग्रायकर	कम्पनी सर्किल-1, नई
श्रायुक्त	दिल्ली ।
रेंज-2-जी, नई दिल्ली ।	
निरीक्षीय सहायक श्रायकर	कम्पनी सिकल-4, नई
খা যুৰৰ	दिल्ली ।
रेंज-2-एच, नई दिल्ली ।	
यह ऋधिसूचना 15-12-79 से	
लाग् होगी ।	

के० ग्रार० राघवन ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1979

फा० सं० जुरि-दिल्ली-3/79-80/36907—-श्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस सम्बन्ध में प्राप्त श्रन्य सभी शक्तियों तथा इस विषय पर पहले के आदेशों में परिवर्तन करते हुए ग्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-3 नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नं चे दी गई श्रनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त उसी श्रनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्टों/ सर्किलों के श्रायकर श्रधिकारियों के श्रधिकार क्षेत्र में ग्रामे वाले क्षेत्रों, व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गी या ग्राय या श्राय के वर्गी या मामलों या मामलों के वर्गी के बारे में उका ग्रधि- िच्या के प्रन्तर्गत निरीक्षीय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त के सभी कार्य करेंगे :—-

ग्रनुसूची		
रेंज का नाम	श्रायकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल	
1	2	
 निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त रेंज-4-ई, नई दिल्ली । 	(1) डा॰-5 (11), 5(12), 5(16), 8(3), 8(5), 8(13), 8(14), 8(15), 10(3), 10(11), स्पेणल सर्फिल 6 फ्रौर स्पेशल सर्फिल -10, नई दिल्ली। (2) कर बसूली प्रधिकारी-10, नई दिल्ली।	
 निरीक्षीय सहायक आयकर स्रिधिकारी रेंज-4-जी, सई दिल्ली । 	(1) इस प्रभार के उन डि०/ सर्किलों के मामले जो ग्रायंकर ग्रधिनियम, की धारा 125 के ग्रन्तर्गत निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त को सींपे जाएं। (2) स्पेशल सर्किल-6 ग्रति- रिक्त ग्रीर स्पेशल सर्किल 16, नई दिल्ली ।	

यह म्रधिसूचना 17-12-1979 से लागू होगी ।

फा० सं० जुरि-दिल्ली/3/79-80/37007—म्यायकर श्रधि-तियम,1961 (1961 का 43वां) की धारा 125-ए की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों तथा इन विषय पर पहले जारी की गई श्रधिस्चनाश्रों में आंशिक परिर्वतन करते हुग्श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-3 निदेश देते हैं कि किसी भी क्षेत्र या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गीया श्राय या श्राय के वर्गीया मामलों या मामलों के वर्गी के वारे में श्रायकर श्रधिकारी, स्पेशल सर्किल-16 और स्पेशल सिक्त-6 श्रितिरिक्त, नई दिल्ली को प्रदत्त या सौंपी गई किसी या सभी शिक्तयों या कार्यों का प्रयोग या निष्पादन निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, रेंज 4-जी, नई दिल्ली द्वारा समवर्ती रूप से किया जाएगा।

कार्य निष्पादन की सुविधा के प्रयोजन से श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-3 ग्रायकर श्रधिनियम-1961 की धारा 125-ए की उपधारा (2) में अवेक्षित श्रादेशों को पास करने के लिए निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, रेंज 4-जी को प्राधिकृत भी करते हैं।

यह ग्रधिसूचना 17-12-1979 से लाग् होगी ।

एस० जी० जयसिघानी, भ्रायकर भ्रायक्त, दिल्ली-3, नई दिल्ली प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भाष हर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज लुधियान।

ल्धियाना, दिनांक 9 जनवरी 1680

निदेण सं० एनबीए/11/79-80—यतः मुझे, सुखदेव चन्द स्रायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के स्रधीन सक्षम प्राधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से स्रधिक है स्रौर जिसकी सं० भूमि 10 बीघा 15 विसवा है तथा जो गांव चासवाल तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय नामा में, रिजस्ट्रीकरण स्रधिनयम, 1908 (1508 का 16) के स्रधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रीफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि जयापूर्वोक्त तथाति का उचि बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरका) भार अन्तरितों (अन्तरितों) के बीच ऐत प्रस्तरण के निर्दात पाया गया प्रतिकन, निस्तलिखित उद्देश से उक्त प्रस्तरण लिखित में अस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रतारण त दूई किसी प्रान्त की वाबत उक्त प्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी हिसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आप कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-गरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री साध्सिह, वासी गांव पालीयां कलां, तहसील नाभा, जिला पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री विचतरसिंह पुत्र श्री सदा राम, श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री नगाहीश्रा सिंह, वासी गांव चासवाल, तहसील गाभा, जिला पटियाला।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त तम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य वाक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 घा 15 बीविसवा है ग्रौर जो गात्र वापवाल, तहसील नामा, जिला पटियाला में रिथत हैं. (जायेदाद गैना कि राजस्ट्रीकर्ता ग्रविकारी, नाभा के वार्यालय के विलेख संख्या 191, मई, 1979 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 9 जनवरी 1980

प्ररूप आई ॰ टी ॰ एन ॰ एस ॰ ----

आयकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाग 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, महायक पायकर भागुक्त (निरोक्षण)

म्रानेन रंज, ल्धियान

ल्बियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निरेग संघ एतजी ग/14/79-80--यतः मुझे, सुखदेव चन्ट, विधिनियम, 1961 (1961 町 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- इपये से चित्रक है ग्रीर जिनकी सं० भिम 11 विघा है तथा जो गांव चासवाल, तहसील नाभा, जिला पहियाला में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबड़ अत्मुची में और पुणं रूप से विणित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नाभा मे, रजिस्ट्रीकरण श्रद्धिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1979 को बौंक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर के ब्ध्यमान प्रतिकत के निए प्रन्तरित की गई है और मुझे यर विश्वास चरते का कारण है कि यथापूर्वोक्त मन्पत्ति हा उचित बाबार मूहर, उसक दृश्यमान प्रतिकल २ ऐसे इत्यमान प्रतिकत कः उन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भी । भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच एंसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बहुंग्य से उना बनार्ग निश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (४) उन्तरम से हुई किसो प्राप्त को बाबन उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर दन के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) एसी किसो आर या किनो धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय याय-कर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त पश्चितिरम, को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रक्षिनियम की धारा 269-घ को उप-धारा (1) के अबीन निम्तिखित व्यक्तियों, अर्थात्।——

- श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्र. साबू सिंह, गांव पालियां कलां, तहसील नाभा, टिशाला।
 - (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बिचित्तर िनह पृत्त श्री गदा राम, श्री सुरजीत िमह पृत्र श्री नगहिया िमह, वासी गांव चासवाल, तहसील नाभा, जिला पिटयाला।

(यन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वाक्त सम्पन्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उका समालि के प्रजीत के सर्वध में कोई मी साञ्चय:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
 में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताअरी क पास लिखित में किये जा सकेगे।

स्पब्दीकरण:--इनमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित है, इही अर्थ होगा, जो उस प्रश्मय में दिया गया है।

अनुसूची

भृमि जिसका क्षेत्रफल 11 विधा है और जो गांव चामवाल. तहसीर नाभा, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 236, मई, 1979 में दर्ज है)।

> गुखदेव चन्द, स**क्षम प्राधिकारी,** सहायक ग्रायकर <mark>ग्राय</mark>ुक्त (नि**रीक्षण),** ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

नारीख: 9-1-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम०----

ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेश, लिधियान।

लिधियाना, हिनाक १ जनवरी 1980

निर्देश सं० मोएचर्डी/40/79-80--पत. मुझे, सुखदेव चन्द भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 369-ख के अधीन पक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित 25,000/- **माये** में प्रधिक है मूल्य ग्रीर जिसकी स०एलाट नं० 3286 है तथा जो सैक्टर | 35-डी० चर्न्दीगढ़ में स्थित हैं (ग्रांग इतन उपाबत ग्रन्सूची में ग्रांग पूर्ण का से वॉगन है), राजिक्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्द्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) क ग्रर्धान, नारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्प, उसके दृश्यमान प्रतिफला स, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से स्रधिक है स्रौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐने क्रान्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिफन, निस्तांलखित उद्देश्य से उक्त भ्रत्नरण लिखिन में वास्तवित रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रतारण से हुई किया प्राप्त को बाबत तकत अधि-निप्रम, के प्रधीत कर देने के अन्तर ह के दायित्व में किमी करने या उपथ बचन में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय प्रापण्य प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क धनुनरण में, में, उक्त प्रतिनियम की धारा 269-य की उपघारा (1) के अधीन, निमानिति । व्यक्तियों, अर्थातु:---

— 1 श्री पुरन सिह पुत्र श्री ज्वाला सिह निवासी गाव रा निवासाल, जिला होणियारपुर द्वारा लाफल श्रहारनी श्री रन्न लाल गोयल पुत्र श्री णिवजी ताम वासी 1226, सैक्टर 19-बी, चन्ड्रीगढ़।

(प्रन्तरक)

2. बी स्रोम प्रकाश अल, पुत्र स्वरुधी स्रन्त राम धल, मुख्य नं ० 2546, संक्टर 22-मी, चन्डीगढ़। (यन्तरिती)

को यह यूचना जारी करके पूर्वीका समाप्ति क स्रजेत के लिए कार्यवाहियां करता है।

उका समानि क प्रजेत के स्वत्य में कोई भी प्रक्षिप:--

- (छ) इस सूत्रता के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दित हो अवस्थि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील । 30 दित की अवस्थि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर समात्ति में हिनबद्ध किसी ग्रांत व्यक्ति द्वारा, अबोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रव**ब्दोकरण:---इनमें** प्रयुक्त शब्दों स्नीर पदों का, जो उक्त स्निधि-निर्मात के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही स्नर्थ तीना, जो उन स्नम्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० 3286, सैक्टर 35-डी, चर्न्डीगढ़। (जापेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ऋक्षिकारी, चर्न्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 175, मई 1979 में दर्ज हैं)।

> सुखंदव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण), स्रजन रेज, लिधियाना।

तारीख . 9-1-1980

प्ररूप घाईं हो । एन । एस ०

पावकर अवितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

वारत बरतार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजेत हैं। ल्धियाना

न्वियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निरेण गं० मी एचडी | 4: | 79-80---गतः भुझे सुखदेव जन्द आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्वान् 'उना अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख क श्रिधीन सक्षम श्रिष्ठिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित वाजार मृत्य 25,000/- क्यमें से, अधिक है

ग्रीर जिसकी संश्मकान नंश 112, है तथा जो सैक्टर 15-ए, चन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रतुसूची में ग्रीर पूर्ण का में वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिविग्रारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में. रिजस्ट्रीकरण ग्रिविनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिवीन तारीख मई 1979

अवीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के निए यनारित हो गई है और नुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिकल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्छह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरको) भीर भन्तरिनो (अन्तरिनिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्व पाया गण मी कन, निम्नलिशित उद्देश ने उच्न अमारण किखा । एन्टरीक का न होने। निम्न गण है:--

- (क) प्रताला से ुई किसा आय का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के अधिक में कभी करने या उसने बचन में सुविशा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी हिनो आग या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रिष्ठितियम, ग्राधन-कर श्रिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विषया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त घिषिनियम की घारा 269-ग र मन्मरण में, में, उक्त घिषिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— श्री अवतार सिंह भाटिया पुत्र स्व० श्री हरबन्स सिंह भाटिया द्वारा जनरल अटारनी श्री मत पाल सिंह भाटिया पुत्र स्व० श्री हरबन्स सिंह भाटिया, वासी एफ०-45, अशोग बिहार, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री कुतवन्त सिंह पुत श्री श्रणा सिंह बड़वाल वासी संगान नं 1198, सेक्टर, 15-बी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. (1) डा० इन्द्रजीत सुनेजा, पंजाब य्नीवरिस्टी, जी० एफ० सकान नं० 112, सैक्टर 15-ए, चन्डीगढ़।

> (2) श्री सोम दत, पहली मंजिल, 112, सैक्टर 15-ए, चन्डीगढ़।

> > (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह तूवना बारी करक पूर्वोक्त सम्यक्ति के श्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समाति त अर्जन त सम्बन्ध में तोई मी प्राक्षेत:--

- (क) इस मूत्रा के राजपात ने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, घट्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त अधिनयम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

मकान नं० 112, सैक्टर 15 ए, चन्ड़ीगढ़। (जायेदाव जैसा कि राजिस्ट्रीकर्ता ग्राध्वःरी, चन्डीगढ़ वे कार्यालय के विलेख संख्या 176, मई, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लधियाना ।

तारीख: 9-1-1980

प्ररूप आई • टी ० एन ० एन ० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-घ (1) के पश्चीत सृजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय् क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लंक्ष्म

निधियाना, दिनांद १ जनवरी 1980

पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ये कम के दृश्यमान प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है भौर भूने थह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिणत अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) पौर अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिकल तिम्निचित्रत उद्देश्य म उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक छ। से कथित नहीं किया गया है:---

- क) अन्तरम से हुई किमी पायकी बाबा उन्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐती कि से आप या कि से बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 111 या उन्त आधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के अंकए;

अतः, अब उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उनत अधिनियम की घारा 269-घ की उपक्रारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमिती हीतः एव० ही० सिंह विध्यायव० श्री एच० ही० जिल वाली सी-546, (इंकींच कालोबी) नई दिल्ली द्वारा जनरल अरापनी श्रीमती स्राणा सुद पत्नी भी बित भोहन सुद वार्थः 1166, मैक्टर 8-बी, चन्ड्गढा

(थन्तरक)

 श्री सिंस मोहत सुद्र पृत्र श्री सादी राम सुद, वासी म शतन तं० 1166, पॅक्टर १-पी, घर्डीगढ़। (श्रीतिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंका पम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त तमानि ए जारेर के सम्बन्ध में कोड भी बार प :--

- (क) इस सूचता क राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचता का तामील से 30 दिन की धविध, जो भी अविध बाद ने समाप्त होतो हो, के भीतर प्रवंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन का तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित प्रकार त्रा सकेंगे।

स्वक्टोकरण .--इपर्मे प्रयूक्त शब्दां और पदां का, जो उकत श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिचालित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लाट तं० 2555, सैक्टर 35-डी, चन्ड़ीगढ़। (जायेदाद जैमाकि **र**जिट्टीकर्ता ग्रधिकारी चन्ढ़ीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 160,मई 1979 में दर्ज है)।

> सुबदेव चन्द सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 9-1-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीत रेंज, लुधियाना

लुधियाना, (दन. ६) जनवरी 1980

निदेश मं होशिहा/24/79-80—स्ता मुझे सुबदेव चन्द, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परवात् 'उना श्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रार्था तता प्रार्थिकारी को यह विख्यात करने का कारण है कि स्थावर समिति जितका उचित वाजार मूल्य 25,000/-स्पए में श्रीधिक है

ग्रीर जिसकी पंज भूमि 10 विवाह तथा जो गाय किणनारा, सब-तहसील हेरा वस्सी, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रीरिट से उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण का से विणित है), रिजस्ट्री कर्ती ग्रीब कारी के कार्यालय हेरा बस्सी में, रिजर्ट्रीकरण ऋधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीत, तारीख मई, 1979 को पूर्वीक्त समात्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका समात्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पत्दह प्रतिशत ग्रीधक है ग्रीर अन्तरित (ग्रन्तरितों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-तिमन के प्रवीत कर देने के प्रत्नरक के दायित्व में क्ष्मी करते । उनने बचते में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी िहसी प्राप्त पा हिसी धन या ग्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय हर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धनकर ग्रिधिनियम या धनकर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269म के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के ग्रधीन; निम्नेलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— श्रो प्रदीन कुमार पुत्र श्री देस राज, वामो छत, सब-तहसील डेरा बस्पी, जिला पटियाला।

(स्रंतरक)

 सर्वश्री गृरचरन सिंह, बच्चन सिंह, बलडेब सिंह, लाभ सिंह, दयाल सिंह पुत्र श्री जेठा सिंह वासी नरायन गढ़ झंगियां, सब तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला।

(ग्रंगरिती)

को यह सूत्रा जारी करके पूर्वोक्त समाति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त समात्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रताशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामो के 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भी र पूर्वीका वाकिनयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अत्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इनमें रपुक्त णब्दों ग्रीर पदों हा जो उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रध्याय 20 ह में परिभाषित हैं वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 विघा है ग्रौर जो गांव किणनपुरा, सब-तहसील डेरा बस्सी, जिलापटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ऋधिकारी, डेर टर्स के कार्यालय के विलेख संख्या 257, मई, 1979 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 9-1-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निदेण सं० डीबीएम/23/79-80—यतः मुझे, सुखदेव चन्द्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 10 विधा है तथा जो गांव किणनपुरा, सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय डेरा वस्सी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनयम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; श्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की घारा 268-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— 4—446GI/79

- मर्वश्री फक्तीरीया, बालकू पुत्त श्री तूलसी, वासी छत्त, सब-तह्मील डेरा बस्सी, जिला पटियाला। (श्रंतरक)
- सर्वश्री कुलदीप कुमार, राजिन्दर कुमार, श्रशोक कुमार, सुधीर कुमार पुत्र श्री देस राज पुत्र हरी चन्द खंडूजा, वासी मकान नं० 1330, सैक्टर 18-सी, चन्डीगढ़।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिलए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का जो 'उक्त श्रिधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जौ उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 बिघा है ग्रीर जो गांव किशन पुरा, सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पिटियाला में स्थित है। (जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, डेरा बस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या 255, मई 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9-1-1980

प्रचप धाई• टी• एन• एस०-----

शायनर निमिम, 1961 (1961 की 43) की बारा 269 व (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सङ्घायक भावकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, मुधियाना

बुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं • सीएचडी | 130 | 79-80---वतः मुझे, सुबदेव चन्द

भागकर प्रक्षितियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रक्षितियम' कहा गया है), की धारा 268-व्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है जि स्वावय संपत्ति, जिसका उवित बाजार मृश्य 25,000/-व॰ से प्रधिक है

और जिसकी सं० ब्लाट क्षेत्रफल 525.75 वर्ग गज नं० 140, है जो सैक्टर 35-ए, चन्हीगढ़ में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चन्हीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उवित बाबाद मून्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के बिए सन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का जारण है कि सवापूर्वोक्त संपत्ति का उवित बाबार मून्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल के, हे से दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से प्रक्षिक है और पन्तरित (अन्तरिक) और प्रक्तिरिती (अन्तरिक से प्रक्षिक है और पन्तरिक के किए तय पाया गया प्रतिफल; विश्वालित उहेंग्य से उक्त धन्तरण कि किए तय पाया गया प्रतिफल; कि किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हूई किसी माग की बाबत उक्त भिक्षित्मम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए। बोर/वा
- (ख) ऐसी जिसी आय या किसी धन या धन्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-नष प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया वया या किया धाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त सधिनियम की बारा 269-व की उपवारा (1) के बादीन निम्मलिखित व्यक्तियों, सर्वात :— श्री बन्त सिंह मांगट पुत्र श्री नारन्जन सिंह, वासी गांव व डा० रामपुर, जिला लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

 श्री संजीव गरोबर, श्री रोहित ग्रोबर पुत श्री ए०डी० ग्रोबर, द्वारा ए० डी० ग्रोबर, वासी 339, सैक्टर 35-ए, चन्डीगढ़।

(श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

चकत संपत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तें ।

स्पब्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के धड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

प्लाट तं० 140-सैक्टर 35-ए, चन्ड़ीगह । (जायेदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चन्डीगह के कार्यालय के विलेख संख्या 768, जुलाई, 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9-1-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायम आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० एनबीए/35/79-80—यत: मुझे, सुखदेव चन्द ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं भूमि 13 विघा 6 विसवा है तथा जो गां चासवाल, तहसील नाभा, जिला पिट्याला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के पधीन तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर ध्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:— श्री शिक्षा सिंह पुत्र श्री करतार सिंह, गांव चासवाल, तहसील नाभा, जिला पटियाला।

(मंतरक)

2. सर्वश्री दक्षेन सिंह, प्रीतमं सिंह, जसबन्त सिंह, बेग्नन्त सिंह पुत्र श्री प्यारा सिंह, भी मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री करतार सिंह, वासी गांव चामवाल, तहसीन नाभा, जिला पटियाला।

(भ्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्ववाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षाप:-

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सक्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध िसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित ह, वही श्रृषं होगा, जो उस श्रध्याय में दिमा गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 विघा 6 विसवा है ग्रौर को गांव चासवाल, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है। जायेदाद जँसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 486, मई, 1979 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्स् सक्षम प्राधिकारी; सहायक श्रायकर धायुक्त; (निरीक्षण); श्रजंन रेंज , लुधिवाना ।

तारीख: 9-1-1580

मोहर ३

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

वायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० एनबीए/33/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द्र प्रायकर बधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ४० से प्रविक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 1 कनाल 11 मरले कुछ बने हुए के साथ है तथा जो हीरा महल, नाभा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय नाभा में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979

(1908 का 16) के अधान, ताराख मह 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के पृथ्यमान मितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथानुविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्लह प्रतिकृत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से स्वत अन्तरण शिखित में शहरीक कर ने कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी पाय की बाबत क्यत प्रवित्यित के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के गांगिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; धौर/या
- (क) ऐसी किसी माय या किसी धन या धण्य भारितयों को जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धनकर ग्रिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचं धन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविशा के सिए;

सतः घर, उनत अधिनियम, की धारा 269-य के धनुतरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् !-- 1. श्रीमती जगरज कौर पत्नी श्री कुलदीप सिंह, वासी हीरा महल, नाभा।

(ग्रंतरक)

 श्रीमती जोयिन्दर कौर पत्नी श्री गौतम कुमार सिंह, वासी हीरा महल, नाभा।

(ग्रंतरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उ₹त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की धविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी
 धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख छे 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रवोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो सक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-स में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 1 कनाल 11 मरले कुछ बने हुए के साथ है जो हीरा महल, नाभा में स्थित है। (जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 453, मई, 1979 में दर्ज है)।

> मुखदेथ चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखा: 9-1-1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देण मं० पीटीए/35/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द ० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/2 भाग गोदाम है तथा जो सनौर रोड़ पटियाला में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) के धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त म्रिध-नियम के मधीन कर देने के मन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, मौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, जिनाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत् — श्री दिनेण कुमार पुत्र श्री देव बरत पुत्र श्री बिहारी लाल, वासी सनौर रोड़, पटियाला।

(भ्रंतरक)

 श्री प्रिया बरत पुत्र श्री देव बरत, वासी मनौर रोड़, पटियाला।

(भ्रंतरिती)

- त. (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. सर्वश्री चन्दा सिंह, मुख्तयार सिंह पुत्र श्री नाहार सिंह, कुले माजरा, श्रीमती परिमन्दर कौर पुत्री श्री ईणर सिंह, श्रीमती रणजीत कौर पुत्री श्री मोहर सिंह, वासी सनौर रोड़, पटियाला।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही प्रथ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

1/2 भाग गोदाम जो सनौर रोड़, पटियाला में स्थित है। (जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 556, मई 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी; सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 9-1-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के म्रधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

> > लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० पीटीए/39/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द, आयक्तर व्यक्तिनयम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/— दपए से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1/2 भाग गोदाम है तथा जो सनौर रोड़, पिटयाला में स्थित है ग्रौर (इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पिटयाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के

ग्रधीन, तारीख मई 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रषीत:— श्री दिनेण कुमार पुत्र श्री देव वस्त, वासी सनौर रोड़, पटियाला।

(अन्तरक)

 श्री प्रिया वरत पुत्न श्री देव बरत पुत्न श्री बिहारी लाल, वासी सनौर रोड़, पटियाला।

(श्रंतरिती)

3.

(वह व्यक्ति, जिसके वा ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. सर्वश्री चन्दा सिंह, मुख्तथार सिंह पुत्र श्री नाहार सिंह, गांव कुले माजरा, श्रीमित परिमिन्दर कौर पुत्नी श्री ईशर सिंह, श्रीमिती रणजीत कौर पुत्नी श्री मोहर सिंह, वासी सनौर रोड़, पटियाला।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी श्रन्थ उपक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रोर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग गोदाम जो सनौर रोड, पटियाला में स्थिश है। (जायेदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 618, मई, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 9-1-1980

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 3404 है, तथा जो सैक्टर 35-डी, चन्ड़ीगढ़ में स्थित है (श्रीर इसे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधकारी के कार्यालय चन्ड्रीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, चसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (घन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वावत, उक्त पिंधनियम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के वायित्थ में कमी करने या उससे वचने में सुविवा के किए। और/मा
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घम्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया या किया जाना चाहिए या, छिपाने यें सुविधा के निए।

जतः धव, उन्त भविनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त भविनियम की बारा 269-व की उपबारा (1) श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री सन्त राम सन्दल पुत्र श्री पैठ राम वासी गांव चौन्तरा, तहसील व जिला हमीरपुर (हि० प्र०) द्वारा श्री रत्न लाल गोयल पुत्र श्री शिवजी राम राम वासी 1226, सैक्टर 19-बी, चन्ड़ीगढ़ स्पैशल पावर श्राफ ग्रटारनी श्री त्रलोक सिंह महदेव पुत्र श्री दलीप सिंह वासी 1226, सैक्टर 19 दी, चन्ड़ीगढ़। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती बलबीर कौर पत्नी श्री शिव लाल मारफत श्री भगत राम पुत्र श्री मेहर चन्द्र वासी 3562, सैक्टर 23-डी, चन्झीगढ़ द्वारा जनरल ग्रटारनी श्री भगत राम पुत्र श्री मेहर चन्द्र वासी 3562, सैक्टर 23 डी, चन्डीगढ़।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---
 - (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तस्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उनत स्वावर सम्पत्ति में हितवब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोह्स्ता सरी के पास लिखित में किए जा सकते।

रुपब्डीजरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिक् नियम के घड़याय 20-क में परिचादिल हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस घड़याय में दिया गया है।

प्रमुसूची

प्लाट नं० 3404, सैक्टर 35-डी, चन्ड़ीगढ़। (जायेदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्ड़ीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 149, मई, 1979 में वर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखः: 9-1-1980

त्रकप माई • टी • एन • एस •-----

व्यायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की मारा 269च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० पीटीए/91/79-80~-यतः मुझे सुखदेव धन्द ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिमिनियम' कहा गया है), की घारा 289-आ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रु•से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 3 कनाल 7 मरले है तथा जो गांव झिस, जिला पटियाला में स्थित है (भ्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1508 (1 08 का 16) के प्रधीन, तारीख को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्ट संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिक उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखित में बास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की **बाबत उसत अधि**। नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए । और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तिभी को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर **अधि**नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो**जनार्थ** अन्तरिती द्वारा प्रकट **ही किया** गयाचा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिए।

प्रक्षः प्रव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के वन्-सरण में, भै, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।--

- 1. सर्वश्री हरनेख सिंह, गुरबक्ष सिंह, सरवन सिंह, बाबू सिंह, देव सिंह व दयाल सिंह पुत्र श्री नथा सिंह वासी गांव सोना तहसील व जिला पटियाला। (अंतरक)
- 2. श्रीमती सनेह लता पत्नी श्री कृष्ण कुमार वासी गांव झिल जिला पटियाला। (श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी वासे 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी धविष्ठ बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसीव्यक्तिद्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 46 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रवोहक्ताक्षरी के पास निक्कित में किये जा सकेगे।

क्पब्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त खब्दों खोर पत्नों का: जो उक्त मधि-नियम के अध्याय 20 क में परिमाणित हैं, जही अर्थ होगा को उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भृमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 7 मरले है ग्रौर गांव क्षिल, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1319, मई, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेय चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 9-1-1980

बक्ष्य धाई∙ टी॰ एन॰ एस॰-----

श्रायकर श्रीव्यतियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के श्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

लिधयाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० सीएचडी/30/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द, आयकर श्रिष्टिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्टिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्टीन सक्तम श्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 25,000/- व॰ से श्रीक हैं और जिसकी सं० एस० सी० श्रो० नं० 70-71 है तथा जो

सैक्टर 15-डी, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मूस्य से कम के दृष्यमान प्रतिकृत के लिए सम्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूस्य, उसके वृष्यमान प्रतिकृत से ऐसे वृष्यमान प्रतिकृत का पश्चद्व प्रतिकृत से अधिक है भौर प्रन्तरिक (अन्तरक) और सम्तरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिकृत, निम्नवित्तित उद्देश्य से उच्त अन्तरण जिखित वे वास्तिकृत, स्थित के विषत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बावत तकत बाबि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिस्य में कमी करने या जसमे अधने में मुजिबा के निषे; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अण्य धास्तियों को, बिन्हें भारतीय धामकर प्रक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनियम या ध्रम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजभावं धन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, वा किया जाना चाहिए था, सिपाने में मुविधा के निवे;

अतः ग्रम, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, जनत अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्ः —— 5—446GI/79 1. श्री एच० एस० भाटिया पुत्र श्री एन० एस० भाटिया, वासी 105, सैक्टर 11-ए, चन्डीगढ़।

(भन्तरक)

2. श्रीमती रणजीत कौर पत्नी श्री फर्मइन्दर सिंह गिल 93 फेज् 3 बी 1 मोहाली, पंजाब।

(भन्तरिती)

3. (1) मैससं फैशन कौरनर,
मैसर्ज गनेश करियाना स्टोर
श्री बाबू राम, श्री किरपा राम, श्री कुलबन्स सिंह,
श्री शाम लाल,श्री लख्नम सिंह, सारेवासी एस०
सी० ओ० नं० 70-71, सैक्टर 15-डी,
चन्डीगढ़। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्यत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खसे । दिस की प्रविध या सत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर चंकत स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रम्य व्यक्ति हारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास कि बिला में किये जा सकेंगे।

स्पब्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रश्नं होगा, जो उस ध्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एस० सी० मो० नं० 70-71, सैक्टर 15-डी, धन्डीगढ़। (जायेदाव जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यांलय के विलेख सं० 142, मई, 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्तम प्राधिकारी, सहामक श्रामकर भायुक्त, (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, सुधियाना

तारीख: 9-1-80

प्रकप भाई। टी। एतः एस ----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के अधीन सूचना मारत सरकार

कार्यात्रय, पहायक प्रायकर अध्युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० पीटीए/79/79-80--यतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मरूप 25.000% प्राये ने अधिक हैं। ग्नौर जिसकी सं० मकान नं० 7311/5 है तथा जो सन्त नगर, 🤻 पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपायक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वेणित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पस्त्रह प्रतिगरमे प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरितो (प्रन्तरितियों)के बीच ऐसे प्रश्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उबत ग्रम्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत जनत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या मण्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुनिधा के लिए;

अतः अतः, उत्रतः अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. भी पति करतार कौर पत्नी श्री जगवीश प्रसाव, नवला मोहल्ला, नरिन्दर भीसार, पटियाला।

(ग्रंन्तरक)

- श्रीमती हरभजन कौर पत्नी श्री भ्रमोलक (श्रमलोक) सिंह, श्रनारदाना चौक, पटियाला। (श्रन्तरिती)
- 3. पंजाब विजली बोर्ड पटियाला। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करते पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के सिए कापवाहियां करना हूं।

उनत सम्पति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धार्थेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारी ख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में अकाशत की तारी ख से 45 दिन के पीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अध्य व्यक्ति द्वारा, ब्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

₹46डी तरग: — इसर्में प्रयुक्त एव्दों और पधों का, श्री उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होग। जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मकान नं॰ 7311/5, सन्त नगर, पटियाला। (जायेदाद जैसा कि रजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1181, मई 1979 में दर्ज हैं)

> मुखदेव पत्य सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजंन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 10-1-1980

प्रकथ भाई० टी • एन • एस०---

आयकर अग्रिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्वेश सं० पीटीए/79-80---यत: मुझे सुखदेव जन्द प्रायकः प्रांवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की द्यारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रू० से पश्चिक है

श्रोर जिसकी सं० प्लाट 500 वर्ग गक नं० 15-ए, है तथा जो माडल टाऊन, पटियाला में स्थित है (भ्रोर इससे उपावद अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1909 का 16) श्रीमन, तारीख मई 1979

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त मिलियम के अभीन कर देने के घन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बनने में सुविधा के निष्; और/या
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी घन या भ्रम्य भास्तियों भी, जिन्हें भागकर भिवितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्वे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविक्षा के लिए।

अतः जय, उन्त अविनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, में, रवन मिविनियम की धारा 269-च की छपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीर: --- 1. श्री मनमोहन सिंह पुत्र श्री धवतार सिंह, बासी खालसा मोहल्ला पटियाला।

(ग्रन्तरक)

 श्री श्रमरजीत सिंह सोही पुत्र सरवन सिंह सोही वासी भामवरी, तहसील मलेरकोटला।

(अन्तरिती)

को यह सूत्रता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के प्रार्थन के संबंध में कोई भी माक्षेत:--

- (स) इस सूचना के राजाज में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी
 प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में ने किमी व्यक्ति द्वारा;
- (या) इन सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की नारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदा किसी भ्रन्य क्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे !

स्यव्योकरण :--इसमें प्रमुक्त जन्दों घौर पदों का, जो उक्त पश्चितियम के श्रव्याय 20 व में परिभाषित हैं, वहीं घर्ष होगा, को उस घटमाय में विया गया हैं।

ग्रमुची ै

न्ताट मं० 15-ए, माउन टाऊन; पटियाला। (जायेदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 662. मई. 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रॅज, लुधियाना।

तारीबा: 10-1-1980

मोहर

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रोंज लुधिरयामा लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्वेश सं० पीटीए/57/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्र फल 7 विघा 13 विसवा है तथा जो गांव अलीपुर अरीयां तहसील पटियांला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियांला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वीका सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरप्रमान प्रतिकत के लिए प्रान्तित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि य्यापूर्वीका सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनत अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भौर/या
- (क) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में भूनिधा के लिए;

मतः, मन, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-भरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रजीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रपात्ः ⊶

- श्री मोहन सरूप सिंह पुत्र श्री भनन्द सरूप सिंह, वासी भ्रलीपुर भारीयां, तहसील पटियाला। (भंतरक)
- 2. श्री कुलदीप सिंह पुत्र श्री टेक सिंह, वासी गांव श्रलीपुर श्ररीयां, तहसील पटियाला।

(मंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्यक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यक्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी अन्य वाक्ति द्वारा, प्रश्रीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इतमें प्रगुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रयें होगा, जो उन ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 विघा 13 विसवा है भीर जो गांव भ्रलीपुर भ्ररीयां, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायेदाव जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 812, मई 1979 में दर्ज हैं)

> सुखदेव चन्व सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 10-1-1980

पास्य धाई• टी॰ एन• एस०-----

आयकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के ग्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

लिधयाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्वेश सं० पीटीए०/58/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके श्यात् 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), भी धारा 269-ख के प्रवीन सक्षम श्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि वाजर मंपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 6 बिद्या 5 विसवा है, तथा जो गांव श्रलीपुर श्रीरां—तहसील पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूजी में और पूर्ण रूप जसे यांजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979 को रूवोंक्त संपत्ति के उवित बाबार मूल्य से कम के दृष्यमान श्रिषका के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान श्रिकल से, ऐसे दृष्यभान श्रिकल का पन्त्रइ प्रतिशत प्रधिक है बोर प्रश्वरक (धन्तरकों) घोर प्रस्तरित (अन्तरितयों) के बोब ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकल, निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त प्रश्वरक लिखन में बाराविक स्व से कथित नहीं किय गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धार की बाबत, उद्य अणि-नियम, के प्रश्नीत कर बेते के प्रश्नारक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें घारतीय धायकर पिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाह्निए चा, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अत्र, उत्तर अद्विनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269घ की उपधारा (1) के सबीन, निम्नलिखित अपनितमों असीत्

- श्री मोहन सरूप सिंह पुत्र श्री धनन्द सरूप सिंह, वासी ग्रलीपुर ग्ररीयां, तहसील पटियाला (ग्रन्तरक)
- श्री सुरिन्दर सिंह पुत्र श्री टेक मिंह, वासी भ्रलीपुर अरीयां, तहसील पटियाला

(भ्रन्तरिती)

को यह यूलना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चन्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाषोप :---

- (क) इस यूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी करें के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राज्य में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितस्ख किसी भन्य स्थित जारा, प्रवीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त ग्राधिनियम के ग्रध्याम 20-क में परिचावित है, वहीं घमं होगा, को उस ग्रच्याम में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 6 बिघा 5 विसवा है, श्रौर जो गांव श्रलीपुर श्ररीयां, तहसील पटियाला में स्थित है। (जायेदाद जैसा कि रिजट्रीकर्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 829, मई, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुघियाना

तारीख : 10 जनवरी 1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रश्चीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० नाभा/32/79-80——यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि 17 बिघा 4 विसवा है, तथा जो गांय मन्छेर तहसील नाभा , जिला पिटयाला में स्थित है (धौर इससे उपाबद अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकरी के कार्यालय, नाभा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है शौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है शौर अन्तरक (श्रन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भ्रम, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के भ्रमीन निम्नसिक्त व्यक्तियों, भर्यात्:— श्री मुन्सी राम पुत्र श्री बिसना राम, वासी श्रजनोद फलां, तहसील नाभा

(ग्रन्तरक)

2. सर्वेश्री नरन्जन सिंह, ईशर सिंह, गुरमेल सिंह, पुत श्री केहर सिंह गांव मुन्डेर तहसील नाभा, जिला पटियाला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इनमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रषं होगा जो उस भ्रध्याय में विया गया है।

अमुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 17 बिघा 4 विसवा है धीर जो गांव मुन्डेर, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है। (जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 404, मई, 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव पन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंग, सुधियाना

तारीख: 10 जनवरी 1980

प्रारूप आई० टी ° एन० एस०---भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी बारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक सायकर सायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, सुधियाना कार्यालय

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० पटियाला/77/79-80---यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपये मे भ्रौर जिसकी सं० मकान नं० 4926/5, है, तथा जो माडल टाउन, पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्यक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बुग्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और

प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच

ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित

उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित

नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिध-नियम के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में भूषिका के लिए;

भतः, शव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के धनु-धरण मे, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के भशीन, निक्निश्चित स्यक्तिवों, सर्वातः--- श्री हीरा नन्द भहूजा पुत्र श्री भान्द राम महूजा वासी 2-बाणिन्गटन स्ट्रीट ईस्ट जौहन न्यू फाईन्ड लैण्ड (कनेंड़ा)

(अन्तरक)

2. श्रीमिति शशी प्रभा चन्दके बनाम् प्रभा चन्दोके पत्नी गेम पूरन चन्दोके वासी मकान नं० 4926/5, माङ्ग टाऊन, पटियाला ।

(भ्रन्तरिती)

 श्री व श्रीमित प्रमा चन्दोके
 श्री सुनील कूटीर, माङल टाऊन, पटियाला (बहु व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील में 30 दिन की ध्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, घघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्वरहींकरण: -- - इसमें प्रयुक्त सब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, कही भ्रये होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान मं० 4926/5, माबल टाऊन, पटियाला। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1151, मई, 1979 में वर्ज है)।

> मुखदेव चन्द **दखम प्राधिकारी** त**ड्**।वन भावकर भायुक्त (निदीक्षण), श्रजेंन रेंज, सुधियाना

तारीखा : 10 जनवरी 1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/52/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, भायकर श्रिष्टिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्टिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिष्टीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० मे अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 28, है, तथा जो सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (ग्रीर इस से उपाधाद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269श की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यातः—

- श्री नीतय नन्द शर्मी पुत्र श्री बनी राम, दिवीजनल फोरेंस्ट श्राफिसर, फोरेंस्ट कालोमी, नेलवे रोड़, करनाल,
 - श्रीमित राज बसूदेवा परनी श्री नीतय नन्व णर्मा वामी फोरेस्ट कालोनी, रेलवे रोड, करनाल ।
- 2. श्रीमित मन्जू मिलक पत्नी श्री सुभाष चन्दर मिलक मारफत पंजाब नेशनल बैंक, सैक्टर 17, चण्डीगढ़। श्री सुभाष चन्दर मिलक पुत्र श्री राम ग्रासरा मेल मिलक, सैक्चरार, मैथेमेटस, डी० ए० वी० हायर मैकंडरी स्कूल, सैक्टर 8, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

3. श्री के० के० कक्कड़, पंजाब नेशनल बैंक, 28 सैंक्टर 20-ए, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शक्दों श्रीर पदों का, जो उन्त श्रीधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थं होगा जो उस श्रद्भाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 28, सैक्टर 20-ए, खण्डीगढ़ । (जायेदाद जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 246, मई, 1979 में दर्ज हैं)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी स्हायक प्रामकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10 जनवरी 1980

प्रकृत शाहिक क्षेत्र एक एक एक ---

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के प्रधीन नुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना कार्यालय

लिधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० ग्रमलोह/36/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, बायकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) (जित इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारम है कि स्थावर सम्प्रींन, विश्वा उचित्र बाबार मूल्य 25,000/- रु॰ से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 5 विघा 8 विसवा भूमि का 1/2 भाग है, तथा जो जसरां मण्डी, गोविन्दगढ़, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रमलोह में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पति के

उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की पई है भीर मुझे यह विश्वाय
करने का कारण है कि अवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक हे और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्न अन्तरण
लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं जिया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रशीन कर कि के कर रक के दायित्व में कभी कर्ने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर सिधिनियम, 1923 (1922 का 10) या उक्त सिधिनियम, या धन-कर जीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तिर्थी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था जिया जाना नाहिए था, कियाने में सुबिधा के जिए;

बत: श्रष, उनत श्रष्टिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उनत सिंहिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के (1) अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, यर्थात् :—— 6—446G1/79

1. श्रीमित लाजवन्ती विधवा श्री जेठू वासी जसरां, मण्डी गोविन्दगढ़, जिला पटियाला ।

(भ्रन्तरक)

 श्री मलिकयत सिंह पुत्र श्री जवाला सिंह वासी जसरा, मण्डी गोविन्दगढ़, जिला पिटयाला ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी भरके प्यंक्ति सम्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त प्रवित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्रिक्तयों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (2) इस सूचता के राजपान में प्रकाशत की तारीख है
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड
 कियी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टी करण --इपमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त बिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही पर्यं होगा को उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5 विघा 8 विसवा भूमि का 1/2 भाग जो गांव जसरां, मण्ड़ी गोविन्दगढ़, जिला पटियाला में स्थित है ।

(जायेदाद जैसािक रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, ग्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 350, मई, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर आयुक्तू (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10 जनवरी 1980

मोहर ः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अनवरी 1980

निर्देश सं० ग्रमलोह/37/79-80--यतः, मुझे सुखदेव चन्द, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपए से अधिक है म्ल्य ग्रीर जिसकी सं० 1/2 भाग 5 विघा 8 विसवा भूमि का है, तथा जो जसरां, मण्डी गोविन्वगढ़, जिला पटियाला में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रमलोह में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इंश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकत्त हा पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है मौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविक्षा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-हर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

ग्रतः ग्रवं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथीनु:--- भी भ्रोम प्रकाश पुत्र भी शंकर मल, वासी जसरां, मण्डी गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला

(भ्रन्तरक)

 श्री मलकीयत सिंह पुत्र श्री जवाला सिंह, वासी जसरां, मण्डी गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील थे 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5 विधा 8 विसवा भूमि का 1/2 भाग जो गांव जसरां, मण्डी गोबिन्दगढ़ , जिला पटियाला में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, ग्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 351, मई, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदे व चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजे रेंज, लुधियाना

तारीच : 10 जनवरी 1980

मोइर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के <mark>प्रधीन सूचना</mark>

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रा**युक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० नाभा/36/79-80--यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने जिसका उचित का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति 25,000/~ रुपये मे ग्रधिक बाजार मूस्य श्रीर जिसकी सं० भूमि 28 कनाल है, तथा जो गांव गरिवत्तपुरा, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नाभा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मई 1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, एसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत म्रधिक है म्रोर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त झिड़-नियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए;

अतः भव, वन्त अधिनियम की भारा 269-म के धनुतरक मे, मैं उक्त ग्रीधिनियम की भारा 269-व की क्पबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों अर्थात् :—

- श्रीमित महेश इन्दर, रूपिन्दर पाल, भूपिन्दर पाल (पृक्षियाँ) श्री जसवन्त सिंह वासी गांव गुरिवसपुरा, तहसील नाभा, जिला पिटयाला, (श्रम वासी न्यू माडल टाऊन, पिटयाला)।
 (श्रन्तरक)
- श्री भूपिन्दर सिंह पुझ श्री गुरनाम सिंह, वासी गांच गुरिंदसपुरा, तहसील नाभा, जिला पटियासा । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं स्रयंहोगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रमुसू ची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 28 कनाल है श्रौर जो गांव गुरिक्तपुरा, तहसील नाभा, जिला पटियाला ।

(जायवाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी; नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 494, मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव 'वन्व_, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 9 जनवरी 1980

प्ररूप माई० ी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० एन० बी० ए० |37|79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुपए से ग्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 28 कनाल 9 मरले है, तथा जो गांव गुरिदत्तपुरा तहसील नाभा, जिला पिटयाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नाभा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिविनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिविनियम, बा धन-कर ग्रिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की प्रारा 269-म ह प्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म की उनवारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—— श्री जसवन्त सिंह पुत्र श्री ग्रचल सिंह, श्रीमित सुखवन्त कौर पत्नी श्री जसवन्त सिंह, राजिन्दर पाल पुत्री श्री जसवन्त सिंह द्वारा जनरल ग्रटारनी श्री जसवन्त सिंह वासी न्यू माडल टाऊन, पटियाला।

(ग्रन्तरक)

2. श्री दिवन्दर सिंह पुत्र श्री मुरनाम सिंह, बासी गांब गुरिदत्तपुरा, तहसील नाभा, जिला पिटयाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वी≉त सम्पति के **अर्ज**न के लिए कार्यवाद्वियां करता हं।

उक्त सम्मी के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी प्रक्रिय वाद में त्रमान होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पन्टीकरण:—इसमें पयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रयं होगा जो उत्त प्रध्याय में दिया गया है।

धन् पुचा

भूमि जिसका क्षेत्र कल 28 कनाल 9 मरले है और जो गांव गुरदित्त पुरा, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के कार्यालय के विजेख संख्या 495, मई, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, लुधि याना

तारीख: 9 जनवरी 1980

प्रकप भाई • टी • एत • एस • — — — भायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भागकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्धेण सं० एन० वी० ए०/87/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव घद, भायकर भाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भाधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है हि स्थावर मम्मिन, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भाधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 बिघा 9 विसवा है, तथा जो गांव चासवाल, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नाभा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधतियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जून 1979

की पूर्वोक्त सम्यक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (भन्तरकों) प्रौर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित वें गस्तिवित कम से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के घम्तरक के दायित्व में कमी करन वा उससे बचने में सुविधा फें लिए; घौर/वा
- (ख) ऐना हिनी प्राय या हिमी धन या अन्य प्रास्तियों का, हजन्ह भारतीय यह कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-हर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

भतः भव, उक्त मिन्नियम की बारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निविधित व्यक्तियों अवीत :--- श्री मुजूरा तिंद्व पुत्र भी सुन्दर सिंह, नाली गांव चासवाल, तहसील नाशा, जिला पटियाला ।

(भ्रन्तरक)

 श्री श्रमरजीत सिंह पुत्र श्री साधू सिंह, बासी गांव चासवाल, तहसील नाभा, जिला पटियाला

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्पत्ति के सर्जन के लम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इत स्चा के राजनत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनबढ़ जिसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में जिए जा सकेंगे ।

स्वष्टोक्तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर पदों का, जो उनत प्रधिनियम के ग्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है!

अनु सूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 बिधा 9 विसवा है श्रीर जो गांव चासवाल, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है । (जायेदाट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 774, जुन, 1979 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्व, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जंन रेंज, लुधियाना ।

नारीख : 9 जनवरी 1980

नका आई। टी॰ एव०एम०~------

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के घषीन मूचना

भारत मण्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, लुधियाना
लुधियाना, विनांक 9 जनवरी 1980

भ्रौर जिसकी मं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 बिघा 10 विसवा है, तथा जो गांव वासवाल, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (श्रौर इस उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नाभा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979

को प्वींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए घन्तरित की गई है भीर मुंझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत भिष्ठक भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरका के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण जिखान में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है !---

- (क) भ्रम्तरण सं हुई किसी भ्राय की बाबत, उन्त मिधिनियम के अभ्रीत कर देने के भ्रत्यरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचनें में सुविधा के जिए। और/या
- (ख) ऐसी निसी भाष या निसी घन या भ्रम्थ भारितयों की, जिन्हों भारतीय भाषकर भिर्धानयम, 1922 (1922 का !!) या उक्त भिर्धानयम, था धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः बतः जनः अधिनियम की धारा 269-घ ने मनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्मलिखित स्पनित्यों, अर्थात् :—

- श्री तृजूरा सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह, वासी गांव चासवाल, तहसील नाभा, जिला पटियाला ।
 - (ग्रन्तप्क)
- श्री ग्रमरजीत सिंह पुत्र श्री साधू सिंह, वासी गांव चामवाल, तहसील नाभा, जिला पटियाला । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यगादियां सुरू करता है।

जक्त सम्पनि के अर्थन के संबंध में कोई भी आ कोप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविश्व या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व बाद में सपाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी -यक्ति हारा;
- (ख) इस प्यना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तित्रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों सौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के सब्याय 20-क में परिभावित है, बही सर्षं होगा जो उन सब्याय में दिया गया है।

अमुसुची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 बिघा 10 विस्ता है घौर जो गांव चासवाल, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है। (जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 376, मई, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

नारीख: १ जनवरी 1980।

प्ररूप आई. टी. एन. एम.---

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 प(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंजः लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० एस०आग०डी०/18/79-80—यतः मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना आयकर ग्रायित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उस्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- इपये से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० भूमि 9 बिघा 7.1/2 विसया है तथा जो गोव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई 1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयपाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भाषिनियम के भधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (आ) ऐसी किसी प्राप्त या कियो अन्या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें मारतीय प्रायकर मिनियम, 1922 (-1922 का 11) या उक्त मिनियम धा अन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

यत: प्रव, उक्त पश्चिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में में, उक्त पश्चिनियम की घारा 269-प की उपधारा (1) के अधीम निम्नविधित स्विक्तिमें, अर्थात्।--- श्री अमल दन पुत्र श्री धर्म पाल वासी गाव अजनाली, नहमील सरहिन्द, जिला पटियाला ।

(भ्रन्तर्क)

 श्रीमिति मलिकयत कीर पत्नी श्री बचन सिंह पृत श्री चतन सिंह वासी गांव ब्रजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए रायंवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
 स्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे ।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वर्ष अर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसुभी

भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 बिघा 7.1/2 विसवा **है श्री**र जो गांत्र ग्रजनाली, तहसील सरहिन्द, जिलापटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि राजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी, मरहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 368, मई, 1979 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 10 जनवरी 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

श्रायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रामकर भाष्मत (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज, ल्धियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्वेश सं० एस०आर०डी०/51/79-80--सनः मुझेः सुखदेव चन्द, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार (उन्न प्रविनियम) कहा गया है), को धारा 269-ख के आगेन नाम ग्राधिकारों को, यह विश्वाप करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,090/-इपए से प्रथिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 10 विद्या है, तथा जो गांव श्रजनाली, तहसील सरिहन्द, जिला पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सरिहन्द में रिजस्ट्रीकरण श्रिशितयम् 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृष्यमान श्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विष्ताम करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृष्यमान श्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान श्रतिफल का पण्डह प्रतिशत ग्रिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) श्रीर अस्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया ग्रामफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च भन्तरण दिश्व ने सहारित छा मा विषा नहीं हिस्स गया है :---

- (क) अध्यारण से तुई किसी धाय की बाबस, उक्त ध्रीमितियम के घ्रधीन कर देने के अध्यारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी प्राय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें प्रायकर प्रिप्तियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधितियम या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए ,

अतः 44, उतः धिविनयम की धारा 26ग के अनुसरण में, में, वक्त पिधिनियम, को धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नविश्वित व्यक्तियों. अर्थातः :-- श्री उत्तागण सिक्क पुत्र भी गरैन सिक्क पुत्र श्री किनन जित्र वासी गांव कोटला डडहेड़ी, तहसील समाराला, जिला लुधियाना

(अन्तरक)

यः सर्वश्री जसवन्त सिंह, कर्मजीत सिंह, जगतार सिंह पुत्र श्री काका सिंह, वासी गांव तलवाड़ा, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत पर्याति के यर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप---

- (क) इन श्वात के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की सबक्षि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की सबित, जो भी सबित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब कियी अन्य स्थावित द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पाम लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा त्रो उस शब्दाय में दिया गया है।

प्रमुष्

भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 विचा है और जो गांव श्रजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, सरिहन्द के कार्यालय, के विलेख संख्या 692, मई, 1979 में दर्ज है)।

> सु**क्षदेण च**न्द **तक्षम प्राधिकारी,** स**हायक श्रा**यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नुधियाना ।

तारीखाः 10 जनवरी 1980

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० सरहिन्द/17/79-80--यतः, मुझें, सुखदेव चन्द, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, लुधियाना ग्रायरुर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-रुपए से मुख्य म्रौर जिसकी सं० भृमि 9 बिघा 7.1/2 विसवा है, तथा जो गांव भ्रजनाली, तहसील सरिहन्द, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सरहिन्द में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किंवत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रतु-तरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—— 7—446GI/79 श्री धर्म पाल पुत्र श्री गन्डा मल वासी गांव म्रजनाली, तहसील सरिहन्द, जिला परियाला

(ग्रम्तरक)

 श्री बचन सिंह पुत्र श्री चनन सिंहः वासी गांव ग्रजनाली, तहसील मरहिन्द, जिला पटियाला

(म्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीध-नियम के ग्राध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, वहीं ग्रार्थ होगा, जो उस ग्राध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 बिषा 7.1/2 विसवा है स्रौर जो गांव स्रजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला । (जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, सरहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 367, मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10 जनवरी 1980

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

न्नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधोन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक जनवरी 1980

निर्देश सं० लुधियाना/R/23/79-80—-यतः, मुझें, सुखदेव, चन्द, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के प्रश्री । अन श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि 37 कनाल 15 मरले हैं तथा जो गांव सीलो कलां, तहसील लुधियाना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है): रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक हैं श्रीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया। प्रतिफल कि निन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्था से कथित नहीं किया गया। है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :—— श्री किणन सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह, बासी सीलो कर्ला तहसील लुधियाना ।

(ग्रन्तरक)

 सर्वश्री रखा सिंह, जरनैल मिंह, सिन्दर सिंह, जंग सिंह पुत्र श्री कपूर सिंह, वासी सीलो कलां, तहसील लुधियाना।

(अन्तरिती)

. को यह सूजना जारी करके पूर्वीक्त सम्यत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्तब्दी हरण:--इसमें प्रयुक्त प्राध्वों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के प्रश्वाय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 37 कनाल 15 मरले है छौर जो सीलो कलां, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायबाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 728, मई, 1979 में वर्ज है)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 10 जनवरी 1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० लुधियाना/78/79ब80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० 50-के, है, तथा जो सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः भ्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:— श्रीमित इन्बर जीत कौर पुत्ती श्री बच्चन सिंह पुत्त रूड़ सिंह, वासी सन्धू हाऊस, अगराम्रों रोड़, लुधियाना।

(प्रन्तरक)

 श्री निरन्दरजीत सिंह पुत्र श्री नरैन सिंह पुत्र श्री बच्चन सिंह, वासी बी-5-260, सिकन्दरी रोड़, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त मंमत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

मकान नं० 50-के, जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है ग्रौर जो करतार सिंह सराभा नगर, सुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 754, मई 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 10 जनवरी 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रिभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक श्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० नाभा/41/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लुधियाना भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिधिक हैं भौर जिसकी सं०

गांव मंडीर, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, नाभा में रिजस्ट्रीकरण भिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विग्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृग्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृग्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तावक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भाधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने अचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एसी किसी घाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, भ्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रषीत्:→→ श्री भाग सिंह पुत्र श्री ध्रमर नाथ पुत्र श्री विशेशर नाथ, धामो माजरा, तहसील पटियाला।

(म्रन्तरक)

2. श्री जगदीश सिंह मान पुत्र श्री जगबीर सिंह मान, वासी रखरा फार्म, रखरा, तहसील पटियाला। (धन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अबोह-ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जो जकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 बिघा 1 विसवा है और ज गांव मंडौर, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 514, मई, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव **चन्य** सक्षम प्रधिकारी, सहायक प्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10 जनवरी 1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

म्रायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० डेरा बस्सी/15/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना श्रायकर श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विषयास करने का कारण है कि स्थायर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० गांव लोहगढ, सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई 1979 को

पूर्वोक्त सम्भित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम गाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण संहुई किसी ग्राय की बाबन, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, याधन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव, उक्त श्रिवितयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रीधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्निखिखत व्यक्तियों श्रयात्:— श्री कर्म सिंह पुत्र श्री बचना वासी लोहगढ़, सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला

(भ्रन्तरक)

2. श्री जगदेव सिंह सिश् पुत्र श्री सुच्चा सिंह, वासी मकान नं० 1564, सैक्टर 33-डी, चण्डीगढ़। श्री शिव राज सिंह बराड़ पुत्र श्री जसवन्त सिंह बराड़, वासी मकान नं० 1572, सैक्टर 33-डी, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्तत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अविधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20 को परिभाषित हैं वहीं श्रर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 8 मरले है श्रीर जो गांव लोहगढ़, सब-तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला में स्थित है ।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी डेरा बस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या 177, मई, 1979 में वर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10 जनवरी 1980

प्रकृप साई • टी • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के धधीन सूचना वारत सरकार

कार्योलय, सङ्गयक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, शुधियाना

लुाक्षयाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/51/79-80----यत., मुझे, सुखदेव चन्द, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त प्रक्षिनियम' कहा गयां है), की धारा 269-च के प्रधीन सवाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से प्रक्षिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 323 हैं, तथा जो सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रिधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है, श्रीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्वर्ग के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वृश्यम से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत उनत प्रधिनियम, के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में मुनिधा के बिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन वा भ्रन्य मास्त्रियों की, जिम्हें भारतीय आय-कर मिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या बन-कर मिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया चवा वा वा किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः, धन, उक्त ग्र**धिनियम की धारा 269-ग के अनु**सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बबीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- शी जगदीश राय दाबर पुत्र स्व० श्री कांशी राम वाबर 108, डोरा रोड़, लंडन-एस० डब्ल्यू०-19, द्वारा जनरल श्रटारनी श्रीमित शान्ति देवी दाबर विधवा श्री राम लाल वाबर, वासी मकान नं० 1157, सैक्टर 18-सी, चण्डीगढ़ (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित सकन्दर कौर पत्नी श्री साघू सिंह गांव कोटली डा॰ टाण्डा बड़ा, जिला पटियाला । (ग्रन्तरिती)
- श्री सी० बी० परासर, बकील,
 श्री मनमोहन रेना,
 श्री जोहन जोसफ,
 श्री श्रश्वनी कुमार,
 सारे वासी 323, सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ़
 (वह ध्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की मबधि या तरसंबंधी अपिक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की मबिध जो भी मबिस बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितवड़ किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहरताक्षरी
 के पास लिखित में किये जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शस्यों और पर्वो का, जो उपत अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धनुषुषी

मकान नं० 323, सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ़। (आयदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ध्रिधिकारी चण्डीगढ के कार्यालय के विलेख संख्या 241, मई, 1979 में दर्ज हैं)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राघिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10 जनवरी 1980

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •---

आयकर बिबिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 289-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सङ्खायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं ० पटियाला/121/79-80--- यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, लुधियाना भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रष्टिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र∙ से भविक है भौर जिसकी सं अभृमि 30.1/2 बिघा है, तथा जो गांव टारेन, तहसील पटियाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून 1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिकल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है मोर पन्तरक (अन्तरकों) और पन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायि। में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रिष्ठितियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, भै, उक्त प्रधिनियम की धारा 269घ की उक्षारा (1) के अधीन, निम्निखिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री बलदेव सिंह पुत्र श्री किशन सिंह गांव टारेन, तहसील पटियाला ।

(ग्रन्तरक)

 सर्वश्री धर्म सिंह, लाभ सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह, सर्वश्री कर्म सिंह, गुलाब सिंह, पंजाब सिंह पुत्र श्री श्रजमेर सिंह , वासी बथोई खुर्द, तहसील पटियाला । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्यावर सम्पांत में हितबढ़ किनी अन्य व्यक्ति द्वारा घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनु सूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 30.1/2 विघा है श्रीर जो गांव टारेन, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ला श्रिधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1628, जून 1979 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 10 जनवरी 1980

<u> "ोहर</u>

प्ररूप भाई० टी॰ एन॰ एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लिंघयाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० नाभा/40/79-80---यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है, श्रौर जिसकी सं० भूमि 26 बिघा 1 विसवा है, तथा जो गांव मंडौर, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रौर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता **ग्रधिकारी के कार्यालय, नाभा में रजिस्ट्रीकरण** श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है <mark>गौर ग्रन्तरक</mark> (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्न<mark>लिखित</mark> **उद्देश्य** से उस्त प्रत्नरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राप्त की बाबत उक्त श्रिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिय; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में सुविधा के लिए !

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुषरण में में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के अधीन, भिम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— सर्वश्री हरबन्स सिंह, राम मूर्ती पुत्र ग्रमरनाथ पुत्र श्री विशेशर नाथ गांव शामो माजरा, तहसील पटियाला

(ग्रन्तरक)

2. श्री भ्रमरीक सिंह गिल पुत्र श्री हिम्मत सिंह गिल पुत्र लाल सिंह वासी रखरा फार्म, रखरा, तहसील पटियाला

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास
 निखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दोच्चरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रथल 26 बिघा 1 विसवा है श्रीर जो गांव मंडीर, सहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है। (जातुदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 513., मई, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव **धन्द** सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10 जनवरी 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०~

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुघियाना लुघियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० नाभा/54/79-80—यत:, मुझे, सुखदेव चन्छ, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 25 कनाल 13 मरले हैं, तथा जो गांव ककराला, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूणं रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नाभा में रिजस्ट्रीरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एसा किसा बात या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:--- 8-446 GI/79

 श्री जोरा सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह वासी गांव ककराला, तहसील नाभा, जिला पटियाला

(भ्रन्तरक)

2. सर्व श्री श्रमर सिंह, जागर सिंह, गुरतेज सिंह पुत्र श्री नारंग सिंह गांव ककराला, तहसील नाभा, जिला पटियाला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो क्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तत सम्मत्ति के ग्रार्गन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित ह, वही श्रर्थं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

त्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 25 कनाल 13 मरले है श्रौर जो जो गांव ककराला, तहसील नाभा, जिला पटियाला। (जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 619, मई, 1979 में दर्ज है)।

सु**खदेव च**न्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर **ग्रायु**क्त (निरी**क्षण),** ग्रर्जन रेंज, लक्षियाना

तारीख : 10 जनवरी 1980

प्ररूप आई॰ टी॰ एन० एस॰---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचमा

मारत सरकार कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/44/79-80---यतः, मुझे, सुखदेव चन्द्र, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लिधयाना भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ६० से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1022, है, तथा जो सैक्टर 36-बी, चण्डीगढ़ सें में स्थित है (ग्रीर इस उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप सें वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतित बाजार मृत्य से कम के बुष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार कर सम्पत्ति का उचित शाजार मूल्य, उप 👯 यमान प्रतिफल में , ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पस्तद्द प्रतिशत से मधिक है और यन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती से (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, तिम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकि रूप मे कथित नहीं किया गया है '---

- (क) धन्तरण से हुई िक्सी आय की बाबत उक्त अधिनियन के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी घन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) य उक्त अधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनसरण में, में, उक्त मिश्रिनियम की धारा 269-थ की उपश्वारा (1) क्योम निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

- मेजर मनमोहन भाटिया पुत्र श्री वियाल चन्द भाटिया मारफत मकान नं० 116, सैक्टर 9-बी, चण्डीगढ़ (ग्रन्तरक)
- श्री मर्जन सिंह पुत्र श्री भगत सिंह मकान नं० 1567, सैक्टर 34-सी, चण्डीगढ़

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति ह अर्जन के पश्वन्ध में कोई भी प्राक्षी:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी **च से 45 दिन** की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूता। के राजात में प्रकाशन को तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समासि थे हित-बद्ध किसी अध्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोत्स्ताकारी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रक्ष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्व होगा जो उस मध्याय में विया गया है।

अनुसुषी

प्लाट सं० 1022, सैक्तर 36-बी, चण्डीगढ़ । (जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 192, मई, 1979 में दर्ज र)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रुपैन रेंज, लुधियांना

तारीख: 10 जनवरी 1980

प्ररूप भाई० टी० एन०एस०-

म्रायहर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांए 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/48/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक श्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना श्रायकर श्रीधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मंगील जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- ए० में ग्रीधिक हैं श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 481, है, तथा जो सैक्टर 32-ए.

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 481, है, तथा जो सैक्टर 32-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इस उपाबद्ध भ्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके श्रथमान प्रतिफन में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तर ह के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत् :— श्री हंस राज पुत्र श्री हाको राम, 14-करसन कालोनी, राम दरबार, चण्डीगढ़

(ग्रन्तरक)

 सर्वश्री जगवीश चन्व पुत्रश्री जवाला प्रसाद, प्रशोक कुमार, ग्रश्वनी कुमार पुत्र श्री जगवीश चन्व वासी मकान नं० 468, सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ़ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी अवधि बाद में पमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पद्धोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थं होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूर्चा

प्लाट नं० 481, सैक्टर 32-ए, चण्डीगढ़ । (जावेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 203, मई, 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारो, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुियाना

तारीख : 10 जनवरी 1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/46/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 2561. 475, 32 वर्ग गज है, तथा जो सैक्टर 35-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजर मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (आरितियां) ह बाज रिव प्रनित्य के लिए तप पाया गया प्रतिकत, जिल्लो का उद्दार प्रवास करने के लिए तप पाया गया प्रतिकत, जिल्लो का उद्दार प्रवास करने के लिए तप पाया गया प्रतिकत, जिल्लो का पन्द प्रवास करने के लिए तप पाया गया प्रतिकत, जिल्लो का पन्द के लिए तप पाया गया प्रतिकत, जिल्लो का पन्द के लिए तप पाया गया प्रतिकत, जिल्लो का पन्द के लिए तप पाया गया प्रतिकत, जिल्लो का पन्द करने के लिए तप पाया गया प्रतिकत, जिल्लो का पन्द करने के लिए तप पाया गया प्रतिकत, जिल्लो का पन्द करने के लिए तप पाया गया प्रतिकत, जिल्लो का पन्द करने कि लिए तप पाया गया के लिए तप पाया गया विष्ठ के लिए तप पाया गया के लिए तप पाया गया के लिए तप पाया गया विष्ठ क

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर दने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; श्रौर/या
- (ख) को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः— लै०क० मनमोहन सिंह (रटाइरड) पुत्र श्री नरैन सिंह, बार-एट-ला, द्वारा जनरल अटारनी अगेडियर जे० एस० ढिल्लों, मकान नं० 659, सैक्टर 16-डी, चण्डीगढ

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सुरजीत पवित्र सिंह पत्नी स्व० पवित्र सिंह वासी 677, 11-बी, चण्डीगढ

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण:—इसमें प्रयुक्त णब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

श्रनुसूची

प्लाट तं० 2561, सैक्टर 35-सी, चण्डीगढ । (जायदाद जैसाकि र्जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 198, मई, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10 जनवरी 1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एम०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश मं० ग्रमलोह/28/79-80—यतः, मुझे, मुखदेव चन्द, श्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से ग्रिधिक हैं ग्रीर जिसकी मं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 10 बीघे हैं, तथा जो नसराली, मण्डी गोविन्द गढ़ तहसील ग्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनूची में और पूर्ण ष्य से वर्णित हैं), र्जस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रमलोह में र्जिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, मई 1979

को पूर्वीकत समात्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विष्वाण करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उनके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल के हैं श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषय से उनन श्रन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उका अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी हिसी प्राय या हिसी धन या प्राय प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय हर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन तर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रवः, उक्त ग्रिप्तियमं की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, म. उक्त ग्रिप्तियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रवीन निमालाखा व्यक्तियों, ग्रथति:—— श्री तेजा सिंह पुत्र श्री किशना वासी नसराली सब तहसील श्रमलोह जिला पटियाला

(ग्रन्तरक)

2. श्री दयाल खान पुत्र श्री बीरू वासी नसराली मण्डी, गोविन्दगढ़ तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके श्रर्जनके लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्र फल 10 बीचे हैं तथा जो गांव नमराली, मण्डी गोविन्दगढ़ तहसील अमलोह जिला पटियाला में स्थित हैं।

(सम्पत्ति जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमलोह के विलेख संख्या 279 जो मई 1979 में दर्ज है)।

> मृखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10 जनवरी 1980

प्रहा प्राई० टी० एन० एन०------

भ्रायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देण मं० श्रमलोह/33/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम उरने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० प्लाट जिसका क्षेत्रफल 14 विमवा है, तथा जो कुकड़ माजरा तहसील अमलोह, जिला पिट्याला (मंडी गोंबिन्दगढ़) में स्थित हैं (और इसस उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रमलोह में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिल् अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िन्सी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अबने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, ग्रन्न, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, म, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीनः--- सर्वश्री मलिकयत सिंह एवं मुरजीत सिंह पुत्र श्री हीरा सिंह वासी कुकड़ माजरा मण्डी गोबिन्दगढ़, तहसील ग्रमलोह, जिला पटियाला

(भ्रन्तरक)

 श्री चुहड़ राम पुत्र श्री हमीरा मल वासी मण्डी गोबिन्दगढ़ जिला पटियाला

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना शारी करके पुर्वोकन सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्मत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (ह) इप सूबता के राजनल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामीज से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुबना क राजस्य पापकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समाति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इममें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-ए में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट जो 14 बिस्बे हैं तथा कुकड़ माजरा, मण्डी गोबिन्दगढ़ नहसील श्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित हैं । (सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमलोह के विलेख संख्या 324 जो कि मई 1979 में दिखाया गया है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखा : 10 जनवरी 1980

प्ररूप ग्राई• टी• एन• एस•-----

आयकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा .269-च (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजेंन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/62/79-80--यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, मिषितियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के पंधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- र∙ से ग्रीबिक है भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 446 है तथा जो सैक्टर 35-ए चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1979 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का धनद्रह प्रतिशत मधिक है भीर अन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे शन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिश्वल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निलित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रश्नरक के वायित्व में कमी करने या उससे घचने में सुविधा के सिष्; भोर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भ्रीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या मनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, फ़िपाने म सुविधा के निए;

बतः भव, उनः प्रधिनियम की धारा 269-ग क बनुसरण में, मैं, उन्ह अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारत (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- कैंप्टन रिवन्द्र सिंह बिर्क पुत्र स्व० श्री श्रार० एम० बिर्क द्वारा श्रीमित श्रीतम कौर पत्नी श्री श्रजीन सिंह गिल वासी 446, सैक्टर 35-ए चण्डीगढ़

(भ्रन्तरक)

2 श्री श्रजीत सिंह गिल पुत्र श्री बक्शीण सिंह गिल वासी 446 सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वीकन सम्पति के प्रर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्यत्ति के प्रप्रंत के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 धविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन
 व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूरता के राजनंत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिल के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा नकींगे।

• विकासिकारण १—-इसमें प्रयुक्त सकतें और पदों का, को उकत अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही धर्ष रोगा, तो उन प्रध्या में विकासया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 446 सैक्टर 35-ए चण्डीगढ़। (सम्पत्ति जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 341 जो कि जून 1979 का है, में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारीखा: 10 जनवरी 1980

प्ररूप धाई । टी । एन । एस ---

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायस आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० नाभा/49/79-80---यतः, मुझे, सुखदेव चन्दः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण १ कि स्यावर परानि नियमा उचित वाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 17 बिघा 4 विसवा है, तथा जो गांव मंडौर, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नाभा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम. 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिलत बाजार मूह्य से कम के बृध्यमान श्रीतफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके बृध्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके बृध्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिगत प्रतिफल का प्रमुख प्रतिगत प्रतिफल का प्रतिका से, ऐसे वृध्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिगत प्रतिफल का प्रमुख प्रतिगत प्रतिफल का लिए स्वपाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त प्रस्तरण, निधित में वास्तविक कर में इथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरन से हुई किसी भागकी वावत, उपत प्रधि-नियम के भागिन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में मुविधा के भिए; भीर/या
- (व) ऐसी किसी प्राप या किसो वन या पन्य पास्तियों
 को जिन्हें भ्राय-कर ग्रधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ ग्रन्थिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 मया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
 स्विधा के लिए;

भतः भव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुमरण मे, मैं उक्त मधिनियम की धारा 269-व की जपधारा (1) के ब्राजीन निक्नसिखित व्यक्तियों, प्रचीत :--

- 1. श्री मुन्शी राम पुत्र श्री बिशना राम पुत्र श्री मंगू वासी ग्रजनौदा कलां, तहसील नाभा, जिला पटियाला (ग्रन्तरक)
- सर्वश्री ईणर सिंह, गुरमेल सिंह, नरनजन सिंह पुत्र श्री केहर सिंह, गांव मंडौर, तहसील नाभा, जिला पटियाला

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जासकाँगे।

स्पन्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रविक् नियम, के प्रध्याय 20क में परिभावित है, वहीं धर्म होगा, जो उस ध्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रपाल 17 बिघा 4 विसवा है स्रौर जो गांव मंडौर, तहसील नाभा, जिला पटियाला में स्थित है। (जायदाव जैसाकि राजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 610, मई, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखा: 10 जनवरी 1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) कीधारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॉज, लुघियाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/55/79-80—यत:, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/ रुपये से ग्रिधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 3107 है, तथा जो सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, मई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिष्ठिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के धीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रीधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्तिजिक्त व्यक्तियों श्रवीत:—-9 —446GI/79

- श्री ज्ञान सिंह पुत श्री पूरन सिंह वासी मनधार तहसील जगाधरी, जिला अम्बाला द्वारा स्पेशल अटारनी श्री दर्शन सिंह पुत श्री दलीप सिंह गरेवाल वासी मकान नं० 188/187, मौ० कालज रोड़, सिविल लाईन, लुधियाना (अन्तरक)
- श्रीमित इन्दरजीत कौर पत्नी श्री जीवन सिंह मकान नं० 3107, सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्बक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविधि जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं ० 3107, सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 288, मई, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर मागुनत (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10 जनवरी 1980

प्ररूप माई • टी० एन • एन • —

भायकर विधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के धर्मीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक भागकर भागुक्त (निरीक्तण) भर्जन रॅज, कृधिवाना

लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980

निवेंस सं० पी०टी०ए०/179/79-80----यतः मुझें, सुखदव चत्व, बायक स्वधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त पश्चिनियम' कहा नया है), की धारा 269-च के चश्चीन सबस प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० है धिजन है

श्रीर जिसकी सं० व्लाट 1001 वर्ग गज है तथा को नजदीक गुरुद्धारा दुखनिनारण सहिन रोड, पटियाला में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची भीर में जो पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दूश्यमान प्रतिक्षय के लिए मन्तरित की नई है भीर मुझे यह विश्वास करने जा कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके पृथ्यमान प्रतिकृत से ऐसे पृथ्यमान प्रतिकृत का पन्तर्ह प्रतिभात अधिक है भीर भन्तरक (अन्तर्कों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्मसिखित उद्देश्य से उच्छ अम्तरण निखित में वास्तिवक्त रूप से कथित नहीं हिमा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अजीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अण्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रवित्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरितो क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था, जियाने में सुविक्षा के लिए;

अतः बन्ध, उन्ता प्रधितियम की बारा 269का के बन्ध सरण में, मैं, उन्ता अधिनियम की बारा 269का की वश्वारा (1) के मधीन, निम्तलिश्वित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- श्री निरन्दर सिंह फुलका पुत्र श्री नरन्जन सिंह द्वारा श्री हरपाल सिंह ढिल्लों,
 बकील जनरल श्रटारनी,
 नजदीक रेलवे स्टेशन, पटियाला ।

(श्रन्तरक)

2. श्री साधू सिंह पुत्र श्री चतर सिंह, श्री कर्मजीत सिंह, मोहन सिंह, श्रमरजीत सिंह, नरैन दास पुत्र श्री साधू सिंह वासी बहेरा रोड, पटियाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रज्न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आसोप।---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीजा से
 45 दिन की भवधि या तस्तंत्रंधी क्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि
 बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों
 में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हिल-बढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, ममोह्स्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अकत श्रिष्ठित्यम के प्रश्याय 20-क में परिभाषित हैं,वही धर्म होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

पनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1001 वर्ग गज है और जो नजदीक गुरुद्वारा दुखनिवारण साहिब में स्थित है।

(जार्येदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख सं०2318, जून 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्तम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर भागुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-1-1980

प्रकप धाई • टी • एन • एस • ---

पायकर शिविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 घ (1) के शशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 10 जनवरी 1980

निदेश सं० एलडी ०एन०/110/79-80—ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्दः, ग्रायकर ग्रिधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट स्ट्रीट नं० 9, है तथा जो प्रताप नगर, लुधियाना, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन दिनांक 5/79

को पूर्वोक्तं संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसे किसी ग्राय या किसी मन या भ्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिमियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिमियम, या धन-कर ग्रिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, सव, सवत अधिनियम की भारा 269-व के धनुसरण में, में, ग्रायकर अधिवियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धवाँष् :---

- श्री रछपाल सिंह पुत्र श्री रघुत्रीर सिंह श्रीमित रणजीत कोर पत्नी श्री रछपाल सिंह द्वारा श्री गुरदियाल सिंह कलसी मारफत कलसी टिम्बर स्टोर, 160-मार, इन्डस्ट्रीयल एरिया, 'बी' लुधियाना (ग्रांतरक)
- 2. मैसर्ज लाल पृंज इंडस्ट्री द्वारा श्री लाल चन्द, राजिन्दर कुमार, बासदेव पुत्र श्री मोइन लाल यासी, 1133, विशनुपुरी, सिविल लाइन्ज लुधियाना।

(श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्जन के जिए कायवाहियां करता हूँ।

जनत सन्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध म कोई भी घांक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की धविष्ट या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबता के राजरव में प्रकाशत को तारी ज से 45 विन के भीवर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य स्थिति हारा, अघोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छी खरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्यों का, जो उन्त मिन्नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

मनुष्ची

प्लाट स्ट्रीट नं० 9, प्रताप नगर, लुधियाना। (जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालम के विलेख संख्या 1022, मई, 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10 जनवरी, 1980

भोहर:

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

नार्वालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेण सं० जग० /10/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द्र भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० भ्मि, 4 कनाल, 14 मरल, है तथा जो गांव श्रगवाड़ गुजरां, तहसील जगराधों में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जगराधों में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और मन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण कि बित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, ृजिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

धतः ग्रन, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, नैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 260-घ की उपधारा (1) बग्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:— श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री कर्म सिंह पुत्र श्री प्रतापसिंह वासी गांव ग्रगवाड, पोना, तहसील जगराग्रों।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री उत्तम सिंह, गांव ग्रालीगढ़, तहसील जगराम्रों (शहीद रछपाल सिंह नगर)।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बंध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबस्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सकेंग।

स्वद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रश्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रथ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

जनु सूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 14 मरले है और जो गांव भ्रमवाड़ गुगरां तहसील जगराश्रों में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, जगराश्रों के कार्यालय के विलेख संख्या 487, मई, 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी; सहायक झायकर झायुक्त, (निरीक्षण) झर्जन रेंज, लुधियाना,

तारीख:15-1-80

प्रकप धाई • टी • एत • एत • ~----

भायकर प्रचित्रियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, लुधियान

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेश सं०ए०एम० 22/79-80—श्रतः मुझे सुखदेव चन्द भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से विश्व है

स्रोर जिसकी सं० भूमि का प्लाट 16 विसवा 15 विसवासी, है तथा जो कुकड़, माजरा, मण्डी, गोविन्दगढ़, तहसील अमलोह, जिला पटियाला, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रमलोह में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5/79 को पूर्वोच्दा समपत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्त का खिला बाखार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से शिवक है और यग्तरक (यग्तरकों) और यग्तरिती (यग्तरितियों) के बीच ऐसे यग्तरक (यग्तरकों) और यग्तरिती (प्रग्तरितियों) के बीच ऐसे यग्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निक विषय से उम्र अन्तरण कि बित में शास्त्रिक उप से केवित नहीं सिया यथा है :---

- (क) भन्तरण से हुई किसो भाय की बाबत, उक्त क्षाधि-नियम, के भधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविसा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या बिसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्व अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः यव, उस्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उस्त प्रधिनियम की बारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्षाव्:- श्री मादी राम पुत्र श्री श्रच्छर राम द्वारा स्पेणल श्रटारनी, श्रीमती शान्ती देवी वासी मण्डी गोविन्द गढ़, जिला पटियाला ।

(श्रंतरक)

 श्री निरन्दर बीरपाल मिह श्री तेज सिह पुत्र श्री दर्शन सिह वासी मण्डी, गोबिन्द गढ़, तहसील श्रमलोह।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सं धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन का भविधि, जो भी भविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घषोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पक्षे का, जी उक्त श्रिक्षितियम के श्रव्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

प्रमसची

भूमि का प्लाट सिका क्षेत्रफल 16 जिसवा 15 विसवासी, है, ग्रीर जो कुकड़माजरा, मण्डी, गोविन्दगढ़, तहसील ग्रमलोह, जिलापटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी, श्रमलोह के कार्यालय में विलख सं० 208, मई, 1979 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द, स**क्षम प्राधिकारी** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 15 जनवरी, 1980 **मोहर**ा प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

आयकर भन्निनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980 निदेश संब्र बी०ग्रार० एन०/9/79-80--म्रतः

मुझं, सुखदेव चन्द सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा मया है), की घारा 269-स के प्रधीन सम्भाम प्रधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वप् से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि 63, कनाल 8 मरले है तथा जो पट्टी मोहर सिंह भदोड़, तहसील बरनाला, जिला संगरुर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नरनाला में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5/79 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के जिलत बाजार मूक्त से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिये धन्तरित की गई है जौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वेक्त सम्पत्ति का जिलत बाजार मूस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर धन्तरिती (प्रस्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नान्धित उद्देश्य ः उक्त धन्तरण निम्नान्धित में वास्तिवक कप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से दृई किसी माय की बाबत, उक्त ब्राह्मियम के ध्रधीन कर देने के सन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविका के बिए। बीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी बन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धन-कर श्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनाचं अस्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया वाया किया वाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

श्रतः ग्रव, उक्त ग्रिश्चितियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिश्चित्यम की प्रारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निक्नतिथित व्यक्तियों, अवीत्।---

- श्री चनन निंह पुत्र श्री राम/सिंह वासी पट्टी मोहर सिंह मदोड़, तहसील बरनाला, जिला संगरूर । (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती गुरचरन कौर बनाम नसीब कौर पृत्नी श्री भाग सिंह वासी पंट्टी मोहर सिंह भदोड़, तहसील बरनाला, जिला संगरूर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की घवधि या तस्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की घवधि, को भी प्रविध बाद म समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजक्श्च में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के मीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सब्ध किसी प्रम्य क्यक्ति द्वारा, सम्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे!

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रस्थाय 20-क में परिभाषित है, बड़ी वर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 63 कनाल 8 मरले है और जो पट्टी मोहर सिंह भदौड़, तहसील बरनाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, बरनाला के कार्यालय के विशेख संख्या 2043, मई, 1979में दर्ज र)

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख 15 जनवरी, 1980 मोहर: प्रकृप भारे ही एत एस --

न्नायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1980

निवेश सं० एस 0 डी॰ एच॰ | 88 | 79-80-श्रतः मुझे सुखवेव चन्द बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा, 269-ख के अधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/-रुपये से श्रधिक है

श्रौर सिजकी सं० माकन नं० बी-6-333 है, तथा जो कुच्चा नं० 4, माधोपुरी, लुधियाना, में स्थित है (श्रोर इससे पाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर कुजो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5/79 को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रति-

को पूर्वीकत सम्पति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रम्यह प्रतिशत से अधिक है और भग्तरक (अन्तरकों) और अग्वरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निश्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया नया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत जबत घछि-नियम के घडीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिविनियम, या धनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चत: चन, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के घनुसरक में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित क्वक्तियों, प्रकृति:—— श्री चूनी लाल पुत्र श्री बर्कत राम वासी बी-6-333, कुच्चा नं. 4, माघोपुरी, लुधियाना ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री राजिन्दर पाल पुत्न श्री हंस राज जैन, वासी बी-6-333, कुच्चा नं० 4, माधोपुरी, लुधियाना।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जंभी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं घर्ष होगा, जो उस घट्यान में विया गया है।

अनुसुची

मकान नं० बी-6-333. कुच्चा नं० 4, माघ्रोपुरी, लुधियाना।
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या 823, मई, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारी 15 जनवरी, 1980 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1980

निदेश सं० ज० एन० /13/79-80--- प्रतः मुझे सुखदेव चन्द भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-रुपये से म्ल्य श्रीर जिसकी सं० भूमि 19 कनाल, 12 मरल है तथा जो गांव चक्कर ., तहसील जगराश्रों, जिला लुधियाना, में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित की) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जुगराभ्रों में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है स्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, भ्रम, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रतु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथित्ः →

- 1. श्रीमती कर्म कौर विधवा श्री नथा सिंह पुत्र श्री टैह लसिंह वासी गांव चक्कर, तहसील जगराग्रों, जिला लुधियाना। (भ्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री दर्शन सिंह, शेर सिंह पुत्र श्री बाबू सिंह पुत्र पाला सिंह वासी गांव चक्कर, तहसील जगराग्रों जिला लुधियना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य उपिता द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि 19 कनाल; 12 मरले, जो गांव चक्कर तहसील जगराओं जिलालुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी, जगराग्रो के कार्यालय के विलेख संख्या 693, मई, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी

(सहायक भायकर भ्रायक्त निरीक्षण)

तारीख 15 जनवरी, 1980 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 市 43) के अधीन सूचना 269-घ (1) भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 15 जनवरी, 1980

निदेश स० सी एच० डी०/45/79-80--- ग्रतः मुझे मुखदेवचन्द भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उत्रित बाजार मूल्य 25,000/-स्पए से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 3567 सैक्टर 35-डी, है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के प्रधीन दिनांक 5/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित ब्राजार मृत्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य से उका ग्रन्तरम निवित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण स हुइ किसो ग्राय को बाबत, उक्त ग्रीध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्त्र में कमी करने या उससे बचने में पृतिधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायक्तर प्रक्षिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात:--10-446GI/79

- श्री हुकूमत राथ पुत्र श्री हुकीमराय वासी 15, वार्ड नं० 4, श्रार० एस० पूरा, जिला अम्म द्वारा जनरल भ्रटारनी श्री तलोक सिंह पुत्रश्री बीर सिंह गांव लकनौर तहसील खरड़ जिला रोपड़, द्वारा स्पैशल ग्रटारनी श्रीमती सन्तोष सैधा पत्नी श्री एफ० सी० सैधा, वासी गांव व डा० जताना वाया दोराहा, जिला लुधियाना ।
- श्री फकीर चन्द पूत्र श्री हरनाम दास वासी मकान नं० 3567, सैक्टर 35-डी, चन्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

(म्रन्तरक)

3. श्री कृष्ण कुमार गर्ग श्री मनजीत सिंह कपूर, वासी 3567, सैक्टर 35-डी, चन्डीगढ़ (वह व्यक्ति जिस के अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के तमबन्ध में कोई भा प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रत्रिधि या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर मूचना की तामीत से 30 दिन की अत्रधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सुबता के राजगत्र में प्रदाशन की नारीख से 45 जिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवञ्च किसी प्रत्य व्यक्ति बारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढटी हरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के प्रश्नाय 20क में परिभाषित ह, बही श्रर्थ होगा जो उन प्रब्याय में दिया गया है।

ग्रन्युची

प्लाट नं० 3567, सैक्टर 35-डी, चन्डीगढ़ जिसका क्षेत्रफल 169 वर्ग गज है।

(जायदाव जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 197,मई, 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**खा** 15-1-1980

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज लुधियाना लुधियाना विनांक 15 जनवरी, 1980

निदेश सं॰ एस॰ एम॰ एल॰/7/79-80--ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द

भाय तर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रश्नीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संगत्ति जिन्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में भिषक है

मौर जिसकी सं०भूमि का प्लाट 300 वर्ग गज है तथा जो फिगासक इस्टेट स्टेशन बार्ड, बड़ा शिमला, शिमला-3, में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूधी में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय मिशला में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 5/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंगत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकन में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निव्यत्तिविद्यते उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय अधिकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं. किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अन्य, उक्त श्रधिनियमः की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श्र की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्णात्:— श्रीमती वेनू बक्शी, पत्नी विकास बक्शी, (शादी से पहले मीश श्रंजली कैंतल) वासी, 13, टौलसटाए रोड, नई विस्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती असपाल कौर पत्नी श्री धर्मपाल सिंह पुत श्री कर्म सिंह वासी 146/9, लोग्नर बाजार, शिमला।

(भ्रन्तर₁)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रश्चितियम, के श्रष्टपाय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

अनस्यो

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है भ्रौर जो फिंगासक इस्टेट, स्टेशन बार्ड, बड़ा शिमला, शिमला-3 में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, शिमला के कार्यालय के विलेख संख्या 265, मई 1979 में दर्ज है)

सुखदेव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 15 जनवरी, 1980। मोहर:

प्रारूप प्राई० टी० एन०एस०----

आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1980

निदेश सं० बी०प्रार०एन०/6/79-80-प्रतः मुझे सुखवेयचन्द्र प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- र० से प्रधिक हैं

भौर जिसकी सं० भूमि 23 वीघा 10 विसवा, है तथा जो गांव ठूलेवाल, तहसील बरनाला, जिला संगरूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय बरनाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम

1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 5/79 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त प्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रवः, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में; म, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रयीत् :—

- श्रीमती कर्मकौर, विधवा श्री सोहन सिंह, दीपो पुत्री सोहन सिंह वासी गांव ठूलेवाल तहसील बरनाला। (श्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री गुरनाम सिंह, सरवन सिंह मुकन्द सिंह, चन्दसिंह जंग सिंह पुत्र दलीप मिंह वासी गांत्र ठूले बाल, तहसील बरनाला जिला संगरूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के संबंध में कोई भी म्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखासे 45 दिन की प्रविधिया तत्संखंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम, के श्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं भ्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रम्सूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 23 विधा 10 विसवा, है श्रीर जो गांव ठूलेवाल- तहसील बरनाला, जिला संगरूर में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, बरनाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1995, मई 1979 में दर्ज है)।

सुक्तदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख15: जनवरी, 1980।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेश सं० एल०डी०एन०/182/79-80—-श्रतः मुझे सुखदेव चन्द

भायकर घितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 2500/- ६० से ग्राधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/3 भाग बिल्डिंग, नं० बी-7-96, है तथा जो चौड़ा बाजार लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 6/79

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मूल्य उसके दूश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के पधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धन, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उनत ग्राधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) धीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः— श्री कुलदीप सिंह पुत्र बधा सिंह पुत्र चःन्दी राम वासी 7-सी, सराभा नगर, लुधियाना।

(भ्रंतरक)

2. मैं मर्जराजा सिलक स्टोर, चौड़ा बाजार, लुधियाना बारा रीमित कैंणलया देवी, व राज कुमार पुत्र श्री अजोध्या प्रसाद पार्टनर।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्म व्यक्ति द्वारा प्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रध्ययन 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

ग्रगुमूची

1/3 भाग, बिल्छिग नं० बी-7-96, बी-7-74 व बी-7-74/1 जो चौड़ा बाजार, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, लुधियना के कार्यालय के विलेख संख्या 1638, जून, 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, ल्घियाना

तारीख: 15 जनवरी, 1980

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1980

निदेश सं० एल०डीएन०/121/79-80——ग्रतः, मुझे, सुखदेव चन्द

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रिधिनियम' कहा गया है), की म्रारा 269-ख के म्रिधीन समन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्मित, जिनका उचिन बाजार मृत्य 25,000/- रूपए से म्रिधिक है

स्रौर जिसकी सं० 1/3 भाग, बिल्डिंग नं० बी-7-96, वी-7-74 व बी-7-74/1 है तथा जो चौड़ा बाजार, लुधियाना में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 5/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए बन्दिन की गई है स्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पति का उचित बाजार मृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बिश्व है स्रौर सन्तरक (सन्तरकों) स्रौर धन्तरितो (बन्दिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण लिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण में हुई हिसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधोन कर दने के अक्तरक के दायिश्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या था किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उबत श्रविनियम की धारा 269-म के बनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री जगतार मिंह पुत्र श्री बजा मिंह पुत्र चान्दी राम वासी 7-सी, शाप कम फ्लैट, सराभा नगर, पटियाला। (ग्रांतरक)
- 2. मैसर्स राणा सिलक स्टोर, चौड़ा बाजार, लुधियाना द्वारा श्रीमती कौणल्या देवी व श्री राज कुमार पुत श्री श्रजोध्या प्रसाद पार्टनर्ज ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त ग्रिधिनयम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग बिल्डिंग नं० बी 7-96, बी-7-74 व बी-7-74/1, जो चौड़ा बाजार लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 1158, मई, 1979 में दर्ज है)

> सुम्बदेव चृन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

ता**रीख 1**5 जनवरी, 1980 भो**हर** : प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

मानकर यजिनियम, 1981 (1981 को 43) की बारा 289-थ (1) के मधीन सूचना

चारत सरकार

त्तार्यांवय, पहाय " यहयवहर सामुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रॅज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेश सं० एल डी० एन०/183/79-80—-म्रतः, मुझे, सुखदेव चन्ध

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/3 भाग बिल्डिंग मं० बी-7-96, बी-7-74, व बी-7-74/1 है तथा जो घौड़ा बाजार, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 6/79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार पूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिका के निए सम्बर्धित संपत्ति की गई है बीर मुझे यह विश्वास करने का कारक है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल ऐसे, दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत संप्रिक है और सन्तरक (सन्तरकों) धौर मन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरक (सन्तरकों) धौर मन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरक श्रीकरण के लिए तय पाया गया प्रतिकान तिन्निवित्त उद्देश्य से उचत अन्तरण विवित्त में बास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (त) अन्तरण से हुई जिसी साय की वायत उपत सकि-नियम के संधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में नमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भीर्यबा
- (ख) ऐसी किसी धाय या निसी घन या अन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायनर घिष्टिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त घिष्टियम, या धन-कर घिष्टिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्क घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया काना काहिए था, कियाने में सुविका के स्मार्थ;

अतः भव, उत्तर अधिनियम, की वारा 269-ग ने धनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की बारा 269-ग की उपवारा (1) के अधीन, निम्मनिवित व्यक्तियों, प्रवीतः ---

- श्री हरचरन मिह पुत्र श्री बधा मिह पुत्र श्री चान्दीराम वासी 7 सी, शाप कम फ्लैट, सराभा नगर, लुधियाना, (अंतरक)
- 2. मैसर्स राणा सीलक स्टोर, चौड़ा बाजार, लुधियाना द्वारा: श्रीमती कोणत्या देशी व राज कुमार पुत्र श्रजोध्या प्रसाद, पार्टनरज ।

(ग्रंनरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की संबंधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी संबंधि बाद में नमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूवता के राजपता में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रवोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त सन्दों घीर पदों का, जो उकत प्रधिनियम के घष्ट्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही अर्थ होगा को उस घष्ट्याय में दिया गया है।

अनस्ची

1/3 भाग, बिल्डिंग नं० बी-7-96, बी-7-74 व बी-7-74/1 जो चौड़ा बाजार, लुधियाना से स्थित है ।

(जायेदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख मंख्या 1644, जून, 1979 में दर्ज है)

> मुखदेव चन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखाः 15 जनवरी, 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की बारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1980

निदेश मं० पी०टी०ए०/86/79-80—श्रतः, मुझे, सुखदेव चन्ध आयक्ष अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० भूमि 27, कनाल 15 मरले है तथा जो गांव सनौर, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है (श्रौर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 5/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिक्रल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशा में प्रिष्ठ है पीर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरित (धन्तरितियों) हे बीच ऐसे अन्तरण के मिए तय पामा गा। प्रतिकृत तिम्निताबत उद्देश्य से उक्त धन्तरण विश्वास में बास्तरिक रूप से कण्यत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत बक्त प्रधितियम के प्रधीत कर देते के प्रश्नरक के दायित्व में कमी करते था उससे बबते में मुजिबा के लिए; पौर/बा
- (छ) ऐसी किमी आय या किमी घन या अग्य आंस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उनत घितियम या घन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए जा, जियाने में सुविधा के निए;

अतः भव, उनत प्रविनियम की घारा 269-ग के प्रमुनरण में, में, उनत भविनियम की घारा 269-व की तपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--- श्रीमती नरंगन कौर पत्नी श्री करतार सिंह व(सी सनौर, तहसील व जिला पटियाला ।

(ग्रंतरक)

 श्री भूषिन्दर सिंह पुत्र श्री महाबीर सिंह त्रासी सनौर, तहसील व जिला पटियाला ।

(भ्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पति ण अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्थाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की जामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से '45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरणः ** इसमें प्रयुक्त गड्दों श्रीर पदों का जो 'उक्त श्रधिमियम', के प्रध्याय के 20क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

· भूमि जिसका क्षेत्रफल 27 कनाल 15 मरले है धौर जो सतौर, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैमा कि रिजिस्ट्रीकर्ता मिधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1264 मई, 1979 में दर्ज है)

> मुखदेव चन्द स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 जनवरी, 1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

लिय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेश सं० पी०टी०ए०/85/79-80—श्रतः, मुझे, सुखदेव चन्द, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक हैं और जिमकी सं० भूमि 27 कनाल 16 मरले है तथा जो गांव मनौर, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे छपाबद्ध मनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिव री के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम. 1508 (1908 का-16) के श्रधीन तारीख 5/79

को पूर्वीकत सम्पत्ति ने उचित बाबार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल. के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगत्ति का उचित बाबार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ अतिगत से अविक है और अन्तरक (अन्तरकों) बोर अन्तरितों (अन्तरितिमा) के बीच ऐसे अन्तरण के विष्त्रय पाया कथा प्रतिफिन निम्निलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में शस्त्रिक हुए से कियत नहीं किया गया है -

- (क) सन्तरण से हुई किसी साथ ही बाबत उस्त अधि-नियम के सधीन कर देने के सन्तरक के शियत्व में कमी करने गालमधे बचने में स्विधा के लिए: धीर या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी वन या ग्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा उनाट नहीं किया गमा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, एक्त प्रश्निमियम की धार 269-ग के अनुसरण में, में, एक्त प्रश्निमियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अजीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री करतार सिंह पृत श्री ेरियत सिंह वामी सनौर, तहसील व जिला पटियाला।

(ग्रंतरक)

 श्री भूपिन्दर सिंह पृत्र श्री महाबीर सिंहप्, वासी मनौर, तहमील व जिला पटियाला ।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्त मन्धांस के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्तर के लंबंब में लोडे मी सबेर --

- (क) इस पूबता के राजान में उकामन का गायेक है 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की गाधील से 30 दिन की प्रविधि जो जो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के अंतर पूर्वीस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूजना के राजरत पर राजशन भी नारी असे 45 दिन के भीतर छना स्थाधर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अस्य क्यांति द्वारण, श्वराहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का स्कींगे।

स्पब्दीकरण --इसमें प्रयुक्त णब्दों और पही का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं. बही अर्थ होगा, को उन मध्याय में दिया गण है।

अनुस् ी

भूमि जिसका क्षेत्र फत 27 कनाल 16 मरले है ग्रौर जो भाव सनौर, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैमा कि रिजिस्ट्रीकिकी ग्रिधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 1263 मई, 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द, मझम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

त∣री ःत्र : 15 जनवरा, 1980 **।** मोहर : प्रकप भाई। ही। एन। एत।---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961का 43) की जारा 269-व (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्य धायुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज, लिंघयाना

सुधियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1980

निदेश सं० जे० जी० एन०/14/79-80— मतः, मुझे, सुखदेव चन्द्र भाषकर चित्रिसम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धारीन सक्षम प्रधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मूह्य 25,000/- र॰ से धिक है

भीर जिसकी सं० भिम 19 कनाल 12 मरले हैं तथा जो गांव भक्कर, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्री-कर्ता भिधकारी के कार्यालय जगराओं में रजिस्ट्रीकरण भिध-नियम 1908 (1908 का 16) के भिधीन दिनांक 5/79 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरिक) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के सबीम कर देने के सन्दर्क के धायत्व में कभी करने या उत्तसे वक्ते में सुविधा के लिए; भीक/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या अम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए पा, छिपाने में सृषिका के लिए;

वतः सव, उपत बंधिनियम की बारा 269-ग के जनुसरण में, में, सकत धर्षिनियम की खारा 269-म की उपधारा (1) के सचीन, निकासिकत व्यक्तियों, अर्थात् :--11-446GI/79

- भीमती अन्यमों पुती नया सिंह पुत्र टेहल सिंह गांव चक्कर, तहसील जगरायों, जिला लिख्याना । (धन्तरक)
- 2. सर्वेत्री सरवन सिंह, भजन सिंह पुत्र त्री बाबू सिंह पुत्र पाला सिंह वासी गांव चयकर, तहसील जगराझों, जिला लुधियाना। (ग्रन्सरिती)

को मह सूचना जारो भारक एवाँका सम्पत्ति के अजन के निए कार्यवाहियों करता हुं।

उनत सम्पत्ति के प्रमेत के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबसि या तत्सम्बन्धी स्मक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबसि, जो भी सबसि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबढ़ किसी प्रस्थ स्थित द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पच्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, को उक्त सिधिनयम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं सर्व होना को उस प्रध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 19 कनाल 12 मरले है भीर जो गांव चक्कर, सहसील जगरामों, जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायेवाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जगरायों के कार्यालय के दिलेख संख्या 694: मई, 1979 में दर्ज है)।

> सुजायेव सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भजैन रेंज, सुधियाना

तारीच : 15 जनवरी, 1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस० --

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)
मर्जन रेंज, लुघियाना
सुधियाना, दिनोक 15 जनवरी, 1980

निदेश सं० सी० एच०डी०/59/79-80—श्रतः, मुझे, सुखदेव चन्द, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्वात 'उका श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

का कारण हु कि स्थापर सम्पत्त, जिसका सामत का का कारण हु कि स्थापर सम्पत्त है स्थाप मृल्य 25,000/— रुपये से प्रधिक है स्थीर जिसकी सं 1/2 भाग एस० सी० स्रो० नं० 55, है तथा जो सैक्टर 30-सी, चन्डीगढ़ में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध सनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908

का 16) के ग्रधीन विनोक 5/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रोर मूझे यह विध्यास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तवृक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रीध-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा खिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, श्रवः, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, म, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की खपभारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रमीत :---

- श्री अमृतपाल सिंह पुत्र श्री जलोचन सिंह बासी मकान नं० 338, सैक्टर 35-ए, अन्डीगढ़। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती तरिपता भाटिया पत्नी डा॰ हरभजन लाल भाटिया, मंकान नं॰ 175, सैक्टर 21-ए, भन्डीगढ़ । (ब्रन्तरिती)
- 3. मैसर्स विजय व कं०
 मैसर्ज हरी राम विनोव कुमार
 एस० सी० घो० सैक्टर 30-सी, चस्डीगढ़।
 (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

. अन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**र्द** भी आक्रोपः—

- (क) इस सूचना के राजपन्न गें प्रकाशन की सारीख से .45 विन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति से वितवस किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नो हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्वे होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

वनुसूची

1/2 भाग एस० सी० घो० नं० 55 सैक्टर 30-सी,

(जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० 318 मई 1979 में दर्ज है)

सुखरेव चन्द सक्षम प्राधिकारी त्रष्ट्रायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जेद रेंज, लिधियाना ।

सारीखः: 15 जनवरी, 1980 ।

मोहरः

त्ररूप भाई• टी• एन॰ एस॰---

म्रायकर मिर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निवेश सं० सी०ए न० डी० | 49 | 79-80 — प्रतः, मुझे, सुखदेव चन्द आयंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घंधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उन्तित बाजार मूल्य 25,000 | द० से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 249 है, तथा जो सैक्टर 35-ए, चन्डीगढ़ में स्थित है (धौर इससे उपाबद भनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 5/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कचित महीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी माथ की बाबत, उन्त प्रश्वि-नियम के प्रश्नीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या धन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धनंबर घिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा ध्रकट नहीं किया गया या किया बाना चाहिए बा, छिपाने में सुविवा के सिए,

मतः प्रव, उनत मधिनियम की घारा 269-म के प्रनुसरण में हैं मैं, उक्त मधिनियम की घारा 269-म की उपभारा (1) के प्रभीन किकारिक व्यक्तियों अर्थात्: --

- मेजर योगेश प्रसाद पुत्र श्री एन०पी० माथर
 ढी-2/235, विनय मार्ग, चानकया पुरी, नई दिल्ली।
 (श्रंतरक)
- 2. श्री बसंत सिंह ठाकुर पुत्र स्व० ठाकुर रत्तन सिंह केंडल लॉज, सामने ऑक, लैण्ड, स्कूल, शिमला । प्रतिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :---ंदसर्मे प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, ओ उक्त श्रधिनियम के धध्याय 20-क में परिमाधित है, वहीं धर्य होगा जो उस अध्याय म दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट मं॰ 249, सैक्टर 35-ए, चन्डीगढ़। (जायेवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 208, मई 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्य सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीकाः 15 जनवरी, 1980

मोहर 🕽

प्रस्प साई० टी॰ एन॰ एस॰---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण)

मर्जन रेंज, जुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1980

निवेश सं० एस०जी०बी०/29/79-80---मतः मुझे, सुखदेव चंव भायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूपए ये प्रधिक है भीर जिसकी सं० भूमि का प्लाट 1 विघा है तथा जो आड़ा, सरिहन्द, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक भनु-' सूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सरिहरू में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 5/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिपत बाजार मूख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे **ब्**यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भक्षिक है भीर यह कि मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीव ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निनिखत उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नष्ठी किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उकत सिध-नियम, के भाषीन कर देने के धन्तरक के दायिक में कभी करने या उससे धलने में सुविधा के बिए; और/या
- (क) एसे किसी घाय या किसी घन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधिनयम, या घनकर घिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः श्रव, उनत मधिनियम की धारा 269-ग के झनु-सरण में, में उनत मधिनियम की धारा 269-म की बपधारा (1) के मधीन निस्नलिखित व्यक्तियों, मधीन :---

- 1. श्री बाबू सिंह पुत्र श्री समन सिंह वासी गांव बाड़ा तहसील, सरिहन्द, जिला पटियाला ।
 - (मंतरक)
- श्री जगदीश चन्द, ज्ञान चन्द, सन्तोख दास पुत श्री छज्जू राम, मारफल विश्वकर्मा इंजीनियरिंग वक्सें, रेलवे रोड, सरिहन्द ।

(मंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवढ़ किसी ग्रन्ग व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उसत स्रिध-नियम के सम्यास 20-क में परिभाषित हैं, यही ्मर्थ होगा, जो उस सम्यास में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि काप्लाट जिसकाक्षेत्र फल 1 विवाहै मौर जो वाड़ा, सरहिन्द, जिलापटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, सरिहृष्य के कार्यालय के विलेख संख्या 519, मई, 1979 में दर्ज है)

> सुवादेव चरव सक्षम प्राधिकारी, बहायक भायकर मायुक्त (निरीक्कण), शर्जन रेंज, मुखियाना

तारीख 15 जनवरी, 1980 मोहर ! प्रकप बाई - टो - एन - एस ---

भाषकर मधिनियन, 1981 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के शकीन मूचना

भारत सरकार

कार्यानप, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंजं, लिधयाना नुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निवेश सं० की०बी०एस०/16/79-80----, ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आवकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके 'रक्वात् 'उक्त अधिनियम कहा क्या है), की घारा 269-क के सिधीन सक्तम श्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्ष 25000/- व्यए से सिक्क है

भौर जिसकी सं० भूमि 13 कनाल 14 मरले हैं तथा जो गांच लोहगढ़ सब तहसील बेरा बस्सी, जिला पटियाला में स्थित हैं (भौर इससे. उपाबद भनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता घिकारी के कार्यालय थेरा बस्सी में रिजस्ट्रीकरण मिलियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5/79 को पूर्वोंकत प्रश्तित के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिये भग्वरित को गई हैं और मुझे यह विरवास करने का कारण है कि यवापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बद्ध प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरितों (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नाजिश्वत उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बाइतिक रूप से किवत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रश्नीन कर देने के खन्तरक के बाधरव में कमी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के सिए; ग्रीर/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भारितयों की, जिन्हें भारतीय आयकर अजिन्यम, 1922 (1922 का 11) मा धनत अधिनियम, या धन-कर श्रीवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयं, जनार्व भन्तरिती हारा मकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिये चा, कियाने में सुविद्या के लिए;

भवः भव, बन्त शाधनियम की घारा 269-ग के घनुतर्ग में में, उन्त वार्धिनयन की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, विश्वसिक्ति व्यक्तियों, वर्षात् ।—— शिमती प्रमेशकरी विश्वका सक्ता पुत्र सियाना (स्वयं नासी लोहगढ़, सब-तहसील डेरा बस्सी, व जनरल भटारनी भाफ श्रीमती प्रेम कौर पुत्री श्री सक्ता परनी श्री गुरमीत सिंह बासी वलबाला खेरी, कुरूक्षत, हरियाणा, श्रीमती जान कौर पुत्री श्री सक्ता परनी भी सीतला पुत्र श्री सीबा कर्म कौर पुत्री श्री बचना परनी भी जंगी पुत्र सीबा वासी खड़ा मली शेर तहसील खरड़।

(मंतरक)

2. श्री जगदेव सिंह सिंधू, पुत्र श्री सुच्चा सिंह सिंधू वासी मकान नं० 1584, सैक्टर 33-बी, चन्डीगढ़; श्री शिवराज सिंह वराड़ पुड़ श्री जसबन्त सिंह बराड़ वासी मकान नं० 1572, सैक्टर 33-डी, चन्डीगढ़। (धन्सरिती)

को यह नृषता जाये करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियों करता हूं।

तकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में अकाश्वन की तारीच से 45 दिन की सर्वाध या तत्त्वम्बक्ती व्यक्तियों पर सूचना की तामीच से 30 दिन की सर्वाध; को भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर वृत्रोंक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में दितवश विश्वी सन्य स्थित द्वारा, श्रश्लोहस्ताकारी के पास सिकात में किए जा सकेंगे।

क्यब्डीकरणः --- इसमें प्रयुक्त मान्यों भीर पर्यो का, जी वक्त मिन्न-नियम के भव्याय 20-क में वरिकाणित है, बही भवं होगा; जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रन्पुषी

भूमि जिसका क्षेत्र फल 13 कनाल 14 मरले है झौर जो गांव लोइगढ़, तइसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायवाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता घधिकारी, डेरा बस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या 178, मई, 1979 में दर्ज है)

> सुखरेव जन्त सक्तप प्राधिकारी, बहाबक ज्ञायकर प्रायुक्त, (निरीक्सप); प्रार्णन रेंज, सुधियाना

तारीका: 15 जनवरी, 1980

मोद्वर :

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस०-

म्राबकर भ्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 209-च(1) के भ्रमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहावक भागकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 जनवरी 1980 निदेश सं०एल०डी०एन०/ग्रार०/55/79-80—ज्ञतः मुझ, सुख्यीय पन्द

जानकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके विश्वात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के जिथीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-घष्ण से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि 9 वीघा 4 विसवा, 3 विसवासी है तथा जो गांव ईसेवाल, तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5/79 को चूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिपत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रनारिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ता गांग प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त झिनियम के श्रद्यीन कर देने के झन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; झौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अप्य आस्तियों को जिन्हें भारतीर प्राप-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

श्रतः त्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 268-ग के धनुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नक्षिबत स्वक्तिओं अपौत्: →

- श्रीमती करतार कौर पुत्री श्री ईश्वर सिंह पुत्र गंगा राम, गांव ईसेवाल, तहसील लुधियाना। (धंन्तरक)
 - 2. श्री मुखबन्द सिंह पुत्र श्री करतार सिंह पुत्र श्री मित सिंह गांव ईसेवाल, तहसील लुधियाना।

(मन्तरिवी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

ष्ठकत सम्बत्ति के ब्राजेंन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्तेपः---

- (ह) इस सूबता के राजाब में प्रकाणन की तारीखं से
 45 दिन की ध्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूबना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से हिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हितबह किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्होकरण: ---इनमें प्रयुक्त शक्दों स्रोर पदीं का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में वियागया है।

अनुसूचीः

भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 विद्या 4 विसवा 3 विसवासी है
ग्रीर जो गांव ईसेवाल, तहसील व जिला लुधियाना।
(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, लुधियाना के
कायिलय के क्लिख संख्या 1227, 1979 में दर्ज है।)
सुखरेव चन्य
सक्षम प्राधिकारी
सङ्ख्य ग्रायक ग्रायक सायुक्त (गिरीकण)

ग्रजंन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10 जनवरी, 1980

-- चक्प - माई • ही • एन • एम •----

यायकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के ग्रवीन सुचना

भारत सरकार

न्कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण) कार्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विमोक 15 जनवरी 1980

निदेश सं० एन०बी०ए०/13/79-80—— अतः मुझे, सुखदेव चंव, बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के प्रधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- क्यंथे से प्रधिक है और जिसकी सं० भूमि 3 कनाल 12 मरले है तथा जो भौरां गेट, सर्कुलर रोड, नाभा में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुसूनी में और जो पूर्ण रूप से विश्वत है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मामा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 5/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृह्मसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है भीर मुझे यह बिह्मसास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृह्ममान प्रतिफल से ऐसे बृह्ममान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों), के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया पतिकत्त निम्नलिखित हैं हैं से उच्च अन्तरण लिखित में बास्तिक हैं से कथित नहीं किया गया है:—

- (न) अन्तरण से तुई कितो प्राय की बावत जनत प्रक्षित नियम के समीन कर देने के प्रन्तरण के वार्थित में क्रमी-करने या जससे बचने में सुविधा के लिए पौर/धा
 - (क) ऐसी किसी भाय या किसी भन या ग्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्रिनियम, या भक्कर भिश्रिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना भाहिए का छिपाने में सुक्का के निए;

अतः ग्रव, अक्त प्रविनियम की वारा 269-ग के प्रमु-सरण में, में, अक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) के अतीन निक्तिविज्ञित कानित्यों अर्थात् :--- 1. श्री वचना पुत्र श्री शिक्षामी पुत्र श्री मेलाराम व श्री गंगाराम पुत्र श्री मस्लापुत्र श्री वेलाराम इरीजन बाग, नाभा ।

(श्रंतरक)

2. सर्वश्री सन्त राम, लच्छमन दास पुत्र श्री बाबू राम, पार्टनर्ज मैसर्ज बाबू राम सन्त राम, श्रनाज मण्डी, नाभा ।

(भ्रंतरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

एक्त सम्पत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य स्थावर द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण :---इसर्ने प्रयुक्त जन्दी भीर पदों का, जो उन्त ः ऋधि-नियम के अध्याय 20-क में परिमाधित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 12 मरले है झौर जो भौरा गेट, सर्कुलर रोड, नाभा में स्थित है।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, माभा के कार्यालय, के विलेख संख्या 227, मई, 1979 में वर्ज है।)

> सुखदेव चन्य सभा प्राविकारी, सद्दायक ग्रायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लुखियाना

सारीख: 15 जनवरी, 1980

प्ररूप भाई० टी॰ एन० एस॰----

मामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्रम, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निवेश सं० सी०एच०डी०/42/79-80---- प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द्र झायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्णात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1115 है तथा जो सैक्टर 34-सी, चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक तारीख 5/79

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ब्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त स्नतरण लिखित में वास्तविज्ञ कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरक से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के मधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (बा) ऐसी किसी प्राय या किसी प्रन गा प्रत्य प्राहिनयों को, जिल्हें भारतीय ग्रायकर प्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनयम, या धन-कर ग्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तुकिधा के लिए;

भ्रतः जब, उन्त मधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, में चन्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों सर्वीत्:-- 1. भी रतन सिंह घनखर (मेजर) पुत्र श्री गब्धू राम, नांच च डा॰ कसनी- जिला रोहृतन द्वारा जनरस धटारनी श्री मेला सिंह पुत्र श्री चूहर सिंह, 16- हरियाणा बी॰ एन॰ एन॰ सी॰ सी॰ नरनौल।

(श्रंतरक)

2. श्री वलबीर सिंह पुत्र श्री भगत राम सिंह गांव संदवली, तहसील व जिला भम्बाला । (भंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्क करता है।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा श्रम्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शन्तों और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गथा है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1115, सैक्टर, 34-सी, चन्डीगढ़ । (जायदाव जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 185, मई, 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द स्वसम प्राधिकारी, सङ्गयन भागकर मायुक्त (निरीखण), अर्जन रेंज, लुधिमाना

तारीख: 15 जनवरी 1980

प्ररूप माई० टी० एन० एम०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निवेण सं० सी०एच०डी०/26/79-80—स्प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द्र आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— २० से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० मकान नं० 2062 है, तथा जो मैक्टर21-सी चन्डीगढ़ में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल तो, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया प्रा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें श्रायकर श्रिष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर श्रिष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

ग्रतः ग्रम, उक्त ग्रांब नियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रांधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीन :--- 12—446GI/79

 श्रीमती मुणीला कुमारी विधवा श्री बृज विहारी लाल पुत्री श्री रघू नन्दन लाल स्टाईरिड एस० डी० ग्रो०, शाहबाद मारकन्डा, जिला ुम्झेत ।

(ग्रंतरक)

 श्री भ्रवतार सिंह दीपक पुत्र श्री तारा सिंह, ज्वाइंट डायरेक्टर, एग्रीकल्चरल (पंजाब) व सचिव, पंजाब स्टेट, एग्रील्कचरल बोर्ड, चन्डीगढ़।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुन्दति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूत्रता के राजगत्र में प्रकाशन को तारीज से 45 दिन को प्रप्रिया तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अत्रिख, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणत की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध विसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में बिमा गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2062 सैक्टर 21-सी, चन्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 121, मई, 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 जनवरी 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

यकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेश सं० एल०डी०एन०/87/79-80—ग्रतः मुझे, सुखदेश चंद, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्न ग्रिधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं क्षितान नं बी-6-333, कुण्या नं 4, है सथा जो माधोपुरी, लुधियाना, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रीध-नियम के ग्रीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाद्विए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रदीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात :—

 श्री जगन नाथ पुत्र श्री बर्कत राम पुत्र श्री दुल्ला शाह [वासी बी-6-333, कुण्चा नं० 4, न्यू माधोपुरी, [लुधियाना ।]

(श्रंतरक)

2. श्री रान्जिवर पाल जैन पुल श्री हंस राज जैन पुल [श्री फकीर चन्द जैन, वासी कुच्चा नं० 2, माधोपुरी, [लुधियाना ।

(भ्रतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तर्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मध्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

प्रनुसूची

मकान नं० बी-6-333, कुच्चा नं० 3, न्यू माधोपुरी, लुधियाना ।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 822, मई, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 जनवरी 1980

प्ररूप बाई • टी • एन • एस • ---

अध्य हर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-म(1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० सीएचडी/36/79-80---यतः मुझे, सुखदेव

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उ≠त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2.69~ख कं प्रधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/-क्पए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 64 है तथा जो सैक्टर 20-ए, चन्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबन्न अनुसूची में, और पूर्ण रूप सें वर्णित है) और रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ऋधीन, तारीख मई 1979 को

पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिक्रित के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास नरने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) मीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत ग्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी माथ की बाबल, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर वन के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए भौर/या;
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रीविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या **भन-फर प्रधि**नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य ग्रग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना चाहिए बा, फिपाने में स्विधा के निए;

श्रत: बब, उबत प्रविनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उनत प्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखिश व्यक्तियों, धर्वाद् !---

- 1. श्री मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री सुच्चा सिंह वासी मकान नं० 1653 सैक्टर 34-डी, चन्डीगढ़। (भ्रन्तरक)
- 2 श्री विमलजीत सिंह पुत्र श्री मोहिन्दर सिंह वासी मकान नं० 64, सैंक्टर 20-ए०, चन्डीगढ़।
- श्री देविन्दर कुमार, यूनियन बैंक ग्राफ इंडिया, श्री बखशील सिंह वासी मक्षान नं० 64, सैक्टर 20-ए. चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजान के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:-

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविष्ठ, जो भी ग्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक क किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

क्पब्डीवारण:--इसर्मे प्रयुक्त श^{ड्}दों भीर पदों का जो उक्**त** मिधिनियम के भ्रष्टाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता शिधकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 167, मई, 1979 में दर्ज है)। सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 15-1-1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनोक 15 जनवरी 1980

निर्देश मं० जे० जीयन एन०/१/७१-४०—स्तः मुझे, सु<mark>खदेव</mark> चन्द

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति जिनका उतित बाजार मूह्य 25,000/- इ० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं०भूमि 4 कनाल 14 मरले हैं तथा जो गांव धगवाड़ गुजरां, तहसील जगराधों, जिला लुधियाना में स्थित है (भौर इससे उपावस धनुसूची में घौरपूर्ण रूप सेवणित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जगराधों में, रजिस्ट्रीकरण अधनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन तारीख मई 1979

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृहम से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह शिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृह्म, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाश्चिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रम, उक्त ग्रिधिनियम, की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रमीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्री दलीपसिंह पुत्र श्री कर्म सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह वासी गांव अगवाड्योना, तहसील जगराध्रों, जिला लुधियाना । (ग्रंतरक)
- श्री हरजिन्दर सिंह पुत्र गुरदेव सिंह पुत्र उत्तम सिंह वासी श्रलीगढ़, तहसील जगराश्रों (शहीद रछपाल सिंह नगर)। (श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ब्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्र फल 4 कनाल 14 मरले है और जो ग्रगवाड़ गुजरां, तहसील जगराश्चों, जिला लुधियाना में स्थित है। (जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकता श्रधिकारी, जगराश्चों के विलेख संख्या 486, मई, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम म्राधिकारी सहायक म्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ख** : 15-1**-**1980

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ----

आपकर ग्र**मिनियम**ं 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अश्रोत स्वतः

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980 निदेश सं० जेजीएन | 15/79-80—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयक्तर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'संकत सिधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-धा के अधीन नभन प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 19 कनाल 12 मरले है तथा जो गांव चक्कर,

तहसील जगराश्रों, जिला लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यीलय जगराश्रों में, रजिस्ट्रीकाण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार जूल्य से कम के उपयान प्रतिकृत के जिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विकास

को पूराकत सम्पात के जानत बाजार भूक्य स कम के पुश्यमान प्रतिकृत के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह यिक्ताय करने का कारण है कि प्रवापुर्वोक्त सम्पत्ति का जन्ति बाकार पूक्य, जसके कृष्यमान प्रतिकृत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकृत का प्रमार प्रतिकृत के प्रवाप्त से अधिक है और सम्पर्त (अन्तरकों) और सम्पर्ति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पापा गया प्रतिकृत, निम्नलिखित जहेश्य में उन्त सन्तरण निकात में वास्तिविक रूप से किया नहीं किया गया ै:——

- (क) अध्यरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियन के अधीन कर देने के अध्यरण क दायित्व में कमी करने या तससे वचन में सुविका क लिए; भौर/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आपकर प्रधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, ता धन-कर प्रधिनियस, 1957 (1957 का २०५ के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269घ की उपकारा (1) के जन्नीय निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थोदाः——

- श्रीमित करतारो पुत्री श्री नथा सिंह पुत्र श्री दैहल सिंह वासी गांव चकर, तहसील जगराश्रों, जिला लुधियाना, । (ग्रंतरक)
- 2. श्रीमित त्रर्जन सिंह शेरिसिंह, भजन सिंह पुत्र श्री बाबू सिंह पुत्र श्री पाला सिंह गांव चक्कर, तहसील जगराग्रों, जिला लुधियाना।

(म्रंतरिती)

चो यह पूत्रता जारी करज पूर्वास्त सम्पत्ति के धर्यन के लिए कार्यकाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन का संबंध में काई मा पार्शन: ---

- (क) इस मूचना क राजपन्न में काशात की तारीध में 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर पृत्रना की अमील से 30 दिन की अवधि, सो भी भवधि बाद में अमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किया व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस भूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितवत किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा घड़ोहस्ताक्षरों के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दो का, बो उनक्ष प्रधिनियम के बन्नाम 20-क में परिश्राणिक है, बड़ी ग्रथं बोगा, जो उन ग्रह्माय में विया नया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 19 कनाल 12 मरले है घौर जो गांव चक्कर, तहसील जगराश्रों, जिला लुधियाना में स्थित है ।

(जायेदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जगराश्रों के कार्या-लय के विलेख संख्या 695, मई-1979 में दर्ज है।

> मृखदेव चन्द, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 जनवरी 1980

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीकन)

ग्रर्जंन रेंज, लुघियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेश सं० सीएचडी/27/79-80--यतः मुझे, सुखदेय चन्द,

मायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् उक्त भिवित्यम कहा गया है), की धारा 269-ख के भिवीत सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी संज्यान नंज 1640 है तथा जो सेक्टर 7-सीठ चन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपायन ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है)। रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तस्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या भ्रनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त श्रीधानयम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रीधनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:— 1. श्री कुलभूषण राम पाल पुत्र स्व० श्री दौलत राम रामपाल वासी 1640, सैक्टर 7-सी, चन्डीगढ़ द्वारा जनरल श्रटारनी श्री ईन्दर मोहन जोशी पुत्र श्री चन्दर शेखर जोशी, 21-टीचर फलैंट, सैक्टर 14 डी चन्डीगढ़।

(म्रंतरक)

2. श्रीमती पुष्पा रानी पत्नी श्री हंस राज, श्री हरबन्स लाल पुत्र श्री गोपी चन्द वासी एस० सी० एफ० 44, सैक्टर 19-डी चन्डीगढ़।

(म्रंतरिती)

- 3. (1) श्री राम दास यादव, डी० एस० पी०, नरैनगढ़।
 - (2) श्री विजय कुमार
 - (3) श्री तिलक राज।
 - (5) श्री महेश कुमार खुराना। सारे वासी 1640 सैंक्टर 7-सी, चन्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त मञ्बों श्रीर पदों का, भो उक्त श्रिष्ठ-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है

अनुसूची

मकान नं ० 1640, सैक्टर 7-सी, चन्डीगढ़ ।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चन्डीगढ़ के विलेख संख्या 133, मई, 1979 में दर्ज है) ।

मुखदेय चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकर म्नायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 15 जनवरी 1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रिवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकन (निरीक्षण)

श्चर्जन रंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेण सं० ग्राप्केटी/2/79-80—यतः मुझ मुखदेव चन्द ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रधिक है

त्रौर जिसकी सं भूमि 44 कनाल है तथा जो हलवारा-, तह्मीन रायकोट, जिला लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपावद स्रनुसूची में श्रौर पूर्ण कप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय, रायकोट में, रजिस्ट्रीकरण स्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिकल के निथे अस्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिमत से प्रधिक है धौर अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर प्रस्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के निये तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्श्य से उस्त प्रस्तरण विखित में वास्तविक कप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (ज) प्रस्तरण से हुई किया पात्र की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देते के अन्तरक के वाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के किए। प्रोर/या
- (आ) ऐसी किसी ग्राव मा किसी बन या अन्य भास्तियों की जिन्हें भारतीय गायर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रश्लितियम, या धन-कर अधिकियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती जारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया बाना चाहिए वा, जिपाने में मुख्या के निए;

भतः सन, उनत प्रधिनियम, की धारा 269न्त के यनु-मचण में, में, उनत प्रधिनियम की जारा 269न्य की उपधारा (1) के स्थीन निम्निश्वित स्थितमों, अर्थात् --- श्रीमती ज्ञान कौर पुत्री श्री नष्ठतर मिह यासी सहौती द्वारा जनरल श्रदारनी श्री हरबन्त मिह पुत्र श्री गोपालसिंह सहौती, लुधियाना।

(भ्रंतरक)

 श्री जगदीप सिंह पुत्र श्री जोरा सिंह वासी हलवारा, तहसील रायकोट, जिला लुधियाना।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की सारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि जिसका क्षत्रफल 44 कनाल है ग्रौर जो हलवारा-II, तहसील रायकोट में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि राजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी, राजकीट के कार्यालय के विलेख संख्या 269, मई, 1979 में दर्ज है)

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-1-80

प्रक्ष भाई० हो • एत • एस • ----

आय बर अधितियम, 1961 (1961 का A3) की बारा 269-घ (1) के अधीन युवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेण सं० सीएचडी/37/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ख के भधीन यक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण टैकि स्थावर संपत्ति, जिलका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 1/2 भाग प्लाट नं० 101 है, तथा जो सैक्टर 36 ए. चन्ड़ीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चन्ड़ीगढ़ में। रजिस्ट्रीकरण ग्रधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त संगत्ति के उचित वानार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपित का उचित बाजार मृत्य उसके दृष्टमान प्रतिफन का पनदह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) से बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्रया प्रतिफन, निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में टास्ल विक का से विवत नहीं किया गया है:——

- (त) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाजन जनत अधि-नियम अधिन कर देने के धर एक के दायिस्व में कथी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (च) ऐसी किसी याय या किसी घन या खम्य बास्तियों को, जिन्हें भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त पिधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिनी हारा प्रकट नहीं जिया गया था या शिका का नहीं किया के लिए;

धतः अत्र, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ण की उप-धारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— क० के० जे० एस० छतवाल पुत्र श्री दातार सिंह, बी-7, डिफैंस कालोनी , नई दिल्ली द्वारा जनरल, अटारनी श्रीमती सुखबन्स कौर पत्नी श्री सुखपाल सिंह गांव काठंगढ़, जिला होशियारपुर।

(ग्रंतरक)

2. श्री कंवलदीप मिह (माईनर) पुत्न श्री कुलदीप सिंह द्वारा श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री ग्राजन सिंह, वासी गांव व डा० फफरे भाई के०, जिला भटिडा। (ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रकृत के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त संपत्ति के भन्नेन के संबंध में कोई भी माश्चेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्रबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इनमें प्रयुक्त तकतें जीर पदों का, जो उक्त मधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 झाग प्लाट नं० 101, सैक्टर 36-ए, चन्ड़ीगढ़।

(जायेदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चन्ड्रीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 168, मई, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15-1-1980

मोहर

प्रकप धाई । दी । एन । एस • -------

बायकर अधिनियन, 1981 (1981 का 43) की प्रारा 269-व (1) के प्रधीन नुनना

भारत मरकार

कार्यौतं र, त्राप क प्रायक्तर आप्रक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लिधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निदेश मं० एएमएल/24/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द्र पायकर पश्चित्रयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है,) की बार 269 ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह बिश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्मिन, विस्का उजित बाद्धार मूल्य 25,000/- रु० से पश्चिक है,

ग्रौर जिसकी सं० भिम 2 बीघा 11½ विसवा है तथा जो मण्डी गीविन्दगढ़, तहसील ग्रमलीह, जिला पिटियाला में स्थित है (श्रोर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ना श्रीधिकारी के कार्यालय श्रमलोह में, रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीन, मई 1979

को पूर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फन निश्वितियों) के दीव ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फन निश्वित उद्देश्य ने उका अन्तरण निखित में बास्तविक का महिया नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-विश्वम के अधीन कर देवे के अन्तरक के दापित्व में कमी करने या उन्ते बनो में मुविधा के लिए; और/पा
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या ब्रन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उका ब्रिधिनियम, या धन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ब्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिलाने में मुविधा के निए;

 गर्बश्री विकस जीत सिंह, कर्मजीत सिंह, ध्रमरीक सिंह, बलदेव सिंह व श्री जगदेव सिंह पृत श्री मेहर सिंह पृत्व श्री पाखर सिंह वासी मण्डी गोविन्दगढ़ तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला ब्रारा जनरल श्रटारनी श्री मेहर सिंह।

(ग्रांतरक)

2. मैंससं कोहिन्र इंडम्ट्रीज, मण्डी गोबिन्दगढ़, तहसील असलोह द्वारा श्रीमती शिमला राती पत्नी श्री हरबन्स लाल खुल्लर व श्री मुलेख राम पुत्र श्री नथा सिंह वासी मण्डी गोबिन्दगढ़ तहसील अमलोह, जिला पटियाला।

(ग्रंसरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त पन्निस के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :- -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उन्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं शर्ष होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भृमि जिसका क्षेत्रफल 2 बीवा 11½ विसवा है छौर जो मण्डी गोविन्दगढ़, तहसील श्रमलीह जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैयाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, श्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 243, मई, 1979 में दर्ज है।)

गुत्रदेव पन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लिधियाना

नारीख: 15-1-1980

प्रकृप आई • टी > एन ० एस ०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के धधीन मुचना

नारत सरकाः

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

नि श सं० एएमएल/25/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ५श्वाल् 'उक्त ग्रिविनयम' कहान्या है), की धारा 269-ख के अश्रीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उत्तित बाकर प्र्य 25,000/-र• से ग्रिधिक है

स्रौर जिसकी सं भूमि 3 बीघा 5 विसवा है तथा जो मण्ड़ी गोबिन्दगढ़, तहसील स्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित है (स्रौर इससे उपावद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय स्रमलोह में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख मई

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निखित में वास्त्रिक रूप ने किया नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गावन, उक्त अधि-नियम के धन्नीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचन में सुविधा के लिए; भोर/या
- (ख) ऐसा किसी प्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को. जिन्हें भारतीय पायकर प्रक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भविनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:—

- 1. श्रीमती तेज कौर पुत्नी श्रीमती धन कौर पत्नी श्री बन्ता सिंह वासी मण्डी गोविन्दगढ़ जिला पटियाला। (ग्रंतरक)
- ये मैसर्म कोहित्र इंडस्ट्रीज, मण्डी गोविन्दगई द्वारा श्रीमती णिमला रानी पत्नी श्री हरवन्त लाल खुल्लर, श्री सुलेख राम पुत्र श्री तथा सिंह वासी मण्डी गोबिन्दगढ़ तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचतः जाराकरके प्रवांक्त सम्पत्ति के,अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हं∍

उन्त संयक्ति ने अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेत :--

- (क) इस नूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बार में मनाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस मूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी पन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

हरव्हरीकरण: --- असमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत प्रिश्वित्यम के प्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही प्रश्रं होगा, जो उस कहवाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 बीवा 5 विसवा है स्रौर जो मण्डी गोविन्दगढ़, तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित है। (जायेदाद जैसाकि रजिट्टीकर्ता स्रधिकारी, श्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 245, मई, 1979 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-1-1980

रुपए से ग्रिधिक है

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम०--

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 15 जनवरी 1980

निदेश सं एसएमएल/ 12/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/

ग्रौर जिसकी सं० भीम का प्लाट 340 वर्ग गत है तथा जो फिगासक हाऊम, शिमला में दर्ज है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रमुम्बी में ग्रीर पूर्ण रूप से विभिन्न है), रिजर्स्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय शिमला में, रिजर्स्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के महीन हार्याल मई 1970

(1908 का 16) के प्रवीन, तारीख मई 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन मे
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रौर/या
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

म्रतः भ्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुमरण में, मैं, उक्त भ्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :-- श्रीमती लगी कुमारी त्रिधव। श्री कवल कुमार सिंह बासी कैंथल हाऊमा नं 9/3578-79 नेताजी मुनाप मार्ग दरिया गंजा दिल्ली-2. स्वयं वा श्रीमती इंदिरा कैंथल (माईनर) पुत्र श्री कंबल कुमार सिंह कैंथल हारा तैनूरल गारेड़ियन श्रीमती लगा कुमारी विश्वया श्री कंवल कुमार सिंह फिगासक इस्टेट, शिमला।

(अतरक)

2. श्री मनपाल टंडन पुत्र स्व० श्री नमन लाल टंडन भारफत मैसर्स चीप कलाथ हाऊन, 95/2, लोश्रर वाजार , शिमला।

(प्रवरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अ(क्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणित की तारीख से 45 दिन की प्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रविधि जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 340 वर्ग गत्र हे ग्रीर जो फिगासक इस्टेट शिमला में स्थित है।

(जायेशद जैमाति रिजस्द्रीकर्ना श्रिधिकारी, णिमला के कार्यालय के विलेख 311, मई, 1979 में दर्ज है।)

> सुखंदव चन्द्र सक्षम प्राधिका**री,** सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजनरेज,त्र्धियानः

नारीख: 15-1-1980

मोहरः

प्रकार धाई० टी० एन० एन०----

कायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) आरा की 269-घ (1) के ऋथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रेंज, लुधियाना

नुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 2980

निर्देण सं० सीएचडी/39/79-80---यतः मुझे सुखदेव चन्द ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम् प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मल्य 25,000/-रुपये से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 1/2 भाग प्लाट नं० 101 है तथा जो सैक्टर 36-ए, चन्ड़ीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्वीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्ति का चित बाजार मल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रौर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) केबीच एसं मन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित इद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबा उन्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
 - (ख) ऐसी किसी भ्रया किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय हर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियन गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रवं, उका श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नितिखेत गाकित्यों, अर्थात् :→→

- श्री के० जे० एस० छतवाल पुत्र श्री दतार सिंह, बी०-7, डिफैंन्स कालोनी, नई दिल्लो द्वारा जनरल श्रटारनी श्रोमती सुखबंस कौर परनी श्री सुखपाल सिंह गांव व डा० काठगहु, जिला होशियारपुर। (श्रंतरक)
- 2. श्री कंबलदीप सिंह (माइनर) पुत्र श्री कुलदीप सिंह द्वारा श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री प्रार्जन सिंह गांव व डा० फफरे भाई के, जिला भटिंडा।

(श्रंतरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीका समास्ति के **प्रर्जन** के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त समात्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुवता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी को से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्मत्ति से हिलक किसी अध्य व्यक्ति द्वारा, अधीहसाक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: ---इतनें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो ज़क्त कश्चि-नियम के प्रश्काय 20-क में परिभाषित हैं, श्रृही ग्रथं होगा, जो उस ग्रथ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग प्लाट नं० 101, सैक्टर 36-ए, चन्डीगढ़। (जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 173, मई, 1979 में दर्ज है।)

> सुखदेय **व**न्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रावकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-1-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस∙---

प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देण सं० पीटीए/40/79-80—यतः मुझे मुखदेव चन्द प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त स्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के स्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रुपए से श्रीधक है

श्रौर जिसकी सं ० प्लाट 250 वर्ग गज है तथा जो लाल बाग काबौनी लोग्नर माल, पटियाला में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण सं हुई किसी भ्राय की ब्राबन, उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसो श्राय या किसो घन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर -मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथित् :-- श्रीमती विजय लक्ष्मी देव पत्नी श्री ऊनंग उद्ध सिंह देव कोठी महारानी दलीपकौर, लोग्नर माल, पिटयाला।

(श्रंतरक)

 श्रीमती तेजबन्त कीर पुर्वा श्री भगत सिंह, वासी भगत भवन, बेदी स्ट्रीट, नाभा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्मति के प्रजैन के तम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत :---

- (क) इप मूजना के राजनत में प्रकाणन की तारीखा से 45 दिन की श्राप्तिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्राप्ति वाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीमत वातियों में से हिमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजस्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किनो प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा गर्कोंगे।

स्तब्दोत्तरणः --इतमें प्रयुक्त मध्यां स्त्रीर पदों का, जो उक्क्स श्रधिनियम के श्रध्याय-20क में परिभाषित है, वहीं सर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 250 वर्ग गज है श्रौर जो लाल बाग, लोग्रर माल, पटियाला में स्थित है। (जायेदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 624, मई, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15-1-1980

प्रकृष स्रार्थ० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाप्रक प्रायक्तर प्रापुका (निराक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देण सं० पीटीए/41/79-80—यतः मुझे सुखदेव घन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिन, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/रुष्ण से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं ० प्लाट 380 वर्ग गज (7½ विवा) है तथा जो न्यू लाल बाग कालोनी, लोभ्रर माल, पटियाला में स्थित (भ्रौर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण कप से. वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पटियाला में, राजिस्द्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समाति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्तिविद्य उद्देश से उत्त अन्तरण विखित में बास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है.——

- (क) म्रन्तरण में हुई िक्सी प्राप की रावत, उक्त म्रिक्षित्व के नियम के प्रयोग कर देन के म्रिक्तर के दायित्व में कमा करने पा उसमें वचन में सुविधा के लिए, भ्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्थ ग्रास्तियों की जिन्हें ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उनन ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिनी हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुश्रिधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम, का धारा 269-ए के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपवारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, ग्रधीन :--

 श्रीमती 'विजिलक्ष्मी देखे पत्नि' श्री में श्रेनंग उद्धे सिंह वासी न्यू लाल बाग, पंटियाला।

(र्घतरक)

 श्री शाम लाल गुप्ता,पुन्न स्व० सुमेर चन्व, वासी कानल कालोनी, मानसा जिला भटिडा।

(मंतरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्मित के प्रजीत के लिए कार्यवाहियां करता है। ा

उक्त सम्प्रति के प्रजेत के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेत :---

- (क) इस सूचीना के राजात्र में प्रकाणिन की नारी में ये 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत । व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजगत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्ष स्थावर सम्मति में हितबब किनो प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रत्योद्दानरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्यण्डीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम, के ग्रह्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं स्रवें होगा जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

अमुसुची

प्लाट जिसका क्षत्रफल 380 वग गुज (7½ विसवा) है और जो न्यू लाल बाग, लोश्चर माल, पटियाला में स्थित है)। (जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 625 मई, 1979 में दर्ज हैं).

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लिखियाना

तारी**ख कु** 15-1-1980

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्तण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० चन्डीगढ़/50/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के भ्रधीन संजम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति जिसका उच्चित बाजार सूह्य 25,000/- क्यें से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 112 भाग प्लाट नं० 1564 है तथा जो सैक्टर 36-डी चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनु-सूची में भीर पूर्ण रूप से विधित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख मही 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के वृज्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृझें यह विज्ञास
करने का कारण है कि प्रयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण में हुई किमी प्राय की बाबत उका प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिश्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों की, जिन्हें पारतीय अयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना पाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

्ञतः ज्ञा, ज्यत अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण जें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के बाधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- कर्मल एन० एन० स्थाल पुत्र श्री नगीना मल स्थाल बासी दिल्ली द्वारा श्री कुलदीप सिंह चैहल पुत्र श्री सुरत सिंह बामी नरीन्द्रपुरा जिला भटिंडा। (ग्रंतरक)
- श्रीमती गुरजीत कौर पत्नी श्री कुलदीप सिंह चैहल वासी नरिन्द्रपुरा जिला भटिंडा।

(ग्रंनरिती)

को यह मूचना जारी करके रूबॉक्त सम्पत्ति के धर्वन के लिए का**र्यवाहियां कर**ता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के प्रमानन में कोई भी प्राक्षीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि खाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितब छ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारी, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गमा है।

अनु सुची

1/2 भाग प्लाट नं० 1564 जो सैक्टर 36डी धन्डीगढ़ में स्थित है। (सम्पत्ति जैसा कि राजस्ट्रीकर्ता, ग्रधिकारी चन्डीगढ़ के

विलेख संख्या 20 मुई 1979 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रजैन रेंज,लुधियाना

तारीख: 15-1-1980

प्ररूप ग्राईं० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रिमित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातप, महायक भ्रायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

गिर्देश सं० पीटीए/49/79-80--यतः मुझे, सुखदेव चन्द, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित वाजार मुख्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं०मकान नं० 33-सी है तथा जो माडल टाऊन, पटियाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है, रुजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित को गई है ग्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीमा सम्मति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरम से हुई किसो अप्त को बाबत उस्त प्रश्चि-नियम के प्रेत्रों। कर हो क अलारक के दायित्व में कमो करने या उत्तम बबने में मुविधा के लिए; श्रीर/शा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (19<u>5</u>7 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या हिया जाना चाडिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा के 269-ग म्रनु-सरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269 भ की उपवास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात्।---

1. श्री जसवीर सिंह पृत्र श्री रणवीर सिंह स्वयं व स्पैशल ग्रटारनी श्रीमती जसबन्त कौर पत्नी स्व० श्री रणवीर सिंह , श्रीमती संतोष सिंह, धर्मवीर सिंह पुत्र श्री रणवीर सिंह, श्रीमती उशाल इंदर कौर पूत्री श्री रणवीर सिंह, श्रीमती इन्दखीर कौर पत्नी श्री रणवीर सिंह श्रोमनी तेजिन्दर पत्नी स्व० सुदर्शन सिंह, प्रभूदर्शन सिंह, नरिन्दर पाल सिंह पुत्र श्री सुदर्शन सिंह, अवनाश कौर पुत्री श्री सूदर्शन सिंह, श्रीमती सवरनजीत कौर पुत्री रणवीर सिंह, श्री परमवीर सिंह पुत्र श्री रणवीर सिंह, श्रीमती महावीर कौर पुत्री श्री रणवीर सिंह, श्री गुरगरनजीत सिंह पुत्र श्री रणवीर सिंह, 33-सी, माडल टाऊन, पटि गला। सारे वासी

(ग्रंतरक)

2. कैप्टन ग्रमरजीत सिंह पुत्र ब्रगेडियर फतेह सिंह, वासी 3578/5, लैहन , पटियाला।

(अंतरिती)

को यह सुबना जारी करते गुर्गिना नमानि के प्रकेंग के लिए कार्यवाहियाँ गुरू करेगा है।

उका समाति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई प्राक्षीर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धे व्यक्तियों पर सूचना की तानीत में 30 दित की ग्राधी, जो भी ग्रावधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन मूबना के राजात में प्रकायन को नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध कियो प्रत्य वाति द्वारा प्रश्नोहसाक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पढ्टी करण :--इसमें प्रयुवन शब्दों ख्रौर पदों का, जो उनत ग्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रन्युची

मकान नं० 33-सी, माइल टाऊन, पटियाला। (जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 697, मई, 1979 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारो, स राय ह प्राय हर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 15-1-1980

मोहरःः

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० एलडीए/76/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्य आयकर श्रिक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिक्षिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से श्रिक्षक है

मीर जिसकी सं ० मकान नं ० 156-एल ० है तया जो माछल टाऊन, लुधियाना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः ग्रब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण म, मैं, उक्त मधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत् :--- 1. मेजर दमनजीत सिंह पुत्र श्री संजन सिंह पुत्र श्री हरबन्स सिंह, वासी ए-2-113, सफदर जंग एनकलब, नई दिल्ली द्वारा पावर श्राफ श्रटारनी श्री चरनजीत सिंह पुत्र श्री सजन सिंह पुत्र श्री हरबन्स सिंह वासी 7-माडल टाऊन लुधियाना।

(श्रंतरक)

2. श्रीमती बिना बेरी पत्नी श्री ज्ञान चन्द पुत्र श्री गुरिदयाल सिंह, श्रीमती लीला देवी पत्नी श्री श्री गुरिदयाल सिंह बेरी पुत्र श्री गौरी दत्त वासी बेरी बिल्डिंग, लक्कड़ बाजार लुधियाना।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन को तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकग।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों भौर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-18-225 (156-एल) माङल टाऊन, लुधियाना।

ं (जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 737, मई, 1979 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, लुधियाना ।

तारीख । 15-1-1980 मोहर: प्रकृप भाई • टी • एन • एस •---

मायकर प्रश्विनियम, 1961 (1961 का 43) की मारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० पीटीए/47/79-80-यतः मुझे, सुखदेव चन्द्र, भागकर भ्रष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन समन प्राधिकारी को यह विश्वास करने काकारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रूपये से अधिक है भ्रौर जिसकी संब्प्लाट 638 वर्ग गज (13 विसवा) है तथा जो नारुला कालोनी, पटियाला में, स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अन्सुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख को पूर्वेक्सिसम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य संकम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए ग्रन्सरित की नई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बंग्बार मूरुय, उसके बृश्यमान प्रतिपक्ष से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से मिश्रक है और प्रस्तरक (भग्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे

भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देग्य के उक्त भन्तरण जिल्लिय में वास्तविक रूप से कवित

नहीं विया गया है :---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उसत धिनियम के सभीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व मकमी करने गाउससे बचने में सुविधा के निष्; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी वन या भ्रय्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रविनियम, या वन-कर भ्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ भ्रम्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में मुविधा के सिए;

ग्रत: अब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुग्ररक में, में, उक्त श्रीधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निक्नक्तिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्रीमती लता नरूला विधवा श्री श्रोम प्रकाश वासी नरूला कालोनी, लोग्नर माल, पटियाला। (अंतरक)
- श्रीमती बसंत कौर पत्नी श्री मखन सिंह, नरूला कालोनी पटियाला।

(प्रंतिरती)

को यह सूचना जारी सरने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की भवित, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविति जो भी भविति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सस्पत्ति में हित-बढ़ा किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्तादारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त प्रविनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्य होगा जो उस प्रव्याय में विया गया है।

मनुनुची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 638 वर्ग गज है ग्रौर जो नक्ला कालोनी, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 666, मई 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 15-1-1980

प्रकृप भाई•टी०एन•एस•—

बायकर ब्राप्तियमः, 1961 (1961 क्षा 43) की बारा 2 69-ण (1) के सधीन सुचता मारत सर्कार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्वेश स० सीएचडी/47/79-80-यतः मुझे सुखदेव चन्द थायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्ध व्यक्षिनियम' कहा भया है), को घारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण 🖁 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मूक्स 25,000/- ६० से समित्र है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1564, 1/2 भाग है तथा जो सैक्टर 36-डी, चन्डीगढ़ में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद्ध **ध**नुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्ड़ीगढ़ में, र्राजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 मई 1979 का 16) के ग्रधीन,तारीख

को पूर्वीक्ट सम्पत्ति के उपित बाकार मूल्य से कम के बृह्यसान प्रक्रिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुसं पह विश्वास क्षरने का कारण है कि येवापूर्वेक्ट सम्पत्ति का उपित बाजार मध्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से मधिक है, और भग्तरक (भग्तरकों) भौर भन्तरिती (मन्धरितिथी) के बीच ऐसे मन्दरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नशिक्ति उद्देश्य से उन्त अन्तरण निष्ठित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया वया है।---

- (क) प्रस्तरण ये हुई किसी प्राप्त की शक्त उक्त मिक्षियम के अधीन कर देने के कररारक के बाविस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा 🕏 लिए। झोर्ा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी प्रत या प्रत्य बाहित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, बा अल-कर अधिनियम, 1957 (1957 क) 27) के प्रयोधनार्वं अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए चां। क्रियाने में सुविधा है सिष्;

भतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:--

1. कः एनः एनः सियाल पुत्रश्री नगीना मल सियाल ग्राफ नई दिल्ली द्वारा ग्रटारनी श्री कुलदीप सिंह चेहल पूत्र श्री सूरत सिंह गांव नरिन्दरपुरा, जिला भटिंडा ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती गुरजीत कौर पत्नी श्री कुलदीप सिंह चेहल गांव नरिन्दरपुरा, जिला भटिंडा ।

(म्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी लाबीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

क्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदौं का, जो उक्त भ्रधिनियम मे अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया हुआ है।

धनुसूची

1/2 भाग प्लाट नं० 1564, सैक्टर 36-डी, चन्डीगढ़। (जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 202, मई 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्व सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 15-1-1980

प्रक्त माई• टी• एत• एस•---

आवक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 296-च (1) के घडीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० एस०एन०जी/9/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चाए 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छवित बाबार मृश्य 25,000/- इ॰ से प्रधिक है भीर जिसकी सं० भूमि 68 कनाल 9 मरले हैं तथा जो गांव छाजली, तहसील सुनाम, जिला संगरूर में स्थित हैं (भीर इससे उपावद प्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सुनाम में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिल्दा की गई है और मुझे यह विश्वास करने का हारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्दा बाजार मृश्य, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्दा बाजार मृश्य, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्दा बाजार मृश्य,

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रिन के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिका का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के सिए तय पाया गया प्रतिफल-निम्नलिखित उद्देश्य से बन्त मन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है।—
 - (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की वावत 'उक्त प्रक्रिनियम' के प्रश्नीम कर देने के अन्धरक के वायित्य में कमी करने या उबसे वचने में स्विधा के लिए। भीर/या
 - (ख) ऐसी किसी बाय या किसी बन या पत्थ पास्तियों को जिन्हें मारतीय पायकर समितियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया वा या किया बाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के बिए,

अतः अब, उनत मधिनियम की धारा 269-ग के बनुबर्ग में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-ज की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान्:—

 श्री नरंजन सिंह पुत्र श्री लेंहना सिंह पुत्र श्री वरयाम सिंह, श्रीमती नन्द कौर विधवा श्री लेंहना सिंह पुत्र श्री बरयाम सिंह वासी गांव छाजली, तहसील सुनाम।

(स्रंतरक)

 श्री बन्त सिंह पुत्र श्री विशन सिंह पुत्र श्री सदा सिंह, वासी गांव छाजली, तहसील सुनाम।

(ग्रंतरिती)

को यह मूचना जारी सरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

खकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साम्रेप !-

- (क) इस सूवना के राजपदार्में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना कें राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यवदीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त सिंतियद के मध्याय 20-क में विसाधित है, नहीं घर्ष होगा, को कस धध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 68 कनाल 9 मरलें है ग्रौर जो गांव छाजली, तहसील सुनाम में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, मुनाम के कार्यालय के विलेख संख्या 610, मई, 1979 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 15-1-1980

प्रक्षप भाई० ही• एन• एत•-----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269म (1) के सधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरोधाय)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना , दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० एमएनके/5/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मिनियम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारच है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूक्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जसकी सं० भूमि 77 कनाल 12 मरले है तथा जो गांव मबारद साहिब , तहसील मुनक में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय मूनक में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई 1979

का 16) के प्रधीन, तारीख मई 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूख्य से कम के बृश्यमान
प्रतिकत के लिये पत्तरित को गई है धीर मुझे बढ़ विश्वास करने
का सारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके
बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकल का पत्त्रह प्रतिशत से
प्रक्षिक है धीर प्रन्तरक (भन्तरकों) धीर धन्तरिती (अन्तरितयों)
के बीच ऐसे धन्तरक (भन्तरकों) धीर धन्तरिती (जन्तरितयों)
के बीच ऐसे धन्तरक किलए सय पाया भया प्रतिकल, निम्नसित्त
उद्देश्य से सुक्त धन्तरण निश्चित में वास्तविक कप से किलत नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के प्रधीन कर देने के प्रशासक के दायिक्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए। खौर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना चाहिवेवा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त यश्विनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, से, उन्त प्रशिविषय की भारा 269-न की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीन :---

 श्री ठाकरा सिंह पुत्र श्री फतेह सिंह वासी गांव मबारद साहिब, तहसील मूनक।

(भ्रन्तरक)

2. सर्बश्री कोर सिंह, गमदूर सिंह, प्रीतम सिंह, नच्छतर सिंह, चरना सिंह पुत्र धन सिंह, सुखदेव सिंह, मेजर भल्ला सिंह पुत्र करतार सिंह वासी भादूशां, तहसील मूनक। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्यति के यार्चन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की धर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धर्वाध, जो भी धर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी **ख से 48** दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी भ्रन्य स्थक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास किसी में किसी जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसर्वे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, यो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित दें, बही सर्थ हीगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

घनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 77 कनाल 12 मरले है श्रौर जो गांव मबारद साहिब, तहसील मृनक में स्थित है। (जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, मुनक के कार्यालय के विलेख संख्या 155, मई 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15-1-1980

प्रकप भाई। टी। एन। एस-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० एसएनजी/21/79-80---यतः मुझे सुखदेव चन्द

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्ष्पए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 80 कनाल है तथा जो गांव बुगर, तहसील व जिला संगरूर में स्थित है (श्रीर इससे उपावढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय संगरूर में, रिजस्ट्रीकण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निष्तिया में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रश्नित्यम के घंधीन कर देने के प्रस्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे यंचने में सुविधा के निए; प्रौर/या
- (का) ऐसी किसी मान या किसी घन या भाष्य भाष्तिओं की, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर भिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिविनियम, या घन-कर भिविनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिका के निए;

श्रशः ग्रव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, जबद प्रधिनियम की श्रारा 269-म की अपवारा (1) के बधीग, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्वात् !— श्री मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री राम किशन वासी गांव बुगर, तहसील संगरूर।

(श्रंतरक)

2. सर्वश्री मुखतियार सिंह, बलदेव सिंह, चतर सिंह पुत्र श्री वंचल सिंह, श्री दलबारा सिंह, तारा सिंह पुत्र गुरदेव सिंह, मोहिन्दर कौर पत्नी श्री मेजर सिंह, गांव, बुगर, तहसील व जिला संगरूर।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवंत के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी घालोप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितकड़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास जिक्कित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ध्रिधिनयम के भध्याय 20-क में परिभाविश्व हैं, वही । धर्म होगा जो उस अध्याय में दिशा है।

असम्ब

भूमि जिसका क्षेत्रफल 80 कनाल है श्रीर जो गांव बुगर, तहसील व जिला संगरूर में स्थित है।

(जायेवाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, संगरूर के कार्यालय के विलेख संख्या 520, मई 1979 में दर्ज हैं)

> खदेव द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 15-1-1980

प्रक्ष धाई॰ टी•एन•एस•----

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन मूलना

मारत सरकार

कार्यालय, सद्वायक धायकर पायुश्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देण सं० एएमएल/23/79-80—यतः मुझे सुखद्रेय चन्द, आपकर बिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्वात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 469-ख के घन्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- रु० से पश्चिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 1 विघा विसवा है तथा जो मण्डी गोविन्दगढ़, तहसील ग्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमलोह में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान पतिफल के लिए मस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से मधिक है और भन्तरक (अन्तरकी) और भन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिन फल निम्निविक्त उद्देश्य से अन्त मन्तरण सिवित में वास्त्रिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) जम्तरण खे हुई किसी मान की बाबत फक्त जीन-नियम, के मधीन कर देने के मम्बरक के वाबिस्थ में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए। मीर/या
- (ण) ऐसी किनी नाय या किनो धन या ग्रन्य जास्तियों को, निस्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किना गणा या था किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उनत बिधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरन में, में, उक्त बिधिनियम की धारा 269-न की उपकारा (1) के अधीन निम्नखिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री मेहर सिंह पुत्र श्री पाखर सिंह पुत्र श्री गुरदित्त सिंह वासी मण्डी गोबिन्दगढ़, सब तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला।

(ग्रंतरक)

2. मैसर्स कोहिन्द इंडस्ट्रीज द्वारा श्रीमती णिमला रानी खुल्लर पत्नी श्री हरबन्स लाल खुल्लर, श्री मुलेख राम पुत्र श्री नथा सिंह वासी मण्डी गोबिन्दगढ़, तहसील ग्रमलोह, जिला पटियाला।

(भ्रंतरिती)

को महस्यना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के खर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अंबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, को भी भविधि बाद में भमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध शिसी अध्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास बिश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गर्व्यां ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रम्याय 20-क में परिभाविश है, जड़ी अर्च होगा, जो उस ग्राज्याय में दिया गया है।

अनुसृ घो

भूमि 1 विघा 8 विसवा जो मण्डी गोबिन्दगढ़, तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, श्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 242, मई, 1979 में दर्ज है।)

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, लुधियाना ।

तारीख: 15-1-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० सीएचडी/29/79-80—यतः मुझे सुखदेय चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्तम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 433, है तथा जो मैक्टर 35-ए, चन्डीगढ़ में स्थित है (भ्रौर हमने उपावट भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रक्षिक है भीर वह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भिक्षितियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या छत्तसे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

भतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुमरण में, मैं उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री हरपाल सिंह माहल पुत्र श्री मोहिन्दर जिंह, गांव काठगढ़, जिला होशियारपुर द्वारा स्पैशल ग्रटारनी श्री कुलदीप सिंह सिंध पुत्र श्री प्रीतम सिंह वासी 433 सैक्टर 35-ए, चन्डीगढ़।

(ग्रंतरक)

2. श्री रणजोध मिंह (माइनर) पुत्र श्री कुलदीप मिंह द्वारा श्रीमती सुखबन्स कौर पत्नी श्री सुखपाल सिंह गांव व डा० काठगड, जिला होशियारपुर।

(अंतरिती)

श्री गुरणरण विरक, 433, सैक्टर 35-ए, चन्डीगढ़।
 (वह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्वत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धनिधि, जो भी धनिधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्ष्मक्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'खक्त श्रध-नियम', के शक्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अथ होगा, जो उस शक्याय में दिया गया है।

अनुसूखी

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 631.37 वर्ग गज है श्रौर जो 433 सैक्टर 35-ए, चन्ड़ीगढ़ में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 137, मई, 1979 में दर्ज है।)

मुखदेव चन्द मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-1-1980

प्ररूप आई ० टी० एन० एस०—

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० एसएनजी/14/79-80—यतः मुझे सुखदेव चन्दः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र• से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० दुकान है तथा जो ग्रनाज मण्डी , संगरूर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्नविक रूप मे अधिन नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के ग्राधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्राय-कर म्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिधिनियम, या धन-कर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, शर्थात्:—
15—446GI/79

 श्री परशोतम दास पुत्र श्री भीम सैन श्रगरवाल, वासी संगरूर।

(गंतरक)

 श्री चूहर लाल, बज लाल, श्री कणोरी लाल धगरवाल वासी न्यू ग्रनाज मण्डी, मंगरूर।

(श्रंतरिती)

3. मैसर्स पनसप, संगरूर।

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गन्दों ग्रीर पदों का, जो 'तक्त श्रधिनियम', के भ्रष्टयाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप जो न्यू भ्रनाज मण्डी, संगक्तर में स्थित है। (जायेदाद जैसांकि रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, संगरूर के कार्यालय के विलेख संख्या 347, मई, 1979 में दर्ज है)

> सुद्धदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण-) श्रर्जन रेंज, लुधियानः।

तारीख: 15-1-1980

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देण सं० सीएचडी/53/79-80—-यतः, मुझे, मृखदेव चन्द, भायकर ग्रीधनियम, 1961 (1961

का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं 1/6 भाग एस । सी । ग्री । नं 8 व 9 है तथा जो सैक्टर 17-बी. चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किका जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भवः भवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के भनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपघारा (1) के अभीन; निम्निशिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री उजागर सिंह पुत्र श्री बरयाम सिंह, श्रीमती मुरिन्दर कौर पत्नी श्री भ्रमरजीत सिंह, 182-स्यू जवाहर नगर, जालन्धर। (भ्रन्तरक)
- श्री गुरजीत सिंह पुत्र श्री केवल सिंह, वासी 116, मैंक्टर 9-बी, चन्डीगढ़। (अन्तरिती)
- 3. (1) मैसर्स श्रोंकार इटरप्रयडजस
 - (2) मैंसर्स सुभाष चन्दर व कं० बीयर बार
 - (3) एकाऊंटेंट जनरल, हिमचाल प्रदेश व युनियन टेरेंटरी

- (4) दी डी० श्राई० जी०, सी० श्राई० डी, पंजाब, एस० सी० श्रो० नं० 8 व 9, सैक्टर 17-बी, चण्डीगढ़ ।
 - (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. (1) श्री परमजीत सिंह पुत्र श्री केवल सिंह, वासी 90, माडल टाऊन , फगवाड़ा।
 - (2) श्री गुरदियाल सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह, गांव कोटला राय का, तहसील मोगा।
 - (3) श्री त्रिलोचन सिंह पुत्र श्री निरंजन सिंह 14-बी माडल टाऊन, फगवाड़ा।
 - (4) श्री सुरिन्दर सिंह पुत्र श्री निरंजन सिंह, 14-बी, माडल टाऊन, फगवाड़ा।
 - (5) श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री करतार सिंह, गांव जस्सो माजरा, तहसील नवांशहर, जिला जालन्धर।
 - (6) श्रीमती चरन कौर पत्नी हरखन्स सिंह, वासी जस्सो माजरा, तहसील नवांणहर, जिला जालन्धर।
 - (7) श्री मलकीयत सिंह पुत्र श्री ग्रमर सिंह, वासी 89-बी, मांडल टाऊन, फगवाड़ा।
 - (8) श्री बखणीण सिंह पुत्र श्री नाजर सिंह, वासी 89-बी, माडल टाऊन फगवाड़ा। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकामन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिकित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धी प्रणापन प्रतिमें पाइका शब्दों श्रीर पदों का, जो उनत अधि -नियन के श्राज्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ पेगा, जो उन श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनसूची

1/6 भाग एस० सी० म्रो० नं० 8 व 9, सैक्टर 17, बी, चण्डीगढ।

(जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 273, मई 1979 में दर्ज हैं)।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी

महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-1-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० -

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० सीएयडी/28/79-80—यतः मुझे सुखदेव जन्द, भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भिधक है

श्रीर जिसकी सं० मकान न० 67 है तथा जो सैक्टर 5, चन्ड़ीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपायक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चन्ड़ीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सें उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्ह भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ध्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्रीमतीप्रीतम कौर पत्नी स्व० त्रलोचन सिंह वासी मकान नं० 179, सैक्टर 11-A चन्ड्रीगढ़ द्वारा ग्रटारनी श्री सुरजीत सिंह।

(अंतरक)

2. श्रीमती दलजीत कौर थन्डी पत्नी श्री मेहर सिंह थन्डी मास्टर बलोचन सिंह थन्डी (माईनर) मुतबना पुत्र श्रीमती दलजीत कौर थन्डी द्वारा श्रीमती दलजीत कौर थन्डी वासी श्रमर विल्ला, सीवील लाईन ल्धियाना।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के प्रार्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई मी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन्त म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पढटोकरग:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो जक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रंथ होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 67, सैंक्टर 5, चन्ड़ीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि राजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 136, मई 1979 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द

यक्षम प्राधिकारी

सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्राजनेरीज्ञाल्यायाना।

तारीख: 15-1-80

प्ररूप बाई • टी • एन • एस •-

मामनर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की

घारा 269-व (1) के मजीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं० सीएचडी/96/79-80----यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'चन्त प्रश्निनियम' कहा गया है), की जारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० हिस्सा 30% एस० सी० ग्री० 107-108 है तथा जो सैक्डर 17-बी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से व्यक्तित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के छनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरल (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जन्तरण लिखित में बाक्तबिक कम से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण के हुई जिसी भाव की बाबत, उनत श्रक्षित्रम के भवीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने वा धतते सचने में सुविद्या के शिष्ट; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या घन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रंब, उन्त ग्रिविनयम की बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, इन्त ग्रिबिनियम की बारा 269-म की स्वमारा (1) के ब्रामीन निम्नलिखित न्यक्तिमों, अर्थाव:---

- श्रीमती गुरमीत कौर विधवा श्री जरनैल सिंह; श्री शिन्दा सिंह पुत्र श्री जगीर सिंह, वासी मकान नं० 26, सैक्टर 8-ए, चण्डीगढ़ द्वारा जनरल ग्रटारनी श्री सुभाष चन्द पुत्र श्री रिशला राम, वासी 704; सैक्टर-16, चण्डीगढ़। (अंतरक)
- श्री उनागर सिंह पुत श्री वरयाम सिंह, श्री श्रमरजीत सिंह पुत श्री उनागर सिंह, श्रीमती सुरिन्दर कौर

पत्नी श्री भ्रमरजीत सिंह सारे बासी मकान नं० 182, न्यू जवाहर नगर, जालन्धर णहर। (श्रंतरिती)

- 3. (1) स्टेट बैंक ग्राफ इंडिया।
 - (2) हिमाचल पैस्टीमाइड्ज़ व कैमीकरुज़ लि०
 - (3) एस० सी० ग्रो० नं० 107-108, सैक्टर17-बी, चण्डीगढ़।

(वह ध्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

- 4 (1) यूनाईटड बिल्डरज कन्मट्रवशन (इंडिया) प्र०लि० द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री राम कुमार गुप्ता,
 - (2) श्रीमती उषा कालिया,
 - (3) श्री श्राई० के० मरदाना द्वारा श्रटारनी श्री भगत राम,
 - (4) श्री के० के० मरदाना,
 - (5) श्री जसवीर सिंह एचयूएफ स्वयं व श्रीमती इरिसमरनण्डींग, जे० सिंह०, मिस रवमीत जे० सिंह, मिस सुपरीत जे० सिंह.
 - (6) श्रीमती सुनीता दत्ता।
 - (7) श्री दीनक छाबरा द्वारा घटारनी श्री राज कुमार गुप्ता,वासी मकान नं० 26, सैक्टर 8-ए चण्डीगढ़। (बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

हिस्सा 30% एस० सी० ओ० नं० 107-108, सैक्टर 17-बी, चण्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 497, जून, 1979 में दर्ज है)। मुखदेय चन्द

सका प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज, लुधियाना

तारीख: 15-1-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

पापकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश म० एसएनएम/13/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रजीत तमन अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रीवक

श्रोर जिसकी सं० भूमि 95 कनाल 8 मरले है तथा जो गांव हरिश्वाउ, तहसील सुनाम, जिला संगरूर में स्थित है (श्रोर इससे उपायत श्रनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सुनाम में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम

1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐम दूरयमान प्रतिफल के पंखह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितीयों) के बीच ऐमे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-नियम के अबीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर अधिनियम, 1922 र (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्रीमती गुरनाम कौर पुत्री श्री काहन मिह,श्री दलबीर पिह पुत्र श्री काहन मिह, वासी हरिग्राऊ, तहसील सुनाम।

(म्रंतरक)

 श्री हजारा सिंह पुत्र श्री फगा सिंह, वासी गांव कुकराला, तहसील सुमाना।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाबीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तस्तन्कधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी मनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा नक्षीहरताकारी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्वष्टीऋरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीट पर्दी का, जो हरत ग्रिधिनियम के श्राष्ट्रयाय 20-क में परिणाणित है, वही श्रार्व होगा, जो उस शब्काय में विवा गया है।

प्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 95 कनाल 8 मरले है भौर जो गांव हरिग्राऊ, तहसील सुनाम में स्थित है।

(जायेदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, सुनाम के कार्यालय के विलेख संख्या 810, मई, 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-1-1980

प्रकप भाई • सी • एव • एस •----

मायकर प्रविनियम; 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980 निर्देश सं० बीश्रारएन/12/79-80---यतः, मुझे, सुखदेव

जन्द, प्रायंकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिलियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के भ्रमीन सम्माम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 25,000/- रुपए मे ग्रीमक है,

म्रीर जिसकी सं० भूमि 99 कनाल 13 मरले है तथा जो गांव हरीगढ़, तहसील बरनाला, जिला संगरूर में स्थित है (म्रीर इससे उपावद मनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता मधिकारी के कार्यालय, बरनाला में, रजिस्ट्रीकरण मधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के स्वित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए सन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रस् प्रतिशत से ग्रीमक है भीर सन्तरक (भग्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तिकितमों) के बीच ऐसे भग्तरण के लिए ता पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित करेश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कवित नहीं किया गया हैं।——

- (क) प्रन्तरण संदुर्शक साधान की बाबत, अक्त ब्राधिनियम,
 के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में क्यी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भारितयों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनाचे अम्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना काहिए वा, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः शव, उक्त श्रीधनियम की धारा 269-न के खबुसरच में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) के स्वीक, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— सर्बश्री प्रताप सिंह, मलकीयत सिंह, सुखदेव सिंह, नाहर सिंह, भगवान सिंह पुत्र श्री जसबन्त सिंह पुत्र श्री जोरा सिंह, श्रीमती सुरजीत कौर विधवा श्री जीत सिंह पुत्र श्री जसबन्त सिंह गांव हरीगढ़, तहसील बरनाला।

(म्रंतरक)

2. सर्वश्री गुरचरन सिंह, कौर सिंह, रूप सिंह, भौरा सिंह पुत्र श्री हाकम सिंह पुत्र निहाल सिंह, सुखदेव सिंह, प्यारा सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह पुत्र राम दिता सिंह वासी हरीगढ़, तहसील बरनाला, जिला संगरूर।

(मंतरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्बत्ति के धर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हूं।

उक्त सम्बक्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस पूजा के राजान में प्रकाशन की तासी वासे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धविधि बाद वें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारी करें 45 बिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य भ्यनित द्वारा, भन्नोहस्ताकारी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरमः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों ना, जो उच्छ प्रविनियम के अध्याय 20न में परिचाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 99 कनाल 13 मरले है श्रीर जो गांव हरीगढ़, तहसील बरनाला जिला संगरूर में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, बरनाला के विलेख संख्या 2142, मई, 1979 में दर्ज है।)

> सुखदेय चन्द स**क्षम प्राधिकारी**, सहायक **धायकर घायुक्त (निरीक्षण),** श्रर्जनरेंज,लुधियाना

तारीख: 15-1-1980

प्रकप आई • टी • एन • एस • ----

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1980

निर्देश सं सीएचडी/57/79-80---यतः, मुझे, मुखदेव चन्द, आयकर मिवियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिल्लाका उचित बाजार मृह्य 25,000/- क् से अधिक है

धौर जिसकी सं० मकान नं० 1247 है, तथा जो सैक्टर 33-सी, चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1979

को पूर्वोक्त सक्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृदयमान प्रतिफल के जिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रशापनिकान समित का उचित बाजार मूल्य, उसके बृदयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से घिष्क है और घन्तरक (घन्तरकों) और अन्तरितों (घन्तरितयों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तम पाम गमा प्रतिफल, मिम्निनिक्कित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बाब्त कि कम में किया गा है:—-

- (क) सन्तरण न हुई किसी जान का बाबत, बक्त बाह्य-नियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या जग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्रिनियम, या धन-कर भित्रियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ अभारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, क्रियाने में सुविज्ञा के लिए;

सतः २व, उक्त प्रक्षितियम की घारा 269-ग के सनुसरण में, में, उक्त प्रक्षितियम की घारा 269-घ की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्:—

- श्री रचवीर सिंह धालीवाल पुत्र श्री दिदार सिंह, वासी महान नं 1247, सैंक्टर 33-सी, चन्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री कपलेश चन्दर पुत्र श्री हरबन्स सिंह वासी गुलसन लॉज, सैंट नं० 3, नजदीक रिवाली, शिमला (हि० प्र०) द्वारा जनरल श्रटारनी श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री भागराम शर्मा, शिमला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोकत सम्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत-सम्पत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी पानेप :--

- (क) इस पूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी म से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समान्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख के 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताकारी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पढ़ों का; जो उक्त ग्रीधिनयम के अध्याय 20-क में परिवादित है, बही ग्रथं होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सुची

मकान नं० 1247, सैक्टर 33-सी, चन्डीगढ़। (जायेटाद जसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 314, जून, 1979 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-1-1980

प्ररूप पाई •टी • एन • एस •----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 नवम्बर 1979

निदेश सं० 33/नवम्बर/79 यतः मुझे, ओ० आनन्द्राम आयकर प्रिप्तिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रिप्तिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रक्रिक है

म्रौर जिसकी सं० आर० एस० नं० 56ए और 57 स्पिरिंग फील्ड है तथा जो राकफोरड निम् फोरट कोडेकानल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय एस० आर० ओ० कोडैकानल (डाक् ० नं०24/79) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 के ग्रधीन, तारीख मई 1979 (1908 का 16) को पूर्वोक्त संपत्ति के उर्चित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकल निम्नसिक्षित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भ्रन्तरण मे हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नतिचित स्थक्तियों, अर्थात् :→

1, डाक्डर बोबकिंग

(म्रन्तरक)

- (1) श्री वी० सी० सेकर।
 - (2) श्री वी० जमबालन।
 - (3) श्री वी० कुनसेकरन।
 - (4) श्रीवी० उतमम।
 - (5) श्री ज्योति राजन।
 - (6) श्री बी० सगामम।
 - (7) श्री वी० समरसम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शन्दों श्रीर पदों का, जो धन्न श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभावित है, वही श्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिना गयां रूंहै।

अनुसूची

डाक्मेंट न० 24/79 एस० भ्रार० भ्रो० कोईकानल

- (1) भूमि और निर्माण स्पीरिंग फील्ड, राक फोरड, निम्पोरट कोडैकानल।
- (2) भूमि और निर्माण डोर न॰ 17/396ए, 17/396वी, 17/397, 17/397ए, 17/398 फेरन ईल रोड, कोईकानल।

ग्रो० भ्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्राम

तारीख : 28-11-1979

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 14/मई/79---यतः, मुझे, झो० आनन्द्राम, भायकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), को बारा 269-ख के मधीन सक्षम श्रीधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 48 बसवैमन स्ट्रीट है जो मद्रास-21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामपुरम, मद्रास (डाक नं० 676/79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के वृश्वमान प्रतिक्षम के जिसकार कर के जिसकार कर के जिसकार कर के

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूक्य से कम के वृश्यमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का धारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति वाबार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकाल में, ऐसे वृश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह अतिशत से प्रधिक है, धीर यह कि घन्तरक (अन्तर्कों) बीर प्रकारिती (अन्तरितिवों) के बीच ऐसे प्रकारण के लिए धम प्रथा गया प्रतिकाल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक सिक्षित में वाक्तविक कप से कवित नहीं किया वया है :----

- (क) धन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उपत प्रक्षिक निवम, के प्रधीन ७५ देने के धन्तरण के दाविश्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (क) ऐसी किली घाय पा किनी श्रत या घन्य घास्तियों को बिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनिवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर घितियम, या घन-कर घितियम, या घन-कर घितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया वा या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के खिए;

भता, भव, उक्त श्रक्षिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त श्रक्षिनियम की बारा 269-य की उपलास (1) के श्रधीम निक्कितिश्रिक व्यक्तियों, सर्वात् : ... 1, श्रीमती चॅगम्माल।

(ब्रन्सरक)

2 श्री एम० सुन्दररामया।

(श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अवंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकातन की तारीज से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविछ, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी धम्य व्यक्ति द्वारा, घन्नोहस्ताकरी के नास निकात में किए वा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें अयुक्त कब्बों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियागया हैं।

प्रमुजूषी

डाकुमट न० 676/79 एस० आर० श्रो० रामपुरम, मद्रास
भूमि और निर्माण--डोर नं० 48, वसवैसन स्ट्रीट मद्रास21।

श्रो० भानंद्राम सक्षम प्राधिकारी; सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); श्रजैन रेंज I, मद्राम

तारीख: 11-12-1979

मोह्रर :

प्ररूप आई॰ टी• एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

म।रत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 61/मई/79—यतः, मुझे, भ्रो० श्रानंद्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का ज्ञारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 14, किरूप्तराजपुरम है, जो श्रग्राहरम, मदुरै में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्धअनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय पुदुमंडपम, मदुरै (डाक् नं० 847/79) में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अभाक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निन्तिलिखित उद्देश्य से उक्त सम्वरण मिकिय में वास्तिविक रूप से कावित नहीं किया नया है ।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, छक्त घडिनियम के धधीन कर देन के घन्ताईक के वासित्व में कमी करने या जससे अपने में सुविक्त के लिएई घोर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को अन्हें भारतीय आय-कर भिव्यतियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिव्यतियम, या वन-कर भिव्यतियम, या वन-कर भिव्यतियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भारतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना का हिए या, जिनाने में सुविक्षा के लिए;

अतः अन, उनत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरम में, में, जनत पशिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के धधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—] 1. श्रीमती आंर० म।रियम्माल।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती डी० रादा भ्रम्माल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के भर्णन के संबंध में कोई भी आक्रोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविष्ठ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी घविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा घडोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पर्वों का, जो उक्त अधि-नियम, के घध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्म होगा जो उस अठगाय में विया गया है।

मनसूची

डाणुभट न १ 847/79 एस० ग्रार० ग्रो० पुरुमंडपम, मधुरै भूमि ग्रीर निर्माण—डोर नं० 14, किरुव्नराजपुरम मग्राहरम, मदुरै।

म्रो० मानंद्राम ससम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज I, मद्रास

तारीख: 11-12-79

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 62/मई/79---मतः, मुझे, श्रो० श्रानंद्राम आयकर श्रिश्वित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिश्वियम' कहा गया है), की श्रारा 269-ख के अश्रीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- २० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 14, कृष्नाराजपुरम है,जो ग्रग्नाहरम, मदुरै में स्थित है (प्रीर इससे उपायद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, पुदुमंडपम, मदुरै (डाक 845/79) में रजिस्ट्रीकरण, अभिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राघीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डाह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया पया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया नया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रक्षि-नियम के भ्रष्ठीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐंसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धन, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्माए:--- 1. श्रीमती म्नार० मारिअमम्ल।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री जी० धरमराजन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के ग्रार्वत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्थ स्थक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरवदीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बि अवत अधि-नियम के बाध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्च होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अ**नुसू**ची

डाकुमेंटनं० 845/79 एस० ग्रार० ग्रो० पुदुमंडपम, महुरै । भूमि 'ग्रीर निर्माण---डोर नं० 14, कृष्नाराजपुरम, अग्राहुरम, महुरै।

> स्रो० प्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-1, मद्रास

नारीख: 11-12-79

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मंद्रास, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० 70/मई/79—यतः, मुझे, ग्रो० ग्रानंद्राम, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से भ्रधिक है और जिसकी सं० 32 कंडप्पा चेट्टी स्ट्रीट है, जो मद्रास-1 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सौकारपैट मद्रास (डाक नं० 284/79) में राजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908) का 16) के प्रधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक हैं ग्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या श्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथित्:—

- 1. (1) श्रीनती टी० मुथुलक्षमीलकदामी।
 - (2) श्रीमती कें करपगवल्ली।
 - (3) श्रीमती एस० सौडांबाल।

(श्रन्तरक)

2. श्री ए० मोहन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इप स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (ख) इस सूचता के राजभन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिराबह किशो अन्य अविकादारा प्रजोड्स्नाक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पब्दी हरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डामेंकुट नं० 284/79 एम० श्रार० श्रो०, सौकारपेट, मद्रास-1 ! भू।पे श्रोप निर्माण---नया डोर नं० 32, कंडप्पा चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 ।

> श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-1, मद्रास

नारी**क**: 11-12-79

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राम, दिनांक 3 जनवरी 1980

निर्देश सं० 57/मई/79--यतः, नुझे, श्रो० श्रानंद्राम, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उका श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रजीन सक्षम श्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर नहाने जिलाहा उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपवे से श्रीधक है, श्रौर जिसकी

सं० 214 ईस्ट बेली स्ट्रीट है, जो मदुरें में स्थित है (और इसम उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से वर्णित है), राजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जें० एस०श्रार०-ओं०- मदुरें (इकि.० नं० 2859/79) में रजिस्ट्रीकरण श्रीश्रानिया, 1908

(1908 का 16) के अधीन, नारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश के उन्तर प्रतिरा कि उन्तर प्रतिकार में अस्तरित कर न कथिय नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण सं हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उपने बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय हर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्रीके० एस० राम कृष्णन।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती एल० कस्तूरी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अविधिया तत्पम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीत से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस भूवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः → -इत्तर्भ पतुका ताव्दी मीर पदी का, जो उक्त श्रधि-ोयस के श्रध्याय 20- के में परिभाषित हैं, वहीं स्रर्भ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया हैं।

अभुसूची

डाकुमेंट नं० 2859/79 जे० एस० ग्रार०-ओ०-1, मदुरै । भूमि ग्रीर निर्माण ---डोर नं० 214, ईस्ट बेली स्ट्रीट, मदुरै।

> स्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जंन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 3-1-198°

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रज्न रेंज-1, मद्रास

मद्राम, दिनांक 3 जनवरी 1980

निर्देश सं० 59/मई/79—-यतः, मुझे, स्रो० आनंद्राम, आयकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्रिधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के स्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— क्पए से स्रिधिक है

प्रौर जिसकी सं 14, लक्ष्मीपुरम, 7वीं स्ट्रीट है जो मदुरे में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे ० एस० श्रार० ओ०-I, मदुरें (डाक नं 1724/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ती के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वाम

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में नास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के घ्रधीन कर देने के घम्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 2927) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविजा के लिए;

अतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:— 1. श्रीमती सबीया बीबी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती ग्रार० मतम्माल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

डाकुमेंट नं 01724/79 जे० श्रो०-I एस० ग्रार०ओ-I मबुरै। भूमि ग्रौर निर्माण—डोर नं 14, लक्ष्मीपुरम 7वीं स्ट्रीट, मदुरै।

> श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1; मद्रास

तारीख: 3-1-1980

मोइर:

प्रकप भाई- ही- एन- एस----

आयकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के समीन सूचना

मारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक धायकर धायक्स (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1 मदास

मद्रास, दिनांक 3 जनवरी 1980

निर्देश सं० 68/मई/79—यतः, मुझे, ग्रो० ग्रानंद्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2, 12, 14 और 15 पेराली रोड, कीस्दुनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जें० एस० झार० ओ०-Ш, वीस्दुनगर (धाक नं० 792/79) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में बाक्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:——

- ह) प्रस्तरण से हुई जिसी पान की नानत, उपत प्रक्रितियम के प्रमीन कर देने के प्रस्तरक के दायिश्य में क्यी करने या वससे नचने में सुविधा के लिए; प्रीर/ना
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी वन या मण्य पास्तिकों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर घिमिनमम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिमिनमम, या भन-कर धिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के खिए;

यतः यथ, उनतः यशिनियम की बारा 269-ग के सनुसरक में, में, उनतः यशिनियम की बारा 269-ग की उपवारा (1) के अधीन, निम्निकित व्यक्तिकों, अर्थातः— दी सर्देन काटन प्रैस (पी) लि० रेप्रेजेंटिड बाई अवदुल्ला बाय एम० बट, चैयरमेन।

(ग्रन्तरक)

2. दी चिल्लीस एकस्पोर्ट ह्याऊस लि॰ रेप्रेंभेंटिड बाई ए॰ एन॰ दामोदरन, मेनेजिंग डाइरेक्टर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्थन के मम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्न नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिमाचित है, बही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनसची

डासूमेंट नं० 792/79 जे० एस० भार०ओ०-II विरुद्धनगर। भूमि ग्रौर निर्माण — डोर नं० 2, 12, 14 ग्रौर 15, पेराली रोड, विरुद्धनगर।

> श्रो० ग्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी स**हायक भायकर भायुक्त** (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, मद्रास

तारीब : 3-1-1980

प्ररूप भाई० टी॰ एन० एस०----

पायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269-घ (1) के प्रधीन कुचना

भारत सरकार

कार्यालव, सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 3 जनवरी 1980

निर्देश सं० 1/मई/79—यतः, मुझे, श्रो० श्रानंद्राम आयकर श्रिष्टियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक क्वात् जना पितियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के श्रद्धीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ७० से श्रिष्ठिक है

श्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 68, देवरायनचेट्टी स्ट्रीट, तिरुम्मन नगर, रामनाड रोड, मदुरें में स्थित है (श्रोर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० ओ०-III दुरें (डाक नं० 1550/79) में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख मई 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत के पन्दर् प्रतिशत से प्रविक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के जिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कियत नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय नी बाबत, उक्त घष्टिनिबम के घष्टीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के बिए; धौर/या
- (च) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या घन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय शायकर प्रोधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनयम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रिपाने में सुविधा के सिए;

भ्रतः ग्रव, उनतः श्रिप्तियम की धारा 269-ग के ग्रत्मरम में, में, उक्त श्रिप्तियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के बाबीन, निम्निलिया स्पिनियों, ग्रामीतः——

- i. (1) श्री के० करुपीया ना**ष्टा**र।
 - (2) श्री के० मुबैया नाडार।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती आर० इन्द्रा ग्रम्माल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में <mark>कोई भी आक्</mark>रेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिषिनियम के भध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उन ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुर्मेंट नं० 1550/79 जे० एस० श्रार० श्रो०-III, मदुरै भूमि श्रोर निर्माण-प्लाट नं० 68, देवरायन चेट्टी स्ट्रीट, तिरुमगल नगर, रामनाड रोड़, मदुरै।

ग्नो० ग्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी नहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅज-1, मद्रास

नारीख: 3-1-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जनवरी 1980

निदेश सं० 67/मे/79—यतः, मुझे, श्रो० श्रानंद्राम श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसनें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

भीर जिन्नकी सं० पांतिमन रोड है, जो मद्राप्त-8 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पेरिममेट, मद्राप्त (डाक नं० 510/79) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्निरा को गई है चौर मुझे यह िश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्बह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिजित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की_बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए, ग्रौर/ग
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: ग्रज, उस्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण मे, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित काकित्रों, अवीत् ---

 डाक्टर मोहमद टाकी कलीली रेप्रसन्टट बैपावर माफ महारती एम० काजीम कलीली।

(अन्तरक)

 श्रमन गेम्म मेमोरीयल श्रसोसिएशन रीप्रेसन्टट वै मेक्नेटरी ए० के० गोपालन।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के ग्रार्शन के सम्बन्ध में कोई मी ग्राक्षीर :---

- (क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रात्रधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामीच से 30 दिन की श्राद्धि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदं किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रद्धोहस्ताक्षरा के पास विखित में किए जा सर्केंगे।

स्पढडोकरण]:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के प्रध्याव 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रय होगा जो उ५ अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

डाकुमेंट नं० 510/79 एस० ग्रार० श्री० श्रेकम पेरिममेट, मद्रास भनि श्रीर निर्माण ---पांतिमन रोड, एगमोर, मद्रास-8।

> ुंघो० म्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रा**यक्त (निरीक्षण)** स्र**र्णन** रेंज, मद्रास

नारीख: 9-1-1980

प्ररूप आई • टो • एन • एस ०-

भागकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्राप, दिनांक 9 जनवरी 80

निदंश सं० 75/मे/79—यतः मुझे, श्रो० श्रानंद्राम

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके

श्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-स के अधीन
सम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि श्वावर
सम्पत्ति, जिसका उन्ति वाजार मूल्य 25,000/- क्पन्ने से अधिक है
और जिसकी सं० 235 तिक्कोतिपुर है जो रोड़ मद्रास में
स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में एस० श्रार० श्रो०
रामपुरम मद्रास (डाक नं० 728/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख
मई 1979

को भूगेंकत सम्पत्ति के उन्ति वाजार मूल्य से कम

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिकृत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत कि तम्नित्वित उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिल्ला में बास्तिक क्या से क्या तम्म से क्या क्या है स्था

- (क) अस्तरण में हुई जिसी मान की नावत, खक्त अधि-शियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्त में क्सी करने या उससे बचने में सुविक्षा के जिए; 'ओर्ट्या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या प्रत्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवितयम, या धनकर बिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया चाना चाहिए चा, खिनाने में सुविधा के निए;

बतः अव, उक्त पश्चितियत की बारा 269-न के पनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 239-म की उपचारा (1) के प्रवीत, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:—

- 1. (1) श्री के० रंगकुमार
 - (2) श्रीमती लक्ष्मी तुलसी।
 - (3) श्रीमती वैजयंतीमाला
 - (4) मैन्ध के० सरिधिरीमा। वे गांडियन के० कृष्णनामुर्ती।

(म्रन्तरक)

2. श्री पी० के० ग्रबुबकर।

(भ्रन्तरिती)

को यर सुवता जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के प्रवेत के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

चनत अस्पति के पर्वन के सम्बन्ध में कोई जी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की नारी कसे 45 दिन की भवित्र या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शवित्र, को भी भवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजों क्न व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित्बाढ़ किसी प्रस्य क्यक्ति द्वारा प्रधोत्स्ताक्षरी के पास निकात में किये जा सकेंगे।

स्थव्यीक्षरणः----५समें प्रमुक्त सम्बं घौर पदों का, जो उक्त प्रक्षि-नियम के प्रध्याय 20-न में सका परिचाचित है, त्रज़ी पर्य होगा जो इस प्रध्याय में दिया नया है

धनुत्वी

डाकुमेंट नं० 738/79 एस० ग्रार० ग्रो० रामपुरम, मद्रास । भूमि ग्रीर निर्माण डोर नं० 235, तिस्वोतिपुर है— रोड़ मद्रास ।

ो० श्रानंद्राम **तक्षम** श्राधिकारी व**द्वाचक कावकर मायुक्त** (निरीक्षण), श्रजेंन रेंज, मद्रास

तारीख: 9-1-1980

नोहर:

प्रकृष पाई-टी-एन-एस----

आयकर बिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के प्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, मद्राम

ा न 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० 94/मे/79--यतः मुझे, ग्रो० श्रानंद्राम मायकर याधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-य के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- द• से मधिक है श्रीर जिसकी सं० टी० एस० नं० 4018 सिवंतीकुलम सैकंड स्दोट, टिटिकोरीन में स्थित है (श्रीर इसमे उगःबद्ध अन्स्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० ध्रार० ध्री० टिटिकोरीन ब्लाक नं० 1276/79 में रजिस्दीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के ब्रधीन, तारीख मई, 1979 को पूर्वकत सम्पत्ति के उचित बाजार पुत्र से कम को दुश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पत्यह प्रतिशत से प्रधिक है भीर धन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे वन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित जरूम से उक्त श्रम्तरण मिकित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (अ) अन्तरण से हुई किसो आय की बाबा, उक्त अिन्यम के अक्षेण कार देने क धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भुविधा के सिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं स्था गया या किया आता आहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन, निम्निविश्वत व्यक्तियों, प्रचीत्।—

1. श्रीमती लक्ष्मी ग्रम्माल।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती श्रन्निकली श्रम्माल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंत्रंब में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में बकाणन की नारीख है 45 दिन की प्रविध या नरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में
 हित्बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रश्नोहस्ताक्षरी
 के पास लिखिन में किये वा सर्केंगें।

*पष्टोकरण .--व्यसमें प्रयूक्त गन्दों पौर पदों का, जो उस्त श्रधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया स्था है।

अनुसूची

डाक् मेंट नं० 1276/79 जे० एस० ग्रार०-II तिटिकोरीन। भूमि ग्रौर निर्माण ---टी० एस० नं० 4018, सिवंतीकुलम सैकंड स्ट्रीट तिटिकोरीन।

> स्रो० धानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रॅज, मद्रास

तारीख: 9-1-1980

प्रकप धार्ष व्हार एतर एसर---

पायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जनवरी 1980

निर्देश सं० 98/म/79—यतः मुझे, श्रो० श्रानंद्राम धामकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्नात् 'जन्त प्रविनियम' कक्षा गया है), की घारा 269-ख के प्रवीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर तम्पत्ति, जिसका उनित जाजार मूख्य 25,000/-रुपए से प्रविक है

श्रीर जिसकी सं० 140 बाइवे है, जो मद्रास-600001 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीअर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-II मद्रास नार्थ (डाक नं० 1945/79) में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979 की पूर्वोक्त मन्मति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने हा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकत के पण्डह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भोर अन्तरिती (अन्तरित्यां) के श्री ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) भोर अन्तरिती (अन्तरित्यां) के श्री ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) भोर अन्तरिती (अन्तरित्यां) के श्री ऐसे अन्तरक अन्तर अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से किथा नहीं किया गया है ।——

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बावत, उकत आधिनियम के मधीन कर देने के अन्तरक के बायिस्य में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के जिक्; और/मः
- (ख) ऐसी किमी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर ब्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिश्ना के लिए;

अतः शव, उन्त धिधिनियम की घारा 269न्य के शनुसरण में; म, जन्त अधिनियम की घारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीत निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत् :

- 1. (1) श्री सी० मोरल।
 - (2) श्री सी० ग्रलोमसिसम।
 - (3) श्री सी० बोरीफेंस।
 - (4) श्रीमती एस० सौद्रवाला गर्मा।
 - (5) श्रीमती मिलोगीना।
 - (6) श्रीमती ग्रमलोरपरा गेरी डी॰ सागी।
 - (7) श्रीमती किलारा नलफन।
 - (8) श्रीमती फातीमा मेतिव।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती एम० छबसा बीती।
 - (2) श्रीमती रहीमतुश्रीसा।
 - (3) श्रीमती एम० सकीना बी श्रौर कुमारी एम० फसीरुझीसा।

(भ्रन्तरिती)

को यहसूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कारिवाहियों करताहु।

उन्य सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मी प्राक्षय :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को गारीय से 45 दिन को भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तूबना की नाभील से 30 दिन को भवधि, जो भी भवधि बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूबाँक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी अम्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभावित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाक नं 1945/79 जे एस० भार०-II मद्रास नार्थ भूमि भीर निर्माण--डोर नं 140, ब्रांडने, मद्रास-1।

> श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, मद्रास

तारीख: 9-1-1980

माहर ।

नहीं किया गया है:---

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, मन्नाम

मद्रास, दिनांक 14 जनवरी 1980

निर्देश सं० 63/मे/79--यतः मुझे, स्रो० स्नानंद्राम भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० 33 है, जो नीरोजी रोड कीलफाक, मद्रास-10 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरीममेट, मद्रास (डाक नं \circ 542/79) में रजिस्द्रीकरण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्र से, दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर भन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीज़ ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण त्रिखित में त्रास्त्रतिक रूप में कथित

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भ्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. (1) श्रीमती कनहराज@ राजेस्वरी। (ग्रन्तरक)
- 2. दी व्यूनियन किरीस्ट्रीयन श्रसोसिएशन। (भ्रन्तरिती)

को यह मुजरा नगरी करक पूर्वोत्त मध्यति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अपश्चिया तत्संबंबी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गड़्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाक् मेंट नं० 542/79 एस० ग्रार० ग्रो० पेरीममेट, मद्रास। भूजि ग्रौर निर्माण—डोर नं० 33, नौरोजी रोड़, किलफाक, मद्रास-10।

> श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रॅंज, मद्रास

नारीख: 14-1 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज मद्रास मद्रास, दिनांक 14 जनवरी 1980

निदश सं० 64/मे/79—यतः मुझे, स्रो० भानंद्राम स्रायकर स्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इपके परचात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अश्रीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से स्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 33 है, जो नौरोजी रोड़, किलफाक, मद्रास-10 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पेरिपंग पेरिममेट, मद्रास (डाक नं० 543/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई हैं श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्त्रह प्रतिशत से श्रिधक हैं श्रीर श्रन्तरित (श्रन्तरित श्रीर श्रम्तरित (श्रन्तरित श्रीर श्रम्तरित (श्रम्तरित को जिए स्था पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रम्तरण के लिए स्था पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रम्तरण लिखिन में बास्तिक रूप से क्यित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की अवित उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किपी अन या अन्य प्रास्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, खिवाने में सुविधा के लिए;

भवः भव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-म के धनुसरक में, में उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. श्री एम० डुरैराज।

(भ्रन्तरक)

दी युनियन कियस्ट्ररीयन श्रसोसिऐशन।
 (भ्रन्तरिती)

को यह सूत्रता जारी करके पूर्वीका सम्मत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पदों का, जो जकत श्रिष्ठित्यम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही प्रयं होता जो उन श्रध्याय में दिया. गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 543/79 एस० झार० भ्रो० पेरियमेट, मद्रास भूमि भ्रौर निर्माण डोर नं० 33 नौरोजी रोड्र, किलफाक, मद्रास-10।

> न्नो० मानंद्राम स्थम प्राधिकारी सङ्ग्रायकर न्नायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज, मद्रास

तारीख: 14-1-1980

मोष्टरः

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रिघिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के श्रक्षीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जनवरी 1980

निर्देश सं० 65/मई/79—यतः युझे, स्रो० म्नानंद्राम स्नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बन्धि, जिनका उचित्र वाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० 33, है, जो नौरोजी रोड़ किलफाक, मद्रास-10 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पेरिममेट, मद्रास (डाक नं० 544/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर भन्तरक (अन्तरकों) श्रीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ब्राप की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः प्रस, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरन में, में उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रृद्धीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधातः— 1. श्री एम० हरीदास।

(भ्रन्तरक)

2. दी॰ यूनियन किरिस्टीयन ग्रसोसिऐशन। (ग्रन्तरिती)

को यह भुवता जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के स्रजैत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी स्नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशित की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में मे किसो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उबस श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 544/79 एस० श्रार० श्रो० पेरिमगेट, मद्रास । भूमि श्रौर निर्माण डोर नं० 33, नौरोजी रोड़, किलफाक मद्रास-10 ।

> श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक सावकर ग्रायंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 14-1-1980

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जनवरी 1980

निदश सं० 66/मई/79—यतः मुझे, स्रो० स्नानंद्राम स्नायकर स्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र • से स्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 33 है, जो नौरोजी रोड़, मद्रास है 10 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय पेरिमगेट मद्रास (डाक नं० 545/79) में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार सूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार सूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पात्रा गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख्र) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए;

त्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-म के अनुतरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भवीन, निम्नतिबित व्यक्तिमां, अर्थात् → 1. श्रीमती सुबलकक शमी ग्रम्माल।

(ग्रन्तरक)

2 दी युनिचन किरीस्ट्रेयन श्रसोसिऐशन।

(ग्रन्तरिती

को गह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवित्व या तरहम्बन्धी व्यक्तियों पर पूचना की तामीत से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थागर नंगति में हिन-बद्ध कियो ज्यक्ति द्वारा अधीर्शनालयों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्तब्धिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्राञ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रार्थ होगा जो उस ग्राञ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 545/79 एस० ग्रार० ग्रो० पेरिममेट, मद्रास भूमि ग्रीर निर्माण डोर नं० 33, नौरोजी रोड़, किलफाक मद्रास-10।

> श्रो० श्रानंद्राम सञ्जम प्रश्विकारी, **त्तहापक श्रायकर** श्रायुक्त (निरोञ्जग) श्रर्जन रेंज 1, मद्रास

त ारीख: 14-1-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कःयोलय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 जनवरी 1980

निर्वेश सं० 79/मे/79---यतः, मुझे, भ्रो० भ्रानोंद्रोम द्यायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भूसके पत्रत्रात् अकत प्रक्षितियम कहा गया है), की भारा 269-वा के मधीन तक्षम प्राव्हिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका दिवत याजार मूल्य 25,000/- नण्य से ग्रम्बिक हैं। ग्रीर जिसकी सं० 8 लाजपत राय रोड़ है, जो चिन्न चोकीकुलम, मद्रै में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ठल्लाकुलम, मदुरै (डाक नं० 1892/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बागार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक 🏺 भीर ग्रम्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रम्तरिती (श्रम्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की वायतः, वक्त प्रविभियम के प्रायीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में क्षा वरते या उससे वक्ते में सुविधा के किए; प्रोप्रीया
- (भ) ऐती किसी भाग या किसी धन या मण्य भारितवाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उपत भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ पन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया थ। या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तुविधा के जिए;

ं धतः श्रव, उक्त घष्टिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीननिम्नलिखित व्यक्तियों संघीत्:—
18—446G1/79

- 1. (1) श्रीमती म्रार० मनी।
 - (2) श्रीमती बी० प्रसन्नमनी।
 - (3) और दूसरी।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती एम० सैतूम बीबी।

(भन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्थन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 जिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों एर
 स्चना की तामील के 30 विन की प्रविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 ध्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा,
- (ख) इन पुत्रना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य स्थावित द्वारा, अधोद्धस्ताक्षरी के
 वास विखिद में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त कम्बो और पदों का, को अवत ग्राधितियन, के श्रष्टमाय 20-क में परिमाणित हैं, वही श्रृक्षं होगा जो उस ग्रन्थाय में विया गया है!

अनुसूची

डाकुमेंट नं 1892/79 एस० ग्रार० श्री० ठल्लाकुलम मनुरै। भूमि ग्रौर निर्माण — डोर नं० 8 (टी० ग्रार० नं० 946) लाजपत राय रोड, चिन्न चोकीकुलम, मदुरै।

> श्रो० श्रानोंद्रीम सक्षम श्रीधिकारी सहामक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंजा, मद्रास

तारीख: 14-1-1980

प्रसप मार्घ० टी० एन० एस०-----

यायकर ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यम्वय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जनवरी 1980

निर्देश सं० 7282—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णनं आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिये इसर्में इसके परचात् 'उक्त ग्रामिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करते **स्यावर** सम्पत्ति, जिसका का कारण है कि 25,000/-रुपये से श्रधिक है भौर जिसकी सं० 141 है, जो महादाना स्ट्रीट मायवरम में स्थित है (श्रौर इससे उपाक्षद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है)। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मायूरम (डाक्मेंट सं० 352/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मुख्य से कम के वृत्रयमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिप्रात धर्षिक है धीर मन्तरक (मन्तरकों) मीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए, तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उन्त धन्तरण लिखित में वस्तिविक कर से ऋषित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त, भ्रधि-नियम के मधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
 - (अ) ऐसी किसी प्राय या किसी प्रम या अन्य आस्तियों की, जिन्हें, भारतीय भायकर भृष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रृष्टिनियम, या धन-कर भृष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

अतः, धव, उपत प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उपत प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों धर्मातः :— 1. श्रीमती सुब्बठा बीवी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री घड्डल सलाम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियो करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रघोह्स्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दो का, जो उक्त ग्राविनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं ग्रयें होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—141, महादाना स्ट्रीट, मायूरम। (डाक् मेंट सं० 352/79)।

राधा बालकृष्णन् सक्षम प्राधिकारी सहायक स्त्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 21-1-1980

प्रकप बाई॰ डी॰ एन॰ ब्रस॰-----

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज:II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जनवरी 1980

निर्देश सं० 8657-यतः मुझे, राधा बालकृष्नं मायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के घर्षीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- वपये से घर्षिक है भौर जिसकी सं० 51 है, जो महादाना स्ट्रीट मायूरम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मायूरम (डाक० सं० 438/ 79) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से ऐसे बुश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से पश्चिक है और प्रस्तरक (प्रन्तरकों) मौर प्रन्तरिती (भन्तरितियों) के वीच ऐने प्रस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भ्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जम्तरण से हुई किसी धाय की वाबत, उक्त प्रक्रितियम के प्रश्लोज कर देने के प्रस्तरक के दायिस्य में कमी करन या उससे वचने में सुविधा के लिए। धौर/या
- (वा) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय धायकर घिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधिनयम, या धन-कर घिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के ध्रयोजनार्थ प्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों अर्थीत्।—— 1. श्री एम० के० ग्रार० कुप्तं।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती हववा बीवी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी पार्केंप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी करें 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाव में समाच्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित हारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्मत्ति में ब्रितन द किसी धन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ता अरी के पास लिखित में किए था सकोंगे:

स्पब्टोकरण:--- इसमें प्रमुक्त जन्म मौर पर्यो का, जो उक्त मधि-नियम के ग्रब्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण — 51, महादाना स्ट्रीट, मायूरम । (डाकूमेंट सं० 438/79)।

राधा बालकुष्नं सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 21-1-1980

मोहरः

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जनवरी 1980

निर्देश सं० 8606—यतः मुझे, राघा बालकृष्नं आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भाधिक है

भीर जिसकी सं० 88, जो पारक रोड, श्रीनगर कालोनी है जो कुमबकोनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कुमबकोनम (डाक्सेंट सं० 1001/79) में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम,

1908) 1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह
प्रतिशत श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रिस, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक
क्रिस से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिप्ति-नियम के ग्रधीन कर देने के गन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विभाने में सुविशा के लिए;

भत भय, उस्त मिश्रिनियम की धारा 269-म के मनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपशारा (1) के स्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत :--- श्रीमती ए० महरूनिसा।

(भ्रन्त र

2. श्री भ्रार० वेनफटेसन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिशकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही झर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि **भौर** निर्माण -88 पारक रोड, श्रीनगर कालोनी, कुमबकोनम।

(डाक्मेंट सं० 1001/79)।

राधा बासकृष्नं सक्तम प्राधिकारी, सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 18-1-1980

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1),के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1980

निर्देश सं० 8602—यतः मुझे, राधा बालकृष्नं ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-प्र के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 119 साले स्ट्रीट मनोजियपण है, जो भ्रययम पेट्टै में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़, में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भ्रयममपेट्टै (डाक्मेंट सं० 385/79) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979 को

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिध-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर म्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिधिनियम, या भ्रन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, भ्रिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रायीत्:-- 1. श्री ए० ग्रार० रधुनातन।

(ग्रन्तरक)

2. श्री ए० एल० राधवन।

(श्रन्तरिती)

को यह सूबना जारो करके पूर्वीक्त सम्मित के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण—119, सालै स्ट्रीट श्रश्रंयममपेट्टै। (डाक्मेंट सं० 385/79)।

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 16-1-1980

प्रकप चाई० टी० एन• एस•----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा

269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक आयकर भागूकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-Ш मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1980

निर्देश सं० 7209---यतः मुझे, राधा बालकृष्नं अधिनियम, 1961 (1961 मायकर 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य 25,000/- द० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० 244 चूलैमेठू रोड़ है, जो मद्रास-94 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय कोठमपाखम (डाक्मेंट सं० 1986/79) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, (1908 का 16) के प्रधीन, मई 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के बृक्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का परद्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) शौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण निकित में बार्फिक्क रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई दिसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में नुविधा के लिए;

अतः अब उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपदारा (1) के सबीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. श्री मोहमद शरीफ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री नसिरूद्दीन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वानत सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां सरता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उपत स्थावर संपत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रश्नोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

रपश्चीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण---244, चूलैमेठू है रोड, मद्रास-94। (डाक्मेंट सं० 1986/79)।

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्रधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-U, मक्षास

तारीख: 16-1-1980

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1980

निर्देश सं० 7249--यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन् भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित थाआर मूह्य 25,000/→ रुपये से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० राजन रोड़ है, जो श्रीनिवासपुरम, टेनजूर-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाकुमेंट सं० 1984/79) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती (भ्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भिध-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-तरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा)1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतः— 1. श्रीमती सरस्वती भ्रम्माल।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती मैतिली नारायनं।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्यष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रध-नियम के श्रध्याय 20-क्त म परिभाषित हैं, वहीं शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

भूमि म्रौर निर्माण—राजन रोड, श्रीनिवासपुरम टेनजूर-1 (डाक्मेंट सं० 1984/79)।

राधा बालक्वष्णन्, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 16-1-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ग्रधीन सुचन!

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर पायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मदास

मद्रास् दिनांक 16 जनवरी 1980

निर्देश सं० 10202—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन् आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-२० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं०4 है, जो श्रहील मेठु स्ट्रीट ईरोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ईरोट (डाक् मेंट मं० 2180/79) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पीत का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (आन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक का सक्तर तहीं किया गया

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रष्टिनियम के श्रष्टीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्रायमा किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को जिन्हें श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः धव, उक्त अधितियम की धारा 269 ग के अमुसरण में, में, पक्त अधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- केशिलाल भ्रार० लुल्ला, नीता पी० लुल्ला, श्रीमती शियामवन्ती बाय भ्रीर रवी।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती ए० ग्रन्नलक्ष्मी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारील से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध फिसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रिधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण — 72 पी०, म्नहिल मेठु स्ट्रीट, ईरोड । (डाक्मेंट सं० 2180/79)।

> राधा बालकृष्णन्, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज JI, मद्रास]

तारीख: 16-1∃1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जनवरी 1980

निर्देश सं० 10206—यतः मुझे राधा बालक्वरूष्णन् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-से अधिक हैं और जिसकी सं० एस० 1588/1 और 1588/4 है, जो कोटिघरी ग्राम में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निलिघरिस

कोटिंघरी ग्राम में स्थित है (श्रीर इससे उपावद में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यान्य, निलिंघरिस (डाक्मेंट सं० 291/79) में भारतीय रिजस्ट्रीरकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिताने में स्विधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुमरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयति :—— 19—446GI/76

- 1. श्री टी॰ एम॰ सेले घौडर ग्रौर ग्रदरस। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बी० के० मतियम्माल।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किमी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रश्रीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पट्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के भ्रध्याय 20-क म परिभाषित हैं, वहीं भ्रर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

भूमि श्रौर निर्माण—एस० एफ० सं० 1588/1 श्रौर 1588/4, कोटिधरी ।

(डाकूमेंट स॰ 291/79)

राधा बालकृष्णन् मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 18-1-1980

मोहर:

प्रक्प बाई• टी• एन•एस•-----

भायनर मजिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भंधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जनवरी 1980

निर्देश सं० 10222—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन् प्रायकर प्रधिनियम, 1961(1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-व के बाबीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मूस्य 25,000/- व्यये से प्रक्षिक है

भीर जिसकी सं० 2 है, जो भ्रारटस कालेजरोड कोयम्बेट्र-18 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्टर (डाक्स्मेंट सं० 2536/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख मई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिखल के लिए सन्तरित की गई है भीर मुझे. यह. विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और सन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है:——

- (ह) प्रस्तरण से हुई कियो प्राय को बाबत, उक्त प्रक्रितियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्यमें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- ्ख) ऐनो िननो साथ या किसी घन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त सिधिनियम, वा धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ प्रनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आ: अ1, उनत अधितियम की पारा 269-ग के धनुसरक में, में, उक्त धिधितियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथित :---

- (1) सर्वश्री सी० बी० वेकटेसन, सी० बी० श्रीनिवासन सी० बी० सुरेश, माईनर कार्थिक रैम० सी० बी० श्रीनिवासन, नं० 2, आर्ट्स कालेज रोड, कोयम्बटोर। (अंतरक)
- (2) श्री के॰ गोविंवास्वामी नायडू, मैंडिकल ट्रस्ट, कोयम्बटोर-18। (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भविष्ठ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ वाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वावता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा:
- (बः) इस सूक्षमाः के राजपन्न में प्रजाशनः की तारोतः से 4.5 दिनः के भीतर जनत स्थानर सम्पत्ति में हिन्द्रकः किसी मन्यः व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताकती के पास लिखितः में किए त्रव सक्तेंगे ।ः

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त लक्ष्यों ग्रीर पर्वो का, त्रो उक्त श्रीवित्यम, के श्रीड्याय 20-क में परि-भाषित हैं, तही पर्य होता, त्रो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची'

भूमि श्रौर निर्माण--2 श्रार्टस कालेज रोड़, कोयम्बेटूर। (डाक्मेंट सं० 2536/79)।

> राधा बालकृष्णन् सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख: 18-1-1980

मोहर:

संघ लोक सेवा घायोग

नोटिस

भारतीय गर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा, 1980

सं० एफ० 12/1/79 प० I (ख)

नर्ष दिल्ली, विनांक 9 फरवरी 1980

भारत के राजपन्न विनांक 9 फरवरी 1980 में गृह मंत्रालय (कार्मिक तथा प्रशासितक मुघार विभाग) क्षारा प्रकाशित नियमों के अनुगार भी वे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं के प्रेड IV में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा झायोग द्वार । अहमवाबाद, बंगलीर, भोपाल, बस्बई, कलकत्ता, खंडीगढ़, कोचीत, कटक, दिल्ली, विसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटियाला, पटना, पोर्ट क्लेयर, शिलांग, शिमला, श्री-नगर तथा क्रिवेन्द्रम में 20 जुलाई 1980 से सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी:—

श्रायोग, यदि चाहे तो, परीक्षा के छपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत उम्मीव-वारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान या स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा (देखिए स्नुबन्ध का पैरा 11)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन वो सेवाओं के लिए भर्ती की जानी है उनके नाम तथा इन वोनों सेवाओं के ग्रेड IV म रिक्तियों की अनुमानित संख्या इस प्रकार है:---

(i) भारतीय ग्रर्थ सेवा

(ii) भारतीय सांख्यिकी सेवा 40

उपर्युक्त रिक्तियों की संख्याची में परिवर्तन किया जा सकता है।

इन रिक्तियों में से अनुसूचित जातियों और प्रनुसूचित जन जातियों के उम्मीववारों के लिए प्रारक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के प्रनुसार किया जाएगा।

3. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं भें से किसी एक प्रथवा दोनों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए प्रविदन कर सकता है। एक बार प्रावेदन पत्र भेजे जाने के बाद सामान्यतः किसी प्रकार के परिवर्तन की प्रमुमति नही दी जाएगी।

यदि कोई उम्मीदवार दोनों सेवाश्रों के लिए परीक्षा भें प्रवेश पासा चाहता है तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्न भेजने की आवश्यकता है। नीचे पैरा 6 में उल्लिखित णुल्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा। उस प्रत्येक सेया के लिए श्रलग-प्रलग नहीं जिसके लिए वह श्रावेदन कर रहा है।

ध्यान दं:--- असे केवल उसी सेवा/उन्ही सेवाधों के लिए उन्मीदवार माना जाएगा जिस/जिनके लिए यह आवेदन करेगा। दोनों सेवाधों के लिए ब्रावेद क करने वाले उन्मीदवार को ध्रपने ध्रविदन-पत्न में सेवाधों के संबंध में घ्रपना वरीयता-कम सफ्ट रूप से बनाना चाहिए साकि योग्यना कम में उसके स्थान को ध्यान में रखते हुए, नियुक्ति करते समय उसकी वरीयता पर भनी भांति विचार किया जा सके।

जिन सेवाओं के लिए उम्मीदयार विचार किए जाने के इच्छुक थे उन सेवाओं के लिए उनके द्वारा दर्शाए गए वरीयना कम में परिवर्तन से संयक्क किमी भी मनुरोध को तब तह स्वोक्तार तका किया जाएगा जब तह ऐसा मनुराध लिखित परीक्षा के परिणामां को घायणा को तारीख से 30 दिन के भीतर सघ लाक सेवा क्रायोग के कार्यालय से प्राप्त नहीं हो जाता।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपन्न पर मिच्च, संघ लांक नेवा आयोग, घौलपुर हाउम, नई दिल्ली (110011) को आवेदन करना चाहिए। निर्वारित आवेदन-प्रपन्न तथा परीक्षा में सम्बद्ध पूर्व विवरण से रावे देहर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा मकते हैं। यह राशि मिचन, संघ लोक मेवा आयोग, घौलपुर हाउम, नई दिल्ली-(110011) को मनीआकर द्वारा या मिचन, सघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल झार्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनी झार्डर/पोस्टल झार्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये झावेदन प्रपन्न झायोग के काउन्टर पर नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। वो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

मोट :--- उम्मीदवारों को चेताबनी दी जाती है कि वे प्रपने भावेदन-पत्न भारतीय भार्थ-सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा, 1980 के लिए निर्धारित मृद्रित प्रपत्न में ही प्रस्तुत करें। भारतीय ग्रर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा, 1980 के लिए निर्धारित भावेदन-पत्नों से इतर प्रपत्नों पर प्रस्तुत भावेदन-पत्नों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ धावेदन-पत्न आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, शौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 31 मार्च 1980 (31 मार्च 1980 से पहले की किसी तारीख से विवेशों में तथा धंडमान एवं निकोधार ग्रीपसमूह प्रथवा लक्षश्रीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले म 1.4 प्रप्रेस 1980), नक या उससे पूर्व अवश्य पश्चंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाव प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पक्ष पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या श्रंडमान एंव निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप, में रहने वाले उम्मीदवार से श्रायोग यांव चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 31 मार्च, 1980 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या श्रंडमान एंव निकीबार द्वीपसमूह में या लक्षद्वीप में रह रहा था।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीवनारों को भरे हुए आवेदन-पत्न के साथ आयोग को द०,48.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में र० 12.00) का शुरूक भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आईर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली की मुख्य शाखा पर स्थित स्टेट बैंक आफ इंडिया पर देय स्टेट बैंक आफ इंडिया की किमी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैक ड्रांक्ट के रूप में हो।

बिदेश में रहने वाले उम्मीववारों को निर्धारित शुक्त भारत के उच्च प्रायुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा श्रायोग परीक्षा गुल्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए श्रीर आवेदन-पत्न के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन म्रावेदन-पत्नों में यह भ्रपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम ग्रन्थीकार कर दिया जाएगा । यह उन उम्मीदयारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैराग्राफ 7 के भ्रन्तर्गत निर्धारित मुल्क से छूट चाहते हैं ।

- 7. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित ग्रुग्ध से टूट दे सकता है जब वह इस बात से सतुष्ट ही कि आवेदक या तो । अनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अविध में भूतपूथ पूर्वी पाकिस्तान (श्रव वंगला देश) से ग्रुंभारत आया हुआ वास्तिक क्या में श्रत्यावित्त मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उस के बाद भारत आया है या वह श्रीलंका से वास्तिविक रूप में अत्यावित्त मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अवेद्वर, 1961 के भारत-ओलका समझौते के अन्तर्यत । नवस्वर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने बाला है और निर्धारित ग्रुल्क दे सकते की स्थिति में नहीं है।
- 8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित णून्क का भुगतान कर दिया है। किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं। दिया गया हो उसे रूठ 30,00 (अनु-सूचित जातियों और अनुसूचित जन आतियों के मामले में रूठ 8,00) की राणि यापिस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नाट िकी भने के अनुसार परीक्षा में प्रवेश आहुने वाले उम्मीदवार का प्रावेदन-पन्न यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अहंक परीक्षा में अस्पत र रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की अपेक्षाओं अस्पधा पालन नहीं कर सकेगा तो बह सूक्त वापसी का हकवार नहीं शोग।

उपर्युक्त उपर्विधित व्यवस्था को छाड़कर अस्य किया भागस्यति में आयोग को भूगभान किए गए शृत्क की वापसी के किसी दांत्र पर न तो विचार किया जायेगा भ्रोर नहीं ग्रुव्य को किसा अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा। 9. उम्मीदबार को प्रपना धावेदन-पन्न प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीद घारी जापस लेने से संबद्ध उसके किसी भी प्रनरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा ।

> भार० एस० श्राहलुवालिया, उप-सचिव

घनुबंध

उम्मीयवारों को भन्देश

 उम्मीदवारों को चाहिए कि वे म्रावेदन-प्रपत्न भरने से पहले नोटिस भीर नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख की कि वे परीक्षा में बैठने के पात हैं या नहीं। निर्धारित शर्ती में छुट नही दी जा सकती।

श्रावेदन-पत्न भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में विए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां कह परीक्षा देने का इच्छुक हो, स्रंतिम रूप से चुन लेना चाहिए । सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी ग्रमुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीविषार को प्रावेदन-प्रपत्न तथा पावनी कार्ड ग्रपने हाथ से ही भरने चाहिए। सभी प्रविष्टियां/उत्तर शब्दों म होनी/होने चाहिए, रेखा या बिन्तु श्रावि के द्वारा नहीं। श्रश्न्रा या गलत भरा दुझा ग्रावेदन-पत्न रह किया जा सकता है।

सभी उम्मीदवारों की, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी ध्रौद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के ग्रन्य संगठनों में हों या गैर गरकारी संस्वाधोगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के ग्रन्य संगठनों में हों या गैर गरकारी संस्वधाओं में नियुक्त हो, ग्रपने श्रावेदन-पन्न ग्रायोग को सीधे भेजने चाहिए । ग्रगर किसी उम्मीदवार ने श्रपना ग्रावेदन-पन्न ग्रपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो ग्रीर वह संघ लोक सेघा भ्रायोग में देर से पहुंचे हों तो उस ग्रावेदन-पन्न पर विचार नहीं किया आएगा, भने ही वह नियोक्ता को श्राव्यिरी तारीख़ से पहुंने प्रस्तुत किया हो ।

जो व्यक्ति पहते से ही सरकारी नोकरी म ग्राकस्मिक या दैनिक दर कर्म-चारी से इतर स्थायी या श्रस्थायी हैमियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं उन्हें यह परियचन (श्रंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से श्रपने कार्यालय/विभाग के श्रध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए श्रावेदन किया है।

- उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्न के गाथ निम्नलिखित प्रक्षेख अवक्य भेगने चाहिएं :---
 - (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्रापट अथवा शुल्क में छूट के दाये के समर्थन में प्रमाण-पत्नों की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नोटिस का पैरा 6 और 7 नीचे पैरा 6)।
 - (ii) आयुके प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ।
 - (iii) मेक्किक योग्यता के प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणिन/प्रमाणिन प्रतिलिपि ।
 - (iv) जम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैंसी प्रतियों ।
 - (v) जहां लागृ हों वहा अनुसूचित जाति/अनुसूचित अन जाति का होने के बावे के समर्थन में प्रमाण-पन्न की अभि-प्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
 - (vi) जहां लागू हों वहां आयु में छूट के दावे के समधन में प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।
 - (vii) उपस्थिति पक्रक (आवेदन-पक्ष के माथ संलग्न) विधिवस् भरा ধুলা ।

(Viii) लगभग 11.5 सें० मी० × 27.5 सें० मी० के आकार के वो बिनाटिकट लगे लिफाफे जिन पर आपकापना लिखा हो ।

नोट:--उम्मीवयारों को अपने आवेदन-पत्नों के साथ उपर्युक्त मद (ii), (iii), (v) और (vi) में उल्लिखित प्रमाण-पत्नों की केवल प्रतियाही प्रस्तुत करनो है जो सरकार के किसी राजपन्नित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हो अथवा स्वयं उम्मीदवारो द्वारा सही प्रमाणित हो । लिखित परीक्षा के परिणाम संभवत नवम्बर, 1980 में घोषित किए जाएंगे। भी उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर ष्यक्रितगत परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतु अहंता प्राप्त कर लेते हैं। उन्हें उपर्युक्त प्रमाण-पत्न मृल रूप में प्रस्तृत करने होंगे। उन्हें अपने मूल प्रमाण-पन्न साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने के लिए नैयार रखने चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अवेक्षित प्रमाण-पत्न मूल रूप में प्रस्तृत नहीं करेगे उनकी उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का बाबास्वीकार नहीं होगा।

मद (i), से (iv) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे तक दिए गए हैं और मद (v), (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण परा 4 और 5 में दिए गए हैं:---

(i) (क) निर्धारित णुस्क के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल आईर :—

प्रत्येक पोम्टल आईर अनियार्यतः रेखाकित किया जाए तथा उस पर "सचिव, संघलोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय" किखा जाना चाहिए ।

किसी अन्य दाकघर पर देय पोस्टल आईर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे । विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आईर भी स्वीकार नहीं किए आएंगे ।

सभी पोस्टल आईरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकवर की स्वष्ट मुहरहोनी चाहिए ।

उम्मीदवारों को अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकिन किए गए हों और नहीं यचिय संप लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना मुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित औक ड्राफ्ट :---

येंक प्रापट स्टेट बैक आफ इंडिया की किसी प्राखा से लिया जाना चाहिए और सचिव, संघणांक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया मूख्य शाखा, नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत रेखांकित होना चाहिए।

किसी अन्य बैंग के नाम देथ किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए अएंगे । विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए आएंगे ।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्न — आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्टिकुलेशन के प्रमाण-पद्म या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पद्म या किसी भारतीय विश्वविद्यालय हारा मैट्टिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पद्म या किसी विष्वविद्यालय के यहां से मैट्टिकुलेटों के रिजस्टर में दर्ज की गई हों और यह उद्धरण विश्वविद्यालय के ममुचित प्राधिकारी हारा प्रमाणित हों। ओ उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उमके समकक्ष परीक्षा में उतीर्ण है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्न या समकक्ष प्रमाणपत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैं द्रिकुलेणन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न के अन्तर्गत उपयुक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्न सम्मिलित है। कभी-कभी मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पक्ष में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्भीदनारों को मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्य-मिक परीक्षा प्रमाण-पन्न की अभिप्रमाणिन/प्रमाणिन प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैं इमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पन्न की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए अहां से वह मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ है। इस प्रमाण-पन्न में उस संस्था का वाखिला रिजस्टर में वर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तिक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को भैतायनी बी जाती है कि यदि आवेदन-पल के साथ इन अनुदेणों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नही भेजा गया तो आवेदन-पल अस्वीकार किया जा सकता । उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पल में लिखी जन्म की तारीख मैद्रिकुलेणन प्रमाण-पल/उज्जतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पल में वी गई जन्म की तारीख से भिन्न है और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पल रह किया जा सकता है ।

- नोट 1:-- जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक निद्धालय छोड़ने का प्रमाण-पत्न हो, उसे केवल आयु से संबद्ध प्रनिष्टि वाले पष्ठ की अभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि भोजनी चाहिए ।
- नोंट 2:— उम्मीवयारो को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किमी परीक्षा में प्रवेण के लिए जन्म की तारीख तक एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी बाद की परीक्षा में उसमें कोई परिवर्णन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।
- (iii) शैणिक योग्यता का प्रमाणपक्ष:—उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पक्ष की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिससे इन बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पन्न उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पन्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवण्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता में संबद्ध अपने दावे के समर्थन में किसी अन्य प्रमाणपन्न की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवता के आधार पर विचार करेगा । किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा ।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा अपने गैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में प्रस्तुत डिग्री परीक्षा उत्तीर्ण करने से संबद्ध विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में परीक्षा के विषय नहीं दिए गए हों तो उसे विश्वविद्यालय प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त, प्रिमिपल/विभागाध्यक्ष से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अथयय भेजनी चाहिए कि उसने नियम 6 में निर्धारित किसी एक विषय या एक से अधिक विषयों में अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण की है।

नोट :—-पित कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बठने का पाल हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अहंक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्त पूरी करते हों तो उन्हें परीक्षा में बठने विया जाएगा परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अन्तिम मानी जाएगी और यवि व अहंक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण

जन्दी में अध्दी और हर हालत में 15 अक्तूबर 1980 तक प्रम्तुत नहीं करने सो यह अनुमति रह की जासकती हैं।

(iv) फोटो की वो प्रतियां :-- उम्मीववार को अपने हास ही के पासपोर्ट आकार (जगभग 5 सें० मी० × 7 से० मी०) के फोटो की वो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए । इनमें से एक प्रति आवेदन-पल के पहले पृष्ठ पर और दूगरी प्रति उपस्थित पक्षक में निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए । फोटो की प्रत्येक प्रति पर उम्मीदवार को सामने की ओर स्याही में हस्ताक्षर करने चाहिए ।

भ्यान वें :--- उम्मीदवार को चैतावनी घी जाती है कि यदि आवेदन पत्न के साथ उपर पैरा 3 (ii), 3 (iii), और 3 (iv) में उल्लिखित प्रलेखों में से कोई एक संलग्न न होगा और उमे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्न अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विषठ कोई अपील नहीं सुनी जाएगी जो प्रलेख आवेदन-पत्न के साथ न भेजे गए हों उन्हें आवेदन-पत्न भेजने के बाद णीट हो भेज देना चाहिए और वे उपर पैरा 3 (iii) के नोट में उल्लिखित स्थित को छोड़कर] हर हाजत में आवेदन-पत्न स्थीकार करने के लिए निर्धारित अंतिम तरीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए यदि ऐसा म किया गया तो आवेदन-पत्न रद्द किया जा सकता है।

4. यिव कोई उम्मीदनार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने वाथे के समयं में उस जिले के जिगमें उसके माता-पिता (या जीविल माता या पिता) श्राम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या नीचे उिल्लिखत किसी अन्य अधिकारी से जिसे मंबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए गक्षम अधिकारी के रूप में पर्य नामित किया हो. नीचे विए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिण प्रस्तुन करनी चाहिए । यदि उम्मीवयार के माता और पिता दोनो की मृथ्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी ने लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न विस्ती अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता है।

भारत सरकार. के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वान अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जानियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुन किए जाने वाने प्रमाण-पन्न का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारा के —∼──────
जिला/मंडल राज्य
मंघ * राज्य क्षेत्र
के/की* निवासी है,
जाति जन जाति के/की है जिसे निम्नलिखित के अधीन
भ्रनुसूचित जाति/जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है :
ं मंबिधान (ग्रनसूजित जातियां) ग्रावेण, 1950* ।
नायवान (अनुसायन नाताया) आयम् १०००
संविधान (म्ननुसूचित जन जातियां) म्रादेश, 1950*।
संविधान (ग्रनुसूचिम जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) ग्रावेम, 1951*।
संविधान (श्रनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) श्रादेण,
1951*

[श्रनुसूचित जातिया श्रोर श्रनुसूचित जनजातिया सूची (श्रामोधन) श्रादेश, 1956, बम्बई, पुनर्गठन ग्राधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन श्रधि-

नियम, 1966, हिमानल प्रदेश राज्य ग्रंथिनियम, 1970 श्रौर उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन), प्रधिनियम, 1971 श्रीर श्रनुसूचित जानियां तथा ग्रमुसूचित जन जानियां भादेश रांशोधन भधिनियम, 1976 हारा यथा संगोधित] सविधान (जम्मू भौर काश्मीर) श्रनुसूचित्त जातियां श्रादेश, 1956*। संविधान (श्रण्डमान श्रोर निकोबार द्वीपसमह) ध्रनुसूचित जन जातिया भादेश, 1959* भीर अनुसूचित जासियां भीर धनुसूचित जनजातियां भादेश (संगोधन) प्रधिनियम, 1976 द्वारा यथा संगोधित । संविधान (दादरा भीर नागर हवेलां) अनुसूचित जानियां आदेश, 1962^{*} 1 संविधान (वादरा और नागर ह्येनी) धनुमूचित जन आनियां प्रादेण, 1962* 1 संविधान (पांडिचेरी) श्रनुसूचिन जानियां श्रादेश 1964 । संविधान (धनुसूचित जन जानियां) (उत्तर प्रतेश) प्रादेश, 1967*। संविधान (गावा, दमन भीर दियु) भ्रान्सूचित जातियां भादेश, 1968*। संविधान (गोवा, दमन और दियु) श्रनुसूधित जन जातियां आदेश, 1968* I संविधान (नागाक्षेड) प्रनुसूचिन जन जातिया आदेश, 1970 *। श्री/श्रीमती/कृमारी* ——— भौर/या *जनका परिवार श्राम तौर से गाव/फस्बा*------संध* राज्य क्षेत्र------रहती* हैं। हस्ताक्षर -----**पटन[H ------कार्यालय की मोहर सहित राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

ं *जो शब्द लागू न हों. उन्हें क्रुपया काट दें।

टिल्पणी .-- यहाँ प्रयुक्त 'ध्राम तौर से रहते/रहती है'' णब्दो का अर्थ बही होगा जो 'रिप्रैजेटेशन श्राफ दि पीपुल एक्ट, 1950'' को आरा 10 में हैं।

- **जाति/अन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम प्रधिकारी ।
- (i) जिला मैजिस्ट्रेट/ग्रितिरक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लैक्टर/डिण्टी किमग्नर/एकीशनल डिप्टी किमग्नर/डिप्टी क्लैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाईपेडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिबीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्ल्फ मैजिस्ट्रेट/एग्यूजीक्य्दिय मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा श्रिस्टेंट किमग्नर ।

- †(प्रथम श्रेणी के स्टाईपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम म्रोहदैका नहीं)।
- (ii) चीफ प्रेसिडंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसीडेसी मैजिस्ट्रेट/ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट ।
- (iii) रेथेन्यू ग्रफसर जिसका क्रोहदा तहसीलवार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का स**ब**िडवीजनल ग्रफसर जहा उम्मीदवार और/या उसका परियार ग्राम तौर से रहना है।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का मिथव/डेबलपमेंट श्रफसर, (लक्षदीप)।
- 5. (i) नियम 5 (ख) (ii) या 5 (ख) (iii) के ग्रन्तगंत निर्धारित भ्रायु-सीमा में छूट का दावा करने वाले भौर या उत्त नीटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन गुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (भ्रव बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राक्षिकारियों में में किसी एक से लिए गए प्रमाण-पक्त की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (भ्रन बंगला देश) से भ्राया हुमा वास्त्रविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की श्रवध के दौरान प्रवानन कर भारत ग्राया है:—
 - (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्राजिट केन्ध्रों श्रथधा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के कैम्प कमहिंट ।
 - (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट, जहां यह इस समय निवास कर रहा है।
 - (3) अपने-अपने जिसों में शरणार्थी पुनर्नास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट ।
 - (4) स्वयं प्रभारित संब-डिवीजन का सब-डिवीजनल प्रफसर ।
 - (5) उप-भरणाधी-पुतर्थास-म्रायुक्त, पश्चिम संगास/निदेशक (पुतर्यास), कलकत्ता ।
- (ii) नियम 5 (ख) (iv) अथवा 5 (ख) (v) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छुट का दावा करने और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के प्रधीन णुल्क से छुट का दावा करने वाले श्रीलंका में प्रत्यावित या प्रत्यावित होने वाले म्ला-भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कायित्य से लिए गए इस प्राणय के प्रमाण-पत्न की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्तूबर 1964, के भारत-श्रीलंका समझौते के प्रधीन 1 नवस्बर, 1964 को या उनके बाद भारत श्रापा है या ग्राने वाला है।
- (iii) नियम 5 (ख) (vi) के अन्तर्गत प्रायु में छूट का दावा करने वाल वियतनाम से प्रत्यायितन भारत मूलक व्यक्ति को फिलहास जिस क्षेत्र का वह नियासी है उसके जिला मेजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पन्न की एक ग्राभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि यह वियतनाम से भाषा हुआ विस्तिवक प्रध्यायितित व्यक्ति है श्रीर वियतनाम से अलाई 1975 से पहले भारत नहीं भाषा है।
- (iv) नियम 5 (ख)(vii) प्रथया 5 (ख)(viii) के भ्रन्तगत निर्धारित आयु-सीमा में छूट का दाबा करने वाले भीर/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुरूक से छूट का दाबा करने वाले बर्मा से प्रत्यावित मूलत. भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतायास, रंगून क्षारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्न की एक अभिन्नमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक के जो 1 जन, 1963 को या उसके बाव भारत प्राया है, भ्रथवा उसे जिस क्षेत्र का यह निवासी है उसके जिला मैजिन्द्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्न की अभिन्नमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रस्थायतित ध्यक्ति है ग्रीर 1 जून, 1973 को या उसके बाव भारत श्रामा है।

(v) नियम 5 (ख) (ix) प्रथवा 5 (ख) (x) के अन्तर्गत प्रायु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीववार को, ओ रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिवेशक, पुनःस्थापन, रक्षा मंत्रालय से निम्निविक्ति निर्धारित फार्म पर इस द्याशय का एक प्रमाण-पक्ष लेकर असकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विवेशी शत्रु देश के साथ संवर्ष में अथवा अशांति-यस्त क्षेत्र में फौशी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुआ और परिणाम-स्वक्ष निर्मक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

	प्रमाणित किया जात है कि यूनिटके रैंक नं०
श्री-	
सल्	देश के साथ संघर्ष/*प्रशांतिप्रस्त क्षेत्र में फीजी कार्रवाई के दौरान विकलांग
हुए	भौर उस विकलागता के परिणाम स्थरूप निर्मुक्त हुए ।
	हस्ताक्षर
	पवनाम
	विनांक

[#]जो शब्द लागून हो उसे क्रुपयाकाट दें।

(vi) नियम 5 (ख) (xi) अथवा 5 (ख) (xii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीववारों को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है महानिशक, सीमा मुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से मीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि, यह विखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि बह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदनार द्वारा प्रस्तुर्तिकए जाने वाले प्रमाण-पन्न का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिटके रेंक
नं ० सीम
सुरका दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संवर्ध के दौरान
विकलांग हुए भौर उस विकलांगता के परिणामस्वस्प निर्मक्त हुए ।

हस्ताक्षर	[
पवनाम	
सारीख	

- (vii) नियम 5 (ख) (vi) के धन्तर्गत आयु में छूट चाह्ने वाले कीनिया, उगांका तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया से प्रक्रजन कर आए हुए या जास्थिया, मलावी, जेरे तथा इथियोपिया से प्रत्यावनित हुए उम्मीद-वार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इम समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बास्तव में उपर्युक्त वेगों से प्रवजन कर प्राया है।
- 6. जो उम्मीदिवार उत्पर पैरा 5(i), (ii) और (iv) में से किसी भी वर्ग से संबद्ध है तथा नोटिस के पैरा 7 के श्रतुसार मुक्क में छूट का वावा करता है, उसको किसी जिला श्रधिकारी या सरकार के राजपितत श्रधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिख-लाने के लिए कि वह निर्धारित मुक्क देने की स्थित में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाण-पन्न लेकर उसकी श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।
- 7. जिस व्यक्ति के लिए पालता प्रमाण-पत्न झावश्यक हो उसे झपने लिए अभीष्ट पालता प्रमाण-पत्न जारी करने के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) को झावेदन करना चाहिए ।

8. उम्मीदवारों को चेताबनी वी जाती है कि वे क्रावेदन-पत्र भरते समय कोई झ्ठा क्यौरा न वें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीवयारों को यह भी जेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तृत किए गए किसी प्रतेख प्रथना उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें भीर न कोई फेरबदल करें भीर न ही कोई फेरबदल किए गए/भूठे प्रलेख प्रस्तुत करें । यदि ऐसे वो या इससे भ्रधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई भ्रमृद्धि प्रथमा विसंगति है तो विसंगति के सम्बन्ध स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाएगा ।

- 9. श्रावेदन-पत्न धेर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के सप में यह तक स्थीकार नहीं किया जाएगा कि श्रावेदन-पत्न ही प्रमुक सारीख को सेजा गया था। ग्रावेदन-पत्न का भेजा जाना ही स्थतः इस सास का सूचक न होगा कि श्रावेदन-पत्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पाल हो गया है।
- 10. यदि उकत परीक्षा से मंबद्ध भावेदन-पत्नों की प्राप्ति की भाक्षिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने भावेदन-पत्न की पावती की सूचना न मिले तो उसे पावती सूचना प्राप्त करने के लिए भायोग में तस्काल सम्पर्क करना चाहिए।
- 11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदिवार को उसके धावेदत-पत्न के परिणाम की भूवना यथा शीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख रोएक महीने पहले तक उम्मीदिवार को धपने धावेदत-पत्न के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा धायोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे ब्रायोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदिवार ने ऐसा नहीं किया तो वह धपने मामले में विचार किए जाने के दावे से बंचित हो जाएगा।
- 12. जिस पुस्तिकाओं भें नियमाधली तथा पिछली पांच परीक्षाओं के प्रथन-पक्षों का व्यौरा सम्मिलित होता है, उनकी बिक्री प्रकाशन नियंक्षक, सिवल लाइन्स, विरुली-110054 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल धार्डर अथवा नकव भुगतान हारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किनाब महल, रिबोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी" क्लाक, बाबा खड़ग सिंह मार्ग, नई विरुली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा के किसी निक्षी काउंटर, उद्योग भवन, नई विरुली-110001 और कार्यालय, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई विरुली-110011 और (iii) गर्दामेंट प्राप्त इण्डिया बुक किपो, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी केवल नकव पैमा देकर खरीदा जा सकता है। वे पुस्तिकाएं विभिन्न मुफस्सिल नगरों भें भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।
- 13. धानेदन-पत्नों में मंबद्ध पत्न-व्यवहार :—धानेदन-पत्नों से संबद्ध सभी पत्न ग्रादि सचिव, संघ लोक सेवा धायोग, धौलपुर हाउस, ग्राहजहां रोड, नई दिरली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा ग्रानिवार्य रूप से दिया जाए .--
 - (i) परीक्षा कानाम
 - (ii) परीक्षा का महीना ग्रौर वर्ष
 - (iii) उम्मीतवार का रोल नम्बर प्रथवा जन्म की तारीख, यवि रोल नम्बर, सूचित नहीं किया गया है।

- (iv) उम्मीववार का नाम (पूरा तथा बड़े ग्रक्षरों में)
- (v) <u>प्रावेधन-पत्नों में दिशा गया पत्न-व्यवहार का पता</u> ध्यान वें :---जिन पत्नों भादि में यह क्यौरा नहीं होगा, संभवतः उन पर

ध्यान नहीं दिया जायेगा ।
 14. पते में:परिवर्तन--उम्मीदवार को इस बात की ध्यवस्था कर

14. पते में:परिवर्तन--उम्मीववार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके झानेवन-पत्न में उल्लिखित पते पर भेजेगए पत्न स्मावि भ्रावण्यक होने पर, उसको बदलते हुए पते पर मिल जाया करें । पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर भ्रायोग को उसकी सुचना, उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित व्यौरे के साथ, यथाशीझ दी जानी चाहिए । यद्यपि भ्रायोग ऐसे परिवर्तनों पर स्थान देने का पूरा-पूरा प्रयक्त करता है । किन्सु इस विध्य में वह कोई जिम्मेक्षारी स्वीकार महीं कर सकता ।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 29th November 1979

No. A.32013/1/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on ad hoc basis in Grade I of the Central Secretariat Service for the period shown against each, or until further orders, whichever is earlier.

- S. No., Name and Period: S/Shri
 - 1. R. N. Khurana (Section Officer)-1-10-79 to 19-11-79.
 - M. A. Ganapathy Ram (Grade 'A' Officer of CS\$S)— 1-10-79 to 3-11-79.
 - 3. T. M. Kokel (Grade 'A' Officer of CSSS)—25-9-79 to 23-11-79.
 - 4. S. Srinivasan (Section Officer)—3-10-79 to 23-11-79.

The 27th December 1979

No. A.11016/1/76-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri K. L. Suri. Section Officer of the C.S.S. Cadre of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the office of the Union Public Service Commission w.e.f. 14th December, 1979, upto 29-2-1980 or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri K. L. Suri shall draw special pay @ Rs. 75/per month in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 12/1/74-CS(I) dated 11-12-1975.

No. A.11016/1/76-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri Jit Ram, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate as Section Officer for the period from 21-12-1979 to 29-2-1980 in the first instance.

No. A.32013/3/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. S. Jolly, a permanent Grade I Officer of the CSS cadre of UPSC and working as Under Secretary in the same cadre to officiate in the Selection Grade of CSS as Deputy Secretary in the office of UPSC on ad hoc basis tor the period from 6th November 1979 to 31st December, 1979 or until further orders, whichever is earlier.

The 31st December 1979

No. P/28-Admn.I.—The President is pleased to permit Shri B. S. Jolly, a permanent Grade I officer of Central Secretariat Service and officiating as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, after attaining the age of superannuation with effect from 31-12-1979 (AN).

The 8th January 1980

No. A.12025/1/78-Admn.I.—In pursuance of the Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 9/13/78-CS.II dated the 22nd December, 1979 read with their O.M. No. 9/13/78-CS.II dated the 26th December, 1979, the President is pleased to appoint Shri I. N. Sharma, a permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) to officiate as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the same cadre in the office of the Union Public Service Commission with effect from 26-12-1979 (FN) until further orders.

The appointment of Shri I. N. Sharma will, however, be subject to the decision in the Civil Writ Petition No. 284 of 1975 pending in the Delhi High Court.

No. A.32014/3/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Joginder Singh, an officiating Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the cadre of the Union Public Service Commission, to officiate as Private Secretary (Grade A of CSSS), in the same Cadre on a temporary and ad hoc basis for a period of 2 months from 24-12-79 to 23-2-80 or until further orders, whichever is earlier.

The 9th January 1980

No. A.32013/3/79-Admn I.—In continuation of Union Public Service Commission Notifications of even No. dated 17-9-1979 and 2-11-79, the President has been pleased to appoint Shri S. K. Bose and Shri M. R. Bhagwat permanent Grade I officers of CSS Cadre of Union Public Service Commission as Deputy Secretaries in the office of the Union Public Service Commission on ad hoc basis for a further 20—446GI/79

period of three months with effect from 19-11-79 and 24-11-79 respectively.

S. BALACHANDRAN Under Secy. Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 8th January 1980

No. A-20014/46/75-Ad-I.—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri R. C. Mukherjee, Inspector of Police, an Officer of West Bengal Police, on deputation to C.B.I. GOW Calcutta relinquished charge of his duties in the Office of the Superintendent of Police, CBI, GOW Calcutta with effect from 30-11-79 (A.N.).

The 19th January 1980

No. A-19021/4/78-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri P. S. Hura. IPS (Punjab: 1962) to officiate as Deputy Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from the forenoon of 1st January, 1980 and until further orders.

Q. L. GROVER Administrative Officer (E) C.B.I.

DIRECTORATE OF COORDINATION

(Police Wireless)

New Delhi-1, dated the 15th January 1980

No. A. 12012/1/79-Admn.—S/Shri S. K. Sharma, S. R. Ramaswamy and N. Ramakrishnan, Senior Technical Assistants of the Directorate of Coordination (Police Wireless) have been promoted to officiate as Extra Assistant Director in Directorate of Coordination (Police Wireless) in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the date and station shown against their names until further orders:—

SI. Name No.		Station of posting	
.1. Shri S. K. Sharma .		ISPW Station, Calcutta	29-11-79 (FN)
2. Shri S. R. Ramaswamy	•	Hqrs., Delhi	28-12-79 (FN)
3. Shri N. Ramakrishnan	•	ISPW Station, Madras	31-10-79 F.N.

C. P. JOSHI,
Director
Police Telecommunications

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 16th January 1980

No. E-38013(3)/20/79.—On transfer from Bhilai Shri Ishwar Singh, assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, BHEL Jhansi w.e.f. the forenoon of 14th December 1979, vice Shri R. K. Bhagat, Asstt. Comdt., who on transfer to Bhilai relinquished the charge of the said post on the same date.

The 19th January 1980

No. E.32015(1)/6/74-Pers.—On the expiry of his term of re-employment and on attaining the age of superannuation, Lt. Col. K. Parthasarathy relinquished the charge of the post of Commandant/CISF Unit, Madras Port Trust, Madras w.e.f., the afternoon of 31st December 1979.

A. N. BHALLA Asstt. Inspector General (Pers)

MINISTRY OF LABOUR (LABOUR BUREAU)

Simla-171004, the 8th February 1980

No. 23/3/79-CPI—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 increased by six points to reach 374 (Three Hundred and Seventy Four) during the month of December, 1979. Converted to base 1949=100 the index for the month of December, 1979 works out to 455 (four hundred and fifty five).

A. S. BHARADWAJ

Joint Director
Labour Bureau

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi-110011, the 15th January 1980

No. 11/116/79-Ad.I-1581 —The President is pleased to appoint Shri H. C. Gupta, an officer belonging to the Uttar Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations. Uttar Pradesh, Lucknow, by transfer on deputation, with effect from the afternoon of 24 December, 1979.

His headquarters will be at Bareilly.

No. 10/56/79-Ad.I-1584.—The President is pleased to appoint Shri V. V. Rao, Assistant Director (Programme) in the office of the Registrar General, India, New Delhi as Systems Analyst in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 27 December, 1979 or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

His headquarters will be at New Delhi.

The above mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon Shri Rao any claim to regular appointment to the post of Systems Analyst. The services rendered by him on ad-hoc basis will not count for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to any next higher grade. The above mentioned ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/116/79-Ad.I-1585.—The President is pleased to appoint Shri Daya Ram, an officer belonging to the Uttar Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 29 December, 1979, until further orders.

His headquarters will be at Agra.

No. 11/116/79-Ad.I-1588.—The President is pleased to appoint Shri Narendra Kumar, an officer belonging to the Uttar Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 27 December, 1979, until further orders.

His headquarters will be at Faizabad.

No. 11/116/79-Ad.I-1591.—The President is pleased to appoint Shri Moti Lal, an officer belonging to the Uttar Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 29 December, 1979, until further orders.

His headquarters will be at Varanasi,

The 18th January 1980

No. 10/31/79-Ad.J-2381.—The President is pleased to appoint Shri K. C. Seth, Section Officer in the Ministry of Information and Brondensting as Deputy Director in the office of the Registrar General, India. New Delhi, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 2nd January, 1980, until further orders.

His headquarters will be at New Delhi.

No. 10/32/79-Ad J-2382.—The President is pleased to appoint Shri L. K. Prasad, Section Officer in the Ministry of Home Affairs, as Assistant Director in the office of the Registrar General. India. New Delhi, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 2nd January, 1980, until further orders,

His headquarters will be at New Delhi.

No. 10/20/79-Ad.I-2383.—In continuation of this office notification No. 12/5/74-RG(Ad.I) dated 5-9-1979, the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of Smt. Krishna Chowdhury as Linguist in the Office of the Registrar General, India (Language Division) at Calcutta, upto 30 June, 1980 or till the post is filled in on regular basis, whichever is earlier, on the terms and conditions as mentioned in paragraph 2 of this Office Notification No. 12/5/74-RG(Ad.I) dated 28-3-1979.

2. The headquarters of Smt. Chowdhury will be at Calcutta.

No. 10/26/79-Ad.I-2386.—The President is pleased to appoint Dr. M. Holla, an Officer, belonging to the grade I of the Indian Statistical Service, as Deputy Registrar General, (Vital Statistics) in the Office of the Registrar General, India New Delhi in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 7 January, 1980, until further orders.

The headquarters of Dr. Holla will be at New Delhi.
P. PADMANABHA
Registrar General, India

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 15th January 1980

No. S(51)/AII.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Jaswant Singh, Accountant, Govt. of India Press, Minto Road. New Delhi, to officiate as Assistant Managar (Admn.) in the Govt. of India Press, Aligarh in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the 19th October, 1979 (F.N.) until further orders.

No. M(61)/AII.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri V. Madhavan to officiate as Assistant Manager (Admn.) in the Government of India Press, Simla, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the afternoon of 17th December, 1979 until further orders.

M. M. JOSHI Deputy Director (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, MADHYA PRADESH

Gwalior, the 10th January 1980

No. Admn-I/461.—Shri I. S. Kohli, (01/171) an officiating Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Madhva Pradesh, has been permitted to retire voluntarily from Government Service with effect from 1-3-80 forenoon, in terms of Rule 48-A, of the Central Civil Services (Pension) Rules 1972 and Government of India. Ministry of Home Affairs Department of Personel and administrative Reforms Office Memorandum No. 25013/7/77-Estt(A) dated 26-8-77. (Authority: Accountant General-I's order dated 31-12-1979).

D. C. SAHOO Senior Deputy Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 14th January 1980

No. 1/80/A/M—The President is pleased to appoin the following Assistant Medical Officers in Ordnance Factories with effect from the dates indicated against each until further orders:—

	_	
Sl. Name & Post	Posted at	Date
 Dr (Ku) Sushila K. Sahu Assistant Medical Officer. 	Metal & Steel Fy., Ishapore	24-7-79
Dr. K. J. Dhuliya, Assistant Medical Officer.	Ordnance Factory, Khamaria	2-8-79
3. Dr. (Ku) Vimala Subramanium Iyer, Assistant Medical Officer,	Ordnance Factory, Bhusewel	11-9-79
 Dr. Chander Kant Assistant Medical Officer. 	Ordnance Factory, Ambarnath	8-10-79

O. P. BAHL,
Add. Director General.
Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Deihi, the 10th January 1980

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1085.75-Admn(G)/237.—On attaining the age of superannuation Shii P. K. Dutta relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta on the afternoon of the 31st December, 1979.

The 15th January 1980

No. 6/581/59-Admn(G)/260.—On attaining the age of superannuation Strt S. K. Zutshi relinquished charge of the post of Coutroller or Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports (Cl.A), New Delhi on the afternoon of the 31st December, 1979.

Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 10th January 1980

No. A-19018(392)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri N. A. Ramakrishnan as Assistant Director (Gr. 1) (Mechanical) at the Extension Centre, Shoranur Kerala, with effect from the forenoon of 22nd November, 1979, until further orders.

No. A-19018(423)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Aml Bhandari as Assistant Director (Gr. 1) (Mechanical) at Industrial Extension Centre, Jabalpur with effect from the Iolenoon of 5th November, 1979, until Turther orders.

M. P. GUPTA Deputy Director (Admn.)

DTE. GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (Adnm. Section A-6)

New Delhi, the 9th January 1980

No. A 6/247(548)/66.—The President is pleased to accept the resignation from service of Shri B. N. Razdan, Asst. Director of Inspection (Mot.) (Grade III) of Inerian trapection Service, Group 'A' Met (Branch) in the office of Director of Inspection (Met.) Jamshedpur under this Dte. General w.e.f. 18-12-1979.

(Administration Section A-1)

The 11th January 1980

No. A-1/1(1018).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri S. K. Banerjee, Junior Progress Officer to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay with effect from the forenoon of 31-12-79.

The promotion of Shri S. K. Banerjee as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and on ad-hoc basis without prejudice to the rights of officers, otherwise senior to him and will not confer on him any right whatsoever to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

No. A-1/1(1144)/79.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Paul Xavier, Superintendent in DS&D. Madras to officiate on purely ad-hoc basis as Assistant Director (Admn.) (Grade II) in the office of the Director of Inspection, Madras, with effect from the forenoon of the 12-12-1979 vice Shri K. V. Sivaramakrishnan proceeded on leave.

The 14th January 1980

No. A-1/1(858).—The Director General, Supplies & Disposals hereby appoints Shri G. K. Das, Stores Officer in the office of the Controller of Inspection General Stores, Kanpur to officiate on regular basis as Assistant Director (Supplies) (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 31-12-1979.

No. A-1/1(1024).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri J. K. S. Payal, Junior Field Officer in the office of Dte. General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the same office at New Delhi with effect from the forenoon of 2-1-1980.

The appointment of Shri J. K. S. Payal as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and on ad-hoc basis without prejudice to the rights of officers, otherwise senior to him and will not confer on him any right to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

No. A-1/1(1044).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Balbir Singh, Junior Progress Officer in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, to officiate as Assistant Director (Grade II) on ad-hoc basis in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 27th December, 1979.

The promotion of Shri Balbir Singh as Assistant Director (Gr. II) is purely temporary and on ad-hoc basis without prejudice to the rights of officers, otherwise senior to him and will not confer on him any right whatsoever to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

No. Λ -1/1(1048).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri L. G. Kamble, Superintendent in the office of the Director of Supplies & Disposals, Bombay to officiate as Assistant Director (Grade II) on ad-hoc basis in the same office with effect from the forenoon of 19-12-79.

The promotion of Shri L. G. Kamble as Assistant Director (Gr. II) is purely temporary and on ad-hoc basis without prejudice to the rights of officer, otherwise senior to him and will not confer on him any right whatsoever to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

(Admn. Section Λ-6)

The 17th January 1980

No. A-17011 168/80-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri T, R, Ghosh, Examiter of Stores (Engg.) in the office of Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Fingg.) on ad-hoc basis in the same office well, the forenoon of 13th December, 1979 and until further orders.

K. KISHORE Dy. Director (Admn.) for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL (DEPARTMENT OF MINES) GFOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 14th January 1980

No. 455B/32013(AO)/78/19A. Shri B. K. Chatterjee, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of 28, 650—30—740—35—810—143—35—880—40—1000—FB—40—1200 /-on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 8-10-1979 to 8-11-1979 (FN) against the leave vacancy of Shri S. Das Gupta, Administrative Officer, Central Region, Geological Survey of India, Nagpur.

The 15th January 1980

No. 520B/32013(A)/78/19A.—Shii A i.e. Meeherjee, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the some department on pa. accordance to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1200/—on—ad-hoc

basis with effect from the torenoon of 4-12-1979 against the leave vacancy of Shri M. M. Das, Administrative Officer, Coal Division, Geological Survey of India, Calcutta.

V. S. KRISHNASWAMY Director General

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO New Delhi, the 16th January 1980

No. 6(112)/62-SI.—Shri S. Viswasam, Programme Executive, Ali India Radio, Tiruchirapalli retired from service with effect from the atternoon of the 31st August, 19/9 on attaining the age of superannuation.

N. K. BHARDWAJ
Deputy Director or Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING DIRECTORATE OF FILM FESTIVALS REGULATIONS

TWENTY SEVENTH NATIONAL FILM FESTIVAL 1980

New Delhi-110003, the 25th January 1980

No. 1/2/79-FFD.—The National Film Festival of India is organised by the Directorate of Film Festivals, Ministry of Information and Broadcasting, Government of India. Its moud is "SATYAM SHIVAM SUNDARAM".

The Festival aims at:

- (i) Encouraging the production of films of aesthetic excellence and social relevance,
- (ii) contributing to the understanding and appreciation of the film cultures of different regions,
- (iii) promoting the feeling of integration and unity of the nation.
- 2. Any film produced in India and received by the Central Board of Film Censors for certification in 1979 and certified not later than 31st of January, 1980 and consistent with the objectives of the festival can be entered in the festival. In case of Film Institutes recognised by the Government any film produced during 1979 can be entered. This will not, however, exempt such films from the provision of certification by the Board of Film Censors for public screenings. Films, entered should be in 35 mm or 16 mm gauge. The length or short films should ordinarily not exceed 1000 meters in case of 35 mm or 400 meters in case of 16 mm.
- 3. A censored film entered in the festival should, subject to Regulation 2, be exactly the same as certified by the Board of Film Censors.
- 4. No film with which a member of the staff of the Directorate of Film Festivals is associated can be entered in the National Film Festival.
- 5. An entry can be made either by a Government Department, a Government recognised Institute or by individual producer/production company. Enclosed entry form (in duplicate) duly completed must reach the Directorate of Film Festivals not later than 15th March, 1980.
- 6. Prints of films entered for the National Film Festival chould reach the Directorate of Film Festivals latest by 15th March, 1980. If possible the prints may be sen, along with the entry forms. Immediately after despatching the print, the sender should notify the Directorate of Film Festivals by mail/telegram the title, the language of the film, the number of reels and the date and mode of despatch of the print.
- 7. The following material pertaining to both features and shorts entered in the festival should be sent along with the entry form to reach the Directorate by 15th March, 1980:

- (1) 40 copies of the synopses in English of feature films and 15 copies of the commentary text for short films.
- (ii) Publicity material comprising six posters and photosets containing six photographs.
- (iii) 5 copies of the film script of the feature him in original language of the him together with 5 copies of the same in English or filmil.
- (iv) Short biographical sketch of the producer, the director and the leading artistes of the film.
- (v) 2 sets of photographs of the producer, the director and the leading artistes of the nim.
- 3. Every application for entry must be accompanied by an entry fee of ks. 100 in case of films exceeding 1,000 meters in length in 35 mm and 400 meters in 16 mm and ks. 50 in the case of films shorter in length than the above mentioned limit. This fee shall not be refundable. The payment of entry fee may be made by Demand Draft, payable at the State Bank of India, Rail Bhavan, New Delhi in favour of the Assistant Director, Directorate of Film Festivals and sent along with entry form.
- 9. Two Juries will be constituted by the Government of India one for judging feature films and the other for judging short films.
- 10. The composition of the Jury for Feature films will be as follows:—
 - (a) A chairman nominated by the Government; and
 - (b) not more than 24 members distinguished in the field of arts and humanities, including films, and qualified to judge thematic, artistic and technical ments of films. The members will be nominated by the Government.
- 11. Panels may be constituted by the Chairman (at his discretion) it considered necessary) out of the members of the Jury for Feature Films to examine feature films in various languages and the children's films.
- 12. Each panel will recommend to the aforesaid Jury for Feature Flms, not more than three films in each language considered suitable for awards, without indicating order of merit, If, however, in the opinion of the panel, a particular film excels over other films examined by it meriting consideration of awards meant for individual achievements under Rule 24-I(vi) to (xvi) the particular category in that event may be specified along with the title of the film.
- 13. The Jury for Feature Films will thereafter view all the films recommended by the various panels and the panel for the Children's films and recommend films for various categories of awards under rule 24-1 of these regulations.
- 1.4 The Jury for Feature Films will first select the award-winners for the following three categories:

Best Feature Film under rule 24-I(i).

Best Feature film with mass appeal, wholesome entertainment and aesthetic value under rule 24-I (ii).

Best Feature Film on National Integration under rule 24-I(iii).

The films selected for these awards will not be eligible for regional awards under rule 24-I (iv) of these Regulations.

- 15. The Jury for Short Films will consist of a Chairman and not more than four other members. The Jury will be constituted by the Government. The Jury will recommend films for categories of awards under rule 24-II.
- 16. Any person directly or indirectly associated with any film entered in the National Film Festival will not be eligible to serve on the Jury for Feature Films and the Jury for Short Films as the case may be.
- 17. Both the Juries may determine their own procedure for the examination of films.
- 18. The quorum of the two Juries shall not be less than half the number of members nominated.
- 19. The Director, Directorate of Film Festivals or his nominee may attend the deliberations of both the Juries with the objective of providing necessary information and clarification regarding the scheme of National Film Festival.
- 20. The members of both Juries shall treat the deliberations as confidential. Also while working as members of the Jury,

they will not utilise any material made available to them in the course of their work for dissemination through any media e.g. press, radio, TV, before the formal announcement of the results of the National Film Festival.

- 21. Nothing contained herein shall be construed as restricting the discretion of the Jury for Feature Films and the Jury for Short Films from making a recommendation that none of the ilms in a particular language or category or that none of the director, script writer, actor, actress, child actor/actress, cameraman, sound recordist, editor, art director, music director, playback stager, of feature films examined by them is of a standard adequate for an award.
- 22. Canvassing in any form in respect of an entry will render that entry liable to be disqualified. Any member of the two Juries found canvassing for a particular film is liable to be disqualified for membership of the Jury.
- 25. The members of the two Juries will be paid travelling expenses and consolidated consultancy fee (at such rates as prescribed by the Government) for attending the meetings/previous of the films in connection with the National Film Festival.
- 24. Films competing in the National Film Festival may be awarded the following prizes:

LFEATURE FILMS

(i) Best Feature Films:

Swaran Kamal and a cash prize of Rs. 40,000 to the producer and Swaran Kamal and a cash prize of Rs. 20,000 to the director.

(n) Best Feature Film which mass appeal, wholesome entertainment and aesthetic value;

Swaran Kamal to the producer and Rajat Kamal to the director.

(in) Best Feature Film on National Integration;

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 30,000 to the producer and a Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the director.

This award will be given not only for films dealing with communal harmony and patriolic themes but will also cover films dealing with uplift of depressed classes, inter-regional integration etc.

(iv) Best Feature Film in each regional language:

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the producer and Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the director of the best feature film in each language, viz.

--Hindi (including Urdu, Hindustani and connected dialects like Bhojpuri, Rajasthani and Maithili), Marathi (including Konkani), Gujarati, Punjabi, Kathniri, Sindhi, Pinglish, Bengali, Assamese, Oriya, Manipuri, Tanul, Telugu, kannada and Malayalam.

(v) Best Children's Film;

Swaran Kamal and a cash priez of Rs. 15,000 to the producer and a Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the director.

(vi) Best Direction:

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 20,000 to the best director of the year.

(vii) Best Screenplay

Kajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best script writer.

- (viii) Best Acting :
 - (a) Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10 000 to the best actor.
 - (b) Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best actress.
 - (c) Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best child actor or actress who is not more than 14 years of age.
- (1x) Best Cinematography (Colour):

Enjat Kamal and a cash prize of Rs. 5 000 to the best cameraman of a colour film.

- (x) Best Cinematography (Black and White):
 Rajat Kamal and a cash prize of R₂, 5,000 to the best cameraman of a black and while film.
- (xi) Best Sound Recording .

 $Rajat\ Kamal\ and\ a\ cash\ prize\ of\ Ks.\ 5,000\ to\ the\ best sound\ recordist,$

(xii) Best Editing:

Rajat kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best editor.

(xm) Best Art Direction;

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best art director.

(xiv) Best Music Direction:

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best music director.

(xv) Best Male Playback Singer:

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best male playback singer.

(xvt) Best Female Playback Singer:

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000 to the best female playback singer.

II---SHORT FILMS

(1) Best Information Film (Documentary):

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer and a Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.

(ii) Best Educational [Instructional Film;

(This category will include educational, instructional and training lilms).

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer and Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.

(ii) Best Promotional Film (Non-Commercial/Commercial);

(For the best promotional film on subjects of national importance, e.g., National Integration, Social Justice, Cooperation, Savings, Dynamics of development including Agricultural Practices of the best commercial advertisement film).

Rajat Kamal to the producer and Rajat Kamal to the director,

(iv) Best Experimental Film:

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer and Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.

(v) Best Animation Film:

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer, Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the animator and rajat Kamal and a cash prize of Rs. 4,000 to the director.

(VI) Best Newsreel Cameraman:

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the best newsreel cameraman.

(vii) Best Indian News Review:

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000 to the producer.

Explanation

The term 'producer', 'director', 'screenplay writer', 'actor', 'actress', 'child actor/actress', 'cameraman', sound recordist', 'editor', 'art director', 'music director' and 'playback singer' used in these rules will be construed as referring to the 'producer', 'director', 'screen-play writer', 'screen writer', 'actor', 'actress', 'child actor/actress', cameraman, sound recordist', 'editor', 'art director', 'music director', and 'playback singer' as the case may be, as given in the credit titles of the film entered in the competition duly certified by the Central Board of Film Censors.

Dada Saheb Phalke Award:

- 23. In addition to competitive awards mentioned in rule 24, the Government at its discretion will give a special award to cutstanding contribution to the cause of Indian cinema. The award will consist of a Swaran Kamal, cash prize of Rs. 40,000 and a shawl.
- 26. The producer of a feature film which wins a award under categories 1-(1) to (vi) of rule 24 of these Regulations will be granted by the Central Government an additional sum or Ks. 5,000 on his getting that thin sub-titled from its original to any other Indian or foreign language.
- 27. Government shall be entitled to retain one print of the imm emered for the awards and which receives an award. The cost of the print viz, the cost of raw material and processing charges, will be re-imbursed to the producer, reimbursement oring made only if a brand new print is made available within three months from the date of announcement of awards. If a brand new print is not supplied to the Directorate within a period of three months of the announcement of the results then no reimbursement may be made and the print emered for the National fulm Festival may be retained by the Government without any compensation to the producer.
- 28. In the event of the same film qualifying for more than one awards under rule 24(1) to (vi) the producer and the director of the film will receive award only in one capacity carrying a higher cash prize. However, more than one award can be given to the same producer and the director for different films under different categories.
- 29. The producer of the film entered for the National Julm Festival shall have no objection to the screening of the film for the Julies or for any of their panels, in public shows or for any other special screening that the Government may organise. The proceeds, if any, shall be credited to the Government revenues.
- 30. Intire cost on freight for print and publicity material will be borne by the entrant.
- 31. The decision of the Government of India in respect of the awards and of interpretation of these Regulations shall be final and no appeal shall be against them.
- 32. A person who participates in the National Film Festival under these Regulations shall be deemed to have accepted these Regulations.
- 33. The print of films entered in the festival, publicity material and correspondence relating thereto should be addressed to:

Director of Films, Directorate of Film Festivals, Lok Nayak Bhavan, 4th Floor, Khan Market, New Delhi-110003.

Telegraphic address:

FILMOTSAV, NEW DELHI-110003. ENTRY FORM

(To be completed in duplicate and sent to: The Director of Films, Directorate of Film Festivals, Ministry of Information and Broadcasting, Lok Nayak Bhawan (4th floor). Khan Market, New Delhi-110003 to reach by 15th March, 1980).

- 1. Title of the film
- 2. Language
- 3. *Category: Feature 'Children's Film 'Short Film'
- 4. Length of the film (in meters)
- 5. Running time: hours minutes
- 6. Number of reels
- 7. Gauge: 35 mm/15 mm
- 8. Colour system
- 9. Number and date of the Censor Certificate
- *Please strike out the portion not applicable. Intries in the case of Short Films should specify the category for which the film is entered with reference to rule 24-II.

- Classification of the film in the Centor Certificate (whether 'A' or 'U')
- Name and full address of the producer (with telephone No. and telegraphic address, if any)
- 12. Name and full address of the Director
- Name and full address of Screen-play Writer/Script Writer
- 14. Name and full address of the Leading male Actor
- 15. Name and full address of the leading female Actiess
- Name and full address of the Child actor/actress (if any) of an age not exceeding 14 years
- 17. Name and full address of the cameraman
- 18 Name and full address of Sound Recordist
- 19. Name and full address of the Editor
- 20. Name and full address of the Art Director
- 21. Name and full address of the Music Director
- 22. Name and full address of the male Playback Singer
- 23. Name and full address of female Playback Singer
- Name and full address of the Animator of Animation Film entered under category of Short Films
- 25. Date of release of the film
- 26. If the film is a dubbed version, an adaptation or a retake of another film, particulars of the film of which it is a dubbed version, adaptation or retake
- Print of the film to be despatched by (please give name and complete address).

Name	of t	the p	perso	n m	aking	the	entry		
		• • • •			• • • • •			 	٠,
Signature (Seal)				•••				 	
Address :									
Date:									

M. L. JUNEJA Joint Director Directorate of Film Festivals

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 14th January 1980

No. 9-62/75 CGHS-I.—Consequent upon his transfer from CGHS Patna to CGHS Ahamedabad Dr. M. D. Goswami relinquished charge of the post of Ayurvedic Physician under CGHS Patna with effect from the afternoon of 28-11-1979 and assumed charge of the post of Ayurvedic Physician under CGHS Ahmedabad with effect from the forenoon of 12-12-1979.

N. N. GHOSH Dy. Director Admn. (CGHS)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION Faridabad, the 15th January, 1980

No. A-19025/10/78-A. III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), the following officers, who are working as Asstt. Marketing Officer (Group I) on ad hoc basis, have been appointed to officiate as

A.M.O. (Group I) on regular basis w.e.f. 21-12-79 until further orders:—

- 1. Shri S. P. Saxena
- 2. Shri A. Vishwakarma
- 3. Shri M. C. Bajaj
- 4. Shri S. S. R. Sarma
- 5. Shri S. R. Shukla
- 6. Shri O. P. Bansal
- 7. Shri R. C. Singhal
- 8. Shri C. V. Bhavanishankaran
- 9. Shri A. Thomas Ooman
- 10. Shri P. R. Nair
- 11. Shri M. K. Sivanandan
- 12, Shri P. R. Padmanabhan
- 13. Shri K. K. Vijayan
- 14, Shri C. N. Anandakrishnan
- 15. Shri A. P. Gopinathan Kartha
- 16. Shri K. G. Wagh
- 17. Shri V. L. Vairaghar
- 18. Shri N. G. Shukla
- 19. Shri V. E. Edwin
- 20. Shri R. S. Singh
- 21, Shri B. N. K. Sinha
- 22, Shri R. V. S. Yadav
- 23. Shri M. P. Singh
- 24. Shri H. N. Rai
- 25, Shri D. N. Rao

26. Smt. Ansuya Sivarajan

No. A-19025/70/78-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), the following officers who are working as Asstt. Marketing Officer (Group I) on short-term basis, have been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group I) on regular basis w.e.f. 21-12-1979, until further orders:—

- 1. Shri S. P. Shinde
- 2. Shri R. C. Munshi
- 3. Shri B. N. Sarkar
- 4. Shri K. K. Tiwari.

No. A-19025/74/78-A.III.—The short-term appointments of the following officers to the post of Asstt. Marketing Officer (Group I) have been extended upto 31st March, 1980 or till the posts are filled on regular basis, whichever is carlier:—

- 1. Shri S. D. Kathalkar
- 2. Shri S. K. Mallik
- 3. Shri R. K. Pande
- 4. Shri M. J. Mohan Rao
- 5. Shri S. Suryanarayan Murthy
- 6. Shri N. S. Chelapati Rao
- 7. Shri C. M. Girdhar
- 8. Shri S. A. Shamsi
- 9. Shri K. Jayanandan.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (ATOMIC MINFRALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 18th January 1980

No. AMD-1/12/79-Adm.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Som Nath Sachdeva, Hindi Translator in the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the Forenoon of January 1, 1980 upto February 29, 1980 (Afternoon) vice Shri R. N. Dey, Assistant Personnel Officer granted leave.

M. S. RAO Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 15th January 1980

No HWPs/Estt/1/J-6/184.— Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Jawhar Lal Jain, a temporary Stenographer (Senior) of Heavy Water Project (Kota), to officiate as Assistant Personnel Officer in the same project, in a temporary capacity, on ad-hoc basis where the flect from November 12, 1979 (FN) to December 13, 1979 (AN) vice Shri K. T. Jose, Assistant Personnel Officer, granted leave.

K. SANKARANARAYANAN Senior Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE (CIVIL FNGINEFRING DIVISION)

Bangalore-560025, the 11th January 1980

No. 10/5(20)/78-CFD(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to promote Shri G. Viswanathan, Technical Assistant-C of the Civil Engineering Division working at present in the Engineering Maintenance Division of Vikram Sarabhai Space Centre, Thumba, Trivandrum to the post of Engineer-SB with effect from the forenoon of 1st October. 1978 in an officiating capacity and until further orders and has been posted to work in the same Division.

H. S. RAMA DAS Administrative Officer-I

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 13th November 1979

No. A.35018/6/79-E.I.—The President is pleased to appoint on deputation Shri M. L. Bhanot, IPS (UT:1957), as Deputy Director (Security) (Rs. 2000-2250 plus Special Pay of Rs. 200/- P.M.) in the Civil Aviation Security Organisation of the Civil Aviation Department for a period of one year in the first instance with effect from the 19th October, 1979 (forenoon).

V. V. JOHRI Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 14th December 1979

No. A-32013/2/79-FI.—The President is pleased to appoint Shri R. Narasimhan, Senior Scientific Officer, to the post of Deputy Director, R&D in the Civil Aviation Department on ad-hoc basis, with effect from 9th October, 1979 to 31st March 1980 or till the post is regularly filled, whichever is earlier, in continuation of this Department Notification No. A 37013/2/79-FI, dated 22nd May 1979.

The 22nd December 1979

No. A-32013/10/77-EL—In continuation of this Department Notification No. A-32013/10/77-EI, dated the 22nd May 1979, the Director General of Civil Aviation is pleased to sanction continued ad-hoc apointment of Shri S. W. H. Jofty, Substantive I ibrarian in this Department to the post of Chief I ibrarian (Group B'—Gazetted), Civil Aviation Department beyond 16th November 1979 afternoon for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 15th January 1980

No. A-12025/2/78-FL.—The President is pleased to appoint Shri Litendra Nath Mookeriec, to the post of Examiner of Personnel in the Civil Aviation Department, New Delhi with effect from the 12th December 1979 (forenoon) and until further orders.

C. K. VATSA Assistant Director of Administration

New Delhi, the 17th January 1980

No. A. 32013/4/78-EC--In continuation of this Deptt., Notifications No. A. 32013/4/78-EC dated 30-3-79, 12-4-79, and 26-4-79, the President is pleased to continue ad hoc

appointment of the following three Assistant Communication Officers to the grade of Communication Officer on ad-hoc basis beyond the dates mentioned against each and up to 29-2-80 or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier:—

S. Name No.	Station of posting	Period of con- tinued ad-hoc appointment
1. Shri N. Muniandy .	A.C.S. Madras	Beyond 26-9-79 & upto 29-2-80.
2. Shrl T. C. Moosad	A. C. S. Madras	Beyond 4-9-79 & upto 29-2-80
3. Shri S. L. Mehra .	A. C. S. Delhi	Beyond 26-9-79 & upto 29-2-80.

R. N. DAS, Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 10th January 1980

No. 1/5/79-EST.—Shri Favaz Ahmed, offg. Assistant Engineer, Switching Complex, Bombay (on expire of Farned Leave granted to him from 15th October 1979 to 30th November 1979) was permitted to resign his appointment with effect from the afternoon of the 30th November, 1979.

No. 1/433/79-EST.—Shri K. Unnikrishnan, Officiating Assistant Engineer, R&D Unit. Headquarters Office, Bombay, was permitted to resign his appointment, with effect from the afternoon of the 12th December, 1979.

The 11th January 1980

No. 1/98/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri G. S. Chattwal, officiating Technical Assistant, New Delhi Branch as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch for the neriod from 14th May 1979 to 28th September 1979 (both days inclusive) against a short term vacancy.

The 17th January 1980

No. 1/481/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri M. Balakrishnan, Supervisor, Madras Branch, as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, on ad-hoc basis, in the same Branch for the period from 12th June 1979 to 7th August 1979 (both days inclusive).

H. L. MALHOTRA Dy. Director (Admn.) for Director General

DIRFCTORATE OF INSPECTION & AUDIT,

CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 11th January 1980

No. 11/79.—Shri P. P. Singh Cha'rath, working as Inspecting Officer Group 'A' in the DIACCF, in accordance with the Department of Revenue Order No. 186/79 (F. No. A-22012/38/79-Ad II) dated 30th November 1979, on his reversion to his Substantive post of Superintenden Group 'B' and posting as Inspecting Officer Group 'B' in the DIACCE, on expiry of his leave, assumed Charge of the post on 10th December 1979 (FN).

A. M. SINHA Director of Inspection

CENTRAL WATER AND POWER RESEARCH STATION PO KHADAKWASLA RESEARCH STATION

Punc-411024, the 19th January 1980

No. 608/158/80-Adm.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the Director, Central Water & Power Research Station. Pune, hereby appoints Dr. C. V. Dharmadhiarki to the post of Assistant Research Officer (Scientific-Physics) in the Control Water & Power Research Station. Pune, on a pay of Rs. 710/- per month in the

scale of pay of Rs. 650—30—740—35-810—EB—35—880 —40—1000—ER—40—1200 with effect from the forenoon of 1st January. 1980.

Dr. Dharmadhikari will be on probation for a period of 2 years with effect from 1st January 1980.

M. R. GIDWANI Administrative Officer for Director.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 14th January 1980

No. 33/12/78-EC IX.—The Director General of Work's CPWD, is pleased to appoint the undermentioned nominee of the U.P.S.C. as Assistant Architect against temporary posin the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000 EB-40-1200 from the date and pay shown against each:

S. No.	Namo	Date of Apptt. as Assistant Architect	Pay	Remarks
1. Sh. M. A. Gore		24-12-79 (F.N.)	Rs. 650/- P.M.	His pay will be fixed according to rules shortly.

(2) Shri M. A. Gore will be on probation for a period of two years from the date of his appointment as Assistant Architect as shown above.

(3) Shri Gore is posted in S. A. (Delhi Admn.)-III Unit, C.P.W.D., New Delhi.

H. D. SINHA, Dy. Director of Administration

MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 24th January 1980

No. 78/RE/161/1.—It is hereby notified for the general information of all users of Railway lines and premises that A.C. Overhead Traction wires will be energised on high Voltage 25 KV or below on or after 1-2-1980 in the following sections in stages where the works are in progress:—

GUDUR (Excl.) to BITRAGUNTA (incl.) :-

Structure No. 137/13, 14 (KM, 137/337,25)

to

211/13, 14 (KM. 211/364.12)

On and from the same date, the overhead traction line shall be treated as live at all time and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of it.

The Public are also warned-

- 1. To keep away from electric traction wires and fittings in the section;
- Not to approach or come in contact with such wires and fittings either directly in person or through articles such as poles, bamboos, metallic rods, etc., as it will prove fatal;
- 3. Not to lean or protrude any portion of their body outside the compartments to avoid getting injured, as steel masts for carrying traction wires have been erected on both sides of the track
- Not to come within a range of two metres from the electric filtings and overhead electric wires;
- Not to approach or work in the proximity of overhead wires;
- 6. Not to travel on foot-boards or ride on the roof of the coaches, as it may prove fatal;
- 7. To kindly report to the nearest Station Master in case they come across any broken wires;

The Railway Administration will not be liable for any accident caused due to this warning being ignored.

Warning to Road Users

No. 78/RE/161/1.—It is notified for information of general public that in connection with introduction of 25 KV AC Electric traction, Height gauges have been erected at all the level crossings in the section Gudur (Excl.) to Bitragunta (incl.) of South Central Railway with a clear height of 15'-4" (4.67m) above road level with a view to prevent loads of excessive heights from coming into contact with or in dangerous proximity to live traction wires. Public are hereby notified to observe the height specified above for the purpose of loading vehicles and to see that the loads carried in road vehicles do not infringe the height gauges under any circumstances.

The dangers of a load of excessive height are as follows:

- (i) Danger to the height gauge and consequent obstruction to the road as well as the Railway line.
- (ii) Danger to the materials or equipment carried on the vehicle itself.
- (iii) Danger of fire and risk of life due to the contact with or dangerous proximity to the live conductors.

The Railway administration will not be liable for any accident caused due to this warning being ignored.

K. BALACHANDRAN, Secy. Rly. Board

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR COMPANIES MAHARASHTRA

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Delight Pictures Private Limited

Bombay, the 13th December 1979

No. 9432/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Delight Pictures Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. B. Byramji Private Limited

Bombay, the 13th December 1979

No. 12659/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. B. Byramji Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. GUPTA.

Asstt. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Colombani Import & Export Private Limited

Pondicherry-1, the 18th January 1980

C. No 15/80.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the company "Colombani Import & Export Private Limited", unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA Registrar of Companies, Pondicherry. OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES, PUN-JAB, H. P. & CHANDIGARH MODEL TOWN, LINK ROAD, JULLUNDUR CITY

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Jagdambe Financiers & Chit Fund Company Private Limited

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/3054/760. -Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Jagdambe Financiers & Chit Fund Company Private I imited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of B. L. Financiers & Chit Fund Company Private Limited

Jullundhur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/3092/762.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of B. L. Financiers & Chit Fund Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Pathankot Goods Carriers Private Limited

Jullandar, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/3051/764.—Notice is hereby given pursuant to sub-suction (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Pathankot Goods Carriers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kapurthala Property Chit Fund & Finances Private Limited

Jullandar, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/3004/766.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kapurthala Property Chit Fund & Finances Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Satpar Finance Private Limited

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/2673/768.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Satpar Finance Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Rama Krishna Steel Industries Private Limited

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/3428/770.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Rama Krishna Steel Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Jaggis Export Private Limited

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/774.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Jaggs Export Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Gulmar Financiers & Chit Fund Private Limited

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/3347/776.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that the name of Guinar Financiers & Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Interexports (India) Private Limited

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/3061/772.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956. that the name of Interexports (India) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Umapati Ganesh Finances & Chit Fund Company Private Limited

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/3077/778.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of Umapati Ganesh Finances & Chit Fund Company Private Limited has this day been struck off th Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of

Zanni & Co. Private Limited

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/2225/780.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Zanni & Co. Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Anandpur Chit Fund Company Private Limited

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/3075/782.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Anandpur Chit Fund Company Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Punjah Rubber & Chemical Industries Private Limited

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/2952/784.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section '*0 of the Companies Act, 1956, that the name of Punjab Rubber & Chemical Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M. H. Combers Private Limited

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/3070/786.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M. H. Combess Private Limited has this day been struck off the Register and the said company in dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Harjas Traders & Chit Fund Financiers Private Limited

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/3122/788.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Harjas Traders & Chit Fund Financiers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Anand High Speed Steels Private Limited

Jullundur, the 19th January 1980

No. G/Stat/560/2768/790.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Anand High Speed Steels Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL Registrar of Companies Punjab, H. P. & Chandigarh.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Southind Enterprises Private Limited

Bangalore, the 19th January 1980

No. 3011/560/80.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Southind Enterprises Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI Registrar of Companies, Karnataka, Bangalore.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Cochin-682016, the 9th January 1980 ORDER

Subject: Estt-ITO Group B-Promotion Orders-issue of-

C. No. 2/Estt/Gaz/Con/79-80—The following promotions, postings and transfers are hereby ordered:—

I. PROMOTION

The following Inspectors of Income-tax are hereby appointed to officiate as Income-tax Officers, Group-B, in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date(s) they take over charge and until further orders:

- 1. Shri M. Chandrasekharan.
- 2. Shri A. R. Gopalakrishnan.

They will be on probation for a period of two years.

2. The above appointments are made on a purely temporary and provisional basis and are liable to termination at any time without notice. The appointments are also subject to the result of Original Petitions No. 2499 of 1977-L and No. 4023 of 1978 before the High Court of Kerala and Civil Writ Petition No. 25/1979 filed before the Delhi High Court.

II. POSTINGS AND TRANSFERS:

SI. No.	Name	From	То	Remarks
1	2	3	4	5
S/S	Shri			
1. V. Pil	Subramonia lai	ITO-B- Ward, Trivandrum	ITO D- Ward, Trivandrum	
2, K.	P.D. Nair .	ITO (on ' return from leave)	ITO B- Ward, Trivandrum	vice Shri V. Subra- monia Pillai,
3. K .	. S. Scaria .	ITO B- Ward, Trivandrum	ITO A- Ward, Trivandrum	
4. M	. Chandrasekharan	ITI (on promotion as ITO Group-B)	ITO B- Ward, Tiruvalla	vice Shri K.S. Scarla

(1) (2)	(3)	(4)	(5)
5. A. R. Gopala- krishnan	ITI (on promotion as ITO Group-B)	ITO C- Ward, Kottayam	Believing Shri T. Mathai of his addl. charge.

M. S. UNNINAYAR, Commissioner of Income-Tax, Kerala-I, Ernakulam.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX, DELHI-1

New Delhi, the 17th December 1979 INCOME-TAX

No. F. JUR-DLI-1/79-80/36607.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 124 of I. T. Act, 1961 (43 of 1961) and in Partial modification of the notifications issued earlier on the subject C.I.T. Delhi-1, New Delhi hereby directs that the I.T.O. 5th Additional Salary Circle shall have concurrent jurisdiction with the I.T.O. 2nd Additional Salary Circle, New Delhi in respect of persons/cases assessed/assessable by them excepting the cases assigned u/s. 127 or which may hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T. Delhi-I also authorised the I.A.C. Range-I-B to pass such orders as contemplated in sub-section (2) of the section 124 of the I. T. Act, 1961.

This notification shall take effect from 17th December 1979.

M. W. A KHAN Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX, DELHI-II

New Delhi, the 17th December 1979

F. No. JUR-DLI/11/78-79/36707—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax Delhi-11, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax mentioned in Col. 1 of the schedule herein below shall perform all the functions of Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax under the said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons of such Incomes or classes of classes of cases as fall within the jurisdiction of the ITOs of the Districts/Circles mentioned in Col. 2 of the said schedule:—

SCHEDULE

ben	EDCLE
Range	Income-tax Districts/Circles
1	2
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Range-II-A, New Delhi.	Com. Circles-V, VI, VIII, IX, KI & KVII, New Delhi
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Range-II-G, New Delhi.	Company Circle-I, New Delhi.

(1)	(2)
Inspecting Assistant Commissioner of Income- Tax, Range-II-H, New Delhi.	Company Circle-IV, New Delhi.

This notification shall take effect from 15-12-79.

M. R. RAGHVAN Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX, DELHI-III

New Delhi, the 17th December 1979

F. No. JUR-DLI/III/79-80/36907.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax, Delhi-III, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioners of Incometax mentioned in Col. 1 of the schedule herein below shall perform all the functions of Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax under the said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons of such incomes or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the I.T.Os of the District/Circles mentioned in Col. 2 of the said schedule:—

SCHEDULE

Name of the Range & Income-tax Districts/Circles

- 1. Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Range-IV-E,—(i) Distt. V (11), V (12), V(16), VIII (3), VIII (5), VIII (13), VIII (14), VIII (15), X (3), X (11) Special Cir.-VI and Spl. Cir. X, New Delhi. (ii) T.R.O. X, New Delhi.
- 2. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-IV-G, New Delhi.—(i) Cases of the Districts and Circles of this charge to be assigned to JAC u/s 125 of the L. T. Act.
 - (ii) Spl. Cir. VI & Spl. Cir. XVI, New Delhi.

This order shall take effect from 17th December 1979.

- F. No. JUR-DLI/III/79-80/37007.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 125-A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject CIT Delhi-III hereby directs that all or any of the powers or functions conferred on or assigned to the Income-tax Officers, Special Circle XVI & Special Circle VI-Addl., New Delhi, in respect of any area or persons or classes of persons or incomes or classes of income, or cases or classes of cases shall be exercised or performed concurrently by the I.A.C., Range-IV-G, New Delhi.
- 2. For the purpose of facilitating the performance of the functions CIT Delhi-III also authorises the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-IV-G to pass such orders as are contemplated in sub-section (2) of section 125-A of the Income-tax Act, 1961.

This notification shall take effect from 17th December 1979.

Sd/-

S. G. JAINSINGHANE Commissioner of Income-tax, Delhi-III, New Delhi.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1624

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1980

Ref. No. NBA/14/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 11 bighas, situated at Village Chaswal, Teh. Nabha, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Nabha in May, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurdev Singh s/o Shri Sadhu Singh, r/o Village Palian Kalan, Teh. Nabha, Distt. Patiala, (Transferor)
- (2) Shri Bachhiter Singh s/o Sh. Sada Ram, Sh. Surjit Singh s/o Shri Naghiaya Singh, r/o Village Chaswal, Teh. Nabha, Distt. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 11 bighas situated at Village Chaswal, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 236 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha). ~

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 9-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1980

Ref. No. CHD/40/79-80,-Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 3286,

situated at Sector 35-D. Chandigarh.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesoid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Puran Singh s/o Shri Jawala Singh r/o Village Bhikhowal, Distt. Hoshiarpur through his Lawful Attorney Sh. Ruttan Lai Goyal 1/0 Sh. Shivji Ram r/o 1226, Sector 19-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash Dhall s/o Late Shri Anant Ram-Dhall, H. No. 2546, Sector 22-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 3286, Sector 35-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 175 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1980

Ref. No. CHD/41/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential H. No. 112

No. Residential H. No. 112, situated at Sector 15-A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1998 (16 of 1998) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Avtar Singh Bhatia s/o Late Sh. Harbans Singh Bhatia through his General Power of Attorney Shri Sat Pal Singh Bhatia s/o Late Shri Harbans Singh Bhatia, r/o F-45, Ashok Vihar, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Kulwant Singh s/o Sh. Asa Singh Badwal r/o H. No. 1198, Sector 15-B, Chandigarh.

(Transferee)

 I. Dr. Indejit Suneja, Punjab University G. F. H. No. 112, Sector 15-A, Chandigarh
 Sh. Som Dutt, Ist Floor, 112, Sector 15. A, Chandigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 112, Sector 15-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 176 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 9-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1980

Ref. No. CHD/33/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 2555, situated at Sector 35-D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traily stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Rita H. D. Singh wd/o Late Sq. Leader H. D. Singh r/o C-546, Defence Colony, New Delhi through her General Attorney Smt. Asha Sood w/o Sh. Prince Mohan Sood r/o 1166, Sector 8-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Prince Mohan Sood \$/0 Sh. Shadi Ram Sood, r/0 H. No. 1166, Sector 8-C, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The tarms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2555, Sector 25-D, Chandigarh:

(The property as mentioned in the sale deed No. 160, May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 9-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th January 1979

Ref. No. DBS/24/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 10 bighas situated at Village Kishanpura S, Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dera Bassi in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of acction 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, manually:—

(1) Shri Pardip Kumar s/o Shri Des Raj, R/o Chhat S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala,

(Transferor)

(2) S/Shri Gurcharan Singh, Bachan Singh, Baldev Singh, Labh Singh, Dayal Singh Ss/o Shri Jetha Singh, R/o Naraingarh Jhangian, S. Teh. Dera Bassi, Distt, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 bighas situated in Kishanpura, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 257 of May, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9th January 1980

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

amud raaaaaa, y

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

Ludhiana, the 9th January 1980

Ref. No. DBS/23/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,006/-and bearing No.

Land measuring 10 bighas situated at

Village Kishanpura, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Dera Bassi in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22—446G1/79

 S/Shri Faquiria, Balkoo ss/o Shri Tulsi, R/o Chhat S. Teh. Dera Bassi, Distr. Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Kuldip Kumar, Rajinder Kumar, Ashok Kumar, Sudhir Kumar Ss/o Shri Des Raj s/o Shri Hari Chand Khanduja, R/o H. No. 1330, Sector 18-C, Chandigarh.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned in ...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 bighas situated at Village Kishanpura, S. Teh. Dera Bassi, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 255 of May, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDFV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 9th January 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CFNTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the Innuary 1980

Ref. No. CHD/130/79-80.—Whereas J, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Residential plot measuring 525.75 sq. yds. bearing No. 140, situated at Sector 35-A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bant Singh Mangat s/o Shri Naranjan Singh, R/o Village & P.O. Rampur, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Sanjny Grover, Rohit Grover representing the HUF headed by Dr. A. D. Grover Ss/o Shri A. D. Grover through Sh. A. D. Grover, R/o 339, Sector 35-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot No. 140, Sector 35-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 768 of July, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 9th January 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

Ludhiana, the 9th January 1979

Ref. No. NBA 35 79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land measuring 13 bighas 6 biswas, situated at Village Chaswal Teh, Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nabha in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Shisha Singh s/o Shri Kartar Singh, R/o Village Chaswal, Tch. Nabha, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Darshan Singh, Pritam Singh, Jaswant Singh, Beant Singh ss/o Shri Piara Singh, Shri Mohinder Singh s/o Shri Kartar Singh, R/o Village Chaswal, Teh. Nabha, Diett. Patiala.

(Trausferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

IEXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 bighas 6 biswas situated at Village Chaswal, Teh. Nabha.

(The property as mentioned in the sale deed No. 486 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 9th January 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th January 1979

Rcf. No. NBA/33/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring I kanal II mails with construction, situated at Hira Mahal, Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nablac in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Jagraj Kaur w/o Shri Kuldip Singh, R/o Hira Mahal, Nabha.
 - (Transferor)
- (2) Smt. loginder Kaur w/o Shri Gautam Kumar Singh, R/o Hira Mahal, Nabha.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 kanal 11 marlas with construction situated at Hira Mahal, Nabha.

(The property as mentioned in the sale deed No. 453 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDFV CHAND Competent Authority, Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 9th January 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVINUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDIHANA

Ludhiana, the 9th January 1979

Ref. No. PTA/35, 79-80.—Whereas I, SUKIIDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

! share in Godown situated at Sanaur Road, Patiola (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Dinesh Kumar s/o Shri Dev Barat S/o Shri Behari Lal, Contractor, R/o Sanaur Road, Patiala.

('Fransferor)

(2) Shri Priya Barat s/o Shri Dev Barat, R/o Sanaur Road, Patiala.

(Transferee)

(4) S/Shri Chanda Singh, Mukhtiar Singh Ss/o Shii Nahar Singh

R/o Kule Majra. Smt. Parminder Kaur d/o Shri Ishar Singh, Smt. Ranjit Kaur d/o Shri Mohar Singh, R/o Sanaur Road, Patiala.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 share in Godown situated on Sanaur Road, Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 556 of May, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commssioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 9th January 1980

[PART III— SEC. 1

to be interested in the property)

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

> OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, CI-NTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

> > Ludhiana, the 9th January 1979

Ref. No. PTA:39, 79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

\$\frac{1}{2}\$ share in Godown situated at Sanaur Road, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as acceed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Dinesh Kumar s/o Shri Dev Barat Contractor, R/o Sanaur Road, Patiala.
- (2) Shri Priya Barat s/o Shri Dev Barat, s/o Shri Beharital R/o Sanaur Road, Patiala.

(Transferee)

(4) S/Shri Chanda Singh, Mukhtiar Singh Ss/o Shri Nahar Singh Village Kule Majra. Smt. Parminder Kaur d/o Shri Ishar Singh, Smt. Ranjit Kaur d/o Shri Mohar Singh, R/o Sanaur Road, Patiala. (Person whom the undersigned knows)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 share in Godown situated on Sanaur Road, Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 618 of May, 1979 of the Registering Authority, Patiala.

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 9th January 1980

_ ====

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiano, the 9th January 1979

Ref. No. CHD/31/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Residential plot No. 3404,

situated at Sector 35-D. Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sant Ram Sandal s/o Shri Peru Ram R/o Village Channtra, Teh. & Distt. Hamirpur (Fl.P.) through Shri Rattan Lal Goyal S/o Shri Shivii Ram R/o H. No. 1226, Sector 18-B, Charldigarh as substitute Special Power of Mtorney of Shri Tarlok Singh Sehdev s/o Shri Dalip Singh R/o 1226, Sector 18-B, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Balbir Kaur w/o Shri Shiv Lal C/o Shri Bhagat Ram s/o Shri Mchar Chand, R/o 3562, Sector 23-D, Chandigarh through her General Power of Attorney Shri Bhagat Ram S/o Shri Mchar Chand R/o 3562, Sector 23-D, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot No. 3404, Sector 35-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 149 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 9th January 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1979

Ref. No PTA/91/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 3 kanals 7 marlas situated at Village Jhill Teh. & Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1098) in the office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Harnekh Singh, Gurbax Singh, Sarwan Singh, Babu Singh, Dev Singh and Dyal Singh Sons of Shri Natha Singh Resident of Village Siona Teh. & Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) Smt. Sneh Lata wife of Shri Krishan Kumar Resident of Jhill, Distt. Patiala. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanals 7 marlas situated at Village Ihill Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1319 of May, 1979 of the Registering Authority, Patnala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 9th January 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiano, the 9th January 1979

Ref. No. CHD/30/79-80.—Whereas I. SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

SCO No. 70 and 71, situated at Sector 15-D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

23-446GI/79

(1) Shri H. S. Bhatia s/o Shri N. S. Bhatia, R/o 105, Sector 11-A, Chandigarh.

(Transferor)

 Mrs. Ranjit Kaur Gill W/o Shri Karminder Singh Gill, 93, Phase III, B-I, Mohali, Punjab.

(Transferee)

(3) M/s. Fashion Corner, M/s. Ganesh Karyana Store, Shri Babu Ram, Shri Kirpa Ram, Shri Kulwant Singh, Shri Sham Lal, Shri Lachhman Singh, All R/o SCO No. 70-71, Sector 15-D, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCO No. 70 and 71, Sector 15-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 142 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 9th January 1980

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CFNTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1979

Ref. No. PTA/79/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'haid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

House No. 7311/5, Sant Nagar, situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kartar Kaur w/o Shri Jagdish Parshad, Narula Mohallo, Narinder Misar, Patiala. (Transferor)
- (2) Smt. Harbhajan Kaur W/o Shri Amolak (Amlok) Singh, Anardana Chowk, Patiala.

(Transferee)

(3) Punjab State Electricity Board,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 7311/5, Sant Nagar, Patiala.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1181 of May, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 9th January 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ΛCQUISITION RANGE, LUDHIANA. CENTRAL REVENUE BUILDING

> > Ludhiana, the 9th January 1979

Ref. No. PTA/46/79-80.—Whereas J, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 500 sq. yds. No. 15-A, situated at Model Town, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Manmohan Singh s/o Shri Avtar Singh, R/o Khalsa Mohalla, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Amarjit Singh S/o Shri Sarwan Singh Sohi, R/o Bhambri, Teh. Malerkotla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15-A, Model Town, Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 662 of May, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 9th January 1980

FORM (TNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. PTA/57/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land measuring 7 bighas 13 biswas, situated at Village Alipur Ariayan, Teh. Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mohan Sarup Singh s/o Shri Anand Sarup Singh, R/o Alipur Ariayan, Teh. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Kuldip Singh s/o Shri Tek Singh, R/o Alipur Ariayan, Teh. Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7 bighas 13 biswas situated in Village Alipur Ariayan, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 812 of May, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludbiana, the 10th January 1980

Ref. No. PTA/58/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,090/and bearing

No. Agricultural land measuring 6 bighas 5 biswas, situated at Village Alipur Ariayan, Tch. Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mohan Sarup Singh s/o Shri Anand Sarup Singh, R/o Alipur Ariayan, Teh. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Singh s/o Shri Tek Singh, R/o Alipur Ariayan, Teh. Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 bighas 5 biswas situated at Village Alipur Ariayan, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 829 of May, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. NBA/32/79-80.--Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 17 bighas 4 biswas situated at Village Mandaur Teh. Nabha Distt, Potiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

(1) Shri Munshi Ram s/o Shri Bishna Ram, r/o Ajnaud Kalan, Teh, Nabha.

(Transferor)

(2) (1) Shri Naranjan Singh,(2) Shri Ishar Singh,

Shri Gurmel Singh, ss/o Shri Kehar Singh, Village Mandaur, Teh. Nabha, Distt. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 17 bighas 4 biswas situated at Village Mandaur, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 404 of May 1979 of the Registering Authority, Nabha).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-1-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 1.UDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING Ludhiana, the 10th January 1980

Rcf. No. PTA/77/79-80.—Whereas, J, SUKHDEV

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 4926/5. Model Town. Patiala situated at Patiala,

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shi Hira Nand Ahuja s/o Shri Chan Ram Ahuja, R/o 2-Washington Street East John's Newflond Land (Canada).
 - (Transferor)
- (2) Smt. Shashi Prabha Chandoke alias Prabha Chandoke w/o Game Puran Chandoke,
 R/o H. No. 4926/5, Model Town, Patiala.

(Transferce)

(3) (1) Mr. & Mrs. Prabha Chandoke. Shri Sunil Kutir, Model Town, Patiala. (Person in occupation of the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4926/5, Model Town, Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 1151 of May, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-1-1980

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING,

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. CHD/52/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 28, situated at Sector 20-A, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inItlate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Nitya Nand Sharma s/o Shri Dhani Ram, Divisional Forest Officer, Forest Colony, Rly Road, Karnal.
 - (2) Smt. Raj Vasudeva w/o Sh. Nitya Nand Sharma, R/o Forest Colony, Rly Road, Karnal.

(Transferor)

- (2) (1) Smt. Manju Malik w/o Shri Subash Chander Malik, c/o M/s. Punjab National Bank, Sector 17, Chandigarh.
 - (2) Shri Subash Chander Malik s/o Shri Ram Asra Mal Malik, Lecturer, Mathematics, D.A.V. Higher Secondary School, Sector 8. Chandigarh. (Transferee)
- (3) Shri K. K. Kakkar,
 Punjab National Bank,
 28, Sector 20 A, Chandigarh.
 (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 28, Sector 20-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 246 of May 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. AML/36/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhlana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1 share of land measuring 5 bighas 8 biswas, situated at Jessran, Mandi Gobindgarh, Teh. Amloh, Distt. Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in May, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24-446GI/79

- (1) Smt. Lajwanti wd/o Shri Jethu, R/o Jassran, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) Shri Malkiat Singh s/o Shri Jawala Singh, R/o Jassran, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

½ share of land measuring 5 bighas 8 biswas at Village Jassran, Mandi Gobindgarh, Distt, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 350 of May 1979 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhlana

Date: 10-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. AML/37/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Ludhiana.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2 share of land measuring 5 bighas 8 biswas, sutiated at Jassran, Mandi Gobindgarh, Dist. Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in May, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Att. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

- (1) Shri Om Parkash s/o Shri Shankar Mal, R/o Jassian, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala. (Transferee)
- (2) Shri Malkiat Singh s/o Shri Jawala Singh, R/o Jassan, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala. (Transferor):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share of land measuring 5 bighas 8 biswas situated at Jassran, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 351, of May 1979 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1980

Ref. No. NBA/36/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 28 kanals, situated at Village Gurditpura, Teh. Nabha, Distt. Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Nabha in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) (1) S/Smt. Mahesh Inder,
 - (2) Rupinder Pal,
 - (3) Bhupinder Pal ds/o Shri Jaswant Singh, R/o Village Gurditpura, Tch. Nabha, Distt, Patiala (Now New Model Town, Patiala). (Transferor)
- (2) Shri Bhupinder Singh s/o Shri Gurnam Singh, R/o Village Gurditpura, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(Transferee)

1647

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 28 kapals situated at Village Gurditpura, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 494 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhian

Date: 9-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1980

Ref. No. NBA/37/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 28 kanals 9 marles, situated at Village Gurditpura Teh. Nabha, Distt. Patiala,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha, in May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri Jaswant Singh s/o Shri Achal Singh,

(2) Smt. Sukhwant Kaur w/o Shri Jaswant Singh,
(3) Rajinder Pal d/o Jaswant Singh through General Attorney Shri Jaswant Singh,
R/o New Model Town, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Davinder Singh s/o Shri Gurnam Singh, R/o Village Gurditpura, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 28 kanals 9 marlas situated at Village Gurditpura, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 495 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhians

Date: 9-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

CENTRAL REVENUE BUILDING Ludhiana, the 9th January 1980

Ref. No. NBA/67/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 12 bighas 9 biswas, situated at Village Chaswal, Teh. Nabha, Distt. Patiala,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (I) Shri Hazura Singh s/o Shri Sunder Singh, R/o Village Chaswal, Teh. Nabha, Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) Shri Amarjit Singh s/o Shri Sadhu Singh, R/o Village Chaswal, Teh. Nabha, Distt. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 bighas 9 marlas situated at Village Chaswal, Tch. Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 774 of June, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-1-1980

FORM TINS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1980

Ref. No. NBA/30/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster reserved to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 12 bighas 10 biswas, situated at Village Chaswal Teh. Nabha, Distt. Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in May ,1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hazura Singh s/o Shri Sunder Singh, R/o Village Chaswal, Tch. Nabha, Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) Shri Amarjit Singh s/o Shri Sadhu Singh, R/o Village Chaswal, Teh. Nabha, Distt. Patiala. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 bighas 10 biswas situated at Village Chaswal, Teb. Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 376 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 4-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACOUISITION RANGE, LUDHIANA,

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. SRD/18/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Incomer of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 9 bighas 7½ biswas, situated at Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala,

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sirhind in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said A to the Western Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kamal Datt s/o Shri Dharam Paul, R/o Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) Smt. Malkia. Kaur w/o Shri Bachan Singh s/o Shri Chanan Singh, R/o Village Ajnali. Teh. Sirhind, Distt Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 bighas 7½ biswas situated at Village Ajnali, Teh, Sirhind, Distt. Patiala.

(The Property as mentioned in the sale deed No. 368 of May, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. SRD/51/79-80.—Whereas, I. SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 10 bighas, situated at Village Ajnali Teh. Sirhind, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sirhind in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ujagar Singh

s/o Shri Narain Singh s/o Shri Bishan Singh, r/o Village Kotla Dadheri, Teh. Samrala, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Jaswant Singh, Karamjit Singh & Jugtar Singh ss/o Shri Kaka Singh r/o Village Talwara,

Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 bighas at Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 692 of May, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

> SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. SRD/17/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 9 bighas 71 biswas, situated at Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sirhind in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 25—446GI/79

Shri Dharam Pal
 S/o Shri Ganda Mal,
 r/o Village Ajnali,
 Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Bachan Singh s/o Shri Chanan Singh, r/o Village Ajasli, Teh, Sirbind, Distt. Patiala.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 9 bighas 71 biswas situated at Village Ajnali, Teh. Sirbind, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 367 of May, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhlana, the 10th January 1980

Ref. No. LDH/R/23/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 37 kanals 15 marlas, situated at Village Seelo Kalan, Teh. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhlana on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kishan Singh s/o Shri Hazara Singh, r/o Seelo Kalan, Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Rakha Singh, Jarnail Singh, Sinder Singh, Jang Singh as/o Shri Kapur Singh, r/o Seelo Kalan, Teh. Ludhiana.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 37 kanals 15 marlas situated at Seelo Kalan, Teh. Ludhiana,

(The property as mentioned in the sale deed No. 728 of the Registering Authority, Ludhlana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-1-1980

Seal;

(1) Smt. Inderjit Kaur
d/o Shri Bachan Singh
s/o Shri Rurh Singh
r/o Sandhu House, Jagraon Road,
Ludhiana.

(2) Shri Narinderjit Singh

Ludhiana.

s/o Shri Narain Singh s/o Shri Bachan Singh,

r/o B-V-260, Sikandri Road,

(Transferor)

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1980

Objections, if any to the nequisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. LDH/78/79-80.—Whereas, I,

SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000/- and bearing

House No. 50-K, measuring 500 sq. yds. situated at Sarabha Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the contemperate of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 50-K, measuring 500 sq. yds. situated at Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 754 of May, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-1-1980

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. NBA/41/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land measuring 13 bighas 1 biswas, situated at Village Mandaur, Teh. Nabha, Distt. Patiela

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Bhag Singh s/o Shri Amar Nath, s/o Shri Bishesher Nath, r/o Village Dhamomajra, Teh. Patiala. (Transferor)

(2) Shri Jagdish Singh Mann s/o Shri Jagbir Singh Mann r/o Rakhra Farm, Rakhra, Teh. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 13 bighas 1 biswas situated in Village Mandaur, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 514 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

> SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. DBS/15/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 3 kanals 8 marlas, situated at Village Lohgurh, 5. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiela

(and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dera Bassi in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Sh. Karam Singh s/o Sh. Bachana, r/o Lohgarh, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) Sh. Jagdev Singh Sidhu s/o Sh. Sucha Singh r/o H. No. 1564, Sector 33-D, Chandigarh. Sh. Shivraj Singh Brar s/o Sh. Jaswant Singh Brar, r/o H. No. 1572, Sector 33-D, Chandigarh.

(Transferece)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanals 8 marles situated at Village Longarh, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 177 of May, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-1-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INGOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. CHD/51/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Residential House No. 323, Sector 20-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Jagdish Rai Dawar s/o Late Sh. Kanshi Ram Dawar 108, Dora Road, London SW-19, through General Attorney Smt. Shanti Devi Dawar wd/o Dr. Ram Lal Dawar resident of House No. 1157 Sector 18-C, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Smt. Sakinder Kaur w/o Sh. Sadhu Singh of Vill. Kotli Post Office Tanda Badha Distt. Patiala. (Transferee)
- *(3) (i) Mr. C. B. Prashar, Advocate
 - (ii) Sh. Manmohan Raina
 - (iii) Sh. John Joseph
 - (iv) Sh. Ashwini Kumar, all residents of House No. 323, Sector 20-A, Chandiganh.
 (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. 323 situated at Sector 20-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 241 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10 January 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. PTA/121/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 30½ Bighas at V. Tarain Teh. Patiala situated at Vill. Tarain Teh. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June, 1979

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Baldev Singh \$/0 Sh. Kishan Singh r/0 V. Tarain, Teh. Patiala.

(Transferor)

(2) S/Sh. Dharam Singh, Labh Singh some of Sh. Mehar Singh S/Sh. Karam Singh, Gulab Singh, Punjab Singh sons of Shri Ajmer Singh resident of Bathoi Khurd Teh, Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 30½ Bighas situated at Vill. Tarain Teh & Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1628 of June, 1979 of the Registering Authority, Patiala)

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10 January 1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. NBA/40/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 26 bighas 1 biswas, situated at Village Mandaur, Teh. Nabha, Distt. Patiela

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in May, 1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Harbans Singh, Ram Murti as/o Sh. Amar Nath a/o Sh. Bishesher Nath Village Shamo Majra, Teh. Patiala.

(Transferor)

(2) S. Amrik Singh Gill s/o Sh. Himmat Singh Gill s/o Lal Singh r/o Rukhra Farm, Rakhra, Teh. Patiala. (Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 26 bighas I biawa situated in Village Mandaur, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(The Property as mentioned in the sale deed No. 513 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10 January 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. NBA/54/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land measuring 25 kanals 13 marlas, situated at Village Kakrala, Teh. Nabha, Distt. Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Nabha in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:——26—446GI/79

- (1) Sh. Jora Singh s/o Sh. Sunder Singh, r/o Village Kakrala, Teh. Nabha, Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) S/Shri Amar Singh, Jaggar Singh, Gurtej Singh ss/o Sh. Narang Singh, r/o Village Kakrala, Tch. Nabha, Distt. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 25 kanals 13 marlas situated at Village Kakrala, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 619 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10 January 1980.

[PART III—SEC, 1

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Major Manmohan Bhatia son of Shri Diyal Chand Bhatia c/o House No. 116 Sector 9-B, Chandigarh. (Transferor)

Sh. Arjun Singh son of Sh. Bhagat Singh resident of House No. 1567 Sector 34-C, Chandigarh. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. CHD/44/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Kange, Ludmana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing

Residential Plot No. 1022, Sector 36-B situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot No. 1022 Sector 36-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 192 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10 January 1980.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHJANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. CHD/48/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Eudhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Residential Plot No. 481, Sector 32-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Hans Raj s/o Sh. Hako Ram, 14, Karsan Colony, Ram darbar, Chandigarh.

(Transferor)

(?) S/Sh. Jagdish Chand son of Late Sh. Jawala Parshad, Ashok Kumar & Ashwani Kumar sons of Sh. Jagdish Chand resident of H. No. 468, Sector 20-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 481 Sector 32-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 203 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10 January 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. CHD/46/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Residential plot No. 2561 measuring 475.32 sq. yds. Sector 35-C situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Lt. Col. Manmohan Singh (Retd) s/o S. Narain Singh, Bar-at-Law through General Attorney Brig. J. S. Dhillon, House No. 659 Sector 16-D, Chandigath.

(Transferor)

(2) Mrs. Surjit Pawittar Singh w/o Late Co. Pawitter Singh, resident of House No. 677, Sector 11-B, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2561 Sector 35-C, Chandigath. (The property as mentioned in the sale dead No. 198 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigath)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10 January 1980.

(1) Shri Teja Singh son of Shri Kishna resident of Nasiali Sub-Tehsil Amloh Distr. Patiala. (Transferor)

(2) Shri Dayal Khan son of Shri Biru resident

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. AML/28/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl land measuring 10 Bighas situated at Vill. Nasrali Mandi Gobindgarh Teh. Amloh Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amloh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

of Nasrali Tehsil Amloh Distt. Patiala.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 10 bighas situated at Vill. Nasrali sub-Teh. Amloh Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 279 of May, 1979 of the Registering Authority, Amloh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10 January 1980.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. AML/33/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot of land measuring 14 biswas situated at Kukkar Majra, Mandi Gobindgarh Teh. Amloh Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Malkiat Singh & Surjit Singh ss/o Sh. Hira Singh resident of Kukkar Majra Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.

(Transferors)

(2) Sh. Chuhar Ram son of Shri Hamira Mal resident of Mandi Gobindgarh Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 14 biswas situated at Kukkarmajra Manda Gobindgarh Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 324 of May, 14/9 of the Registering Authority, Amloh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10 January 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. CHD/62/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 446 Sector 35-A situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Cap. Ravinder Singh Birk s/o Lt. Col. R. S. Birk through spl. attorney Smt. Pritam Kaur w/o S. Ajit Singh Gill r/o H. No. 446, Scetor 35-A, Chandigath. (Transferor)
- (2) S. Ajit Singh Gill son of s. Bakshish Singh Gill resident of H. No. 446, Sector 35-A, Chandigarh.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 446, situated in Sector 35-A, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 341 of June, 1979 of the Registering Authority Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiena.

Date: 10 January 1980.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No NBA/49/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land measuring 17 bighas 4 biswas, situated at Village Mandaur Teh. Nabha, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nabha in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(!) Shri Munshi Ram s/o Shri Bishna Ram s/o Sh, Bhangu r/o Ajnoda Kalan, Jeh. Nabha, Distt.

(Transferor)

(2) S/Shri Ishar Singh, Gurmel Singh, Naranjan Singh s/o Sh. Kehar Singh, Village Mandaur Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 17 bighas 4 biswas situated at Village Mandaur, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 610 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10 January 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. CHD/55/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 3107 sector 35-D, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the ebject of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Cap. Gian Singh \$/o Sh. Puran Singh r/o Mandhar Teh. Jagadhri Distt. Ambala through Spl. Attorney Sh. Darshan Singh \$/o Sh. Dalip Singh Grewal resident of House No. 186/187. Govt. College Road, Civil Lines, Iudhiana.

(Transferor)

(2) Mrs. Inderjit Kaur w/o Sh. Jiwan Singh, House No. 3107, Sector 35-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 3107 situated at Sector 35-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 288 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 10-1-1980

Seal:

27-446GI/79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. PTA/179/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot measuring 1001 Sq. yds. near Gurdwara Dukhniwaran Shaib Road, Patlala, situated at Patlala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Patiela in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Narinder Singh Phoolka s/o Sh. Naranjan Singh thorugh Sh. Harpal Singh Dhillon, Advocate, General Attorney Near Railway Station, Patiala.
 - (Transferor)
- (2) Shri Sadhu Singh s/o Sh. Chattar Singh, Sh. Karamjit Singh, Mohan Singh Amarjit Singh, Narain Dass ss/o Sh. Sadhu Singh, R/o Bahera Road, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 1001 Sq. yds. situated near Gurdwara Dukhniwaran Sahib, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2318 of June, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 10-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Rachhpal Singh s/o Shri Raghbir Singh & Mrs. Ranjit Kaur w/o Sh. Rachhpal Singh, through Shri Gurdial Singh Kalsi c/o Kalsi Timber Store, 160-R Industrial Area 'B', Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Lal Punj Industry through S/Shri Lal Chand, Rajinder Kumar, Vasdev sons of Shri Mohan Lal Resident of 1133, Vishnupuri, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. LDH/110/79-80.--Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Street No. 9, Partap Nagar, Ludhiana situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Ludhiana in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair markt value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Street No. 9, Partap Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1022 of May, 1979 of the Registering Authority, Ludhlana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 10-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1122 AC1, 1701 (43 C1 1701)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. JGN/10/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 4 kanal 14 marlas situated at Village Agwar Gujjran Tehsil Jagraon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jagraon in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—

- (1) Shri Joginder Singh s/o Sh. Karam Singh s/o Sh. Partap Singh resident of Village Agwar Pona Tehsil Jagraon.
 (Transferor)
 - (2) Smt. Surjit Kaur w/o Shri Gurdev Singh 6/o Sh.
 Uttam Singh r/o Village Aligarh Tehsil Jagraon
 (Sahid Rachhpal Singh Nagar).
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 4 kanal 14 marlas situs Agwar Gujjran Tchsil Jagraon, (The property as mentioned in the sale deed No. 40. 01 May, 1979 of the Registering Authority, Jagraon).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhians.

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. AML/22/19-80.—Whereas 1, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot of land measuring 16 biswas 15 biswasi situated at Kukkar Majra Mandi Gobindgarh Tehsil Amloh Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1902), in the office of the Registering Officer at Amloh in May, 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shadi Ram son of Shri Achhru Ram through Spl. Attorney,
 Smt. Shanti Devi resident of Mandi Gobindgarh Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Pal Singh & Sh. Tejvir Singh sons of Shri Darshan Singh resident of Mandi Gobindgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 16 biswas 15 biswas is situated at Kukkarmajra Mandi Gobindgarh Tebsil Amloh Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 208 of May, 1979 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE.

CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. BRN/9/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 63 kanals 3 marias situated at Patti Mohar Singh Bhadaur Teh. Barnala Distt. Sangrur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barnala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Chanan Singh s/o Sh. Ram Singh resident of Patti Mohar Singh Bhadaur Tehsil Barnala Distt. Sangrur.

(Transferor)

(2) Smt. Gurcharan Kaur alies Nasib Kaur d/o Sh. Bagh Singh resident of Pattl Mohar Singh Bhadaur Teh. Barnala Distt. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl, land measuring 63 kanals 8 marles situated at Patti Mohar Singh Bhadaur Tehsil Barnala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2043 of May, 1979 of the Registering Authority, Barnala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhlana.

Date: 15-1-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. DLH/88/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of -1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. House No. B-VI-333, Kucha No. 4, Madhopuri situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chuni Lal son of Shri Barkat Ram resident of B-Vi-333, Madhopuri, Kucha No. 4, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Pal son of Shri Hans Raj Jain resident of Kucha So. 4, B-VI-333, Madhopuri, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in thes aid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-VI-33, Madhopuri, Kucha No. 4, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 823 of May, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhlana

Date: 15-1-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhians, the 15th January 1980

Ref. No. JGN/13/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land measuring 19 kanal 12 marlas situated at Village Chakar Tehsil Jagraon

(and more fully described in the Schedule annexed here(o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, namely:—

 Smt. Karam Kaur wd/o Shri Natha Singh s/o Sh. Tehal Singh resident of Village Chaker Tehall Jagraon Dist. Ludhiana.

(Transferer)

(2) S/Shri Darshan Singh, Sher Singh sons of Shri Baboo Singh 5/0 Shri Pala Singh resident of Village Chakar Tehsil Jagraon.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 19 kanal 12 marlas situated at Village Chakar Tehsil Jagraon Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 693 of May, 1979 of the Registering Authority, Jagraon).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, RAI REVENUE BUILDING CENTRAI LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/45/79-80,-Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential plot No. 3567 in Sector 35-D situated at

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income OΓ any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Hakumat Rai s/o Shri Hakim Rai/ro II. No. 15, Ward No. 4, R. S. Pura Distt. Jammu through his General Power of Attorney Sh. Talok Singh s/o Shri Bir Singh of Village Jaknaur Tehsil Kharar Distt. Ropar through his Special Power of attorney Mrs. Santosh Saidha w/o Shri F. C. Saidha of V &

- (2) Shii Faquii Chand son of Shri Harnamdass resident of House No. 3567, Sector 35-D, Chandigarh (Transferee)
- (3) 1. Shri Krishan Kumar Garg and 2. Shri Manjeet Singh Kapoor resident of 3567, Sector 35-D. Chandigarh.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3567 situated in Sector 35-D, Chandigarh measuring 169 sq yds.

(The property as mentioned in the sale deed No. 197 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 151-1980

Seal:

28-446 GI6 /79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, I UDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. SML 7/79-80.—Whereas I, SUKHDFV CHAND. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land measuring 300 sq. yds situated at Fingask Estate, Station Ward, Bara Simla, Simla-3.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in May, 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Venu Bakshi w/o Shri Vikas Bakshi (Miss Anjali Kaintal-before marriage resident of 13, Tolstoy Rond, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Jaspal Kaur wife of Shri Dharampal Singh s/o S. Karam Singh resident of 146/9, Lower Bazar, Simla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 300 sq. yds situated in Fingask Estate, Station Ward, Bara Simla, Simla-3.

(The property as mentioned in the sale deed No. 265 of May, 1979 of the Registering Authority, Simla).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. BRN/6/79-80.-Whereas I, SUKIIDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agrl. land measuring 23 bighas 10 biswas situated at Village Thulewal Tehsil Barnala Distt. Sangrur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barnala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:--

Smt. Karam Kaur wd/o Shri Sohan Singh & Deepo Daughter of Shri Sohan Singh resident of Village Thulewal Tehsil Barnala.

(Transferor)

(2) S/Shri Gurnam Singh, Sarban Singh, Mukand Singh, Chand Singh & Jang Singh sons of Sh. Dalip Singh resident of Thulewal Tehsil Barnala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 23 bighas 10 biswas situated at Village Thulewal Tehsil Barnala Distt. Sangrur. (The property as mentioned in the sale deed No. 1995 of May, 1979 of the Registering Authority, Barnala).

> SUKHDEV CHAND Competetive Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. LDH/182/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1/3rd share in Shop No. B-VII-74/I, B-VII-96 & B-VII-74 situated at Chaura Bazar, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kuldip Singh sfllo Shri Wadha Singh s/o Shri Chandi Ram resident of 7-C shop cum flat Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Rana Silk Store, Chaura Bazar, Ludhiana through Smt. Kaushlya Devi & Sh. Raj Kumar son of Shri Ajodhia Parshad, Partners.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd Share in Shop No. B-VII-96, B-VII-74 & B-VII-74/i, situated at Chaura Bazar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1638 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. LDH/121/79-80 -Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 1/3rd share in building No. B-VII-96, B-VII-74 & B-VII-74/I situated at Chaura Bazar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

<u>....</u>____. (1) Shii Jagtar Singh seo Shri Wadha Singh seo Shii Chandi Ram resident of 7-C Shop cum Flat Sarabhanagar, Ludhiana.

(2) M/s. Rana Silk Store, Chaura Bazar, Ludhiana through Smt. Kaushalya Devi & Shri Raj Kumar son of Shri Ajodhia Parshad, Partners.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the oforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in building No. B- VII-96, B-VII-74, & B-VII-74/I situated at Chaura Bazar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1158 of May, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMITAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. LDH/183/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3rd share in building No. B-VII-96, B-VII-74 & B-VII-74/1 situated at Chaura Bazar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Ludhiana in June 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Harcharan Singh s/o Shri Wadha Singh s/o Shri Chandi Ram resident of 7-C shop cum fla Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Rana Silk Store. Chaura Bazar, Ludhiana through Smt. Kaushalya Devi & Shri Raj Kumar s/o Shri Ajodhia Parsad, Partners.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in building No. B- VII-96, B-VII-74, & B-VII-74/I situated at Chaura Bazar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale ded No. 1644 of June, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
Ludhiana.

Date: 15-1-1980

men men namen grater and each are be-

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref No. PTA/86/79-80.——Whereas I, SUKHDFV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/and bearing

No. Agriculture land measuring 27 kanal 15 marlas situated at Village Sanaur Teh. & Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Naranjan Kaur w/o Shri Kartar Singh resident of Sanaur Teh. & Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Bhupinder Singh s/o Shri Mahabir Singh resident of Sanaur Teh. & Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 27 kanal 15 marlas situated at Sanaur Tehsil & Distt, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1264 of May, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDFV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. 1 udhiana.

Date: 15-1-1980

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Kartar Singh son of Shri Gurdit Singh resident of Sanaur Tehsil & Distt, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Bhupinder Singh son of Shri Mahabir Singh resident of Sanaur Tehsil & Distt. Patiala.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No PTA/85/79-80.—Whereas I. SUKHDEV CHAND,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Land measuring 27 kanals 16 marlas situated at Village Sanaur Tehsil & Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

I'XPI ANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 27 kanal 16 marles situated at Sanaur Teh. & Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1236 of May, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDFV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhinna.

Date: 15-1-1980

FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Bachno d/o Sh. Natha Singh s/o Sh. Singh Village Chakar Tehsil Jagraon Tehal Distt, Singh Village Ludhiana.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. JGN/14/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural land measuring 19 kanal 12 marlas situated at Village Chakar Tehsil Jagraon Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

29-446GI/79

(2) S/Shri Sarwan Singh & Bhajan Singh sons of Sh. Babu Singh son of Sh. Pala Singh r/o Chakar Tehsil Jagraon Distt, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 19 kanal 12 marlas situated at Village Chakar Tehsil Jagraon Distt. Judhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 694 of May, 1979 of the Registering Authority, Jagraon).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/59/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share in SCO No. 55, Sector 30-C situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri Amrit Pal Singh s/o Shri Tarlochan Singh resident of House No. 338, Sector 35-A, Chandigarh.

 (Transferor)
- (2) Mrs. Tripta Bhatia w/o Dr. Harbhajan Lal Bhatia House No. 175 Sector 21-A, Chandigarh. (Transferee)
- (3) 1. M/s Vijay & Co., SCO No. 55, Sector 30-C, Chandigarh.
 - C. M/s Harl Ram Vinod Kumar, SCO 55, Sec. 30-C, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in shop cum office No. 55 situated in Sector 30-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 318 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/49/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 249 Sector 35-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Major Yogesh Prashad s/o Shri N. P. Mathur D-2/235, Vinay Marg, Chanakya Puri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Basant Singh Thakur s/o Late Shri Thakur Rattan Singh Kenial Lodge Opposite Auck-land School, Simla.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 249 situated in Sector 35-A, Chandigath, (The property as mentioned in the sale deed No. 208 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigath).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Fudhiana.

Date: 15-1 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. SRD/29/79-80.--Whereas 1, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land measuring 1 bigha situated at Bara, Sirhind Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the four of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Babu Singh son of Shri Chanan Singh r/o Village Bara Tehsil Sirhind Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) Shri Jagdish Chand, Gian Chand & Santokh Dass sons of Shri Chhaju Ram c/o Vishv Karma Engg. Works, Rly, Road, Sirhind. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring I bigha situated at Bara, Sirhind Dist. Patiala,

(The property as mentioned in the sale deed No. 519 of May, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CIJAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 15-1-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. DBS/16/79-80,---Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 13 kanal 14 marla at Lohgath. situated at Village Lohgath Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dera Bassi in May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Parmeshwari wd/o Sh. Bachana son of Shri Bishna (Self resident of Lohgarh Tehsil Dera Bassi and General Attorney of Smt. Prem daughter of Shri Bachana w/o Shri Gurmit Singh r/o Dalbala Kheri Kurukshetra, Haryana & Smt. Gian Kaur d/o Sh. Bachana W/o Shri Seetal s/o Shri Siba & Karam Kaur d/o Shri Bachana w/o Shri Jangi s/o Sibba resident of Khuda Ali Sher Teh. Kharar. (Transferor)
- (2) Shri Jagdev Singh Sidhu son of Shri Sucha Singh Sidhu resident of House No. 1564, Sector 33-D, Chandigarh & Shri Shiv Raj Singh Brar son of Shri Jaswant Singh Brar resident of House No. 1572, Sector 33-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 kanals 14 marlas situated in Lohgarh Tehsil Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 178 of May, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 15-1-1980

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 A. Mchrunnisa W/o R. Arif 4, Rajasekara Mudali St., Madras-4.

(Transferor)

(2) R. VenkatesanS/o Rathinam,88, Park Road, Srinagar Colony,Kumbakonam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 18th January 1980

Ref. No. 8606.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

88, Park Road, Srinagar, situated at Colony, Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc. 1001/79) on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 88, Park Road, Srinagar Colony, Kumbakonam.

RADHA BALAKRISHNAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Madras-600 006.

Date: 18-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUÍSITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVFNUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. NBA/13/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 3 kanal 12 marlas situated at Bauran Gate, Circular Road, Nabha

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Nabha in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bachna s/o Shri Shiami s/o Shri Mela Ram & Shri Ganga Ram s/o Shri Malla s/o Shri Bela Ram Harijan Bagh, Nabha.

(Transferor)

(2) S/Shri Sant Ram, Luchman Dass sons of Sh. Babu Ram partners M/s Babu Ram Sant Ram, Anaj Mandi, Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanals 12 marlas situated on Bauran Gate Circular Road, Nabha.

(The property as mentioned in the sale deed No. 227 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Ludhiana,

Date: 15-1-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/42/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 115, Sector 34-C situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rattan Singh Dhankhar (Major) 5/0 Shri Gabdu Ram Village & P.O. Kasni Distt. Rohtak. through General Attorney Shri Mela Singh 5/0 Shri Chuhar Singh, 16-Haryana Bn. N.C.C. Narnaul (Transferor)

(((2) Shri Balbir Singh s/o Shri Bhagat Singh of Village, Tandwadi Teh. & Distt. Ambala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1115 situated in Sector 34-C. Chandigarh.

(The Property as mentioned in the sale deed No. 185 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/26/79-80.—Whereas I. SUKHDFV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 2062, Sector 21-C situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigath in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betewen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

30-446GI/79

- (1) Smt. Shushilla Kumari wd/o Late Shri Brij Bihari Lal d/o Shri Raghu Nandan Lal Retired S.D.O. Shahbad Markanda Distt. Kurukshetra.
- (Transferor) (2) Shri Avtar Singh Deepak s/o Shri Tara Singh, Joint Director, Agricultural (Punjab) and Secretary, Punjab State Agricultural Board Chandigarh. (Transferee)
- (3) 1. Miss Usha Mehta

 Shri S. K. Jain
 Shri Ravinder Singh
 Shri A. L. Mitra.
 r/o House No. 2062 Sector 21-C, Chandigarh. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2062 situated in Sector 21-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 121 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 15-1-1980

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. LDH/87/79-80.—Whereas J, SUKHDFV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. B-VI-333, Kucha No. 4, Madhopuri situated at Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri tagan Nath s/o Shri Barkat Ram s/o Shri Dule Shah resident of B-VI-333, Kucha No. 4, New Madhopuri, I udhiana.
- (2) Shri Rajinder Pal Jain s/o Shri Hans Raj Jain s/o Shri Faquir Chand Jain, Kucha No. 2, Madhopuri Indhiana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-VI-333, Kucha No. 3, New Madhopuri, 1 udhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 822 of May, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 15-1-1980

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISTTION RANGE, LUDITIANA CUNTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/36/79-80.Whereas 1, SUKHREV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 64 Sector 20-A, situated at Chandigath (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1)Shri Mohinder Singh 8/0 Shri Suchha Singh resident of House No. 1653 Sector 34-D, Chandigath. (Transferor)
- (2) Shri Vimal Jit Singh s/o Shri Mohinder Singh r/o House No. 64 Sector 20-A, Chandigarh. (Transferee)
- (3) 1. Shri Davinder Kumar of Union Bank of India 2. Shri Bakshish Singh r/o H. No. 64 Sec. 20-A, Chandigath. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 64 situated in Sector 20.A. Chandigarh. (The property as mentioned in the safe deed No. 167 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. JGN/9/79-80,---Whereas I, SUKHDFV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 4 kanal 14 marlas situated at Village Agwar Gujjran Tehsil Jagraon Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagraon in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dalip Singh s/o Shri Kaiam Singh s/o Shri Partap Singh resident of Village Agwar Pona Tehsil Jagraon Distt, Ludhiana

(Transferor)
(2) Shri Harjinder Singh s/o Shri Gurdev Singh s/o
Shri Uttam Singh resident of Aligarh Tehsil Jugraon
Saheed Rachhpal Singh Nagar,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanal 14 marlas situated at Agwar Gujjran Tehsil Jagraon.

(The property as mentioned in the sale deed No. 486 of May, 1979 of the Registering Authority, Jagraon).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 15-1-1980

(1) Smt. Kartaro d/o Shri Natha Singh s/o Shri Tehal Singh resident of Village Chakar Tehsil Jagraon Disti. Ludhiana.

Transferor)

NCOME(2) S/Shri Arjan Singh, Sher Singh & Bhajan Singh sons of Shri Babu Singh s/o Shri Pala Singh Village Chakar Fehsil Jagraon Distt. Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, LUDIHANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. JGN/15/79-80.--Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 19 kanal 12 marlas situated at Village Chakar Tehsil Jagraon Distt, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 19 kanal 12 marlas situated at Village Chakar Tehsil Jagraon Distt, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 695 of May, 1979 of the Registering Authority, Jagraon).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 15-1-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHJANA CENTRAL REVINUE BUILDING Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/27/79-80.--Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 1640 Sector 7-C, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in May, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Shri Kulbhushan Ram Pal s. o Late Shri Daulat Ram Rampal resident of 1640/7-C, Chandigarh through General Attorney Shri Inder Mohan Joshi s/o Shri Chander Shekhar Joshi 21, Teachers Flat, Sector 14 Chandigarh.
- (2) Smt. Pushpa Rani w/o Sh. Hans Raj & Shri Harbans Lal s/o Shri Gopi Chand residents of SCF 44, Sector 19-D, Chandigath.

(3) 1. Shri Ram Dass Yadav, D.S.P. Naraingath
2. Sh. Vijay Kumar
3. Shri Tilak Raj
4. Shri Mahesh Kumar Khurana all residents of 1640 sector 7-C, Chandigarh (Person in occupation of the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1640 situated in sector 7-C. Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 133 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-1-1980

(1) Smt. Gian Khau d/o Sh. Nachhatar Singh. resident of Sahauli through General Attorney Sh. Harwant Singh, s/o Sh. Gopal Singh, r/o Sahauli (Ludhiana).

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th Junuary 1980

Ref. No. RKT/2/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. Land measuring 44 kanals situated at Halwara II, Teh. Rajkot, Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of-...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

(2) Shu Jagdip Singh s/o Shri Zoja Singh, r/o Halwaia, Teh. Rajkot,

Distt, Ludhiana.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Agil. land measuring 44 kanals, situated at Halwara II.

(The property as mentioned in the sale deed No. 269 of May, 1979 of the Registering Authority, Rajkot).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th Junuary 1980

Ref. No CHD/37/79-80.—Whereus I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1'2 share in plot No. 101 Sector 36-A situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Col. K. J. S. Chhatwal s/o S. Datar Singh, B-7, Defence Colony, New Delhi through General Attorney Mrs. Sukhbans Kaur w/o Sh. Sukhpal Singh r/o Village Kathgorh, Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Sh. Kanwaldeep Singh (Minor) s/o Sh. Kuldip Singh, through his grand father & guardian S. Pritam Singh, s/o Sh. Arjan Singh, r/o Vill. & P.O. Phaphre Bhaike, Distt, Bhatinda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Plot No. 101 situated in Sector 36-A, Chandi-curb.

(The property as mentioned in the sale deed No. 168 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. AMI./24/79-80.—Whereps I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 2 bighas 114 biswas

situated at Mandi Gobindgarh, Teh. Amloh, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amloh in May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
31—446G1/79

(1) S/Sh. Bikarmjit Singh,
Karamjit Singh,
Amrik Singh,
Baldev Singh and
Shri Iagdev Singh,
ss/o Sh. Mehar Singh s/o Sh. Pakhar Singh,
r/o Mandi Gobindgarh, Teh. Amloh,
Distt. Patiala,
through Shri Mehar Singh, General Attorney.
(Transferors)

(2) M/s Kohinoor Industries, Mandi Gobindgarh, Tehsil Amloh, through Smt. Shimla Rani w/o Sh. Harbans Lal Khullar & Sh. Sulekh Ram s/o Sh. Natha Singh, r/o Mandi Gobindgarh, Tehsil Amloh, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land meusuring 2 bighas 11½ biswas, situated at Mandi Gobindgarh, Tehsil Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 243 of May, 1979 of the Registration Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th Junuary 1980

Ref. No. AML/25/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Land measuring 3 bighas 5 biswas

situated at Mandi Gobindgarh, Teh. Amloh, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Tej Kaur, w/o Shri Banta Singh, r/o Mandigarh, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s Kohinoor Industries, Mandi Gobindgath, through Smt. Shimla Rani w/o Sh. Harbans Lal Khullar & Sh. Sulekh Ram s/o Sh. Natha Singh, r/o Mandi Gobindgarh, Tehsil Amloh, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 bighas 5 biswas, situated at Mandi Gobindgarh, Tehsil Amloh, Distt. Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 245 of May, 1979 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. SML/12/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot of land measuring 340 sq. yds. situated at Fingusk House, Simla

(and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (1908) in the office of the Registering Officer at Simla in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shashi Kumari, wd/o
Sh. Kanwal Kumar Singh,
r/o Kuintal House No. 9/3578-79 Netaji Subash
Marg, Darya Ganj,, Delhi 2, Self and
Indra Kaintal (Minor), d/o
Sh. Kanwal Kumar Singh Kaintal,
through Natural Guardian Smt. Shahi Kumari,
wd/o Sh. Kanwal Kumar Singh,
Fingask Estate, Simla.

(Transferors)

(2) Shri Sat Pal Tandon, s/o Late Sh. Chaman Lal Tandon, c/o M/s Cheap Cloth House, 95/2, Lower Bazar, Simla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 340 sq. yds, situated at Fingask Estate, Simla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 311 of May, 1979 of the Registering Authority, Simla).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/39/79-80.—Whercus, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1/2 share in plot No. 101 Sector 36-A, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. K. J. S. Chhatwal, s/o S. Datar Singh, B-7, Defence Colony, New Delhi through General Attorney Mrs. Sukhbans Kaur, w/o Sh. Sukhpal Singh, r/o Vill. & P.O. Kathgarh, District Hoshlarpur.

(Transferor)

(2) Sh. Kanwaldeep Singh (Minor), s/o Sh. Kuldip Singh through his grand father & guardian S. Ptitam Singh s/o Sh. Arjan Singh, r/o Vill. & P.O. Phaphre Bhaike Distt Bhatinda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Plot No. 101, situated in Sector 36-A, Chandigath.

(The property as mentioned in the sale deed No. 173 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. PTA/40/79-80-Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having bearing a fair market value exceeding Rs. 25000/and Plot of land measuring 250 sq. yds. situated at Lal Bagh Colony, Lower Mall, Patiala

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred

Under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patiallo in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Vijay Lakshmi Dev w/o Shri Anang Udhey Singh Dev, Kothi Maharani Dalip Kaur, Lower Mall, Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Tejwint Kaur daughter of Sh. Bhagat Singh, r/o Bhagat Bhawan, Bedi Street, Nabha.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respetive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 250 sq. yds, situated in Lal Bagh Power Mall, Patiala.

(The property as mentioned in the sale dee No. 624 of May, 1979 of Registering Authority Patiala).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th Junuary 1980

Rcf. No. PTA/41/7980.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 380 sq. yds (7½ biswas) situated at New Lal Bagh Colony, Lower Mall, Patiala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Vijay Lakshmi Dev, w/o Shri Anang Udhey Singh Dev, Kothi Maharani Dalip Kaur, Lower Mall, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Sham Lal Gupta, s/o Late Sumder Chand, r/o Canal Colony, Mansa, Distt, Bhatinda,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 380 sq. yds (7½ Biswas) situated in New Lal Bagh, Lower Mall, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 625 of May, 1979 of the Registering Authority Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/50/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1/2 share in Plot No. 1564, Sector 36-D situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Col. N. N. Sayal s/o Shri Nagina Mal Sayal, of New Delhi through his General Power of Attorney Sh. Kuldip Singh Chehal s'o Sh. Surat Singh, r/o Vill. Narinderpura, Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Smt. Gurjit Kaur w/o Sh. Kuldip Singh Chehal r/o Vill. & P.O. Natinderpura, Distt. Bhatinda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

1/2 share of Plot No. 1564 situated in Sector 36-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 209 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMPATAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th January 1980

Ref. No. LDH/R/55/79-80.—Whereas I. SUKIIDEV CHAND.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agricultural land measuring 9 bighas 4 biswas 3 biswasi, (Pacca) situated at Village Isewal, Teh. & Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kartar Kaur dfflo Shri Ishar Singh s/o Shri Ganga Ram, r/o Village Isewal, Tehsil Ludhiana.

 (Transferor)
- (2) Shri Sukhwant Singh s/o Sh. Kartar Singh s/o Sh. Mit Singh, r-o Village Isewal, Tehsil Ludhiana.

 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 9 bighas 4 biswas 3 biswasi Pacca situated at Village Isewal, Teh. & Distt. Ludhiana, (The property as mentioned in the sale deed No. 1227 of May, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 10-1-1980

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No, LDH/76/79-80.—Whereas, I SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 156L, Model Town, Ludhiana situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

32-446G1/79

(1) Maj. Dumanjit Singh, s/o
Dr. Sajjan Singh s/o Sh. Harbans Singh,
r/o A-2, 113, Safdar Jang enclave, New Delhi
through Power of attorney Sh. Charanjit Singh, s/o
Dr. Sajjan Singh s/o Shri Harbans Singh,
r/o 7 Model House, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Veenta Beri w/o Sh. Gian Chand, s/o Sh. Gurdial Singh & Smt. Lecla Devi w/o Sh. Gurdial Singh Beri, s/o Sh. Gauri Datt. r/o Beri Building Lakkar Bazar, Ludhiana.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-XVIII-225 (156-L), situated at Model Town,

(The property as mentioned in the sale No. 737 of May, 1979 of the Registering Aut the Registering Authority, Ludhiana).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. PTA /47 /79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot of land measuring 638 sq. yds (13 Biswas) situated at Narola Colony, Patiala

(and more fully described in the schedule ennexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Lata Narola wd/o Sh. Om Parkash, r/o Narola Colony, Lower Mall, Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Basant Kaur w/o Sh. Makhan Singh Narola Colony, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plet of land measuring 638 sq. yds (13 Biswas), situated in Narola Colony, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 666 of May, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/47/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share of Plot No. 1564, Sector 36-D situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Col. N. N. Seyal s/o Sh. Nagina Mal Seyal r/o New Delhi through his General attorney Sh. Kuldip Singh Chehal s/o Sh. Surat Singh r/o Village Narinderpura, Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Smt. Gurjit Kaur w/o Sh. Kuldip Singh Chehal of Village anw P.O. Narinderpura Distt. Bhafinda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of Plot No. 1564 situated in Sector 36-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 202 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. SNM/9/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 68 kanals 9 marlas situated at Vill. Chhajli, Teh Sunam, Distt. Sangrur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sunam in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Niranjan Singh s/o Shri Lehna Singh, s/o Sh. Waryam Singh & Smt. Nand Kaur wd/o Sh. Lahna Singh, s/o Shri Waryam Singh, r/o Village Chhajli, Tch. Sunam.

(Transferor)

(2) Shri Bant Singh s/o Sh. Bishan Singh s/o Sh. Sada Singh r/o Vill. Chhajli. Teb. Sunam.

(Transferecs)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 68 kanals 9 marlas, situated at Vill. Chhajli, Teh. Sunam.

(The property as mentioned in the sale deed No. 610 of May, 1979 of the Registering Authority, Sunam).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. MNK/5/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land measuring 77 kanals 12 martas

situated at Village Mabard Sahib, Tehsil Moonak,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moonak in May 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Thakra Singh s/o Shri Fateh Singh, r/o Vill. Maburd Sahib, Tehsil Moonak.

(Transferor)

(2) S/Shri Kaur Singh, Gamdoor Singh, Pritam Singh, Nachhatar Singh & Charna Singh ss/o Dhan Singh and Sukhdev Singh, Major Bhalla Singh, ss/o Kartar Singh, r/o Bhatuan, Teh. Moonak.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 77 kanals 12 marlas, situated at Vill. Mabard Sahib, Teh. Moonak.

(The property as mentioned in the sale deed No. 155 of May, 1979 of the Registering Authority, Moonak).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income--tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th Junuary 1980

Ref. No. SNG/21/79-80.—Whereus I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl, land measuring 80 kanals

situated at Vill. Bugar, Teh. & Distt. Sangrur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mohinder Singh s/o Shri Ram Kishan, r/o Village Bugar, Tehsil Sangrur.

(Transferor)

(2) S/Shri Mukhtiar Singh, Baldev Singh, Chatai Singh, ss/o Chunchal Singh & Dal Bara Singh, Tara Singh ss/o Gurdev Singh and Mohinder Kaur w/o Major Singh, r/o Vill, Bugar, Teh, & Distt. Sangiur.

(Transferecs)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 80 kanals, situated at Village Bugar, Teh. & istt. Sangtur.

(The property us mentioned in the sale deed No. 520 of May, 1979 of the Registering Authority, Sangrur).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th Junuary 1980

Ref. No. AMI. /23/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 1 bigha 8 biswas situated at Mandi Gobindgarh, Teh. Amloh, Distt, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amloh in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Mchar Singh s/o Sh. Pakhar Singh, s/o Sh. Gurdit Singh, r/o Mandi Gobindgarh, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala.
- (2) M/s Kohinoor Industries, through Smt. Shimla Rani Khullar w/o Sh. Harbans I.al Khullar, and Sh. Sulekh Ram s/o Sh. Natha Singh, r/o Mandi Gobindgarh, Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to te undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: ---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 bights 8 biswas, situated at Mandi Gobindgarh, Teh. Amioh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 242 of May, 1979 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 19%1 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF TE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th Junuary 1980

Ref. No. CHD/29/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential Plot No. 433, Sector 35-A, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Harpal Singh Mehal s/o Sh. Mohinder Singh, Vill. Kathgarh, Distt. Höshiarpur, through special power of attorney Sh. Kuldip Singh Sindhu s/o Sh. Pritam Singh, r/o 433, Sector 35-A, Chandigarh.
 - (Transferors)
- (2) Shri Ranjodh Singh (minor) s/o Sh. Kuldip Singh through his grand mother and guardian Smt. Sughbans Kaur w/o Sh. Sukhpal Singh, Vill. & P.O. Kathgarh, istt. Hoshiarpur.

(Transferees)

(3) Shri Gursharn Virk, 433, Sector 35-A, Chandigarh. [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the question of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot measuring 631.37 sq. yds, situated at 433, Sector 35-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 137 of May May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th Junuary 1980

Ref. No. SNG/14/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Anaj Mandi, Sangrur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sanrgur in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—
33—446°G1/79

(1) Shri Parshotam Dass s/o Sh. Bhim Sain Aggarwal, r/o of Sangrur.

(Transferee)

(2) Shri Chuhar Lal & Brij Lal & Sh. Kishorei Lal Aggarwal, r/o New Antoj Mandi, Sangrur.

(Transferee)

(3) M/s Punsup, Sangrur.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop situated at New Anaj Mandi Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 347 of May, 1979 of the Registering Authority, Sangrur).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/53/79-80.-Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/6th share in SCO No. 8 & 9 Sector 17-B. situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Ujjagar Singh 6/0 Sh. Waryam Singh & Smt. Surinder Kaur w/o Sh. Amarjit Singh, 182, New Jawahar Nagar, Jullandar.

(Transferors)

- (2) Sh. Gurjit Singh s/o Sh. Kewal Singh r/o 116, Sector 9-B, Chandigarh.
- (3) 1. M/s Onkar Enterprises
 2. Subhash Chander and Co. Bear Bar

 - Accountant General, Himachal Pradesh & Union Territory
 The D.I.G., C.I.D. Punjab, SCO No. 8 & 9, Sector 17-B,
 - Chandigarh.

[Person in occupation of the property]

- [Person in occupation of the proper [Person in occupation in occupation occu Distt. Jullundur.

 - 7. Sh. Mulkiat Singh s/o Sh. Atma Singh, r/o 89-B, Model Town, Phagwara.

 8. Sh. Bakshish Singh s/o Sh. Nazar Singh, r/o 89-B, Model Town, Phagwara. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share in SCO Nos. 8 & 9, Sector 17-B, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 273 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INGOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE.

LUDHJANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/28/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential House No. 67, Sector 5,

situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Pritam Kaur w/o Late Tarlochan Singh, through her Attorney Sh. Surjit Singh, r/o H, No. 179, Sector 11-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Daljit Kaur Thandi w/o Air Commodor, S. Mehar Singh Thandi, and Master Tarlochan Singh Thandi (Minor), adopted son of Mrs. Daljit Kaur Thandi through Mrs. Daljit Kaur Thandi resident of Amarvilla Civil Lines, Ludhiana.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. 67, situated in Sector 5, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 136 of May, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

of---

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, I.UDHIANA

Ludhiana, the 15th Junuary 1980

Ref. No. CHD/96/79-80.-Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 30% of SCO No. 107-108, situated in Sector 17-B, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Chandigarh in May, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Gurmeet Kaur w/o Sh. Jarnail Singh & Sh. Shinda Singh s/o Sh. Jagir Singh, r/o House No. 26, Sector 8-A, Chandigarh through their General Attorney Sh. Subhash Chand s/o Sh. Rasila Ram, r/o 704, Sector 16, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Ujagar Singh s/o Sh. Waryam Singh, Sh. Amarjit Singh s/o Sh. Ujagar Singh, Smt. Surinder Kaur w/o Sh. Amarjit Singh, all r/o H. No. 182, New Jawahar Nagar, Jullundur City.

(Transferces)

(3) 1. State Bank of India, SCO 107-108, Sec. 17-B, Chandigarh.

2. Himachal Pesticides & Chemicals Ltd. SCO 107-108, Sector 17-B, Chandigarh.

[Person in occupation of the property]

(4) 1. United Builders Construction (India) Pvt. Ltd.

 Officed Builders Construction (India) Pvt. Ltd. through its Managing Directors, Sh. Raj Kumar Gupta,
 Mrs. Usha Kalia
 Sh. I. K. Sardana through his Attorney, Sh. Bhagat Ram,
 Sh. K. K. Sardana
 Sh. Jasbir Singh HUF consisting of self Smt. Harsimran J. Singh, Miss Raymeet J. Singh, Miss Supreet J. Singh Supreet J. Singh

Sunita Datta

Deepak Chabra through his Attorney Sh. Raj Kumar Gupta, r/o of House No. 26, Sector 8-A, Chandigarh.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

30% of SCO No. 107-108, situated in Sector 17-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 497 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. SNM/13/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agl. land measuring 95 kanals 8 marlas situated at Vill. Hariao, Tchsil Sunam, Distt. Sangrur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sunam in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Gurnam Kaur d/o Sh. Kahan Singh & Sh. Dalbir Singh s/o Shri Kahan Singh, r/o Hariao, Teh. Sunam.

(Transferor)

(2) Shri Hazara Singh s/o Shri Faga Singh, r/o Vill. Kukrala, Tehsil Samana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 95 kanals 8 marlas, situated at Vill. Hariao, Tehsil Sunam.

(The property as mentioned in the sale deed No. 810 of May, 1979 of the Registering Authority, Sunam).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. BRN/12/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 99 kanals 13 marlas situated at Village Harigarh Tehsil Barnala Distt. Sangrur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Barnala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S/Sh. Partap Singh, Malkiat Singh, Sukhdev Singh, Nahar Singh, Bhagwan Singh, as/o Sh. Jaswant Singh s/o Sh. Zora Singh, & Smt. Surjit Kaur wd/o Sh. Jeet Singh, s/o Sh. Jaswant Singh, Vill. Harigarh, Teh. Barnala.

(Transferors)

(2) S/Sh. Gurcharan Singh, Kaur Singh, Roop Singh, Bhura Singh ss/o Hukam Singh, s/o Sh. Nihal Singh, and Sukhdev Singh, Piara Singh ss/o Sh. Sunder Singh s/o Ram Ditta Singh, r/o Harigarh, Tehsil Barnala, Distt. Sangtur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 99 kanal 13 marlas, situated at Village Harigarh, Tehsil Barnala, Distt. Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2142 of May, 1979 of the Registering Authority, Barnala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authorty
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

FORM DINS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. CHD/57/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential House No. 1247, Sector 33-C

situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Raghbir Singh Dhaliwal, s/o Sh. Didar Singh, r/o H. No. 1247, Sector 33-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Kaplesh Chander s/o Sh. Harbans Singh, r/o Gulshan Lodge Set No. 3, Near Rivali Simla-1 (HP), through his general Attorney Sh. Harbans Singh s/o Shri Bhag Ram Sharma, Simla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. 1247, situated in Sector 33-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 314 of June, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authorty
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th November 1979

Ref. No. 33/MAY '79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Stetion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. R.S. No. 56A & 57, situated at Spring Field, Rock Ford and New Fort, Kodaikanal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Kodaikanal (Doc. No. 24/79) on May 1979. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :--

(1) Dr. Bobking. Principal, Kodaikanal School Property Association Pvt. Ltd., Kodaikanal.

(Transferor)

(2) (1) Shri V. C. Sekar,(2) Shri V. Jeyabalan,(3) Shri V. Kunasekaran,

(4) Shri V. Uthayam, (5) Shri V. Jothirajan, (6) Shri V. Sagayam,

(7) Shri V. Samarasam, M/s. V.A.M. Valliappa Nadar & Sons. 178-A, Murugan Illam, Ramnad Road, Madurai-9.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 24/79 SRO Kodaikanal

- 1. Land & Buildings at 'Spring Field', Rock Ford and New Port, Kodaikanal.
- Land & Buildings at Door No. s. 17 /396A, 17/396B, 17/397, 17/397A, and 17/398, Fern Hill Road, Kodaikanal.

O. ANANDARAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-J, Madras-600 006

Date: 28-11-1979

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madres-600 006, the 11th December 1979

Ref. No. 14/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 48, situated at Basavian Street, Medras-21,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Royapuram, Madras (Doc. No. 676/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

34-446GT/79

 Smt. Chengammal, No. 21, Thangavelu Pillai Street, Madras-21.

(Transferor)

(2) Shri M. Sundararamiah, No. 53, Mayor Basudev Street, Madras-21.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 676/79 SRO, Royapuram, Madras

Land and Buildings at Door No. 48, Basavian Street, Madras-21.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 11-12-1979

d Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th December 1979

Ref. No. 61/May/1979.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 14, situated at Krishnarajapuram Agraharam, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

at SRO Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 847/79) on May 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. R. Mariammal, W/o Shri Ramasamy Chettiar, 14, Krishnarajapuram Agraharam, Madurai. (Transferor)
- Smt. D. Radha Ammal, W/o Shri G. Dharmarajan, 3-A, Vigasarayopuram Madam Lane, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 847/79 SRO, Pudumandapam, Madural

Land and Buildings at Door No. 14, Krishnarajapuram Agraharam, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 11-12-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FORM ITNS-

SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

Madras-600 006, the 11th December 1979

Ref. No. 62/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14, situated at Krishnarajapuram Agraharam, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam, Madurai (Doc. 845/79) on May 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. R. Mariammal, W/o Shri Romasamy Chettiar, 14, Krishnarajapuram Agraharam, Madurai, (Transferor)
- Shri G. Dharmarajan,
 3-A, Viyasarayapuram Madam Lane,
 Madurai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

. THE SCHEDULE

Document No. 845/79 SRO, Pudumandapam, Madurai Land and Buildings at Door No. 14, Krishnarajapuram Agraharam, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 11-12-1979

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th December 1979

Ref. No. 70/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing

No. New No. 32, situated at Kandappa Chetty Street, George Town, Madras-1,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SRO Sowcarpet, Madras, (Doc. No. 284/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following possess, samely:—

- (1) (1) Mrs. T. Muthulakshmi,
 - No. 46, Niniappan Street, Madras-1.
 - (2) Mrs. K. Karpagavalli,
 No. 23, P. M. Chetty Street, Vellore.
 (3) Mrs. S. Sowadambal,
 - (3) Mrs. S. Sowadambal, No. 153, Reserve Bank Staff Quarters, Poonamallee High Road, Madras.

(Transferor)

(2) Shri A. Mohan, No. 34, Niniappan Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Document No. 284/79 SRO, Sowcarpet, Madras
Land and Buildings at New Door No. 32, Kandappa Chatty
Street, George Town, Madras-1.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Madras-600 006

Date: 11-12-1979

Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri K. S. Ramakrishnan, No. 5, Lakshmipuram 4th Street, Madurai.

(Transferor)

 Smt. L. Kasthuri, No. 187-A, East Veli Street, Madurai.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-L MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd January 1989

Ref. No. 57/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 214, situated at East Veli Street, Madurai, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

for an apparent eonsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

at JSRO I Madurai (Doc. No. 2859/79) on May 1979

- (a) Sacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concentment of any insome or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the fellowing persons, manely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2859/79 JSRO I, Madurai

Land and Buildings at Door No. 214, East Veli Street, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 3-1-1980

Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Sabiya Bivi, No. 1, Bharati Road, Narimedu, Madurai-2.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd January 1980

Ref. No. 59/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 14, situated at Lakshmipuram 7th Street, Madurai, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I, Madurai (Doc. No. 1724/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Smt. R. Muthammal, No. 3/830, Anduliah Rowther Lane, Mela Pallivasal Street, Paramakudi, Ramnad Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) hy any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1724/79 JSRO I, Madurai

Land and Buildings at Door No. 14, Lakshmipuram 7th Street, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 3-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd January 1980

Ref. No. 68/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 2, 12, 14 & 15 situated at Perali Road, Virudunagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at JSRO II, Virudunagur (Doc. No. 792/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Southern Cotton Press Company (P) Ltd., represented by Chairman and Director, Srl Abdulla Bhoy M. Bhat, No. 11, Sembudoss Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) The Chilles Export House Ltd., represented by Managing Director, Shri A. N. Damodaran, Kasappukara Street, Virudunagar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'i he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 792/79 JSRO II, Virudunagar

Land and Buildings at Door Nos. 2, 12, 14 and 15, Perali Road, Virudunagar.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 3-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd January 1980

Ref. No. 1/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 19617) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 68, situated at Devarayan Chetty Street, Thirumagal Nagar, Remnad Road, Madurai,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at JSRO III, Madurai (Doc. 1550/79) on May 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state din the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri K. Karuppiah Nadar.

(2) Shri K. Subbiah Nadar. Partners in M/s. Shri Jegadeeswari Vilas Paper Mert, East Avani Moola Street, Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. R. Indira Ammal, Plot No. 68, Devarayan Chetty St., Thirumagal Nagar, Ramnad Road, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall hhave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1550/79 JSRO III, Madurai

Land and Buildings at Door No. Plot No. 68, Devarayan Chetty Street, Thirumagal Nagar, Ramnad Road, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 3-1-1980

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th January 1980

Ref. No. 67/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Pantheon Road, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 510/79) on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
35—446GI/79

 Dr. Mohamed Taqui Khaleeli represented by power of Attorney Shri M. Kazim. Khaleeli. No. 13, College Road, Nungambakkam, Madras-6.

(Transferor)

(2) Asan Memorial Association represented by it Secretary Shri A. K. Gopalan, Cochin House, Anderson Road, Madras-6.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 510/79 SRO, Periamet, Madras. Land & Buildings at Pantheon Road, Egmore, Madras-8.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 9-1-1980

Scal: \

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th January 1980

Ref. No. 75/MAY/79.--Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. 235 situated at Tiruvottiyur High Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Royapuram, Madras (Doc. No. 738/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or section 2000 or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Mr. K. Rangakumar
 - 2. Lakshmi Thulasi
 - 3. Miss. Vyjayanthimala
 4. Mr. K. Krishnamurthy for minor K. Haripriya.
 No. 7 Temple Street,

Madras-10.

(Transferors)

(2) Mr. P. K. Abubucker, No. 153, Poonamallee High Hoad, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 738/79 S.R.O. Royapuram, Madras,

Land & Buildings at Door No. 235, Tiruvottiyur High Road, Madras.

> O. ANANDARAM, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 9-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th January 1980

Ref. No. 94/MAY/79.—Whereas, I, ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

T.S. No. 4018 situated at Sivanthakulam Second Street, Tuticorin

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO II, Tuticorin (Doc. No. 1276/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Lakshmi Ammal, W/o Sri P. A. P. Nataraja Nadar, Melur Bungalow Street, Tuticorin.

(Transferor)

 Smt. Annakili Ammal, W/o Shri Petchimuthu, No. 5, Doovipuram 5th Street, Tuticorin.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1276/79 JSRO II, Tuticorin, Land & Buildings at T.S. No. 4018, Sivanthakulam Second Street, Tuticorin.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 9-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th January 1980

Ref. No. 98/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 140 situated at Broadway, Madras-600 001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO II Madras North (Doc. No. 1945/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) 1. C. Morel,
 - C. Aloysisus,
 C. Boriface,

 - 4. Mrs. S. Soundaraballa Samy.
 - Mrs. Philomina,
 - Mrs. Amalorpara, Mary D. Samy,
 Mrs. Clara Nalpon and

 - 8. Mrs. Fathima Mathew. No. 72, Laporte Street, Pondicherry.

(Transferors)

- (2) 1. Smt. M. Habasa Becvi.

 - Mrs. Rahimathunisa, Mrs. M. Salcena Bi and
 - 4. Miss M. Fazirunisa.

Mosque Street, Tirichampali,

Mayuram, Tanjore Dt.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning 28 given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1945/79 J.S.R. II, Madras North. Land & Building at Door No. 140, Broadway, Madras-600 001.

> O. ANANDARAM, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 9-1-1980

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Kanaharaj @ Rajeshwari, No. 33, Nowroji Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

 (2) The Union Christian Association, No. 9-A, Whites Road, Madrus.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th January 1980

Ref. No. 63/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 33, situated at Nowroji Road, Kilpauk, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO Periamet, Madras. (Doc. No. 542/79) in May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 542/79 SRO, Periamet, Madras. Land & Buildings at Door No. 33, Nowroji Road, Kilpauk, Madras-10.

> O. ANANDARAM, Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 14-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th January 1980

Ref. No. 64/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 33, situated at Nowroji Road, Kilpauk, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras (Doc. No. 543/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri M. Dorairaj, No. 33, Nowroji Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) The Union Christian Association, No. 9-A, Whites Road, Madras,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 543/79 SRO, Periamet, Madras.

Land & Buildings at Door No. 33, Nowroji Road, Kilpauk, Madras-10.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 14-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th January 1980

Ref. No. 65/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33, situated at Nowroji Road, Kilpauk, Madras-10.

(and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at SRO Periamet, Madras (Doc. No. 544/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri M. Haridas, No. 33, Nowroji Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) The Union Christian Association, No. 9-A, Whites Road, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 544/79 SRO, Periamet, Madras. Land & Buildings at Door No. 33, Nowroji Road, Kilpauk. Madras-10.

> O. ANANDARAM, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 14-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th January 1980

Ref. No. 66/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33, situated at Nowroji Road, Kilpauk, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Periamet, Madras (Doc. No. 545/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tramsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Subbalakshmi Ammal, No. 33, Nowroji Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

 (2) The Union Christian Association, No. 9-A, Whites Road, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 545/79 SRO, Periamet, Madras.

Land & Buildings at Door No. 33, Nowroji Road, Kilpauk, Madras-10.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 14-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th January 1980

Ref. No. 79/MAY/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 8 situated at Lajapathi Roi Road, Chinna Chokkikulam, Madurai

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SRO Tallakulam, Madurai (Doc. No. 1892/79) on May 1979 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
36—446GI/79

 1. Smt. R. Mani, W/o Shri V. A. Mani
 2. Shri V. Prasannamani
 3. And another. Valayapatti, Podukottai.

(Transferors)

(2) Smt. M. Saithoon Beevi,W/o Shri Mutalif Rawther,11, Simmakkal 2nd Lane, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1892/78 SRO, Tallakulam, Madurai.

Land & Buildings at Door No. 8 (T.S. No. 946), Lajpath Roi Road, Chinna Chokkikulam, Madurai.

O. ANANDARAM.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 14-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st January 1980

Ref. No. 7282.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 141, situated at Mahadhana St., Mayavaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mayuram (Doc. 352/79) on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Subbada Bivi W/o Haji Abdul Razaack Ayapadi, Mayuram Tk.

(Transferor)

(2) Abdul Salam S/o Mohammed Gani Rowther Pavadakudi Main Road, Nannilam Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person Interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 141, Mahadana St., Mayuram. (Doc. 352/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 21-1-1980

(1) M. K. R. Krishnan S/o M. K. Ranganatha Iyer, Lal Bahadur Nagar, Mayuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Havva Bivi W/o M. A. Salam, Bavattakudi Nannilam Tk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st January 1980

Ref. No. 8657.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 51, situated at Mahadhana St., Mayuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nakodar on Mayuram (Doc. No. 438/79) on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income aising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 51, Mahadhana St., Mayuram. (Doc. No. 438/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. mamely:—

Date: 21-1-1980

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1980

Ref. No. PTA/49/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 33-C, situated at Model Town, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

- (1) (i) Sh. Jasbir Singh s/o Ranbir Singh, Self & Special Attorney
 - (ii) Smt. Jaswant Kaur, w/o Late Sh. Ranbir Singh (iii) Shri Santosh Singh and

 - (iv) Shri Dharamvir Singh ss/o Sh. Ranbir Singh (v)Smt. Ussal Inder Kaur d/o Sh. Ranbir Singh (vi) Smt. Inderbir Kaur d/o Sh. Ranbir Singh
 - (vii) Smt. Tejinder Kaur, w/o late Sh. Sudarshan Singh (viii) Parbhdarshan Singh
 - (ix) Narinder Pal Singh, ss/o Sh. Sudarshan Singh
 - Abnash Kaur d/o Sh. Sudarshan Singh
 - (vi) Smt. Swaranjit Kaur d/o Sh. Ranbir Singh,
 (xii) Sh. Parambir Singh s/o Sh. Ranbir Singh,
 (xiii) Smt. Mahesh Vir Kaur d/o Sh. Ranbir Singh,
 (xiv) Sh. Gursaranjit Singh s/o Sh. Ranbir Singh,
 all r/o 33-C, Model Town,

Patiaa.

(Transferors)

(2) Captain Amarjit Singh s/o Brig. Fatch Singh r/o 3578/5. Lehal, Patiala.

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 33-C, situated at Model Town, Patiala.

(The property as mentioned in the sale House No. 33-C, situated at Model Town, Patiala.

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-1-1980

FORM TINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 A. R. Raghuraman, S/o M. Ramaswamy Iyer, 24, Kasi Viswanathar Kizh St., Kumbakonam.

(Transferor)

(2) A. L. Raghavan, 360, Salai St., Ayyampettia, Papanasam Tk.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th January 1980

Ref. No. 8602.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

119, Salai St., Manojiappa, situated at Ayyampettai (Doc. No. 385/79)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ayyampettai (Doc. 385/79) on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
21—436GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 119 Salai St., Ayyampettai. (Doc. No. 385/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date: 16-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th January 1980

Ref. No. 7209.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, 244, Choolaimedu High Road, situated at Madras-94 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 1986/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 P. A. A. Mohamed Sheriff, No. 1, Batcha Sahib St., Choolaimedu High Road, Madras-94.

(Transferor)

(2) A. N. Nazirudeen, A.O.A. Vajecha Beevi, North St., Athikkadai, Tanjore Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 244, Choolaimedu High Road, Madras-94.
(Doc. No. 1986/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date: 16-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th January 1980

Ref. No. 7249.—Whereas. I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rajan Road, situated at Srinivasapuram, Tanjore-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 1984/79) on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Saraswathi Ammal, W/o Subramania Iyer, 32, Oliver Road, Madras-4.

(Transferor)

(2) Smt. Mythili Narayanan, 23/89, Rajan Road, Srinivasapuram, Tanjore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Rajan Road, Srinivasapuram, Tanjore-1. (Doc. No. 1984/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date: 16-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th January 1980

Ref. No. 10202.—Whereas, 1 RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4, situated at Ahil Medu St., Erode

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. 2180/79) on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Keshilal R. Lulla, 133, Agraharam St., Erode. Neetha P. Lulla, 133, Agraharam St., Erode. Shyamavanthi Bai, 133, Agraharam St., Erode. Ravi (Minor) rep. by Neetha P. Lulla 133, Agraharam St., Erode.

 (Transferors)
- (2) A. Annalakshmi W/o K. Appachi, 72P. Aghilmedu St., Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein es are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 72P, Aghilmedu St., Erode. (Doc. 2180/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Income-tax, Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 16-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 18th January 1980

Ref. No. 10206,-Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1588/1 and 1588/4, situated at Kotagiri Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nilgiris (Doc. No. 291/79) on May 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

 T. M. Seley gouder, B. K. Bellan, Madha gouder, B. S. Lakshmana gouder, T. H. Joghee, B. Chicken Gowri Ammal, J. Muthan, Pellaiammal, R. Katti, Gowri Ammal, J. Muthan, Pellaiammal, R. Katti, M. Venkatesan, M. Savanandam, Lakshmi Ammal, B. Ramaswamy, A. Kannan, K. Gowri Ammal, J. Karunainathan, Aravenu, Kotagiri.

(Transferors)

(2) B. K. Mathiammal, B. S. Lakshmana gouder, K. Seethiammal, L. Haliammal, Suri Raju, Mani, B. L. Mahalingam, B. L. Kumar C/o B. S. Lakshmana gouder, Pedlabi, Konavakarai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S.F. 1588/1 and 1588/4 Kotagiri (Doc. No. 291/79)

> RADHA BALAKRISHNAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Inspecting Assistant Commissioner of Madras-600 006.

Date: 18-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 18th January 1980

Ref. No. 10222.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

2. Arts College Road, situated at Coimbatore-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on May 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

C. B. Venkatesan,
 C. B. Srinivasan,
 C. B. Suresh,
 Minor Karthik rep. by C. B. Srinivasan,
 No. 2, Arts Collego Road,
 Coimbatore,

(Transferors)

(2) K. GovindaswamyNaidu Medical Trust, Combatore-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 2, Arts College Road, Coimbatore.

(Doc. No. 2536/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Income-tax, Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 18-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th January 1980

Ref. No. NBA/11/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 10 bighas 15 biswas, situated at village Chaswal, Teh. Nabha, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in May, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurdev Singh s/o Shri Sadhu Singh, r/o Village Palian Kalan, Teh. Nabha, Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) Shri Bachitter Singh s/o Shri Sada Ram, Shri Surjit Singh s/o Shri Nagahian Singh, r/o Village Chaswal, Teh. Nabha, Distt. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 10 bighas 15 biswas situated at Village Chaswal, Tch. Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 191 of May, 1979 of the Registering Authority, Nabha).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhlana

Date: 9-1-1980

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION, 1980

F.12/1/79-EI(B)

New Delhi, the 9th February 1980

A combined competitive examination for recruitment to Grade IV of the Services mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHML-DABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUITA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATIALA, PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR AND TRIVANDRUM commencing on the 20th July, 1980 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 9th February, 1980.

THE CENTRES AND THE DATE OF THE COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure, para 11).

- 2. The services to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in Grade IV of the Services are given below:—
 - (i) The Indian Economic Service

40

(ii) The Indian Statistical Service

40

The number of vacancies mentioned above are liable to alteration.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of any one or both the Services, mentioned in para 2 above. Once an application has been made, no change will ordinarily be allowed.

If a candidate wishes to be admitted for both the Services, he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 6 below once only, and will not be required to pay separate fee for each of the Services for which he applies.

N.B.—A Candidate will be considered only for the Service(s) for which he applies. A candidate who applies for both the Services should specify clearly in his application the order of his preference for the Services, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preference when making appointments.

No request for alteration in the preferences indicated by candidates in respect of Services for which they desire to be considered, would be entertained unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of declaration of the results of the written examination.

4. A candidate sceking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Postal Order payable to the Secretary Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

- NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION, 1980. APPLICATION ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION, 1980 WILL NOT BE ENTERTAINED.
- 5. The completed application form must reach the Secretary, Umon Public Service Commission, Dholpur House, New Deim-110011, on or before the 31st March, 1980, (14th April, 1980 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 31st March, 1980) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad of in the Andaman and Nicobat Islands or in Lakshadweep may at the descretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman and Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 31st March, 1980.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a tee of Rs. 48.00 (Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi,

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FLE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

- 7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a hona hade repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 8. A refund of Rs. 30.00 (Rs. 8.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note I below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

R. S. AHLUWALIA Deputy Secretary

ANNEXURE

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH I OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards, his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

- 3. A candidate *must* send the following documents with his application:—
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission (See paras 6 and 7 of Notice and paras 5 and 6 below).
 - (ii) Attested/certified copy of Certificate of Age.
 - (iii) Attested/Certified Copy of Certificate of Educational qualification.
 - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
 - (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (Sec para 4 below).
 - (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession, where applicable (Sec para 5 below).
 - (vii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled in.
 - (viii) Two self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms × 27.5 cms.

NOTE—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN HEMS (ii), (iii) (v) & (vi) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF NOVEMBER, 1980. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR THE VIVA VOCE ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS' OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF VIVA VOCE. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME. WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (vi) are given below and in paras 4, 5 and 6:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed tec-

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in layour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(ii) Certificate of Age.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/centified copy of the Higher Secondary Examination Certificate of an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certilied copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as faid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that it the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination. Certificate and no explaination is offered the application may be rejected.

Note 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

Note 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATF OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Certificate of Educational Qualifications.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate, showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination, an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing

that he has passed the qualifying examination with one of more of the subjects specified in Rule 6 must be submitted in addition to the attested/certified copy of the University certificate.

Note—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at the examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than 15th October, 1980.

(iv) Two copies of Photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application, and in any case they must reach the Commission's office [except as provided for in Note under paragraph 3(iii) above] within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application i. liable to be rejected.

4. A caudidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer, or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate, if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India,

the Constitution (Scheduled Caste) Order, 1950*.

the Constitution (Sheduled Tribes) Order, 1950*.

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*.

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*.

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act. 1976

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadia and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962 * the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968* the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970* 2. Shri/Shrimati/Kumari* his/her family ordinarily reside(s) in village/town*—

of District/Division* of District/Division* of the State/Union Territory" of -Signature..... **Designation..... (with seal of Office) Place.....

State/Union Territory*

Please delete the words which are not applicable.

Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

*** Officers competent to issue Caste/Tribe certificates,

- (i) District Magistrate/ Additional District Magistrate/ Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
 - †(not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where date and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development officer (Lukshadweep).
- 5, (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 5(b) (ii) or 5(b) (iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971:—
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various State;
 - Disrict Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
 - (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bangal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.
- (ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(b)(iv) or 5(b)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

- (iii) A reptriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5(b)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being the resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not carlier than July, 1975.
- (iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b)(vii) or 5(b)(viii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(b)(ix) or 5(b)(x) should produce, an attested/certified copy of a certificate, in the form prescribed below from the Director General Resettlement. Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequent thereof.

The form of certificate to be produced by the condidate.

Certified the Rank No.

of Unit

was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area and was released as a result of such disability.

Signature.							
Designation.				,	ì	,	
Thata							

*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force cloiming age concession under rule 5(h)(xi) or 5(h)(xii) should produce, an attested/certified copy of a certificate, in the form prescribed below, from the Director General, Border Security Force. Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. Shri of Unit was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.		i				,			
Designation.	,		,						,
Date.						_	_		

- (vii) A candidate who has migrated from Kenva, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Pthiopia claiming age concession under Rule 5(b)(xlii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to, show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(i). (ii) and (iv) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or Stote Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India. Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms).

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars, that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Camidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. Conies of pamphlets containing rules and question napers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines Delhi (110054) and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, onposite Revoli Cinema, Emporia Building 'C Block Baba Kharag Singh Marg. New Delhi (110001), (ii) Sale Counters of the Publication Branch. Udvor Bhayan, New Delhi, (110001) and office of the Union Public Service Commission, New Delhi-110011 and (iii) the Government of India Block Depot. 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets, are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.
- 13. Communications revarding applications.—ALL. COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION. DHOLPUK HOUSE SHAHJAHAN ROAD. NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - 1. NAME OF EXAMINATION.
 - 2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - 3. ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - 4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - 5 POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION

N B.-. COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIPECTED IF NECESSARY CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE FARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICLULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE, ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.